THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 236 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष कृ.3 2081 सोमवार, 18 नवंबर-2024 प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

बुधवार-गुरुवार को रेगुलर मामलों की सुनवाई नहीं

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मामलों की सुनवाई को लेकर नया सर्कुलर जारी किया गया। इसके मुताबिक बुधवार और गुरुवार को रेगुलर सुनवाई वाले मामले लिस्ट नहीं किए जाएंगे। सर्कुलर में कहा गया कि मंगलवार, बुधवार और गुरुवार को ट्रांसफर याचिकाओं, बेल के मामलों और दूसरे केस को लिस्ट किया जाएगा। रेगुलर सुनवाई वाले मामले लिस्ट नहीं होंगे। वहीं, स्पेशल बेंच या पार्ट हियर्ड मैटर (आंशिक सुनवाई) वाले मामले चाहे वो मिसलेनियस हों या रेगुलर, जिन्हें मंगलवार, बुधवार और गुरुवार को लिस्ट करने का निर्देश दिया गया है। ऐसे मामलों को लंच के बाद के सेशन या कॉम्पिटेंट अथॉरिटी के निर्देश के मुताबिक लिस्ट किया जाएगा।

दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने आप छोड़ी

केजरीवाल को लिखा- पार्टी ने केंद्र से लड़ने में समय बर्बाद किया, वादे पूरे नहीं किए

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने पद और पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। कैलाश गहलोत ने रविवार सुबह आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर इस्तीफे का ऐलान किया।

गहलोत ने केजरीवाल को लिखे लेटर में यमुना की सफाई के मुद्दे को लेकर आप की आलोचना की। उन्होंने कहा, आम आदमी पार्टी ने केंद्र सरकार से लड़ाई करने में बहुत वक्त बर्बाद किया। पार्टी ने जनता से किए वादे पूरे नहीं किए। दिल्ली की सीएम आतिशी ने गहलोत का इस्तीफा स्वीकार करते हुए कहा- ये भाजपा का गंदा षड्यंत्र है। भाजपा दिल्ली में होने वाले विधानसभा चुनाव ईडी और सीबीआई के बल पर जीतना चाहती है।

आप नेता संजय सिंह ने कहा- दिल्ली चुनाव से पहले मोदी वॉशिंग मशीन सक्रिय हो गई है। अब कई नेता इस मशीन के जरिए भाजपा में शामिल किए जाएंगे। कैलाश गहलोत ने 2015 में आम आदमी पार्टी जॉइन की थी। वे 2017 में कैबिनेट मंत्री बने। पेशे से वकील कैलाश गहलोत ने राजनीति में आने से पहले 10 साल तक सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में कई बड़े केस लड़े।

पीएम मोदी को सर्वोच्च सम्मान

नाइजीरियाई राष्ट्रपति से कहा- यहां 60 हजार भारतीय, इन्हें संभालने के लिए शुक्रिया

अबुजा, 17 नवंबर (एजेंसियां)। नाइजीरिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान 'द ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द नाइजर' देने का ऐलान किया है। पीएम ने नाइजीरिया के राष्ट्रपति को इसके लिए धन्यवाद कहा। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उनका नहीं बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान है।

प्रधानमंत्री मोदी नाइजीरिया के दो दिवसीय दौरे पर हैं। आज उनका आखिरी दिन है। उन्होंने रविवार को नाइजीरिया के राष्ट्रपति बोला अहमद टीनूबू के साथ राष्ट्रपति भवन में बैठक की। दोनों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, नाइजीरिया में रह रहे 60 हजार से ज्यादा भारतीय दोनों देशों के बीच मजबूत कड़ी हैं। उन्हें संभाल कर रखने और देखभाल करने के लिए मैं नाइजीरिया का धन्यवाद करता हूं।

न्यूज एजेंसी के मुताबिक पीएम मोदी नाइजीरिया का सर्वोच्च सम्मान पाने वाले दूसरे विदेशी शख्स हैं। उनसे पहले ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ को 1969 में यह सम्मान दिया गया था। अब तक पीएम मोदी को 15 देश अपने सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित कर चुके हैं।

पन्नू मर्डर साजिश का आरोपी बोला : मेरी जान को खतरा

कोर्ट में कहा- पहचान उजागर हुई, पेशी से छूट मिले

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश में आरोपी विकास यादव ने दिल्ली कोर्ट में एक एप्लिकेशन दाखिल की है। विकास ने अदालत से कहा कि उसे सुनवाई में हाजिर होने से छूट दी जाए।

विकास ने वजह बताई कि अब उसकी पहचान, उसके घर का पता और उसकी फोटोज दुनिया में उजागर हो गई हैं। ऐसे में उसकी जान को गंभीर खतरा है इसलिए उसे सुनवाई से छूट दी जाए। अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई ने 18 अक्टूबर को विकास पर पन्नू की हत्या की साजिश के आरोप तय किए थे। इसके अलावा उस पर मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप भी लगाए गए। एफबीआई का कहना है कि विकास भारत की इंटेलिजेंस एजेंसी रॉ से जुड़ा था। एफबीआई ने पोस्टर जारी कर विकास यादव को मोस्ट वांटेड बताया था।

विकास ने एप्लिकेशन में 4 कारण बताए...

पहचान उजागर कर दी : विकास यादव ने अपनी याचिका में कहा, मुझ पर लगे आरोप झूठे और निराधार हैं। मेरी निजी जानकारी जैसे पता, बैकग्राउंड और फोटो दुनियाभर में सर्कुलेट कर दिए गए हैं।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में अकोला से सलमान वोहरा अरेस्ट

मुंबई, 17 नवंबर (एजेंसियां)। बाबा सिद्दीकी हत्याकांड मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच ने अकोला महाराष्ट्र से सलमानभाई इकबाल भाई वोहरा को गिरफ्तार किया गया। इस हत्याकांड में यह 25वीं गिरफ्तारी है। पुलिस वोहरा की गिरफ्तारी को इस हाईप्रोफाइल मर्डर केस में काफी अहम अरेस्ट मान रही है। पुलिस का कहना है कि वोहरा ने मर्डर की घटना में वित्तीय मदद की थी। वोहरा ने अन्य आरोपियों को रुपये भेजे थे। एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की 12 अक्टूबर को मुंबई में हत्या की गई थी।

बाबा सिद्दीकी की हत्या में गिरफ्तार हुए आरोपियों से पूछताछ में वोहरा का नाम सामने आया था। पुलिस का दावा है कि उसने गुजरात में अपने बैंक खाते के माध्यम से पैसे ट्रांसफर किए थे। पुलिस ने पहले दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया था। उन्हें अदालत में पेश किया गया। मुंबई क्राइम ब्रांच ने सलमानभाई इकबालभाई वोहरा को अकोला के बालापुर से गिरफ्तार किया है। वोहरा गुजरात के आणंद जिले के अर्बन पार्क का निवासी है। पुलिस ने 24वें आरोपी के तौर पर आकाश दीप गिल को भी पंजाब के फाजिल्का से गिरफ्तार किया गया। दोनों संदिग्धों को हॉलिडे कोर्ट में पेश किया गया और पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार गिल हैंडलर और शूटरों के बीच समन्वय करता था, जबकि वोहरा वित्तीय लेन-देन में मदद करता था। पुलिस ने पैसे के स्रोत की जांच करने के लिए दोनों की कोर्ट से रिमांड हासिल की है। पुलिस ने आरोप लगाया कि मई 2024 में गुजरात में खोले गए वोहरा के कर्नाटक बैंक खाते का इस्तेमाल कई आरोपियों को फंड ट्रांसफर करने के लिए किया गया, जिसमें एक अन्य गिरफ्तार आरोपी गुरनैल सिंह का भाई नरेशकुमार सिंह भी शामिल है। अन्य प्राप्तकर्ताओं में रूपेश मोहोल और हरीशकुमार शामिल थे। अधिकारियों का मानना है कि इन वित्तीय लेन-देनों ने हत्या की साजिश रचने में अहम भूमिका निभाई। पुलिस द्वारा पैसे के स्रोत और उसके स्रोतों की गहन जांच जारी है।

'राहुल गांधी को गंभीरता से नहीं लेना चाहिए' : गडकरी

मुंबई, 17 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार के दौरान केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर पलटवार किया। उन्होंने सभी नेताओं से राहुल गांधी को गंभीरता से न लेने की अपील की। दरअसल, हाल ही में कांग्रेस नेता ने पीएम मोदी की तुलना अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से की थी। उन्होंने कहा था कि पीएम मोदी भी राष्ट्रपति बाइडन की तरह भूलने की बीमारी से पीड़ित हैं। नागपुर में प्रचार के दौरान भाजपा नेता नितिन गडकरी ने कहा कि कांग्रेस नेता जिस की बाते करते हैं, कोई भी उन्हें गंभीरता से नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता 20 नवंबर को विधानसभा चुनाव में एक बार फिर महायुति सरकार पर भरोसा जताएगी।

भाजपा नेता नितिन गडकरी ने कहा, जिस तरह से राहुल गांधी बोलते हैं, उन्हें कोई भी गंभीरता से नहीं लेता है। मुझे लगता है कि लोगों को उनकी टिप्पणियों को भी गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। राहुल गांधी ने हाल ही में पीएम मोदी की तुलना अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से की थी। उन्होंने कहा था कि पीएम मोदी भी राष्ट्रपति बाइडन की तरह भूलने की बीमारी से पीड़ित हैं।

लोकसभा चुनाव में महायुति सरकार को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा, इसे लेकर सवाल किए जाने पर नितिन गडकरी ने कहा, लोकसभा चुनाव के दौरान बड़े पैमाने पर मतदाताओं को भ्रमित किया गया था। एक कहानी बनाई गई थी कि अगर हम 400 से अधिक सीटें जीतेंगे तो बाबासाहेब अम्बेडकर द्वारा तैयार किए गए संविधान में संशोधन करेंगे। उन्होंने आगे कहा, संविधान को बदलने का कोई सवाल ही नहीं है। हम न तो ऐसा कभी करेंगे और न ही किसी को करने देंगे।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, अब लोगों को मालूम चल गया कि लोकसभा तुनाव के दौरान विपक्ष का अभियान झूठ पर आधारित था। अब उन्होंने पीएम मोदी के नेतृत्व में महाराष्ट्र में महायुति को सकारात्मकता के साथ समर्थन देने का फैसला किया है। बंटेंगे तो कटेंगे नारे पर प्रतिक्रिया देते हुए नितिन गडकरी ने कहा, हम विकास के मुद्दे पर चुनाव लड़ रहे हैं।

'वक्फ मुद्दे को सियासी हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रही भाजपा'

कर्नाटक के गृह मंत्री का आरोप

बेंगलूरू, 17 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरोप लगाया कि वह वक्फ के मुद्दे का राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में शांति व्यवस्था बिगाड़ने की किसी भी कोशिश से सख्ती से निपटा जाएगा।

परमेश्वर की यह टिप्पणी तब सामने आई है जब भाजपा आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर कांग्रेस सरकार के खिलाफ अपनी राजनीतिक गतिविधियां तेज करने वाली है। पार्टी ने इस मुद्दे पर तीन विशेष टीमों का गठन किया है, जो जिलों का दौरा करेंगी और वक्फ नोटिस प्रभावितों से मुलाकात करेंगी। वहीं, उप मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने भी भाजपा पर आरोप लगाया कि वह इस मुद्दे के जरिए सांप्रदायिक अशांति फैलाने की कोशिश कर रही है।

राज्य के गृह मंत्री परमेश्वर ने मीडिया से बात करते हुए कहा, भाजपा इसे (वक्फ मुद्दे) सियासी हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रही है।

इसका मतलब है कि कुछ लोग सांप्रदायिक दंगे भड़काने की कोशिश कर सकते हैं और शांति व्यवस्था को नुकसान पहुंचा सकते हैं। हमारा आरोप यह है कि वे अपनी यात्रा का इस्तेमाल इस काम के लिए कर सकते हैं।

भारत अब जापान के साथ मिलकर बनाएगा नेवी शिप के लिए यूनिकॉर्न मास्ट

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)। भारत और जापान के बीच रक्षा क्षेत्र में एक अहम समझौते पर हस्ताक्षर हुए। इसके अंतर्गत भारतीय नौसेना के जहाजों पर फिट करने के लिए यूनिकॉर्न मस्तूल के मिलकर बनाने के लिए भारत सरकार और जापान सरकार के बीच 15 नवंबर 24 को टोक्यो स्थित भारतीय दूतावास में कार्यान्वयन ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

टोक्यो में आयोजित एक समारोह में जापान में भारत के राजदूत महामहिम सिबी जॉर्ज और जापान रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत अधिग्रहण प्रौद्योगिकी और रसद एजेंसी (एटीएलए) के आयुक्त इशिकावा ताकेशी के बीच कार्यान्वयन ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। हस्ताक्षर के बाददस्तावेजों का आदान-प्रदान किया गया। यूनिफाइड कॉम्प्लेक्स रेडियो एंटीना (यूनिकॉर्न) एकीकृत संचार प्रणालियों वाला एक मस्तूल है जो नौसेना प्लेटफार्मों की स्टील्थ विशेषताओं को बेहतर बनाने में मदद करेगा।

असम में कुकी समुदाय पर पुलिस का लाठीचार्ज

जिरीबाम में मारे गए 10 कुकी उग्रवादियों का शव लेने पर अड़े थे, पुलिस पर पत्थरबाजी की

गुवाहाटी, 17 नवंबर (एजेंसियां)। असम के सिलचर मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एसएमसीएच) के बाहर पुलिस और कुकी समुदाय के लोगों के बीच विवाद हुआ, जिसके बाद पुलिस ने लोगों पर लाठीचार्ज किया।

दरअसल, मणिपुर के जिरीबाम जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में मारे गए 10 उग्रवादियों के परिजन उनके शव मांगने के लिए अस्पताल के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे। असम पुलिस ने उन्हें समझाने की कोशिश की कि शव मणिपुर पुलिस को सौंपे जाएंगे, लेकिन परिजन शव वहीं सौंपे जाने की मांग करते हुए पत्थरबाजी पर उतर आए।

इसके बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया, जिसके बाद हालात काबू में आए और परिजन मणिपुर पुलिस से शव लेने पर सहमत हुए। इसके बाद शवों को मणिपुर के चुराचांदपुर एयरलिफ्ट किया गया। इससे पहले शुक्रवार को बराक नदी में तीन शव मिलने के बाद घाटी में विरोध प्रदर्शन तेज हो गया है।

शवों में एक आठ महीने का बच्चा भी शामिल था। 11 नवंबर को सीआरपीएफ और पुलिस के साथ मुठभेड़ के दौरान सशस्त्र उग्रवादियों ने 6 लोगों को अगवा किया था। इनमें से तीन के शव मिलने के बाद तीन विधायकों के घरों में आगजनी और तोड़फोड़ की घटनाएं भी सामने आईं।

11 नवंबर की मुठभेड़ में मारे गए 10 कुकी उग्रवादियों के शव को 12 नवंबर को असम के सिलचर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एसएमसीएच) लाया गया। अगले दो दिनों में सभी शवों का पोस्टमॉर्टम किया गया। जिरीबाम और असम के करीब 400 स्थानीय लोग 12 नवंबर से ही एसएमसीएच में डेरा डाले रहे। ये लोग शवों को उन्हें सौंपने की मांग पर अड़े थे। मृतकों के परिवार यहां नहीं आ सकते, इसलिए उन्हें सौंपने की मांग कर रहे थे।

सीएम की रेस में नहीं

वोटिंग से पहले शिंदे बोले- कहा- अगला मुख्यमंत्री महायुति का ही होगा, फडणवीस भी खुद को रेस से बाहर बता चुके हैं

मुंबई, 17 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में वोटिंग से 2 दिन पहले सीएम एकनाथ शिंदे ने रविवार को कहा कि वो सीएम पद की रेस में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि ये भी तय है कि सीएम महायुति का ही होगा। एक दिन पहले ही महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने भी यही बात कही थी।

सीएम शिंदे ने कहा, कांग्रेस की नीति फूट डालो राज करो की है। राहुल गांधी, बाला साहेब ठाकरे को हिंदू हृदय सम्राट कब कहेंगे? शिंदे ने कहा कि बालासाहेब ठाकरे कहते थे कि मैं अपनी पार्टी को कभी भी कांग्रेस नहीं बनने दूंगा, लेकिन उद्धव ठाकरे खुद के स्वार्थ और मुख्यमंत्री बनने के लिए कांग्रेस के साथ चले गए। शिंदे ने पीएम मोदी के एक हैं तो सेफ हैं नारे का भी समर्थन किया।

नड्डा का दावा- खुफिया रिपोर्ट में खुलासा बांग्लादेशियों को शरण दी गई

रांची, 17 नवंबर (एजेंसियां)। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार पर कई आरोप लगाए हैं। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वह ओबीसी के चैंपियन बनना चाहते हैं, लेकिन उन्होंने सवाल किया कि राजीव गांधी फाउंडेशन और राष्ट्रीय सलाहकार समिति में कितने ओबीसी सदस्य हैं। उन्होंने कहा, मुझे इस बात पर गर्व है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्रिमंडल में 27 ओबीसी मंत्री हैं। उन्होंने दावा किया कि पीएम मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ओबीसी, आदिवासियों और एससी को मुख्यधारा में ला रही है।

जेपी नड्डा ने बोकारो में रैली को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे अभी एक खुफिया रिपोर्ट मिली है।

शरद पवार के बैग की चेकिंग

ईसी ने हेलिकॉप्टर की भी जांच की, 8 दिन में शाह समेत 11 बड़े नेताओं की जांच हुई

बारामती, 17 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में वोटिंग से 3 दिन पहले नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एससीपी) के चीफ शरद पवार के हेलिकॉप्टर और बैग की चेकिंग की गई है। शरद बारामती से सोलापुर में प्रचार के लिए जा रहे थे। इसी दौरान हेलिपैड पर चुनाव आयोग के अधिकारी पहुंचे। इसका वीडियो भी जारी किया गया है।

वीडियो में अधिकारी हेलिकॉप्टर से शरद पवार का बैग बाहर निकालते और उसमें रखे सामान की जांच करते नजर आ रहे हैं। चेकिंग के दौरान शरद पवार भी हेलिकॉप्टर के बाहर ही खड़े नजर आए। चेकिंग के बाद वे सोलापुर में रैली के लिए निकल गए।

चुनाव आयोग ने पिछले कुछ दिनों में 11 बड़े नेताओं की बैग की चेकिंग की है। शरद पवार के चेकिंग से एक दिन पहले अमरावती में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के भी बैग की चेकिंग की गई थी। उससे एक दिन पहले यानी शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की हिंगोली में रैली से पहले बैग की चेकिंग की गई थी।

चुनाव के बीच देश के 11 बड़े नेताओं की जांच हो चुकी :

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बीच चुनाव आयोग देश के 11 बड़े नेताओं की जांच कर चुका है। 14 नवंबर को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, गोवा के सीएम प्रमोद सावंत, महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले और उद्धव ठाकरे के हेलिकॉप्टर की जांच की गई थी। खड़गे नासिक में चुनाव प्रचार के लिए पहुंचे थे। हैलिपेड पर उनकी जांच की वीडियोग्राफी भी हुई।

गोंदिया में महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले के हेलिकॉप्टर और बैग की जांच की गई। वे गोरेगांव विधानसभा सीट पर एनसीपी(एसपी) उम्मीदवार के लिए प्रचार करने जा रहे थे। उद्धव ठाकरे की तीसरी बार अहमदनगर में जांच हुई। इस तरह कराड एयरपोर्ट (सातारा) पर गोवा के सीएम प्रमोद सावंत का सामान भी चेक हुआ।

मणिपुर हिंसा राज्य सरकार ने केंद्र से अफस्पा हटाने को कहा

अफस्पा लागू होने पर सैन्य बल किसी पर भी गोली चला सकते हैं

- सैन्य बलों के जवान अशांति फैलाने वाले किसी भी शख्स पर गोली चला सकते हैं। कार्रवाई से पहले उन्हें सिर्फ एक चेतावनी देना जरूरी होता है।
- सैन्य बलों के जवान शक के आधार पर किसी भी घर की तलाशी ले सकते हैं, या किसी को भी गिरफ्तार कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें अरेस्ट वारंट की जरूरत नहीं पड़ती।
- जब तक केंद्र सरकार मंजूरी न दें, तब तक सैन्य बलों के खिलाफ कोई मुकदमा या कानूनी कार्यवाही नहीं हो सकती है।
- किसी भी क्षेत्र को केंद्र सरकार, राज्य के राज्यपाल या केंद्र शासित प्रदेश के उपराज्यपाल अशांत घोषित करके AFSPA लगा सकते हैं।

इंफाल/आइजोल, 17 नवंबर (एजेंसियां)। मणिपुर में 3 महिला और 3 बच्चों के शव मिलने के बाद हिंसक प्रदर्शन जारी हैं। इसके मद्देनजर गृह मंत्री अमित शाह नागपुर की चार रैलियां रद्द कर दिल्ली लौट आए हैं। वे राज्य की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मीटिंग किया। वहीं, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) प्रमुख अनीश दयाल को हालात का जायजा लेने के लिए भेजा गया है।

इसी बीच राज्य सरकार ने केंद्र से सशस्त्र बल विशेषाधिकार अधिनियम (एएफएसपीए) वापस लेने को कहा है। हिंसा के कारण केंद्र सरकार ने 14 नवंबर को इंफाल वेस्ट, इंफाल ईस्ट, जिरीबाम, कांगपोकपी और बिश्नुपुर जिलों के सेकमाई, लामसांग, लामलाई, जिरीबाम, लीमाखोंग और मोइरांग पुलिस थाना इलाकों में एएफएसपीए लगाया था।

16 नवंबर को सीएम एन बीरेन सिंह और 10 विधायकों के घरों पर हमले हुए। हालात बिगड़ते देख 5 जिलों में कर्फ्यू और 7 जिलों में इंटरनेट सर्विस बंद है।

शाह ने महाराष्ट्र की रैलियां रद्द कीं, सीएम सहित 10 विधायकों के घर पर हमले हुए

इस बीच, कुछ मंत्रियों सहित भाजपा के 19 विधायकों ने बीरेन सिंह को हटाने की मांग करते हुए प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) को पत्र लिखा है। सूत्रों के अनुसार अगले दो-तीन दिन में हालात और बिगड़े तो प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लग सकता है।

16 नवंबर को जिरिबाम में बराक नदी के तट से दो महिलाओं और एक बच्चे का शव मिला था। शक है कि इन्हें 11 नवंबर को कुकी उग्रवादियों ने जिरीबाम से अपहृत किया था। 11 नवंबर को ही सुरक्षाबलों ने 10 बंदूकधारी उग्रवादियों को मार डाला था। जबकि कुकी-जो संगठन ने इन 10 लोगों को विलेज गार्ड बताया था। 15 नवंबर की रात भी एक महिला और दो बच्चों के शव मिले थे।

7 जिलों में इंटरनेट बैन, 5 में कर्फ्यू :

विरोध प्रदर्शन के चलते मणिपुर के पांच घाटी जिलों में कर्फ्यू लगाया गया है, जबकि सात जिलों में शनिवार शाम 5:15 बजे से दो दिन के लिए इंटरनेट बैन कर दिया गया है।

ये जिले हैं- इंफाल ईस्ट, इंफाल वेस्ट, बिष्णुपुर, थौबल, काकचिंग, कांगपोकपी और चुराचांदपुर। दरअसल, 11 नवंबर को वर्दी पहने हथियारबंद उग्रवादियों ने बोरोब्रेका थाना परिसर और सीआरपीएफ कैंप पर हमला किया था। इसमें 10 उग्रवादी मारे गए थे। इस दौरान जिरीबाम जिले के बोरोब्रेका थाना परिसर स्थित राहत शिविर से 6 लोगों को अगवा किया गया था।

मिजोरम सरकार ने मणिपुर हिंसा पर दुख जताया :

मिजोरम सरकार ने केंद्र और मणिपुर सरकार से अपील की है कि वे हिंसा को रोकने और शांति बहाल करने के लिए तुरंत कदम उठाएं।

मिजोरम के गृह विभाग ने मारे गए लोगों के परिवारों और घायलों के प्रति संवेदना व्यक्त की। सरकार ने मिजोरम के लोगों से कहा है कि वे कोई ऐसा काम न करें, जिससे यहां तनाव बढ़े।

हिंसा की वजह से मणिपुर के करीब 7,800 लोग मिजोरम में शरण ले चुके हैं। ये लोग कुकी-जो समुदाय से हैं, जिनका मिजोरम के मिजो समुदाय से गहरा सांस्कृतिक जुड़ाव है।

मणिपुर में भड़की हिंसा को लेकर खड़गे का पीएम मोदी पर निशाना

बोले- आपकी डबल इंजन सरकार में न तो मणिपुर एक है, न सेफ है

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)। मणिपुर में हिंसा थमने का नाम नहीं ले रह है। तजा हिंसा में राज्य के सीएम के दामाद के घर को जला दिया गया। 6 विधायकों और तीन मंत्रियों के घरों पर हमले किए गए। इसके बाद राज्य के पांच जिलों में कर्फ्यू लगा दिया है। हिंसा के मद्देनजर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी का नाम लेते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए सोशल मीडिया पर प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, नरेंद्र मोदीजी आपकी डबल इंजन सरकार में न तो मणिपुर एक है, न ही मणिपुर सेफ है। मई 2023 से राज्य अकल्पनीय दर्द, विभाजन और बढ़ती हिंसा से गुजर रहा है, जिसने इसके लोगों का भविष्य नष्ट कर दिया है। हम इसे पूरी जिम्मेदारी के साथ कह रहे हैं कि ऐसा लगता है कि बीजेपी जानबूझकर मणिपुर को जलाना चाहती है, क्योंकि वो अपनी घृणित विभाजनकारी राजनीति करती है। उन्होंने आगे कहा कि 7 नवंबर से अब तक कम से कम 17 लोगों की जान जा चुकी है। संघर्षग्रस्त क्षेत्रों की सूची में नए जिले जोड़े जा रहे हैं और आग सीमावर्ती पूर्वोत्तर राज्यों तक फैल रही है। आप खूबसूरत सीमावर्ती राज्य मणिपुर में पूरी तरह से असफल रहे हैं। भले ही आप भविष्य में मणिपुर जाएं, लेकिन राज्य के लोग कभी माफ नहीं करेंगे। यहां के लोग कभी नहीं भूलेंगे कि आपने उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया और उनके दुखों को दूर करने और समाधान खोजने के लिए कभी उनके राज्य में कदम नहीं रखा।

लापता लोगों के शव मिलने के बाद भड़की हिंसा

मणिपुर में लापता लोगों के शव नदी के पास बरामद होने के बाद प्रदर्शनकारियों ने राज्य के तीन मंत्रियों और 6 विधायकों के हमला कर दिया। इसके बाद सरकार ने पांच जिलों में अनिश्चित काल के लिए निषेधाज्ञा लागू कर दी। इसके अलावा राज्य के कुछ हिस्सों में इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं।

पुलिस ने कहा कि प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री एन। बीरेन सिंह के दामाद समेत 6 में से तीन विधायकों के घरों में तोड़फोड़ की और उनकी संपत्तियों को आग लगा दी, जबकि सुरक्षा बलों ने इंफाल के विभिन्न हिस्सों में प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस का इस्तेमाल किया। एक अधिकारी ने कहा कि राज्य के जिन मंत्रियों के आवासों पर प्रदर्शनकारियों ने धावा बोला, उनमें सपम रंजन, एल सुसिंड्रो सिंह और वाई खेमचंद शामिल हैं। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने के कारण इंफाल घाटी के इंफाल पूर्व और पश्चिम, बिष्णुपुर, थौबल और काकचिंग जिलों में अनिश्चित काल के लिए कर्फ्यू लगा दिया गया है।

सूडान के छात्र ने साउथ अफ्रीका की छात्रा से किया दुष्कर्म, दून के निजी विवि में पढ़ते हैं दोनों

देहरादून, 17 नवंबर (एजेंसियां)। देहरादून में सूडान के छात्र द्वारा साउथ अफ्रीका की छात्रा से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। दोनों देहरादून के एक निजी विवि में पढ़ते हैं। जानकारी के अनुसार, युवती बीकॉम कर रही है और युवक बीबीए की पढ़ाई कर रहा है। युवती युवक की पार्टी में गई थी। आरोप है कि युवक ने सोते हुए दुष्कर्म किया। युवती ने इस पूरे मामले की दिल्ली में जीरो एफआईआर दर्ज कराई है। इसके बाद अब देहरादून के क्लेमेंटटाउन थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है। सीओ सदर, अनिल जोशी ने बताया कि केस दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

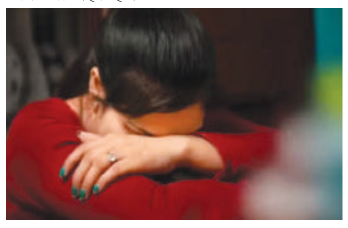

चुनाव से पहले दिल्ली में बीजेपी को बड़ा झटका

पूर्व विधायक अनिल झा आप में हुए शामिल

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनाव से ठीक पहले बीजेपी को झटका लगा है। बीजेपी नेता अनिल झा आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए हैं। आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने अनिल झा की पार्टी में ज्वाइनिंग कराई। साथ ही जहां एक तरफ बीजेपी के नेता आम आदमी पार्टी का हिस्सा बन गए हैं। वहीं, दूसरी तरफ आप के नेता और मंत्री कैलाश गहलोत ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। अनिल झा ने पार्टी में शामिल होने के मौके पर कहा, मेरा सौभाग्य है कि आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सामाजिक न्याय के लिए जो काम किए, मैं उनका और उनकी पार्टी का धन्यवाद देता हूं कि तकरीबन 1600 कच्ची कालोनियों में जहां पूर्वांचली रहते हैं, वहां की बच्चियों को अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा मिल रही है। मैं 32 साल एक पार्टी में रहा हूं लेकिन अरविंद केजरीवाल से प्रभावित होकर आप ज्वाइन कर रहा हूं।

एसपी सिंह बघेल कल आगरा में आयोजित पंचायत सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)। पंचायती राज और मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के राज्य मंत्री प्रो। एसपी सिंह बघेल पंचायत सम्मेलन में आयोजित क्षेत्रीय कार्यशाला की अध्यक्षता करेंगे, जिसका शीर्षक है जीवन की सुगमता पर पंचायत सम्मेलन : जमीनी स्तर पर सेवा वितरण को बढ़ाना। पंचायती राज मंत्रालय 19 नवंबर को उत्तर प्रदेश के आगरा में ताज होटल और कन्वेंशन सेंटर में अपना दूसरा पंचायत सम्मेलन आयोजित करने जा रहा है। यह चार सम्मेलनों की श्रृंखला का दूसरा पंचायत सम्मेलन है, पहला हैदराबाद में आयोजित किया जा रहा है। मंत्रालय के अनुसार यह पहल देश भर के ग्रामीण क्षेत्रों में जमीनी स्तर पर शासन और सेवा वितरण तंत्र को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। पंचायत सम्मेलन में आठ राज्यों - असम, अरुणाचल प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, नागालैंड, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के प्रतिनिधि भाग लेंगे, जो विविध भौगोलिक क्षेत्रों और शासन अनुभवों का प्रतिनिधित्व करेंगे।

हम बालासाहेब ठाकरे के विचारों के साथ लड़ रहे चुनाव, राउत ने बीजेपी पर बोला हमला

मुंबई, 17 नवंबर (एजेंसियां)। शिवसेना के संस्थापक बाला साहेब ठाकरे की 12वीं पुण्यतिथि रविवार 17 नवंबर को मनाई जा रही है। स्मृति दिवस के मौके पर शिवसेना के दोनों खेमों की तरफ से पोस्टर वॉर सामने आया है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना की तरफ से प्रकाशित किए गए विज्ञापन में उद्धव ठाकरे के खेमे वाली शिवसेना (यूबीटी) पर तीखा हमला बोला गया है। स्मृति दिवस के मौके पर शिवसेना नेता संजय राऊत ने कहा, शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे जी का स्मृति दिन है। 12 साल बीत चुके हैं, बालासाहेब ठाकरे हमसे दूर सिर्फ शरीर से गए हैं। उनका विचार हमारे साथ है। महाराष्ट्र में चुनाव चल रहा है। पहली बार ऐसा लग रहा है की बालासाहेब ठाकरे जी के विचारों के लिए हम यह लड़ाई लड़ रहे हैं। बालासाहेब ने शिवसेना की स्थापना इसलिए की ताकि महाराष्ट्र धर्म की रक्षा की जाए। राउत ने आगे कहा, मराठी मनुष्य के स्वाभिमान की रक्षा हमारे विचारों की रक्षा है। बालासाहेब ठाकरे ने जो न्याय की बात की थी आज उसके ऊपर संकट आ रहा है। महाराष्ट्र का सब कुछ कोई छीनकर लेकर जा रहा है, ऐसे में अगर हमको याद आती है तो बालासाहेब ठाकरे जी की आती है। हमारा स्वाभिमान अगर हमको रखना है, तो बालासाहेब ठाकरे को हमको कभी नहीं भूलना चाहिए। इसलिए आज का दिन उन्हें याद करने का है, उनके विचारों को याद करने का है। हम उनका विचार लेकर यह चुनाव में लड़ रहे हैं।

पहले मणिपुर बचाओ बाद में पाकिस्तान पर तिरंगा लहराना-

संजय राउत ने मणिपुर को लेकर कहा कि, मणिपुर एक बार फिर हिंसा की आग में जल रहा है। स्थिति फिर से तनावपूर्ण हो गई है। गुस्साई भीड़ ने इंफाल में मंत्रियों और विधायकों के घर में आग लगा दी है।

जिस पर शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा, आप बोलिए देवेंद्र फडणवीस से कि जाइये वहां, जो जिहाद की राजनीति कर रहे हैं, वहां जाकर हिंदू जिहाद करिए। यहां महाराष्ट्र में चुनाव जीतने के बाद उनकी भाषा क्या है? अगर हिम्मत है तो मणिपुर में जाकर तिरंगा लहराइये। पाकिस्तान में तिरंगा बाद में लहराएंगे।

मोदी जी के इस कार्यकाल में केवल झूठ ही झूठ- राउत

कर्नाटक को लेकर पीएम मोदी ने महाराष्ट्र में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा था कि, कर्नाटक में महाराष्ट्र चुनाव के नाम पर वसूली डबल हो गई है। इस बयान पर अब सियासत तेज हो चली है, पहले कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने पलटवार किया तो वहीं अब शिवसेना नेता संजय राउत ने भी पीएम पर हमला बोलते हुए कहा कि मोदी जी झूठ बोलते हैं, वे राजनीति में हमेशा झूठ बोलते आए हैं। 2014 से लेकर अब तक मोदी जी ने सच क्या बोला है? उसके ऊपर जांच होनी चाहिए कि मोदी जी ने क्या कभी सच भी बोला है? इस कार्यकाल में झूठ ही झूठ की बात कर रहे हैं।

क्राइम ब्रांच का ड्रग माफिया के खिलाफ बड़ा एक्शन, मादक पदार्थ सहित 4 आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली को नशे का कारोबार करने वालों के खिलाफ क्राइम ब्रांच ने बड़ा एक्शन लिया है। क्राइम ब्रांच की टीम ने महरौली बदरपुर रोड से प्रतिबंधित ड्रग्स ट्रमाडोल टेबलेट और पेंटाजोसीन इनजेक्शन की खेप की बरामद की है। इन मादक पदार्थों को हरियाणा में रखा गया था। बरामद ड्रग्स के रिसीवर और सप्लायर के तार जम्मू कश्मीर से जुड़े हैं। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, बरामद ड्रग्स की कीमत करीब एक करोड़ रुपये है। पुलिस को इनकी चार करोड़ रुपये की संपत्ति के बारे में भी पता चला है, जिसे ड्रग्स के पैसों से खरीदा गया था। क्राइम ब्रांच की एंटी नारकोटिक्स सेल ड्रग्स माफिया के खिलाफ इन दिनों ऑपरेशन चलाए हुए हैं। हाल ही में राजधानी दिल्ली में पुलिस ने 64 ऐसे पॉइंट्स चिन्हित किए थे, जहां पर ड्रग्स बेची जा रही थी। जिसके बाद ऑपरेशन चलाते हुए पुलिस ने इन ड्रग माफिया के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की थी। इसी कड़ी में क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थी कि प्रतिबंध ट्रामाडोल टेबलेट और पेंटाजोसिन के इंजेक्शन भारी मात्रा में हरियाणा से दिल्ली ले जाए जा रहे हैं। इसके बाद ट्रैप लगाकर मेहरौली बदरपुर बॉर्डर पर पुलिस ने इस कंसाइनमेंट को पकड़ लिया।

चार आरोपी गिरफ्तार

क्राइम ब्रांच ने सिंडीकेट के चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, इस सिंडिकेट के सरगना का नाम चंदन है, जिसके पास से करीब 7 किलो प्रतिबंध ट्रामाडोल टेबलेट मिली है। पुलिस ने इस मामले में लाइसेंस होल्डर फार्मासिस्ट को भी गिरफ्तार किया है। वहीं इससे पहले नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो यानी एनसीबी को बड़ी सफलता मिली थी। दिल्ली में 82.53 किलो हाई ग्रेड की कोकीन जब्त की गई थी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने इस बात की जानकारी साझा की थी। इस ड्रग्स की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 900 करोड़ रुपये है।

समय से चला अभियान तो बच गई जान

देहरादून, 17 नवंबर (एजेंसियां)। अक्सर देखने में आता है कि जब किसी बीमारी का प्रकोप बड़े पैमाने पर बढ़ जाता है, तब सिस्टम अपनी सक्रियता दिखाता है। जाहिर है तब तक काफी देर हो चुकी होती है और बीमारी बेकाबू हो जाती है। लेकिन, इस बार समय से पहले की गई तैयारियों ने डेंगू को लगभग हरा दिया। गत वर्ष जहां बेकाबू डेंगू के 1201 केस आए। वहीं इस साल अब तक ये आंकड़ा महज 37 तक सिमटा हुआ है। ऐसे ही पिछले साल डेंगू के डंक से 13 लोगों की जान गई। वहीं, अबकी बार किसी की भी डेंगू से मौत न होने का दावा किया गया है। बताया जा रहा है कि इस बार डेंगू पर नियंत्रण के लिए पहले से की गई तैयारियां रही हैं।

पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ विवादित पोस्ट करने वाला युवक गिरफ्तार, जामिया नगर में विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)। पुलिस ने जामिया नगर इलाके के रहने वाले एक युवक को नबी (पैगंबर मोहम्मद) के खिलाफ सोशल मीडिया स्टेटस पर लिखने के आरोप में गिरफ्तार किया है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक आरोपी की उम्र करीब 28 साल है। उसने सोशल मीडिया पर नबी के खिलाफ एक पोस्ट साझा किया है, जिसका स्टेटस वायरल हो गया है। युवक का पोस्ट वायरल होने के बाद जामिया नगर के लोगों ने इसके विरोध में थाने के बाहर प्रदर्शन भी किया था। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। नबी के खिलाफ पोस्ट साझा करने का आरोपी मुस्लिम धर्म को मानने वाला है। उसका नाम अरमान है।

गाजियाबाद में मचा था बवाल

बता दें कि दिल्ली सटे गाजियाबाद में यति नरसिंहानंद ने प्रोफेट मोहम्मद के खिलाफ कथित तौर पर विवादित बयान दिया था। इसके बाद गाजियाबाद में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुआ था। वेस्ट यूपी के मुजफ्फरनगर में भी एक शख्स ने फेसबुक पर प्रोफेट मोहम्मद के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। मुजफ्फरनगर में भी इस बात को लेकर हजारों की तादाद में मुस्लिम सड़कों पर उतर आए थे। इस मसले पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने फेसबुक पोस्ट के खिलाफ विरोध दर्ज कराया था। इसी तरह आठ अक्टूबर 2024 को बहराइच के नानपारा के रहने वाले एक लड़के ने फेसबुक ग्रुप पर पैगंबर मोहम्मद पर अभद्र टिप्पणी की थी। सोशल मीडिया पर पोस्ट वायरल हुई तो लोग सड़कों पर उतर आए। इस मामले में प्रदर्शनकारी आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग पर अड़े रहे। नाराज लोगों ने आरोप लगाया था कि नबी की शान में इस तरह की टिप्पणियां धार्मिक भावनाओं को आहत करती हैं।

गुजरात से अयोध्या जा रहा दर्शनार्थियों से भरा ट्रैवलर वाहन पलटा, एक की मौत और चार घायल

मंदसौर, 17 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर एक ट्रैवलर वाहन असंतुलित होकर पलट गया। हादसे में एक महिला की मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें से दो लोगों को झालावाड़ रेफर किया गया है। सभी लोग गुजरात के अहमदाबाद से अयोध्या जा रहे थे, इस दौरान ट्रैवलर अनियंत्रित होकर पलट गई। गरोठ एसडीओपी राजाराम धाकड़ ने बताया कि ट्रैवलर (वाहन क्रमांक डीडी01S9976) में सवार लोग अहमदाबाद से अयोध्या की यात्रा कर रहे थे। सुबह करीब 7 बजे के करीब शामगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम नारिया बुजुर्ग के पास दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। वाहन में 17 लोग सवार थे। हादसे में अहमदाबाद निवासी रंजना पति रिंकेश सोनी (33 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हो गए। घायलों में से दो को राजस्थान के झालावाड़ रेफर किया गया है,

अमरावती में भाजपा नेता नवनीत राणा की रैली पर हमला, भीड़ ने फेंकी कुर्सियां, सुरक्षा पर सवाल

अमरावती, 17 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव काफी नजदीक आ गए हैं। इसी बीच अमरावती के दरियापुर के खल्लार गांव में पूर्व सांसद, बीजेपी नेता नवनीत राणा एक रैली को संबोधित करने पहुंची थीं। इस प्रचार सभा के दौरान बड़ा बवाल हुआ। बैठक में शामिल होने आए कुछ लोगों ने बैठक में कुर्सियां फेंक दीं। पूर्व सांसद नवनीत राणा ने आरोप लगाया है कि उन पर कुर्सियां फेंकी गईं। नवनीत राणा अमरावती में रैली करने पहुंची थीं। उनकी रैली में जमकर हंगामा हुआ। गुस्साई भीड़ ने कुर्सियां फेंकना शुरू कर दिया। नवनीत राणा ने दावा किया कि भीड़ ने उनकी तरफ भी कुर्सियां फेंकी और वो बाल-बाल बचीं।

"मुझ पर कुर्सियां फेंकी, गालियां दी"

इस मामले पर नवनीत राणा ने कहा, मुझे देखकर उन लोगों ने मेरे साथ दुर्व्यवहार किया। मेरे पुलिस सुरक्षा गार्डों को भी पीटा गया। उन्होंने मुझे पीटा, उन्होंने मुझ पर कुर्सियां फेंकी। उन्होंने मेरी जाति को लेकर गाली दी। मुझ पर थूकने की कोशिश की। नवनीत राणा ने आगे कहा, अगर आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया तो अमरावती जिले का पूरा हिंदू समाज इस जगह पर इकट्ठा होगा।

नवनीत राणा ने शिकायत दर्ज कराई

युवा स्वाभिमान पार्टी के उम्मीदवार रमेश बुंदिले के प्रचार के लिए एक सार्वजनिक सभा का आयोजन किया गया था। उन्हीं के समर्थन में प्रचार करने नवनीत राणा पहुंची थीं। सभा में हंगामा मचने के बाद राणा ने खल्लार पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। साथ ही पूर्व बीजेपी सांसद ने सभा में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए। इस हंगामे के बाद खल्लार गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस ने इस मामले में 45 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। चार लोगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस हंगामा मचाने वालों की तलाश कर रही है। महाराष्ट्र की 288 सीटों पर एक ही चरण में 20 नवंबर को मतदान होंगे और 23 नवंबर को रिजल्ट घोषित किए जाएंगे।

11 बजे के बाद खुले तो सस्पेंड होंगे बार लाइसेंस

देहरादून, 17 नवंबर (एजेंसियां)। शराब पीकर रात डेढ़ बजे रात कार एक्सीडेंट में मौत के आगोश में समाए 6 युवाओं की मौत के बाद पूरी मशीनरी जाग गई है। पुलिस से लेकर आबकारी विभाग एक्शन मोड में है। जिला प्रशासन भी सख्त रवैया अपनाए हुए है। जिला प्रशासन ने पूरी रात खुलने वाले बार को बंद करने के निर्देश दिए हैं। शराब पीकर लगातार हो रहे हादसों को लेकर बार के लिए नई गाइडलाइन जारी की गई है। रात 11 बजे के बाद किसी भी बार को खुले रहने पर कार्रवाई को चेताया गया है। यहां तक कि लाइसेंस भी सस्पेंड करने की चेतावनी दी गई है। ड्रिंग एंड ड्राइव को लेकर पुलिस नाकेबंदी कर एल्कोहल मीटर से चेकिंग अभियान चला रही है।

दून में कोई भी बार रात 11 बजे के बाद न खुल पाए, इसके लिए कड़े कदम उठाए जा रहे हैं। इस कार्रवाई की जद में 5 सितारा होटल हयात रीजेंसी भी आ गया है।

आरबीआई को आया धमकी भरा कॉल, मुंबई पुलिस ने दर्ज किया केस; नागपुर में 14.5 करोड़ का सोना जब्त

मुंबई, 17 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में रविवार को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया को धमकी भरा फोन आया। मुंबई पुलिस के मुताबिक, यह फर्जी फोन कॉल आरबीआई के कस्टमर केयर विभाग को किया गया था। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दूसरी तरफ महाराष्ट्र में चुनाव की तारीख नजदीक आने के साथ ही निर्वाचन अधिकारियों ने अपनी कार्रवाई भी तेज कर दी है। इसी के तहत नागपुर में 14.5 करोड़ रुपये का सोना जब्त किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि सोने की यह खेप गुरुवार को विमान के जरिए नागपुर पहुंची थी। इसे अमरावती ले जाया जा रहा था, लेकिन शनिवार को ही अधिकारियों ने इसे अंबाजारी से वादी जाते हुए रोक लिया। जब्त किया गया सोना जेवरात और बिस्किट के रूप में है। इसे गुजरात की एक फर्म सीक्वल लॉजिस्टिक की तरफ से भेजा गया था। फिलहाल सोने को अंबाजारी पुलिस स्टेशन में रखा गया है। जांच में सामने आया कि सीक्वल लॉजिस्टिक्स ने आचार संहिता के दौरान इतनी बड़ी मात्रा में सोना ले जाने के लिए चुनाव आयोग की मंजूरी नहीं ली थी। नवी मुंबई पुलिस ने डकैतों और चेन स्नैचरों के एक अंतरराज्यीय गिरोह के चार सदस्यों के खिलाफ महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के कड़े प्रावधानों को लागू किया है। एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि 23 से 26 अक्तूबर के बीच नवी मुंबई के कई इलाकों में चेन-स्नेचिंग की कई घटनाएं सामने आईं। पुलिस ने कुछ टीमें बनाईं और तकनीकी जानकारी का उपयोग करके मामलों की जांच की। अधिकारी ने बताया कि उन्होंने 40 से 45 हाउसिंग सोसाइटियों के साथ-साथ गेस्ट हाउसों में भी तलाशी ली। पुलिस ने इसके बाद उत्तर प्रदेश, दिल्ली और नवी मुंबई के रहने वाले 19 से 27 वर्ष की आयु के चार लोगों को पकड़ा और उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 309 (डकैती) के तहत प्राथमिकी दर्ज की।

प्लास्टिक के जार में फंसा कुत्ते का सिर, बचाया गया

महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक आवारा कुत्ते की जान बचा ली गई है। उसका सिर करीब एक सप्ताह से प्लास्टिक के जार में फंसा हुआ था। यह जानकारी रविवार को एक पशु कल्याण निकाय के प्रतिनिधि ने दी। डोंबिवली शहर के पास एक आवासीय सोसायटी में पानी की तलाश करते समय कुत्ते का सिर जार में फंस गया था। स्थानीय निवासी काईद कछवाला ने कुत्ते की दुर्दशा देखी और सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से प्लांट एंड एनिमल्स वेलफेयर सोसाइटी (पीएडब्ल्यूएस) से संपर्क किया।

छात्रावास से लापता बच्चों को पुलिस ने किया दस्तयाब काउंसलिंग कर पता लगाया जा रहा भागने का कारण

उमरिया, 17 नवंबर (एजेंसियां)। उमरिया जिले में स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस बालक छात्रावास में 13 साल के चार बच्चों के अचानक लापता हो गए थे। घटना की जानकारी मिलते ही छात्रावास अधीक्षक ने तुरंत पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए चारों बच्चों को सुरक्षित खोज निकाला। अब उनकी काउंसलिंग जारी है। जानकारी के अनुसार, गुरुवार को छात्रावास के चार बच्चे स्कूल के लिए निकले थे, लेकिन वे वापस नहीं लौटे। बच्चों के लापता होने की खबर ने जिले में हलचल मचा दी। सूचना मिलते ही एसपी निवेदिता नायडू ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई शुरू की। सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, जिससे पता चला कि एक बच्चा उमरिया में ही मौजूद है, जबकि बाकी तीन बच्चे कटनी की ओर जा रहे थे। जिसके बाद तुरंत एक बच्चे को सुरक्षित बरामद कर लिया गया, जबकि तीन अन्य बच्चों की तलाश जारी थी। इसके बाद कटनी रेलवे स्टेशन से बाकी तीनों बच्चों को भी सुरक्षित पकड़ लिया गया।

दिल्ली चुनाव से पहले कैलाश गहलोत ने क्यों छोड़ी पार्टी? मनोज तिवारी ने बताया

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार में मंत्री कैलाश गहलोत द्वारा रविवार को अपने पद से इस्तीफा देने के बाद सियासी दलों के बीच नए सिरे से आरोप प्रत्यारोप का सिलसिला शुरू हो गया है। बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि कैलाश गहलोत के इस्तीफे के बाद अब आम आदमी पार्टी में कुछ नहीं बचा है। यह पूछे जाने पर कि क्या वो बीजेपी में शामिल होंगे, इसके जवाब में मनोज तिवारी ने कहा, 'ये तो मुझे नहीं पता कि वो बीजेपी में शामिल होंगे या क्या आगे क्या करेंगे? अभी उनकी मनःस्थिति क्या है, इसे वो खुद ही बेहतर जानते होंगे। अगर बीजेपी में ज्वाइन करने का प्रस्ताव आता है तो इसके बाद में हमारी पार्टी का शीर्ष नेतृत्व ही अंतिम फैसला लेगी, कि इस मसले पर क्या करना उचित रहेगा? मनोज तिवारी ने इसके अलावा ये भी कहा कि कैलाश गहलोत के इस्तीफे से दिल्ली सरकार में व्याप्त भ्रष्टाचार का पर्दाफाश हो गया है। अब आम आदमी पार्टी के पास बचाव के लिए कुछ नहीं बचा है। आम आदमी पार्टी अब खत्म सी हो गई है। यह आप के लिए अब तक का सबसे बड़ा झटका है। अभी आप होश में भी नहीं होगी। आप नेता बचाव के लिए कुछ डायलॉग तैयार कर रहे होंगे। दिल्ली आबकारी नीति मामले में ईडी की पूछताछ पर उन्होंने कहा कि कैलाश गहलोत ने इस मामले में सहयोग किया था। इसके उलट, अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और संजय सिंह ने सहयोग नहीं किया था। यही वजह है कि वो जांच का सामना कर रहे हैं। उन्होंने ये भी कहा कि कैलाश गहलोत के इस्तीफे के फैसले से आप के सारे कारनामों का खुलासा हो गया है। इससे, अभी तक आप सरकार के खिलाफ जो प्रश्नचिन्ह उठ रहे थे, वो सभी सही सबित हो गए हैं। अब दिल्ली के लोग ठगा सा महसूस कर रहे हैं। लोग यह सोच रहे हैं कि उन्होंने अरविंद केजरीवाल पर भरोसा क्यों किया?

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सोमवार, 18 नवंबर, 2024 3

सुविचार: खुद के उपर विश्वास रखो फिर देखना एक दिन ऐसा आयेगा कि, घडी दूसरों की होगी और समय आपका।

तेलंगाना की नई ईवी नीति आज से लागू होगी : पोन्नम

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने रविवार को 'तेलंगाना इलेक्ट्रिक वाहन और ऊर्जा भंडारण नीति 2020-2030' की घोषणा की, जिसका उद्देश्य राज्य में इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहित करना है।

रविवार को यहां सचिवालय में एक मीडिया सम्मेलन में नई नीति के विवरण का खुलासा करते हुए, मंत्री ने कहा कि तेलंगाना में खरीदे और पंजीकृत सभी ईवी वाहनों को अब पंजीकरण शुल्क से छूट दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि जी.ओ. 41 द्वारा लाई गई नई नीति 31 दिसंबर, 2026 तक प्रभावी रहेगी और इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों, ऑटो और परिवहन बसों के लिए पंजीकरण शुल्क पर 100 प्रतिशत छूट होगी।

पोन्नम प्रभाकर ने कहा, इससे उपभोक्ताओं को प्रति वर्ष 1 लाख रुपये तक की बचत होगी। हैदराबाद को दिल्ली जैसा प्रदूषित शहर बनने से रोकने के उद्देश्य से ईवी नीति शुरू की जा रही है। मंत्री ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने हैदराबाद में वर्तमान में 3,000 बसों को इलेक्ट्रिक बसों से बदलने का फैसला किया है और जल्द ही, हैदराबाद में सभी ईवी आरटीसी बसें चलेंगी। जीओ के अनुसार, इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के संबंध में रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क से 100 प्रतिशत छूट प्रदान की जाएगी।

इलेक्ट्रिक 4-व्हीलर, टैक्सी, टूरिस्ट कैब आदि जैसे वाणिज्यिक यात्री वाहन, इलेक्ट्रिक 4-व्हीलर- निजी कार, इलेक्ट्रिक थ्री-सीटर ऑटो रिक्शा (जीएचएमसी- गैर-जीएचएमसी क्षेत्र), इलेक्ट्रिक लाइट गुड्स कैरियर जिसमें तीन पहिया माल वाहन शामिल हैं (जीएचएमसी-गैर-जीएचएमसी क्षेत्र) और इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर को समान प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा।

एंटी रैगिंग कमेटी के प्रभारी फैकल्टी ने की छात्र की रैगिंग

कार्रवाई का करना पड़ेगा सामना

खम्मम, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम सरकारी मेडिकल कॉलेज की एंटी-रैगिंग समिति के प्रभारी एक संकाय सदस्य को अब प्रथम वर्ष के छात्र की रैगिंग करने के आरोप में कार्रवाई का सामना करना पड़ रहा है, जो द्वितीय वर्ष के छात्रों द्वारा रैगिंग की शिकायत करने उनके पास पहुंचा था। सूत्रों के अनुसार, वारंगल जिले के मुलुगु के एक प्रथम वर्ष के मेडिकल छात्र को दूसरे वर्ष के छात्रों द्वारा परेशान किया गया था। उन्होंने पहले वर्ष के छात्र का कई बार मजाक उड़ाया क्योंकि उसका हेयरस्टाइल चीनी हेयरस्टाइल जैसा था। छात्र ने अपने सीनियर्स के दबाव को सहन नहीं कर पाने के कारण अपने बाल कटवा लिए थे और यह मामला कॉलेज की एंटी-रैगिंग कमेटी के प्रभारी सहायक प्रोफेसर डॉ. रहमान के संज्ञान में आया।

हालांकि, रैगिंग करने वाले वरिष्ठों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय, डॉ. रहमान कथित तौर पर छात्र को हेयर सैलून ले गए और 12 नवंबर को उसका सिर मुंडवा दिया। छात्र अपमान सहन करने में असमर्थ हो गया और उसने 13 नवंबर को कॉलेज के प्रिंसिपल से संकाय सदस्य के खिलाफ शिकायत की। प्रिंसिपल डॉ.एस. राजेश्वर राव ने मामले को चिकित्सा शिक्षा निदेशक के संज्ञान में लाया और घटना की जांच के लिए एक समिति गठित की गई। सूत्रों ने बताया कि डॉ. रहमान को एंटी रैगिंग कमेटी से हटा दिया गया है और जांच रिपोर्ट आने के बाद उनके खिलाफ आगे की कार्रवाई की जाएगी।

केटीआर ने जबरन भूमि अधिग्रहण को लेकर राहुल गांधी पर साधा निशाना

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने तेलंगाना में जबरन भूमि अधिग्रहण और कॉरपोरेट प्रभाव पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की चुप्पी पर सवाल उठाया, जबकि उन्होंने अन्य राज्यों में इनसे लड़ने का दावा किया। उन्होंने कांग्रेस नेता पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया।

उन्होंने पूछा कि राहुल गांधी जी, भूमि अधिग्रहण के खिलाफ आवाज उठाने और अडानी-अंबानी पर हमला करने का क्या मतलब है, जब आप तेलंगाना में भूमि अधिग्रहण रोकने में विफल रहे हैं? उन्होंने किसानों के लिए खड़े होने के राहुल गांधी के दावों को खारिज करते हुए कहा कि कांग्रेस पीढ़ियों से तेलंगाना के लोगों का शोषण करती रही है। उन्होंने कहा कि अडानी-अंबानी के खिलाफ आपकी लड़ाई सिर्फ दिखावा है। रविवार को एक्स से बात करते हुए रामाराव ने राज्य की कांग्रेस सरकार की भी आलोचना की, क्योंकि उसने अडानी समूह को रामन्नापेट में सीमेंट कारखाना खोलने की अनुमति दे दी, जबकि कोडंगल में किसान अभी भी परेशान हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और व्यवसायी गौतम अडानी के बीच संभावित व्यापारिक संबंधों पर संदेह जताते हुए पूछा कि क्या यह 'मैं मारने का नाटक करता हूं, तुम रोने का नाटक करते हो' वाला मामला है? क्या इस नाटक के पीछे कोई गुप्त समझौता है?

पुलिस की अचानक छापेमारी में 12 ट्रांसजेंडर गिरफ्तार

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महिला एवं बाल सुरक्षा विंग (डब्ल्यू एंड सीएसडब्ल्यू), साइबराबाद के. श्रुजाना के निर्देशानुसार, मानव तस्करी निरोधक इकाई (एएचटीयू) के इंस्पेक्टर जेम्स बाबू ने अपनी टीम के सदस्यों के साथ चार विशेष टीमें बनाईं। बीते 16 नवंबर को लगभग 9 बजे, इन टीमों ने गच्चीबोवली पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर नानकरामगुडा में अचानक छापेमारी की। ऑपरेशन के दौरान, कुल 12 ट्रांसजेंडरों को शरीर को उजागर करने, गाना गाने पर लोगों को आकर्षित करने के लिए इशारे करने और सार्वजनिक स्थानों पर उपद्रव करने के आरोप में गिरफ्तार किया।

एनडीए सरकार वाईएसआरसीपी पर झूठ फैला रही है : बुग्गना

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के पूर्व मंत्री बुग्गना राजेंद्रनाथ रेड्डी ने राज्य विधानसभा में झूठा प्रचार करने के लिए एनडीए गठबंधन के विधायकों और मंत्रियों पर निशाना साधा है। रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के खिलाफ झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं। उन्होंने चंद्रबाबू से सवाल किया कि अगर लाभार्थियों को डीबीटी का लाभ मिलता तो घोटाला कैसे होता। पहले वे राज्य के कर्ज की बात कर रहे थे और अब दूसरी बात कह रहे हैं। चंद्रबाबू अपने झूठ को सच साबित करने की कोशिश कर रहे हैं। 9.56 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है। चंद्रबाबू कह रहे हैं कि अगर खोदा जाए तो और कितने कर्ज हैं। खोदने के लिए क्या है? हर निगम आपके हाथ में है और उसका ऑडिट किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि 2014-15 में चंद्रबाबू ने खुले बाजार से ऊंची ब्याज दरों पर पैसा उधार लिया और कहा कि वही नायुडू वाईएसआरसीपी सरकार के खिलाफ झूठ फैला रहे हैं कि उसने ऊंची ब्याज दरों पर कर्ज लिया है। उन्होंने कहा, क्या पूर्व और मौजूदा वित्त मंत्री हिसाब-किताब नहीं समझते हैं। उन्होंने कहा कि 2014-19 में ट्रू-अप शुल्क 6,625 करोड़ रुपये से बढ़कर 28,717 करोड़ रुपये हो गया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार के शासन में उन्होंने उपभोक्ताओं पर 2,300 करोड़ रुपये का बोझ डाला। रेड्डी ने कहा कि सिर्फ पांच महीनों में ही नायुडू के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने उपभोक्ताओं पर 5,770 करोड़ रुपये का बोझ डाला है और कहा कि वह अभी भी राज्य के लोगों पर 12,000 करोड़ रुपये के ट्रू-अप शुल्क का बोझ डालने की कोशिश कर रही है।

एसएससी सार्वजनिक परीक्षा शुल्क की समय सीमा बढ़ाई गई

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में सरकारी परीक्षा निदेशालय (डीजीई) ने मार्च 2025 के लिए निर्धारित एसएससी सार्वजनिक परीक्षाओं के लिए शुल्क भुगतान कार्यक्रम को अपडेट किया है। विद्यार्थियों के लिए अपने-अपने स्कूलों में फीस जमा करने की नई अंतिम तिथि अब 28 नवंबर है, जो पहले 18 नवंबर थी। छात्र 28 नवंबर तक बिना विलंब शुल्क के अपनी फीस का भुगतान कर सकते हैं। यदि वे इस समय सीमा से चूक जाते हैं, तो वे 10 दिसंबर तक 50 रुपये विलंब शुल्क के साथ तथा 19 दिसंबर तक 200 रुपये विलंब शुल्क के साथ भुगतान कर सकते हैं।

इसके अलावा, 500 रुपये के विलंब शुल्क के साथ भुगतान 30 दिसंबर तक स्वीकार किए जाएंगे। यह अद्यतन कार्यक्रम उसी अवधि के लिए ओएसएससी और वोकेशनल पब्लिक परीक्षाओं पर भी लागू होता है। व्यावसायिक अभ्यर्थियों को नियमित परीक्षा शुल्क के अतिरिक्त 60 रुपये का अतिरिक्त शुल्क देना होगा। छात्रों और अभिभावकों को अतिरिक्त शुल्क से बचने के लिए इन समयसीमाओं का पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। अधिक जानकारी के लिए, वे डीजीई तेलंगाना की आधिकारिक वेबसाइट पर जा सकते हैं।

इलेक्ट्रिक राइस कुकर में करंट लगने से बुजुर्ग की मौत

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना में, शनिवार रात तेलंगाना के विकाराबाद शहर में अपने घर में इलेक्ट्रिक राइस कुकर से करंट लगने से एक बुजुर्ग विधुर की मौत हो गई। यह हादसा विकाराबाद कस्बे के गांधी कॉलोनी में हुआ, जहां पीड़ित सोमेश्वर (82) रहते थे। उन्होंने अपनी तीन बेटियों की शादी कर दी थी और दो साल पहले उनकी पत्नी का निधन हो गया था। तब से सोमेश्वर घर में अकेले रह रहे थे और रोजाना खाना बनाकर अपना गुजारा कर रहे थे।

शनिवार की रात को उस व्यक्ति ने खाना बनाने के लिए इलेक्ट्रिक राइस कुकर चालू किया। विकाराबाद के सब इंस्पेक्टर एन श्रीनिवास ने बताया कि उस व्यक्ति को करंट का झटका लगा और वह घर में ही गिर पड़ा। वह बुरी तरह जल गया और मदद पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई। रविवार सुबह जब सोमेश्वर घर से बाहर नहीं आया और दरवाजा अंदर से बंद था, तो पड़ोसियों को शक हुआ। इसकी सूचना उसकी बेटी को फोन पर देने के बाद स्थानीय लोगों ने दरवाजा तोड़ा और देखा कि सोमेश्वर मृत पड़ा है। शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। मामला दर्ज कर लिया गया है।

मंत्री ने बेमिसाल उत्पादन के लिए किसानों की सराहना की

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना ने खरीफ सीजन के दौरान धान उत्पादन में एक दुर्लभ राष्ट्रीय उपलब्धि हासिल की है, जिसने 66.77 लाख एकड़ में 153 लाख मीट्रिक टन की असाधारण उपज दर्ज की है। यह उत्पादन स्तर अविभाजित आंध्र प्रदेश के इतिहास और तेलंगाना के गठन के बाद के वर्षों में बेमिसाल है।

सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने इस उपलब्धि की सराहना करते हुए इसे भारत के कृषि परिदृश्य में एक दुर्लभ और असाधारण उपलब्धि बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह सफलता धान की

खेती में एक राष्ट्रीय रिकॉर्ड के रूप में सामने आई है। कालेश्वरम परियोजना के तहत तीन बैराज चालू नहीं होने जैसी चुनौतियों के बावजूद, तेलंगाना ने यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। मंत्री ने इस उपलब्धि का श्रेय राज्य की किसान-केंद्रित नीतियों और इसके कृषि समुदाय की लचीलापन को दिया। यह मील का पत्थर किसानों का समर्थन करने और कृषि को आगे बढ़ाने के लिए कांग्रेस सरकार की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है, उन्होंने कहा। उन्होंने तेलंगाना के किसानों की कड़ी मेहनत और समर्पण की प्रशंसा की और इस सफलता में उनके योगदान के लिए कृषक समुदाय को विशेष बधाई दी। उन्होंने कहा, यह जीत कृषि विकास के प्रति तेलंगाना के केंद्रित दृष्टिकोण और किसानों और सरकार के बीच मजबूत सहयोग का प्रमाण है।

तेलंगाना में टीजीपीएससी ग्रुप-3 की परीक्षाएं शुरू

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में ग्रुप-3 की परीक्षाएं रविवार को शुरू हुईं, जो ग्रुप-3 सेवा के 1,365 पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण कदम है। लिखित परीक्षा दो सत्रों में आयोजित की जाएगी। पहला सत्र, जो पेपर-1 है, सुबह 10 बजे से दोपहर साढ़े 12 बजे तक चलेगा, उसके बाद दोपहर 3 बजे से शाम साढ़े 5 बजे तक पेपर-2 होगा। इसके अतिरिक्त, अभ्यर्थी उम्मीद कर सकते हैं कि पेपर-3 का आयोजन 18 नवंबर को सुबह 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक किया जाएगा।

तुम्माला ने सूर्यपेट में धान खरीद केंद्र का निरीक्षण किया

सूर्यपेट, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव ने रविवार को सूर्यपेट जिले के टेकुमतला गांव में धान खरीद केंद्र का दौरा किया। अपने दौरे के दौरान, मंत्री ने केंद्र में दी जा रही सुविधाओं को समझने के लिए किसानों से बातचीत की और खरीफ सीजन के लिए उनकी फसल की पैदावार के बारे में जानकारी ली। किसानों ने अपनी संतुष्टि व्यक्त की, प्रति एकड़ 40 बैग से अधिक उपज की सूचना दी। किसानों ने यह भी बताया कि खुले बाजार में प्रतिस्पर्धी मूल्य मिल रहे हैं, मिल मालिक सख्त नमी सामग्री मानदंडों को लागू किए बिना सीधे खेतों से धान खरीद रहे हैं। कुछ किसानों ने बताया कि वे निजी खरीदारों को बेचना पसंद करते हैं क्योंकि उन्हें न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और सरकार द्वारा घोषित बोनस से अधिक उच्च दर की पेशकश की जाती है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए, मंत्री तुम्माला ने बताया कि सरकार द्वारा खरीदे गए धान को गोदामों में संग्रहीत किया जाता है और बाद में उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से गुणवत्ता वाले चावल वितरण के लिए संसाधित किया जाता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि 17 प्रतिशत नमी सामग्री के मानदंड का पालन करने से स्टॉक की गुणवत्ता और दीर्घायु सुनिश्चित होती है। मंत्री ने दोहराया कि सरकार किसानों के लिए उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है, चाहे राज्य खरीद या निजी बिक्री के माध्यम से। उन्होंने यह भी कहा कि पड़ोसी राज्य तेलंगाना से आकर्षक कीमतों पर धान खरीद रहे हैं, जो राज्य सरकार द्वारा घोषित बोनस का प्रमाण है। किसानों द्वारा धान की पराली जलाने की खबरों पर चिंता व्यक्त करते हुए, तुम्माला नागेश्वर राव ने कृषि विभाग को इस तरह की प्रथाओं के परिणामों को उजागर करने के लिए अगले 15 दिनों में जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने इस गतिविधि को रोकने के लिए ग्राम सभाओं में प्रस्ताव पारित करने का भी सुझाव दिया। तुम्मला नागेश्वर राव ने जिला कलेक्टरों और विशेष अधिकारियों को धान और कपास की खरीद की दैनिक निगरानी करने का निर्देश दिया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रक्रिया के दौरान किसानों को कोई बाधा न आए।

इंदिराम्मा आवास योजना के तहत मिलेंगे 4,696 घर

तेलंगाना के मिड मनैर परियोजना के विस्थापितों को हुए आवंटित

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने इंदिराम्मा आवास योजना के तहत 5 लाख रुपये की राशि के साथ मिड मनैर जलाशय के तहत परियोजना विस्थापित परिवारों (पीडीएफ) को 4,696 घर आवंटित किए हैं। राजन्ना सिरिसिला जिला प्रशासन के अनुसार, मध्य मनैर के अंतर्गत 10,683 पीडीएफ को पुनर्वास एवं पुनर्वास पैकेज के अंतर्गत 12 गांवों में आवास स्थल उपलब्ध कराए गए।

इनमें से 5,987 लाभार्थियों ने मकान बना लिए हैं तथा शेष 4,696 परिवारों ने इंदिराम्मा आवास योजना के तहत मकान स्वीकृत करने के लिए अपील की है।

राजन्ना सिरिसिला कलेक्टर ने इसे तेलंगाना हाउसिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड को भेज दिया था। बदले में, निगम ने प्रस्ताव को मंजूरी के लिए सरकार के पास भेज दिया।

प्रस्ताव पर विचार करते हुए सरकार ने शनिवार को 42 जीओएम जारी कर इंदिराम्मा आवास योजना के तहत 4,696 परिवारों को 5 लाख रुपये के साथ मकान स्वीकृत किए।

मंचेरियल जंगलों में जल्द ही जंगल सफारी शुरू की जाएगी

मंचेरियल, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रकृति प्रेमियों और पर्यटकों के लिए खुशखबरी है। वन विभाग जल्द ही जिला मुख्यालय के जंगलों में जंगल सफारी सेवा शुरू करने जा रहा है। प्रकृति प्रेमी, जो जंगल सफारी के लिए भारी भरकम रकम खर्च करके पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र के कवाल टाइगर रिजर्व और अन्य पर्यटन स्थलों पर जाने को मजबूर हैं, वे घने जंगलों में सैर कर सकते हैं और क्षेत्र के जंगलीपन का आनंद ले सकते हैं, साथ ही ट्रैकिंग, विभिन्न प्रजातियों के पक्षियों को देख सकते हैं और रास्ते में पड़ने वाली शांत जलधाराओं को भी देख सकते हैं।

मंचेरियल जिला वन अधिकारी शिव आशीष सिंह ने बताया कि जिले के जंगलों की क्षमता का दोहन करने और ऐतिहासिक स्थलों को उजागर करने के लिए, 20 किलोमीटर की दूरी के तीन ट्रैक विकसित किए गए हैं, जिनमें घने जंगल, घास के मैदान, प्राचीन गांधारी खिल्ला और रिसाव टैंक और पुराने मंचेरियल खंड के जंगलों में मंचेरियल सीमेंट कंपनी की एक परित्यक्त खदान में बनी झील शामिल है। एक सप्ताह में ट्रैक पर सफारी शुरू कर दी जाएगी।

फॉरेस्ट ने बताया कि एक ट्रैक परित्यक्त खदान से शुरू होगा और जंगलों, पहाड़ियों और मौसमी नदियों से होते हुए ऐतिहासिक गांधारी किले पर समाप्त होगा, जो प्रकृति प्रेमियों के लिए एक रोमांचक अनुभव प्रदान करेगा। उन्होंने बताया कि अन्य ट्रैक एमसीसी की परित्यक्त खदानों में बनी झीलों के पास के जंगलों से होकर गुजरते हैं। ट्रैक शहर से बमुश्किल 10 किमी दूर स्थित हैं।

मचान, निगरानी टावर :

पर्यटकों को सवारी के दौरान थोड़ा आराम करने में मदद करने के लिए 3 स्थानों पर मचान बनाए गए थे, जबकि उन्हें मनोरम दृश्यों का आनंद लेने और जंगलों की तस्वीरें क्लिक करने में मदद करने के लिए वॉच टावर बनाए गए थे। पर्यटक मचान के ऊपर रात में रुक सकते हैं। जो पर्यटक जंगल में रात बिताना चाहेंगे, उन्हें सुरक्षा प्रदान की जाएगी।

जंगली जानवरों को दिखना :

सुबह-शाम पटरियों के किनारे चित्तीदार हिरण, नीलगाय और भारतीय गौर देखे जा सकते हैं। शाकाहारी और मांसाहारी जानवरों की गतिविधियों को रिकॉर्ड करने के लिए सीसीटीवी कैमरा ट्रैप लगाए गए थे, जबकि 1.5 किमी लंबी पाइपलाइन बिछाकर और सौर ऊर्जा आधारित पंप का उपयोग करके एमसीसी की एक झील से पानी खींचकर घास के मैदानों में रिसाव टैंक बनाए गए थे। अधिकारियों ने बताया कि यह सेवा किफायती कीमत पर उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि वे सफारी सेवा आयोजित करने के लिए पर्यटन आयोजित करने में अनुभवी एक संगठन के साथ सहयोग करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे निकट भविष्य में इसी तरह की सेवा शुरू करने के लिए जयपुर के जंगलों की खोज कर रहे हैं।

चेन स्नैचरों ने बुजुर्ग महिला को बनाया निशाना

मंगलसूत्र लेकर भागे

संगारेड्डी, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पटनचेरू के शांति नगर में रविवार तड़के एक 80 वर्षीय महिला को चेन स्नैचरों ने निशाना बनाया और उनका मंगलसूत्र छीनकर फरार हो गए। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, श्रीपदा सोमलक्ष्मी नामक महिला अपने गांव के बाहर पूजा कर रही थी, तभी बाइक पर सवार होकर आए झपटमारों ने उसका चार तोला सोने का मंगलसूत्र छीन लिया और मौके से फरार हो गए। पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों की पहचान करने की कोशिश कर रही है।

IN THE COURT OF HON'BLE
I SENIOR CIVIL JUDGE,
CITY CIVIL COURT :: AT: HYDERABAD
S.O.P. No. 131 OF 2024
BETWEEN:
Uday Agarwal & others ...Petitioners
AND
The Employees Provident Fund Organisation & another ...Respondents
To.
R2. All Concerned.
Take notice that the above Petitioners has filed the above S.O.P No. 131 of 2024 for issuance of Succession Certificate in favour of Petitioners No. 1 & 2 declaring them as the sole beneficiary of Late. Sri. Ramesh Chand Agarwal @ Ramesh Chand, and the same is posted on **29-11-2024 at 10:30 A.M.** for your appearance and Objections, if any. Hence, you are required to appear either in person or through your counsel, failing which the matter may be decided in your absence.
SUIT SCHEDULE PROPERTY
All that part and parcel of Employees Provident Fund Amount of Rs.9,10,894/ under EPF account with Respondent No.1 with Member ID No. APHYD00348250000000017.
//BY THE ORDER OF HON'BLE I SENIOR CIVIL JUDGE, CITY CIVIL COURT, AT: HYDERABAD//
Sd/- AKSHAT SANGHI, Advocate
Mail : akshatsanghi@gmail.com

IN THE COURT OF HON'BLE
I SENIOR CIVIL JUDGE
CITY CIVIL COURT AT: HYDERABAD
S.O.P. No. 135 OF 2024
BETWEEN:
Raju Devi Asawa & others ...Petitioners
AND
Bank of Baroda & another ...Respondents
To,
R2. All Concerned.
Take notice that the above Petitioners has filed the above S.O.P No. 135 of 2024 for issuance of Succession Certificate in favour of Petitioners declaring them as the sole beneficiary of Late. Naval Kishore Asawa, and the same is posted on **09-12-2024 at 10:30 A.M.** for your appearance and Objections, if any. Hence, you are required to appear either in person or through your counsel, failing which the matter may be decided in your absence.
SUIT SCHEDULE PROPERTY
All that the part and parcel of the amount of Rs. 24,52,561.10/ under A/c. bearing. No. 05120100003742 with Respondent No. 1 in the name of late. Sri. Naval Kishore Asawa.
//BY THE ORDER OF HON'BLEL SENIOR CIVIL JUDGE, CITY CIVIL COURT, AT: HYDERABAD//
Sd/- M/S. SHARAD SANGHI & ASSOCIATES Advocate
Mail: sanghisharad@gmail.com

॥ हरि ॐ ॥ प्रथम पुण्यतिथि ॥ हरि ॐ ॥

स्व. श्री कैलाशजी परिहार
सुपुत्रः स्व.श्री मांगीलालजी परिहार गुड़ा मोकमसिंह
स्वर्गवास : दि. 18-11-2023
हर मुश्किल में आपकी जरुरत महसूस होती है,
हर खुशी में आपकी कमी महसूस होती है।
बिछुड़कर इस कदर दिल में बसे हो आप,
कि अब हर पल आँखों में नमी महसूस होती है।।
श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता : सुशीलादेवी-जसवंतकुमार (भुआ-भुरोसा), निर्मलकुमार-सोनिया (भाई-भाभी) सरोज-तरूणजी सोलंकी, मंजू-उपेन्दरजी सोयल (बहन-बहनोई), सुशीला परिहार (धर्मपत्नी), कुलदीप, यश परिहार (पुत्र), क्रतव देवड़ा, यश चौधरी, देव सोयल, तन्वी सोलंकी एवं समस्त देवड़ा परिवार
: फर्म : J.N.Paints & Hardware Tolichowki
Mahalaxmi Marketing Manikonda Hyderabad
8008443388, 9618731683
P.Solankey

बंटेंगे तो कटेंगे पर बीजेपी में ही रार?

केशव प्रसाद मौर्य को मिला इन दिग्गजों का साथ! नए बयान से मचा सियासी हलचल

लखनऊ, 17 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बंटेंगे तो कटेंगे वाले नारे पर राज्य के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने पहले ही किनारा कर लिया था। अब इस पर इस पर रक्षा मंत्री और लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह के साथ-साथ मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी अलग रुख अख्तियार कर लिया है। सीएम योगी के नारे पर भारतीय जनता पार्टी में ही बंटवारे पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने प्रतिक्रिया दी है और कहा कि ये खुद बटेंगे और जल्द ही हटेंगे। केशव प्रसाद मौर्य ने इस महीने की शुरुआत में ही एक साक्षात्कार में कहा था कि यह नारा बीजेपी का नहीं है। उन्होंने कहा था कि हमारा नारा है-सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास। अब एक बार फिर डिप्टी सीएम ने सीएम योगी के बयान से किनारा करते हुए कहा है कि सीएम योगी ने नारा किस संदर्भ में और क्यों दिया है, इस पर मेरा बोलना ठीक नहीं, लेकिन हमारे नेता मोदी (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी) हैं और हम उनके दिए नारे-एक हैं तो सेफ हैं के साथ हैं। केशव प्रसाद मौर्य ने सीएम योगी के नारे से किनारा कर लिया तो रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चुनाव प्रचार के दौरान वोटरों को सलाह दी कि न बंटना है, न बांटना है जबकि शिवराज सिंह चौहान ने नया नारा दिया- जुड़ोगे तो जीतोगे। उधर, लखनऊ से सांसद और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि न बंटना है, न बांटना है। देश को एकजुट रहना है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि जुड़ेंगे तो जीतेंगे, आगे बढ़ेंगे।

बीजेपी ने क्या कहा?

बयान पर बीजेपी नेताओं के किनारा कसने पर पार्टी के प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में अभिव्यक्ति करने के अलग-अलग तरीके होते हैं। हिन्दी बहुत ही समृद्धशाली भाषा है। भले शब्द अलग हों लेकिन भावनाएं सबकी एक हैं। इस भाव में किसी प्रकार का कोई परिवर्तन नहीं है। एक रहेंगे सेफ रहेंगे में जो भाव है वही भाव बटेंगे तो कटेंगे में है। पीएम ने कहा- एक रहेंगे सेफ रहेंगे। सीएम योगी ने कहा कि एक रहेंगे नेक रहेंगे। सबकी भावनाएं एक ही है। सारी बातों का मर्म एक ही है। यह नारा सिर्फ चुनाव जीतने के लिए नारा नहीं है। ये सामाजिक तौर पर सबको एकजुट रखकर के सबको साथ में लेकर चलने की बात है। इसमें कोई मतभेद नहीं है। अगर कोई मतभेद करने का प्रयास करता है तो वह असफल होगा। सीएम योगी के बटेंगे तो कटेंगे वाले नारे पर बीजेपी के ही नेताओं की ओर से किनारा कसने पर राकेश त्रिपाठी ने कहा कि अगर किसी नेता को इस नारे को समझने की आवश्यकता है तो उनको निश्चित तौर पर पार्टी से संवाद करना चाहिए। केशव प्रसाद मौर्य से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि डिप्टी सीएम ने इस नारे से असहमति नहीं जताई है।

ससुरालवालों पर महिला की हत्या का आरोप

लखीसराय, 17 नवंबर (एजेंसियां)। लखीसराय टाउन थाना क्षेत्र के नेरी चरोखरा गांव में शनिवार की देर रात दहेज के लिए विवाहिता की गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगा है। घटना के बाद पति सहित ससुराल पक्ष के सभी सदस्य फरार बताए जा रहे हैं। मृतक की पहचान ऋतिक पासवान की 21 वर्षीय पत्नी सरस्वती कुमारी के रूप में हुई है। नालंदा के सरमेरा थाना क्षेत्र अंतर्गत ससोर गांव निवासी मृतक महिला के पिता दामोदर पासवान ने बताया कि शनिवार की रात लगभग 9 बजे उन्हें फोन आया कि उनकी बेटी की तबीयत खराब है। आनन-फानन में निजी वाहन से रात लगभग 12 बजे जब बेटी के घर पहुंचे तो बेटी अचेत रूप से घर में पड़ी थी। उनका दामाद सहित परिवार के सभी सदस्य घर से फरार थे। उन्होंने दामाद सहित ससुराल पक्ष के उन लोगों पर उनकी बेटी का गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाया। स्थानीय लोगों के सहयोग से उन्होंने अपनी बेटी को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया।

रवीना टंडन से मिले तेजस्वी

शेयर की फोटो:देवघर पूजा करने बेटी के साथ पहुंची थीं एक्ट्रेस; चुनाव प्रचार के लिए गए थे नेता प्रतिपक्ष

पटना, 17 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने झारखंड के देवघर में बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन से मुलाकात की है। तेजस्वी ने सोशल मीडिया के जरिए इसकी जानकारी दी है। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'सुप्रसिद्ध अभिनेत्री रवीना टंडन जी से एयरपोर्ट पर मुलाकात हुई है।' रवीना टंडन अपने बेटी राशा टंडन के साथ बाबा नगरी देवघर पहुंची थी। जहां उन्होंने बैद्यनाथ धाम में पूजा-अर्चना कर बाबा भोलेनाथ का आशीर्वाद लिया। मंदिर के पुजारी ने उन्हें गर्भगृह में पूजा करवाई। मुंबई लौटते समय एयरपोर्ट के वीआईपी लाउंज में दोनों की मुलाकात हुई। जिसका फोटो-वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वहीं, नेता प्रतिपक्ष इन दिनों झारखंड में चुनावी दौरे पर हैं। देवघर समेत 6 सीटों पर आरजेडी प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। चुनावी रैली को संबोधित करने के लिए तेजस्वी देवघर पहुंचे थे। यहां से पूर्व मंत्री सुरेश पासवान महागठबंध कोटे से आरजेडी की टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं।

17 घंटे रोती रही मां जिंदा मिला बेटा

झांसी, 17 नवंबर (एजेंसियां)। मेडिकल कॉलेज में हुए अग्निकांड में 10 बच्चे जिंदा जल गए। चिल्ड्रेन वॉर्ड में आग लगते ही एक मां दौड़ते हुए पहुंची। देखा तो उसका बेटा नहीं था। उसे लगा कि बच्चा जिंदा जल गया। फिर चीख पड़ी और पति से लिपटकर रोने लगी। 17 घंटे तक रोते हुए अस्पताल में पति के साथ बच्चे को ढूंढती रही। हर वॉर्ड, हर बेड तक गई। हर किसी से बेटे के बारे में पूछती रही। अफसरों से गुहार लगाती रही। जब थक जाती तो इमरजेंसी गेट के बाहर बैठकर रोने लगती।

यहीं नहीं, बेटे के लिए अस्पताल के बाहर प्रदर्शन भी किया। शनिवार शाम बेटे को ढूंढ रही मां एडीएम वरुण पांडेय से मिली। एडीएम उन्हें एक निजी अस्पताल लेकर गए। मां ने वहां भर्ती अपने बेटे को देखते ही पहचान लिया। दौड़ती हुई उसके पास गई और लिपटकर रोने लगी।

कुंदरकी उपचुनाव में बदलने वाला है समीकरण?

आजम खान की पत्नी से होगी चंद्रशेखर आजाद की मुलाकात

कुंदरकी, 17 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में विधानसभा की 9 सीटों पर उपचुनाव के लिए मतदान से तीन दिन पहले नगीना सांसद और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के नेता चंद्रशेखर आजाद ने बड़ा फैसला किया है। वह रामपुर पहुंचकर समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान के परिवार से मुलाकात करेंगे। यह मुलाकात ऐसे वक्त में हो रही है जब राज्य उपचुनाव होने हैं। जानकारी के मुताबिक सांसद चंद्रशेखर आजाद आजम खान की पत्नी तंजीम फातिमा से मुलाकात करेंगे। उपचुनाव के बीच इस मुलाकात के सियासी मायने निकाले जा रहे हैं। चंद्रशेखर आजाद का आजम खान के घर जाना नए सियासी समीकरण की तरफ इशारा कर रहा है। अब सवाल उठ रहे हैं कि आखिर चंद्रशेखर आजाद का प्लान क्या है? उधर, कुंदरकी विधानसभा में चंद्रशेखर आजाद की जनसभा की परमिशन नहीं दी गई। आखिरी वक्त तक परमिशन लटकाए रखी गई। चंद्रशेखर आजाद को कुंदरकी के बीरपुर में जनसभा करने जाना था।

चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी हमारी ताकत को से घबराए हुए हैं। सियासत के मैदान में मुकाबला करने से डर गए हैं। उनके इशारे पर हमारी जनसभा की परमिशन अधिकारियों ने कैंसिल की गई। निष्पक्ष चुनाव होगा ये संभव नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार गरीबों और मजलूमों की आवाज दबाना चाहती है।

बच्चों के खेलने को लेकर शुरू हुआ विवाद, युवक को पीट-पीटकर मार डाला, दो महिला समेत 10 घायल

पूर्णिया, 17 नवंबर (एजेंसियां)। पूर्णिया में बच्चे के खेलने दौरान हुई उत्पन्न विवाद दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। मारपीट में एक युवक मौत हो गई। वहीं इस घटना में दोनों पक्षों से दो महिला सहित 10 घायल है। इसमें चार की स्थिति काफी गंभीर बनी है। घटना की सूचना पर पुलिस घटनास्थल पहुंचकर लाश को कब्जे में ले लिया है। मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। घटना शनिवार देर शाम मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बेलौरी सतदोभ मुर्गी फार्म के पास की है। मृतक की पहचान दरभंगा जिले की बैनीपुर नवटोलिया निवासी दिनेश सहनी (40 वर्ष)है। वहीं घायल में मृतक के पिता फुलचन सहनी (60 वर्ष), मां फुलिया देवी, दो भाई मिथुन सहनी और क्रांति सहनी शामिल है। दूसरा पक्ष में सतदोभ निवासी सुबोध सिंह, विजय कुमार, अजय कुमार, संजय कुमार, मंजय कुमार और रेखा देवी शामिल है।

महाराष्ट्र में किसकी बनेगी सरकार?

अखिलेश यादव बोले- कह पाना मुश्किल है

लखनऊ, 17 नवंबर (एजेंसियां)। सपा अध्यक्ष और यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर चौंकाने वाली भविष्यवाणी कर दी। एक कार्यक्रम में जब उनसे पूछा गया कि महाराष्ट्र में किसकी सरकार बनेगी? तो उन्होंने जवाब दिया कि यह कह पाना मुश्किल है। अखिलेश यादव हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट में शामिल हुए। इस दौरान उनसे पूछा गया कि महाराष्ट्र में किसकी सरकार बनेगी? इस पर अखिलेश ने कहा, यह कह पाना मुश्किल है। हालांकि, इसके बाद उन्होंने तुरंत कहा, इंडिया गठबंधन वहां अच्छे वोटों और सीटों से जीतने जा रहा है। उन्होंने कहा, बीजेपी के लोग एग्जिट पोल में भी जुगाड़ कर लेते हैं। लोकसभा चुनाव में भी यूपी में क्या हुआ था? एग्जिट पोल में कितनी सीटें दिखा रहे थे? लेकिन क्या हुआ नतीजों में?

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बंटेंगे तो कटेंगे नारे को अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो नीति के समान बताया और कहा कि इस तरह के नकारात्मक नारों को जनता नकार देग। अखिलेश ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) डबल इंजन की बात करती थी, लेकिन अब उत्तर प्रदेश में उसके इंजन टकरा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में नौ विधानसभा सीट पर उपचुनाव की तारीख 13 नवंबर से बदलकर 20 नवंबर इसलिए कर दी गई, क्योंकि भाजपा जानती थी कि उसे हार का सामना करना पड़ेगा। अखिलेश ने कहा कि उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ-नीत सरकार ने राज्य में बुनियादी ढांचे और स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए बहुत कम काम किया है।

उन्होंने दावा किया कि युवा उत्तर प्रदेश सरकार से नाराज हैं, क्योंकि उसने बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर ध्यान नहीं दिया और प्रवेश परीक्षाएं ठीक से आयोजित करने में नाकाम रही। अखिलेश ने कहा कि भाजपा के स्टार प्रचारक योगी का दिया बंटेंगे तो कटेंगे नारा नकारात्मक है और लोग इसे नकार देंगे।

21 साल से जेल में बंद था कैदी, उसके खाते से निकल गए हजारों रुपये

गोंडा, 17 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले से फर्जीवाड़े का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां फर्जीवाड़े के गंभीर आरोप किसी और पर नहीं बल्कि बैंक मैनेजर और बैंक में काम करने वाले अन्य लोगों पर लगे है। पीड़ित का आरोप है कि वह जेल में सजा काट रहा था। इसी दौरान उसके खाते से फर्जी तरीके से 47 हजार रुपये निकाले गए हैं। इस मामले में पुलिस की कार्रवाई न होने के बाद पीड़ित ने कोर्ट से न्याय की गुहार लगाई थी। कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई करते हुए सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की शाखा के मैनेजर और कैशियर पर मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए हैं। शिकायतकर्ता रामभोग ने बताया कि 21 अप्रैल 2004 में मुझे हत्या के मामले में पुलिस ने गिरफ्तार किया गया था। वहीं, 26 जनवरी 2022 को जमानत मिलने के बाद वह अपने खाते से पैसे निकालने के लिए पहुंचा था, लेकिन वहां पहुंच कर पीड़ित का पता चला कि उसके खाते से 47 हजार रुपये गायब है।

क्या छात्राओं का वीडियो रिकॉर्ड हो रहा था? स्कूल के टॉयलेट में मिला 'खुफिया कैमरा', पुलिस तक पहुंचा मामला

सोनभद्र, 17 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले से छात्रों के टॉयलेट में स्पाई कैमरा मिलने का हैरान करने वाला मामला सामने आया है। एक छात्रा को छोटा सा कैमरा दिखा, उसके बाद तो मानो पूरे स्कूल में भूचाल सा आ गया। स्कूल में बात फैली और उसके बाद सारे छात्रों ने एक संदिग्ध युवक को पकड़कर शिक्षक को सौंपा दिया है। सूचना पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई है। वहीं, टॉयलेट में कैमरा मिलने के बाद से ही छात्राएं काफी डरी हुई हैं। मामला राबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के धुरिया गांव में स्थित स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ब्रह्मदेव चौधरी इंटर कॉलेज का बताया जा रहा है, जहां 1 से 12 तक की क्लास संचालित होती है। इस स्कूल में छात्राओं के टॉयलेट में एक छोटा सा कैमरा लगाया गया था, संभवत कैमरा अश्लील फोटो और वीडियो बनाने के लिए लगाया गया था। शौच के लिए गई एक छात्रा की नजर कैमरे पर जाती है और वह इसको उठाकर देखने लगती है।

छात्राओं ने संदिग्ध युवक को पकड़ा

इसके बाद यह बात आग की तरह पूरे स्कूल में फैल जाती है। मामला शिक्षकों को बताया जाता है। इस दौरान छात्राओं ने एक संदिग्ध युवक को पकड़कर टीचर को सौंप दिया। स्कूल में हंगामा बढ़ता देख किसी ने राबर्ट्सगंज थाने की पुलिस को इसकी सूचना दी। मामले की जानकारी होते ही इंस्पेक्टर भारी फोर्स के साथ स्कूल पहुंचे। पुलिस संदिग्ध युवक को पकड़कर टीचर के साथ एक कमरे में चले गए और युवक से पूछताछ करने लगे।

छात्राओं ने की सबके सामने पूछताछ की मांग

इधर छात्राएं संदिग्ध युवक को बाहर निकाल कर सबके सामने पूछताछ करने की मांग को लेकर हंगामा करने लगी। हंगामा होता देख छात्राओं के

परिजन भी मौके पर इकट्ठा हो गए। टॉयलेट में कैमरा होने की जानकारी होते ही परिजन भी काफी आक्रोशित हो गए। छात्राओं का कहना है कि सुबह जब विद्यालय खुला और वह शौचालय में गई तब कमरे पर एक छात्रा की नजर पड़ी। कैमरा कब से लगा है इसकी जानकारी नहीं है। ऐसे में छात्राओं ने आरोप लगाया कि उनके अश्लील फोटो वीडियो को मोबाइल में रिकॉर्ड किया गया है।

थाने में दर्ज कराई शिकायत

छात्राओं ने राबर्ट्सगंज थाने में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। छात्राओं का कहना है कि शौचालय के दीवार पर एक कैमरा लगाया गया था। हंगामे को देखते हुए उस व्यक्ति ने तत्काल कैमरे को हटा लिया, लेकिन छात्राओं ने उसे पकड़ लिया था। इसको लेकर गांव में भी भारी विरोध देखा जा रहा है। फिलहाल पुलिस जांच पड़ताल कर उचित कार्रवाई की बात कर रही है।

बहन की डोली उठने से पहले उठी भाई की अर्थी

भोजपुर, 17 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के भोजपुर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक 24 साल के लड़के की हत्या कर दी गई है। लड़के की हत्या उस वक्त हुई, जब वह बुलेट बाइक पर सवार होकर अपनी बहन की शादी में शामिल होने के लिए जा रहा था। इस घटना से परिवार में मातम पसर गया है। भोजपुर जिले में एक बहन की डोली उठने से पहले ही उसके भाई की अर्थी उठ गई है। शादी समारोह की खुशियों के बीच उस वक्त मातमी सन्नाटा पसर गया।जब बहन की शादी में शामिल होने के लिए उसका भाई बुलेट बाइक पर सवार होकर विवाह मंडप स्थल पर जा रहा था, इसी दौरान पहले से घात लगाए हथियारबंद बदमाशों ने उसे बीच रास्ते में घेरकर गोली मार दी और उसकी निर्मम हत्या कर दी। घटना शाहपुर प्रखंड के करनामेपुर थाना क्षेत्र के कारनामेपुर बस स्टैंड के पास की बताई जा रही है।

लखनऊ के 80 अस्पतालों की खुली पोल फायर डिपार्टमेंट की जांच में सामने आया सच

लखनऊ, 17 नवंबर (एजेंसियां)। झांसी मेडिकल कॉलेज हादसे के बाद लखनऊ के अस्पतालों में बड़ी कार्रवाई हुई है। फायर डिपार्टमेंट ने लखनऊ के 80 अस्पतालों को नोटिस दिया है। इन सभी 80 अस्पतालों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था मानक के मुताबिक नहीं पाई गई। कई अस्पतालों में फायर डिपार्टमेंट की ओर से जांच की जा रही है। राजधानी लखनऊ के कुल 906 हॉस्पिटल में से करीब 301 हॉस्पिटल में ही मानक के मुताबिक फायर डिपार्टमेंट की व्यवस्था है। इन 301 अस्पतालों को अग्नि सुरक्षा प्रमाण पत्र फायर डिपार्टमेंट की ओर से दिया गया है। झांसी मेडिकल कालेज में शुक्रवार देर रात आग लगने से 10 बच्चों की मौत का मामला सामने आया था। जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग एक्शन में दिखा औए तत्काल 4 सदस्यी जांच समिति टीम का गठन किया। वहीं झांसी हादसे की समिति 7 दिन के अंदर जांच कर रिपोर्ट सौंपेगी। प्रमुख सचिव स्वास्थ्य पार्थ सारथी सेन ने आदेश जारी किया। सीएम के निर्देश पर प्रमुख सचिव स्वास्थ्य। झांसी मेडिकल कालेज पहुंचे थे। वहीं महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा और प्रशिक्षण की अध्यक्षता में जांच समिति गठित की गई है। निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य सेवा, एडी विधुत चिकित्सा सेवा और डग फायर को सदस्य बनाया गया। वहीं झांसी के डीएम अविनाश कुमार ने बताया कि महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज की नवजात गहन चिकित्सा इकाई (एनआईसीयू) में शुक्रवार रात करीब पौने 11 बजे आग लग गई, जिसका कारण संभवतः शॉर्ट सर्किट था। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने शनिवार को बताया कि घटना में 10 नवजात की मौत हो गई है। झांसी मेडिकल कॉलेज के अन्य वार्ड में 16 बच्चों का इलाज जारी है।

बिहार में शराबबंदी से परेशान 2 करोड़ का भैंसा, बिक्री के लिए पहुंचा सोनपुर मेला

सोनपुर, 17 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के सोनपुर मेले में 2 करोड़ 5 लाख रुपये की मुर्रा नस्ल का भैंसा आकर्षण का केंद्र बन गया है। इसे एक किसान बनारस से बिहार लाया है। भैंसे का नाम राजा है, जिसकी उम्र तीन साल बताई जा रही है। राजा के मालिक का कहना है कि इसको यहां पर शराब पीने को नहीं मिल रही है, जिसकी वजह से उसकी चमक कम हो गई है। जानकारी के मुताबिक, ये भैंसा हर दिन दो बोतल बीयर पीता है।

2 करोड़ 5 लाख का भैंसा

बिहार के सोनपुर मेले में जो भैंसा लाया गया है उसकी कीमत 2 करोड़ पांच लाख रुपए है, जो मुर्रा नस्ल का है। इसको बनारस से बिहार के सोनपुर मेले में बेचने के लिए लाया गया है। इस भैंसे की खास बात ये है कि यह रोज बोतल बीयर पीता है। बिहार में आकर इस भैंसे को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि यहां पर शराब बैन है। इसपर भैंसे के मालिक का कहना है कि बीयर नहीं मिलने की वजह से भैंसे की चमक फीकी पड़ गई है। जिसकी वजह से वह थोड़ा सुस्त भी नजर आ रहा है।

राजा को कौन खरीदेगा?

भैंसे के मालिक का कहना है कि मोकामा के पूर्व विधायक अनंत सिंह ने उनसे वीडियो कॉल पर बात की। वीडियो कॉल करके उन्होंने राजा देखा। उनका कहना है कि आज अनंत सिंह ने भैंसे को देखने मेले में आएंगे। मालिक का कहना कि 2 करोड़ रुपये से ज्यादा का मेरा भैंसा है, जिसको सिर्फ अनंत सिंह ही खरीद सकते हैं।

उनके अलावा ये भैंसा कोई दूसरा और नहीं ले सकता है। इसके पहले भी एक 23 करोड़ का एक भैंसा वायरल हो चुका है। जिसका नाम अनमोल बताया गया। हालांकि ये एक सोशल मीडिया पर वायरल खबर थी। इसके पहले पटना स्थित वेटनरी ग्राउंड में डेयरी एंड कैटल एक्सपो में 10 करोड़ का भैंसा गोलू-2 पहुंचा था।

इटावा हत्याकांड में हुआ बड़ा खुलासा, हत्या के समय अकेला नहीं था मुकेश, सीडीआर से मिला अज्ञात व्यक्ति का नंबर

इटावा, 17 नवंबर (एजेंसियां)। इटावा के उपकोतवाली क्षेत्र के लालपुरा में सर्राफा कारोबारी ने अपनी पत्नी और बच्चों को नींद की गोली खिलाकर गला घोंट दिया था। इसके बाद हत्यारोपी मुकेश वर्मा ने रात्रि करीब 8 बजे एक हस्तलिखित सुसाइड नोट को सीओ अमित कुमार सिंह के व्हाट्सएप पर भेजा था। जिसमें अपने परिवार और खुद सुसाइड करने की बात लिखते हुए अपने सगे भाई अखिलेश वर्मा और बुआ के लड़के पर आरोप लगाया था। उसने अपने सुसाइड नोट में लिखा था कि लाखों की लेनदेन की वजह से वह काफी परेशान है जिसके कारण वह सामूहिक सुसाइड कर रहा है। लेकिन अब इस हत्याकांड में एक नया मोड़ आ गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार पत्नी और बच्चों के कत्ल के समय सराफ कमरे में अकेला नहीं था। उस वक्त उसके साथ कोई और भी मौजूद था। जांच में यह भी पता चला है कि एक अज्ञात नंबर से आरोपी की लगातार बात हो रही थी। ज्यादा बात होने के कारण जब पुलिस ने उसके बारे में जानकारी जुटाई तो पता चला कि वह मुकेश या उसकी पत्नी का रिश्तेदार नहीं है,

'अब शिक्षक कोचिंग और ट्यूशन नहीं पढ़ा सकेंगे', विभाग के फरमान पर भड़की आरजेडी

पटना, 17 नवंबर (एजेंसियां)। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ ने शिक्षण संवाद में यह फरमान जारी किया है कि शिक्षकों को कोचिंग और ट्यूशन में नहीं पढ़ाना है। इस पर आरजेडी नेता मृत्युंजय तिवारी ने रविवार को प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि बिहार में शिक्षक हैं कहां? एनडीए की सरकार ने शिक्षकों को बंधुआ मजदूर बनाकर रख दिया है। मानसिक रूप से शिक्षकों को प्रताड़ित किया जा रहा है। ऐसे में शिक्षक बच्चों को क्या पढ़ाएंगे? आगे उन्होंने कहा कि बिहार में जब महागठबंधन की सरकार थी तो शिक्षकों का अधिकार उन्हें दिया गया, राज्य कर्मी का दर्जा दिया गया। तेजस्वी यादव डिप्टी सीएम थे तो 5 लाख शिक्षकों की नियुक्ति की गई थी। हमारे नेता तेजस्वी यादव और हमारी पार्टी शिक्षकों के साथ खड़ी है उनके हक और हकूक की लड़ाई के लिए हम साथ खड़े हैं।

ट्रैफिक नियम पर क्या बोले मृत्युंजय तिवारी

वहीं, ट्रैफिक नियम के तहत अब लाइसेंस रद्द करने की तैयारी प्रशासन कर रहा है। इस पर मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि सिर्फ तालिबानी फरमान जारी करने से नहीं होगा। बिहार में सिर्फ एकतरफा फरमान जारी किया जा रहा है। किस व्यक्ति का किस परिस्थिति में चालान कट रहा है यह भी देखना होगा। आरजेडी दफ्तर के बाहर खड़ी गाड़ियों का चालान काट दिया गया उसके अगले दिन बीजेपी दफ्तर में कार्यक्रम था बाहर लगी गाड़ियों का चालान क्यों नहीं काटा गया? कानून सबके लिए एक है और सब पर लागू होना चाहिए। जागरूकता के साथ इस पर सरकार और प्रशासन को काम करने की जरूरत है।

नीतीश सरकार पर आरजेडी का हमला

बिहार में अफसरशाही को लेकर कई बार विपक्ष और सत्ता के नेताओं ने सवाल उठाया है अब मंत्री मदन सहनी नाराज हैं। इस पर आरजेडी नेता ने कहा कि पहली बार ऐसा नहीं हुआ है यह कोई एक माननीय मंत्रियों की समस्या नहीं है लंबी फेहरिस्त है। जो अफसरशाही से मंत्री परेशान हैं इससे पहले भी मंत्री मदन सहनी अपने विभाग के अधिकारी से नाराज हुए थे। अब वक्त आ गया है जहां जनप्रतिनिधि और मंत्रियों को अपने सम्मान के लिए अफसरशाही के खिलाफ आवाज बुलंद करनी चाहिए।

'चुनाव आयोग ने जांच शुरू कर दी है', मौलाना सज्जाद नोमानी की विभाजनकारी टिप्पणियों पर बोले सोमैया

मुंबई, 17 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा नेता किरीट सोमैया ने विभाजनकारी टिप्पणी के लिए मौलाना खलीलुर रहमान सज्जाद नोमानी के खिलाफ महाराष्ट्र चुनाव आयोग के अधिकारियों से शिकायत दर्ज कराई थी। रविवार को इसकी कार्रवाई पर बात करते हुए भाजपा नेता ने बताया कि चुनाव अधिकारी ने मौलाना खलीलुर रहमान सज्जाद नोमानी की विभाजनकारी टिप्पणियों की जांच शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट जल्द आने की संभावना है।

मौलाना खलीलुर रहमान सज्जाद नोमानी पर भड़के भाजपा नेता

भाजपा नेता किरीट सोमैया ने मीडिया से इस मुद्दे पर बात की। उन्होंने कहा, मौलाना खलीलुर रहमान सज्जाद नोमानी ने बयान दिया था कि भाजपा को समर्थन करने वालों का सामाजिक बहिष्कार वोट जिहाद है। मैंने जो शिकायत दर्ज कराई थी, उस संबंध में महाराष्ट्र चुनाव आयोग के अधिकारियों ने जानकारी दी। परभणी जिले के चुनाव अधिकारी ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। उम्मीद है कि आज शाम तक रिपोर्ट भी तैयार हो जाएगी। राकांपा-एसपी प्रमुख शरद पवार और महाविकास अघाड़ी गठबंधन पर निशाना साधते हुए किरीट सोमैया ने उनपर ऑल इंडिया उलेमा बोर्ड का समर्थन करने 10 प्रतिशत आरक्षण एवं आरएसएस को बैन करने की मांगों को मानने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, क्या शरद पवार को शर्म आती है? या वे हिंदुओं के बारे में बोलने से डरते हैं। मौलाना खलीलुर रहमान सज्जाद नोमानी जैसा बयान कोई नहीं देता। हिंदुत्व में इस तरह की भाषा मौजूद नहीं है। शरद पवार साहब आपने अपना समर्थन ऑल इंडिया उलेमा बोर्ड की तरफ बढ़ा दिया है। शरद पवार और कांग्रेस मराठी मुस्लिम सेवा संघ का समर्थन करते हैं। शरद पवार और कांग्रेस ने उनकी 10 प्रतिशत आरक्षण और आरएसएस को बैन करने की मांग को मान किया है। शरद पवार वोट जिहाज जैसी बाते फैलाते हैं। राहुल गांधी और सलमान खुर्शीद के परिवार वाले वोट जिहाद पैला रहे हैं।

उद्धव ठाकरे-संजय राउत को भी घेरा

किरीट सोमैया ने शिवसेना (यूबीटी) के नेताओं उद्धव ठाकरे और संजय राउत को भी घेरा। उन्होंने कहा कि उन्हें (उद्धव गुट को) अपना नाटक बंद कर देना चाहिए, क्योंकि चुनाव आयोग प्रधानमंत्री से लेकर गृह मंत्री तक सभी के बैग की जांच कर रहा है। भाजपा नेता ने कहा, उद्धव ठाकरे की हालत खराब हो गई है। वे नाटक करते हैं और चुनाव आयोग को गालियां देते हैं। उन्होंने बताया कि चुनाव आयोग के अधिकारियों ने उनके बैग की जांच की। चुनाव आयोग का कहना है कि वे सभी के बैग की जांच कर रहे हैं। बता दें कि 288 सदस्यीय महाराष्ट्र विधानसभा के लिए चुनाव 20 नवंबर को एक ही चरण में होंगे, जबकि विधानसभा चुनाव के मतों की गिनती 23 नवंबर को होगी। वहीं मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना, भाजपा और अजीत पवार की एनसीपी से मिलकर बनी महायुति सत्ता बरकरार रखने की कोशिश कर रही है, जबकि शिवसेना (यूबीटी), एनसीपी (एसपी) और कांग्रेस की विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) इसे सत्ता से बेदखल करने के प्रयास में है।

बदमाश और पुलिस के बीच मुठभेड़, हाईवे लुटेरे गिरोह का सरगना सतप्रीत सिंह उर्फ सत्ती गिरफ्तार

मोहाली, 17 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब की मोहाली पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़ की खबर सामने आई है। जिसको लेकर पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने भी जानकारी दी है। उन्होंने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि एसएएस नगर पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। गांव लेहली के पास मुठभेड़ के बाद हाईवे लुटेरे गिरोह के सरगना सतप्रीत सिंह उर्फ सत्ती को पकड़ लिया गया है। ये गिरोह खासतौर पर अंबाला-डेराबस्सी हाईवे पर सक्रिय था और पंजाब एवं हरियाणा में कई डकैती की वारदातों को अंजाम दे चुका था। डीजीपी ने आगे लिखा कि इस गिरोह ने 3 और 10 नवंबर की देर रात दो घटनाओं को अंजाम दिया था।

बंदूक की नोक पर नकदी, मोबाइल फोन और सोने के गहने लिए गए थे। कई वारदातों के आरोप में सतप्रीत सिंह उर्फ सत्ती को 32 कैलिबर पिस्तौल और 5 जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ दो एफआईआर दर्ज की गईं है। उसके सहयोगियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस की जांच जारी है। वहीं पुलिस का कहना है कि इस गिरोह की गिरफ्तारी से पंजाब और हरियाणा में हाईवे पर यात्रियों में सुरक्षा का माहौल बनेगा।

बड़वानी पुलिस का बड़ा एक्शन

लंबे समय से गांजा तस्करी करने वाला स्मगलर गिरफ्तार

बड़वानी, 17 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के बड़वानी में लंबे समय से काली टोपी लगाकर गंजे की तस्करी करने वाले तस्कर को आखिरकार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसके पास से गांजा भी बरामद किया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। बड़वानी एसपी जगदीश डाबर ने बताया कि बड़वानी में काली टोपी के नाम से मशहूर गांजा तस्कर संतोष जाधव निवासी कनासिया फलिया थाना सेंधवा को गिरफ्तार कर लिया गया है। बड़वानी पुलिस को सूचना मिली थी कि राजघाट रोड पर गंजे की तस्करी करने के लिए संतोष यादव जा रहा है। इस दौरान पुलिस ने जाल बिछाकर राजघाट रोड से उसे पकड़ लिया। थाना प्रभारी दिनेश सिंह कुशवाहा ने बताया कि आरोपी संतोष जाधव को गिरफ्तार कर उसकी तलाशी ली गई तो उसके पास से एक किलो 755 ग्राम गांजा बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल था। ऐसे में उससे पूछताछ के दौरान कई और महत्वपूर्ण जानकारी मिली है, जिसके आधार पर जांच की जा रही है।

बड़वानी में अवैध शराब के खिलाफ एक्शन

वहीं बड़वानी पुलिस ने आदिवासी क्षेत्रों में अवैध शराब बेचने वालों के खिलाफ भी अभियान चलाया है। आदिवासी इलाकों में लोग खुद ही अवैध शराब का निर्माण करते हैं। यह अवैध शराब कई बार जानलेवा भी साबित हो जाती है। बड़वानी पुलिस ने तीन दिन पहले 13 लाख रुपये की कीमत के 131 गांजे के पौधे भी बरामद किए थे, जिसका वजन 25 किलो 900 ग्राम था। इस मामले में पुलिस ने नानिया सैनानी नामक आरोपी को गिरफ्तार किया था जो कि मोहाला गांव का रहने वाला था। आरोपी नेनिया सेनानी के खिलाफ भी एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई थी।

हैदराबाद से 20 लाख चुराकर गांव भिजवाया; छापेमारी में गाय के गोबर से बरामद

भुवनेश्वर, 17 नवंबर (एजेंसियां)। हैदराबाद और ओडिशा की पुलिस टीमों की छापेमारी में बालासोर जिले के एक गांव में गाय के गोबर से भारी मात्रा में नगदी बरामद की गई। यह बरामदगी कामरदा थाना क्षेत्र के बदामंदरूनी गांव से की गई। हैदराबाद और ओडिशा से पुलिस अधिकारियों की एक टीम गांव पहुंची और आरोपी के ससुराल वालों के घर पर छापेमारी की। बता दें कि आरोपी की पहचान गोपाल बेहरा के तौर पर की गई है। फिलहाल वह फरारा है। आरोपी गोपाल बेहरा हैदराबाद में एक कृषि-आधारित कंपनी में काम करता था। उसने कथित तौर पर कंपनी के लॉकर से 20 लाख रुपये से अधिक की चोरी की थी।

चोरी करने के बाद उसने तुरंत इन पैसों को अपनी पत्नी के भाई रवींद्र बेहरा के जरिए गांव भेज दिया। इस मामले को लेकर दर्ज कराई गई शिकायत पर कार्रवाई करते हुए हैदराबाद पुलिस की एक टीम ने कामरदा पुलिस के साथ रबींद्र के घर पर छापा मारा। उन्होंने गाय के गोबर में छिपाए गए पैसे भारी मात्रा में पैसे बरामद किए। कामरदा थाने के आईआईसी प्रेमदा नायक ने बताया कि गोपाल और रवींद्र दोनों लापता है। उसके परिवार के एक सदस्य को गांव से हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस ने बताया कि फिलहाल मामले की जांच जारी है

अपहरण, रेप और मर्डर 13 दिन में जिला कोर्ट ने दी थी फांसी की सजा

अब एससी ने फैसला बदलकर दिया उम्रकैद

ग्वालियर, 17 नवंबर (एजेंसियां)। जिले के बहुचर्चित और सनसनीखेज अपहरण, हत्या और दुष्कर्म के मामले में फांसी की सजा पाए आरोपी जितेंद्र कुशवाहा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। जितेंद्र को अब फांसी के फंदे पर नहीं लटकाया जाएगा बल्कि उसे अपने जीवन के 20 साल जेल में ही गुजारने होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने उसकी फांसी की सजा की अपील पर सुनवाई करते हुए फांसी को 20 साल के कठोर सश्रम कारावास की सजा में बदल दिया है। जितेंद्र कुशवाहा ने कंपू थाना क्षेत्र के आमखो पहाड़ी के पास भिंड से शादी समारोह में शामिल होने अपने परिजनों के साथ आई नाबालिग लड़की का न सिर्फ अपहरण किया बल्कि उसे एक सुनसान स्थान पर ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म भी किया था। आरोपी ने दुष्कर्म के बाद सबूत मिटाने के युवती को मौत के घाट उतार दिया था। घटना के सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को मिले थे, जिसमें जितेंद्र लड़की का हाथ पकड़ ले जाते हुए नजर आ रहा था। खास बात यह है कि जुलाई 2018 में हुई इस वारदात की संवेदनशीलता को देखते हुए जिला एवं सत्र न्यायालय ने सिर्फ 13 दिन में सुनवाई पूरी करके जितेंद्र कुशवाहा को फांसी की सजा सुनाई थी। यह फैसला 27 जुलाई 2018 को दिया गया था। इसमें लगभग तीन दर्जन लोगों की गवाही हुई थी। अपनी सजा के खिलाफ जितेंद्र ने हाई कोर्ट में अपील की थी, जहां उसकी फांसी की सजा बरकरार रखी गई थीं। इसके बाद जितेंद्र ने अपनी सजा के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि जितेंद्र का पूर्व का कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। इसलिए उसमें सुधार की गुंजाइश से इंकार नहीं किया जा सकता है। घटना के समय जितेंद्र की उम्र 24 साल थी वह अपनी गिरफ्तारी के बाद से अभी तक सेंट्रल जेल ग्वालियर में बंद है और उसकी उम्र 30 साल हो चुकी है। इससे पहले बचाव पक्ष की और से बताया गया था कि अभियोजन जितेंद्र कुशवाह की पहचान करने में सफल नहीं रहा है।

शराबबंदी पर हाईकोर्ट की टिप्पणी के बाद कुछ 'खतरनाक' करने जा रही नीतीश सरकार! इस सख्त कानून पर चल रहा मंथन

पटना, 17 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार में लागू शराबबंदी कानून को लेकर पटना हाईकोर्ट ने तीखी टिप्पणी की है और बिहार सरकार के शराबबंदी कानून पर सवाल खड़ा कर दिया है। पटना उच्च न्यायालय ने शराबबंदी कानून को लेकर सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि बिहार में लागू शराबबंदी कानून अपने उद्देश्य से भटक गया है। पटना हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी पर बिहार सरकार फिलहाल बैकफुट पर नजर आ रही है। वहीं, इसके साथ ही उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग में हाईकोर्ट के टिप्पणी के बाद मंथन शुरू हो गया है। मद्य निषेध मंत्री रत्नेश सदा ने कहा है कि बहुत जल्द अवैध शराब धंधे में शामिल लोगों पर सीसीए और संपति जब्ती कानून लागू करेंगे। इस पर पूरी जानकारी ली जा रही है।

मंत्री रत्नेश सदा ने कहा, बिहार सरकार पटना हाई कोर्ट का पूरा सम्मान करती है और हाईकोर्ट ने अगर कुछ कहा है तो उसे पूरे मामले को सरकार देखेगी। मंत्री ने हाईकोर्ट की टिप्पणी के बाद बचाव की मुद्रा में नजर आते हैं और कहते हैं कि राज्य सरकार लगातार जागरूकता अभियान चला रही है, इसका असर भी हो रहा है। लेकिन, हाईकोर्ट ने अगर कुछ कहा है तो निश्चित तौर पर सरकार उस पर गौर करेगी। शराबबंदी कानून के दुरुपयोग पर पटना हाईकोर्ट की टिप्पणी, बिहार शराबबंदी समाचार, बिहार शराबबंदी पटना हाईकोर्ट, पटना हाईकोर्ट नीतीश सरकार,उत्पाद एवं मद्य निषेध मंत्री रत्नेश सदा ने शराबबंदी पर सख्त कानून लागू करने की बात कही। मंत्री रत्नेश सदा ने कहा कि जो भी गड़बड़ी कर रहे हैं वैसे लोगों पर कार्रवाई हो रही है और आगे भी होगी। मंत्री ने हाईकोर्ट की टिप्पणी के बाद सख्त रुख दिखाते हुए कहा कि जो भी शराब तस्कर हैं और बड़े शराब माफिया हैं, अब उनकी संपत्ति जब्त होगी। इसके लिए सरकार नए कानून पर विचार कर रही है और सीसीए जैसे कड़े कानून लाने पर विचार चल रहा है।

वहीं, पटना हाईकोर्ट के टिप्पणी के बाद आरजेडी के प्रवक्ता एज्या यादव ने बिहार सरकार को निशाने पर लेते हुए कहा कि ये तो साफ हो गया कि बिना सरकार के और प्रशासन के मिलीभगत के बिहार में अवैध शराब ना तो बिक सकती है और ना बन सकताी है। बिहार में शराबबंदी कानून पूरी तरह से फेल है। वहीं, बीजेपी प्रवक्ता दानिश कहते हैं कि बिहार सरकार अवैध शराब बनाने और बेचने वाले पर लगातार कारवाई करती रहती है और आगे और भी सख्ती करेगी। यहां तक कि बुलडोजर से ढहाने का काम भी कर सकती है।

नशे में धुत लड़की ने सड़क पर मचाया हंगामा

पुलिसकर्मियों से भी की बदसलूकी; हाई वोल्टेज ड्रामे का वीडियो वायरल

छतरपुर, 17 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के छतरपुर में शराब के नशे में धुत एक लड़की ने जमकर हाई वोल्टेज ड्रामा किया। इसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि युवती बीच सड़क पर ड्रामा कर रही है। वहां से गुजर रहे वाहन चालकों को भी गाली-गलौज कर रही है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जब लड़की को संभालने की कोशिश की तो युवती ने पुलिस को भी गालियां देने लगी। फिलहाल लड़की अस्पताल में भर्ती है। जानकारी अनुसार पूरा मामला रात करीब 9: 30 बजे का है। शहर की पन्ना नाका स्थित कलेक्टर बंगला पास नेशनल हाईवे पर बीच सड़क पर शराब के नशे में एक लड़की ने जमकर हाई वोल्टेज ड्रामा किया। वहीं, जानकारी लगते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और महिला को लेकर जिला अस्पताल पहुंची, जहां महिला देर रात 2 बजे रात तक रुकी, उसके बाद अस्पताल से भाग गई है। पुलिस को जानकारी लगने पर दोबारा अस्पताल के बाहर रोड से महिला को पकड़ कर थाने ले गई। जहां उससे पूछताछ की जा रही है। ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर आनंद त्रिपाठी ने बताया कि महिला नशे की हालत में लग रही थी। न ही उसने सही नाम बताया न ही उपचार करने दिया, कुछ देर तक उसे अस्पताल में रोका गया, उसके बाद वह अस्पताल से भाग गई। पुलिस उसे दोबारा पकड़कर थाने ले गई ऐ। सिविल लाइन थाना प्रभारी वाल्मीकि चौबे ने उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल ले गए थे, जहां से महिला दोबारा भाग गई थी, जिसे थाने में लाए हैं अभी भी वह ड्रामा कर रही है।

झारखंड में युवाओं के बल्ले-बल्ले, तेजस्वी यादव का वादा- देंगे 10 लाख रोजगार

देवघर, 17 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड चुनाव को लेकर आरजेडी ने पूरी ताकत झोंकी हुई है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव लगातार झारखंड में चुनावी दौरा कर रहे हैं। वहीं,तेजस्वी यादव ने झारखंड चुनाव को लेकर कहा कि झारखंड में महागठबंधन के पक्ष में माहौल है। महागठबंधन की सरकार फिर से बनने जा रही है। जनता के हित के लिए झारखंड सरकार ने पिछले 5 साल में काफी काम किए हैं। इसलिए जनता हम लोगों के साथ है। सरकारी योजनाओं का लाभ जनता को मिला है। आगे उन्होंने कहा कि झारखंड में 10 लाख रोजगार का वादा किए हैं। पूरा करेंगे। 7 गारंटी की बात हम लोगों ने जनता से झारखंड में की है। सरकार बनते ही वादा को पूरा करेंगे। हम लोग जो वादा करते हैं उसको पूरा करते हैं। सिर्फ बाते बीजेपी की तरह नहीं करते हैं। बीजेपी जोर शोर से बांग्लादेशी घुसपैठ का मुद्दा दूसरे चरण में उठा रही है। इस पर तेजस्वी यादव ने कहा कि यह झूठमूठ का मुद्दा है। यह कोई मुद्दा है ही नहीं है। जनता का मुद्दा पढ़ाई, दवाई, कमाई, महंगाई, गरीबी और बेरोजगारी है। हेमंत सोरेन झारखंड के मुख्यमंत्री फिर बनेंगे। इसमें किसी को शक नहीं होना चाहिए। विकास रोजगार पर बीजेपी बात नहीं करती है। वहीं, देवघर में होर्डिंग्स लगाया है जिसमें लिखा है कि आदिवासियों को बचाना है या घुसपैठियों को बसाना है। बीजेपी की तरफ से ये होर्डिंग लगाया गया है। इस पर नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि बीजेपी का काम नफरत फैलाना है। नफरत फैलाते रहे। न्यायप्रिय जनता नफरत फैलाने वालों को पसंद नहीं करती है। झारखंड के आदिवासी एकतरफा महागठबंधन के पक्ष में हैं। बता दें झारखंड में दूसरे चरण में 20 नवंबर को वोटिंग है।

38 सीटों पर वोटिंग है। झारखंड में आरजेडी महागठबंधन में छह सीटों पर चुनाव लड़ रही है। तेजस्वी यादव दमखम के साथ चुनाव प्रचार में लगे हुए हैं। 2019 के झारखंड विधानसभा चुनाव में महागठबंधन में आरजेडी सात सीटों पर लड़ी थी। एक सीट जीती थी। झारखंड सरकार में आरजेडी से मंत्री भी हैं।

कर्नाटक में कांग्रेस नेता के बेटे ने थार से मारी थी बाइक सवार को टक्कर थोड़ी देर में मिल गई जमानत

उडुपी, 17 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के उडुपी में 13 नवंबर (बुधवार) को एक 39 वर्षीय व्यक्ति की हिट एंड रन दुर्घटना में मौत हो गई थी। एक थार एसयूवी ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी थी। अब इस मामले में एक बड़ा खुलासा हुआ है। जानकारी के अनुसार, थार कथित तौर पर कर्नाटक कांग्रेस नेता देवी प्रसाद शेट्टी का बेटा प्रज्वल शेट्टी चला रहा था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, प्रज्वल को उनकी गिरफ्तारी के कुछ समय बाद जमानत मिल गई थी। घटना 13 नवंबर की सुबह के समय हुई थी जब 39 वर्षीय मोहम्मद हुसैन को एक थार गाड़ी ने टक्कर मार दी थी। इस टक्कर में हुसैन को गंभीर चोट आई थी। हुसैन को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वह अपनी चोटों के कारण अगली रात में दम तोड़ दिया। शिरवा पुलिस ने उसी दिन एसयूवी को जब्त कर लिया था। प्रज्वल को 14 नवम्बर को हिरासत में लिया गया,

नौटंकी मत करो, चलो जब ऑटो वाले पर भड़की बेंगलुरु की लड़की, वीडियो वायरल

बेंगलुरु, 17 नवंबर (एजेंसियां)। बेंगलुरु में फिर एक बार ऑटो ड्राइवर और कस्टमर के बीच बुकिंग को लेकर झड़प का वीडियो खूब वायरल हो रहा है। इससे पहले एक लड़की की ऑटोवाले से झड़प का वीडियो वायरल हुआ था। वह ऑनलाइन बुकिंग के बाद कैब कैंसिल करने पर खरी खोटी सुनाते हुए कहा था- 'गैस का पैसा तुम्हारा बाप देगा' इस घटना के बाद एक साथ ऑनलाइन दो कैब बुकिंग को लेकर झड़प का वीडियो वायरल हो रहा है। ऑटो-रिक्शा ड्राइवर और एक लड़की यात्री के बीच बुकिंग रद्द करने पर हुई बहस ने ऑनलाइन सुर्खियां बटोरीं। हालांकि, बड़ी संख्या में लोग लड़की के समर्थन में उतर आए हैं। सोशल मीडिया एक्स पर @पवनकु 51441725 नाम की आईडी से वीडियो अपलोड किया गया है। इस वीडियो में एक लड़की ऑटोवाले से कहते हुए नजर आ रही है कि उसने कैब बुक नहीं किया था। वह फेयर चेक करने के लिए ओला देखा था। ओला वाले ड्राइवर का आरोप है, 'आपने पहले मेरी ऑटो बुक की और फिर रैपिडो लेने के लिए उसे रद्द कर दिया। हम इस वजह से समय और पैसे दोनों खो देते हैं।' वीडियो में दिख रहा है कि वह रेपीडो वाले को ओटीपी बता रही है। ओला ड्राइवर से बात करते हुए कह रही है कि मैंने बुकिंग नहीं किया है। भैया आपके ओला ऐप में प्रॉब्लम है। उसके बाद बार-बार ऑटो वाले के कहने पर वह परेशान हो जाती है। साथ ही लड़की ने कहा कि मैंने कोई बुकिंग फाइनल नहीं की; मैं केवल किराए की तुलना कर रही थी। वह केवल कई ऐप्स पर किराया देख रही थी। बहस बढ़ने पर लड़की ने अपने पिता को फोन किया और कहा, 'पापा, ये ऑटो वाला मुझे परेशान कर रहा है। हमने नहीं किया इसका बुकिंग।' उसने ओला ड्राइवर को अपना मोबाइल दिखाते हुए कहती है कि ऐप में देखो, कहां बुकिंग है।आपके ऐप का प्रॉब्लम है, ओला ऐप का। ज़्यादा नाटक मत करो। वीडियो के वायरल होने के बाद लोगों ने लड़की का सपोर्ट किया है। एक यूजर ने लिखा, 'महिला ने ऐसा किया और उसे रद्द कर दिया तो क्या हुआ... एक महीने पहले बुकिंग क्राइसिस में ऑटो रिक्शा और टैक्सियों ने मुझसे दोगुना पैसे मांग रहे थे, 5 बार राइड कैंसिल किया। उन पर क्या कार्रवाई की गई? नियम दोनों पक्षों के लिए हैं अगर एक ऑटो चालक रद्द कर सकता है तो ग्राहक भी ऐसा कर सकता है।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'ऑटो वाला ग्राहक को 10-20 मिनट तक इंतजार कराने के बाद सवारी रद्द कर सकता है, लेकिन ग्राहक बैकअप ऑटो बुक नहीं कर सकता है?'

एमपी में फिर एक साथ गरजे 5 बुलडोजर, माफियाओं में दहशत, इस शहर में ध्वस्त किए 90 करोड़ के अवैध कब्जे

नीमच, 17 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के नीमच जिले में बुलडोजर से बड़ी कार्रवाई की गई है। प्रशासन ने नगर पालिका की 90 करोड़ की जमीन को पांच बुलडोजर से अतिक्रमण मुक्त कराया। इस कार्रवाई में 6 पक्के घरों को जमींदोज कर 12 बीघा सरकारी जमीन खाली करवाया गया है। शहर के बगीचा नंबर 12 इलाके में जिला प्रशासन व नगर पालिका ने संयुक्त रूप से कार्यवाही करते हुए शनिवार सुबह लगभग 90 करोड़ रुपए की बेशकीमती जमीन को अतिक्रमण से मुक्त करवाया। सुबह करीब 6:30 बजे शुरू हुई कार्यवाही लगातार 5 घंटे तक चली। कार्यवाही के दौरान 6 पक्के निर्माण सहित अस्थाई निर्माण व नगर पालिका के स्वामित्व वाली करीब 12 बीघा भूमि को अतिक्रमण से मुक्त करवाया गया। नीमच के कैंट थाना क्षेत्र के बगीचा नंबर 12 इलाके में नगर पालिका के आधिपत्य की बेशकीमती भूमि पर वर्षों से लोगो ने कब्जा कर रखा था। शासकीय भूमि पर लोगों द्वारा ना सिर्फ खेती की जा रही थी, बल्कि पक्के मकान भी बना लिए थे।

जिसको लेकर नगर पालिका व जिला प्रशासन ने कई बार अतिक्रमण कर्ताओं को अतिक्रमण हटाने के लिए नोटिस जारी किए लेकिन लोगों ने अतिक्रमण नहीं हटाया। पूर्व में एक बार नगर पालिका व जिला प्रशासन की टीम अतिक्रमण हटाने पहुंची थी लेकिन लोगों ने टिम पर हमला कर दिया था जिसके चलते अमले को बेरंग लौटना पड़ा था। सुबह एक बार भी नगर पालिका, जिला प्रशासन, राजस्व विभाग तथा पुलिस विभाग की 5 टीमें मौके पर पहुंची और सुबह करीब 6:30 बजे टीम ने अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही शुरू की। इससे पहले अतिक्रमण कर्ताओं को सामान खाली करने की हिदायत दी गई। जिला प्रशासन ने जिस स्थान से अतिक्रमण हटाया है। उस स्थान पर इनडोर - आउटडोर स्टेडियम निर्माण प्रस्तावित है। अतिक्रमण कर्ताओं द्वारा यहां अतिक्रमण कर पक्के मकान बना लिए गए थे। 12 बीघा जमीन पर अवैध रूप से खेती भी की जा रही थी। प्रशासन के सामने विरोध भी हुआ लेकिन उसका कार्रवाई पर कोई असर नहीं हुआ। 5 घंटे बुलडोजरों से हुई कार्रवाई में 6 पक्के मकान सहित कुछ अस्थाई अतिक्रमण को जमीदोज किया गया।

पशु बलि को लेकर मेनका गांधी ने नेपाल जाने वाले जानवरों को लेकर जताई चिंता

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)। पशु अधिकारों की रक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी ने पशु कल्याण कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर बिहार सरकार से राज्य भर में पशु बलि की दुखद प्रथा को समाप्त करने का आह्वान किया है। हस्तक्षेप की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए, गांधी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से संपर्क किया और उनसे न केवल पशु बलि के कार्य पर रोक लगाने का आग्रह किया, बल्कि बिहार से नेपाल में गाय, भैंस, बकरी और कबूतर जैसे जानवरों के अवैध परिवहन पर भी रोक लगाने का आग्रह किया। यह अनुरोध विशेष रूप से गढ़ीमाई त्योहार के लिए की जाने वाली बलि को कम करने पर केंद्रित था, जो पड़ोसी देश में सामूहिक पशु वध के लिए कुख्यात है। इस अवैध व्यापार के वित्तीय पहलू को संबोधित करते हुए मेनका गांधी ने अपने पत्र में बताया कि हर महीने लगभग 10 मिलियन रुपये की कीमत की भारतीय भैंसों की तस्करी नेपाल में की जाती है, जो इस अवैध कारोबार के पैमाने और मुनाफे को दर्शाता है। प्रशांत अद्वैत फाउंडेशन, ह्यूमेन सोसाइटी इंटरनेशनल/इंडिया और पीपुल फॉर एनिमल्स पब्लिक पॉलिसी फाउंडेशन जैसे विभिन्न पशु संरक्षण संस्थाओं के नेताओं से मिलकर बने प्रतिनिधिमंडल ने बिहार के मुख्य सचिव अमृत लाल मीना के साथ चर्चा की। उन्होंने उनसे पशु बलि को खत्म करने और अवैध पशु व्यापार को रोकने के लिए निर्णायक कदम उठाने का आग्रह किया। प्रतिनिधिमंडल का प्रतिनिधित्व करने वाले आचार्य प्रशांत ने सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 के साथ तालमेल बिठाते हुए 'अहिंसा' या अहिंसा के सिद्धांतों का पालन करने की आवश्यकता पर जोर दिया। आलोकपर्णा सेनगुप्ता ने बिहार में धार्मिक त्योहारों के दौरान सार्वजनिक पशु बलि की चिंताजनक प्रवृत्ति पर प्रकाश डाला, जिसमें दशहरा 2022 के दौरान बांका जिले में एक चौंकाने वाली घटना भी शामिल है, जहाँ कथित तौर पर दो लाख से अधिक बकरियों को मार दिया गया था। बलि के ये कृत्य, जिन्हें अक्सर कम रिपोर्ट किया जाता है, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 और उससे जुड़े नियमों की खुलेआम अवहेलना करते हैं, जो भारतीय आबादी के एक बड़े हिस्से में व्याप्त करुणा और अहिंसा के नैतिक और सांस्कृतिक लोकाचार को चुनौती देते हैं। चर्चा में आगे बढ़ते हुए गौरी मौलेखी ने राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों के अनुच्छेद 48 और अनुच्छेद 51 ए (जी) का हवाला देते हुए पशुओं के प्रति क्रूरता को रोकने के लिए संवैधानिक जनादेश पर जोर दिया, जो प्रत्येक नागरिक को पशुओं के कल्याण सहित प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा और सुधार करने के लिए बाध्य करता है। कार्रवाई का यह आह्वान भारतीय संविधान के मूलभूत मूल्यों के साथ प्रतिध्वनित होता है, जो मनुष्यों और पशुओं के बीच सामंजस्यपूर्ण संबंध की वकालत करता है।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 18 नवंबर- 2024

महाराष्ट्र में मुद्दाविहीन चुनाव

288 सीटों वाले महाराष्ट्र विधानसभा का आक्रामक प्रचार आज अंतिम दौर में पहुंच गया है। लेकिन ऐसा कोई भावनात्मक मुद्दा अबतक नहीं दिखा जिस पर मतदाता वोट देने का मन बना सकें। बीते कुछ सालों से देखने में आ रहा है कि लगभग हर चुनाव में ऐसा कोई मुद्दा नहीं गूंज रहा है जो पूरे राज्य को प्रभावित कर सके। देखा जाए तो महाराष्ट्र पश्चिम में मुम्बई से लेकर पूर्व में गोंदिया तक की दूरी लगभग 1000 किमी है। विदर्भ के भूमि से घिरे क्षेत्र में सोयाबीन और कपास की कीमतें किसानों को परेशान किए हुए हैं तो कोंकण के समुद्र तटवर्ती क्षेत्र के युवाओं में जहां बेरोजगारी की उच्च दर परेशान किए हुए है तो उत्तर भारतीय श्रमिकों की आमद से भी वे घबराए दिख रहे हैं। मराठवाड़ा में मराठों के लिए आरक्षण का संवेदनशील मुद्दा हावी है। मुम्बई में मराठी मतदाताओं को दिक्कत है कि महाराष्ट्र की अनदेखी करके गुजरात को आकर्षक परियोजनाएं दी जा रही हैं। विकास से जुड़ा यह मुद्दा उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना इस मुद्दे पर कुछ नहीं बोल रही हैं क्योंकि वह मुम्बई में गुजराती वोटों का बड़ा हिस्सा खोना नहीं चाहती है। कांग्रेस, भाजपा, शिवसेना के तीन गुट और एनसीपी के दो गुट करीब 9.4 करोड़ मतदाताओं को लुभाने की कोशिश कर रहे हैं। कुछ जाति आधारित दलों के अलावा प्रकाश आम्बेडकर और असदुद्दीन ओवैसी की पार्टियां भी मैदान में हैं। कई मजबूत निर्दलीय उम्मीदवार भी मोर्चा संभाले हैं। ऐसे में यदि चुनाव में वोटिंग प्रतिशत कम हुआ तो उम्मीदवारों की जीत का मार्जिन मामूली ही होगा। लोकसभा चुनाव में शरद पवार के नेतृत्व वाले महाराष्ट्र विकास अघाड़ी (एमवीए) ने 30 सीटें जीती थीं और भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति को मात्र 17 सीटें मिली थीं। 48 सीटों में से कांग्रेस को 13 और भाजपा को मात्र 9 सीटें मिली थीं। लेकिन एमवीए और महायुति गठबंधन को मिले वोटों के बीच का अंतर मात्र दो लाख के आसपास ही था। अगर लोकसभा के नतीजों पर गौर करें तो एमवीए को स्पष्ट बढ़त हासिल है। लेकिन भाजपा को भरोसा है कि विधानसभा में मतदाता का मानस अलग तरीके का होता है। भाजपा के प्रचार से पता चलता है कि लोकसभा में हार का सामना करने के बाद उसने अपनी पूरी रणनीति बदल दी है। लाड़की बहन योजना- ने करीब 2 करोड़ महिलाओं को सत्तारूढ़ महायुति के लिए 'फीलगुड फैक्टर' पैदा किया है। मराठा-मुस्लिम-दलितों ने लोकसभा में एमवीए की मदद की थी, इसकी तोड़ निकालने के लिए भाजपा ने 'बंटेंगे तो कटेंगे' का नारा दे दिया है। जाति जनगणना के लिए राहुल गांधी की अपील का मुकाबला करने के लिए भाजपा 'एक हैं तो सेफ हैं' का नारा बुलंद कर रही है। हरियाणा में भाजपा ने गैर-जाट जातियों के बीच चुपचाप काम करके जाट-विरोधी वोट हासिल किए थे। महाराष्ट्र में वह चतुराईपूर्वक ओबीसी वोटों के लिए काम कर रही है, जिनकी सामाजिक-हैसियत परम्परागत रूप से मराठा जाति से दूर रही है। यहां ओबीसी की 330 से अधिक और दलितों की 55 से अधिक उपजातियां हैं। भाजपा उन्हें एकजुट करने की कोशिश में दिन-रात एक किए हुए है। महाराष्ट्र का यह चुनाव स्थानीय भावनाओं, मुद्दों और प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में उम्मीदवारों की ताकत के आधार पर लड़ा जा रहा है। ज्यादातर जगहों पर पार्टी के बजाय उम्मीदवार ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। करीब 70 सीटों पर कांग्रेस का सीधा मुकाबला भाजपा से है। इसके बाद भी भाजपा की परीक्षा विदर्भ क्षेत्र में है। शरद पवार की परीक्षा मराठवाड़ा में है। जबकि उद्धव ठाकरे मुम्बई और ठाणे में अपने पूर्व नायब एकनाथ शिंदे से मुकाबला करते दिखाई दे रहे हैं। भाजपा महाराष्ट्र में सरकार बनाने में विफल रहती है तो इससे संसद राहुल गांधी का हौसला बढ़ेगा। क्योंकि तब वह ज्यादातर सीटें भाजपा उम्मीदवारों को हराकर आएंगी। लेकिन महाराष्ट्र में कांग्रेस की हार विपक्ष की राजनीति को कड़ी चोट पहुंचाएगी। वहीं अगर किसी को भी बहुमत नहीं मिलता है तो सरकार बनाने वालों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। इससे उनके सहयोगियों और आलोचकों की बार्गेनिंग पॉवर को ताकत मिलेगी।

शिक्षित नारियां राष्ट्र की धरोहर

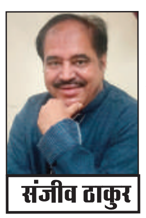

संजीव ठाकुर

भारत में ही नहीं पूरे विश्व में स्त्रियां उनके नैसर्गिक सम्मान की हकदार हैं। स्त्रियों का यथोचित सम्मान ही किसी भी समाज और राष्ट्र के विकास की धुरी हैं । पुरानी मान्यताओं को देखते हुए परिवार समाज तथा देश में स्त्रियों को अग्रणी स्थान देना तय किया जाना चाहिए । भारत देश में नारी पूज्यंते हैं, नारी को नौ देवियों का स्वरूप माना जाता है । शास्त्रों में देवी के नौ स्वरूप शैलपुत्री,ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कुष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, महागौरी,कालरात्रि, सिद्धिदात्री, देवियों के नौ रूप जो आततायों, राक्षसों से नारियों तथा देवताओं की रक्षा करती हैं पर भारत में ही नहीं पूरे विश्व में मुख्यतः व्याप्त पुरुष प्रधान समाज ने एक ऐसी सामाजिक संरचना का निर्माण किया है, जिसमें प्रत्येक निर्णय लेने संबंधित अधिकार पुरुषों के पास ही सीमित रहे हैं। आदिम समाज से लेकर आधुनिक समाज तक विश्व की आधी दुनिया के प्रति भेदभाव पूर्ण दृष्टिकोण रखा गया है।जिसने कभी भी स्त्री को व्यक्ति के रूप में स्वीकार नहीं किया है। भारतीय समाज में भी प्राचीन नीतिकारों ने स्त्रियों को पिता, भाई, पति या पुत्र के संरक्षण में ही सामाजिक जीवन जीने की शास्वत वकालत की है. हमारे धर्म धर्मशास्त्रों में भी "प्राप्ते तू दशम वर्षे,यस्तु कन्या न यछ्सी",अर्थात कन्या को 10 वर्ष तक पहुंचते-पहुंचते उसका विवाह कर दिया जाना चाहिए।इस तरह की कुंठित भावनाओं से ग्रसित पुरुष समाज की मानसिकता वाली शिक्षा हर तरफ देखने मिलती है। यह सच है कि पुरुष प्रधान मानसिकता ने स्त्रियों को स्वतंत्र व्यक्ति के रूप में स्वीकार ही नहीं किया था। बल्कि तथाकथित लोकतांत्रिक एवं आधुनिक मूल्यों वाले पश्चिमी समाज ने महिलाओं को 1920 तक व्यक्ति के रूप में स्वीकार नहीं किया था। पश्चिम के देशों में व्यक्ति मतलब उनका तात्पर्य पुरुष और पुरुष समाज से ही था।

इंग्लैंड में व्यक्ति को वोट देने का अधिकार था। लेकिन महिलाएं 1918 तक वोट देने के अधिकार से वंचित थी। अमेरिका में 1920 तक महिलाएं वोट देने का अधिकार के बिना ही जीवन यापन कर रही थी। विश्व में पहली बार भारत में व्यक्ति के अंतर्गत महिला को शामिल किया गया था इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कोरनेलिया सोराबजी नामक महिला के वकालत करने संबंधी आवेदन को एक व्यक्ति के रूप में स्वीकार किया। इस तरह 1920 में महिला व्यक्ति के रूप में भारत में उच्च न्यायालय द्वारा आदेश देकर स्वीकारोक्ति प्रदान की गई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 1929 के आसपास ही महिला को व्यक्ति के रूप में स्वीकार किया गया। भारत में सदैव नारी को अबला का दर्जा दिया जा कर एक अवैतनिक श्रमिक अथवा भोग की वस्तु के रूप में देखा है। जहां समाज की आधी आबादी को व्यक्ति का दर्जा ही प्राप्त नहीं हो, वहां उसके साथ समानता के व्यवहार की अपेक्षा कैसे की जा सकती है।

कनाडा में घट रही घटनाओं के मायने

रघु ठाकुर

पिछले कुछ वर्षों से कनाडा में रह रहे हिंदू लोगों के साथ हिंसा की घटनाएं बढ़ीं है, और पिछले कुछ माह में तो इन घटनाओं में काफी वृद्धि हुई है। मंदिरों या हिन्दू समाज के लोगों पर हमला करने वाले मूल कनाडा निवासी नहीं है बल्कि भारत से गए हुए खालिस्तानी सोच के कट्टरपंथी आतंकवादी हैं। इन आतंकवादियों की संख्या कनाडा में सिखों की कुल संख्या में बहुत कम लगभग नगण्य है। परंतु जो शांतिप्रिय और राष्ट्रवादी भारतीय मानस के सिख है वह सक्षम होते हुए भी इनका मुकाबला या प्रतिकार नहीं कर पाते।

उनके स्वभाव में हिंसा जरा भी नहीं है और ऐसी ही स्थिति एक समय भारत में भी बनी थी, जब 1980 के दशक में सिख आतंकवाद पंजाब में चरम पर था और वस्तु स्थिति यह थी कि भिंडरावाले ने स्वर्ण मंदिर को अपने नियंत्रण में ले लिया था। वहां भी शांतिप्रिय सिख और एक ऐसी कौम जो सदैव देश के लिए समर्पित रही है जिसने आजादी के आंदोलन से लेकर आजादी के बाद के युद्ध में सर्वाधिक कुर्बानियां दी हैं। जब पंजाब में जलियांवाला कांड हुआ था जहां जनरल डायर ने सैकड़ों सिखों को गोली से मरवा दिया था उस बहादुर और राष्ट्रभक्त कौम के लोग अपनी ही कौम के चंद लोगों की हिंसा के सामने लाचार थे। एक तरफ उनकी आस्था और विश्वास का केंद्र स्वर्ण मंदिर था परंतु उसका परिसर भिंडरावाले और उसके सहयोगियों के नियंत्रण में पहुंच गया था। लगभग ऐसी स्थिति आज कनाडा में सिख समुदाय के बहुसंख्यक भाइयों की हो रही है। कनाडा में बसे हुए लगभग कई लाख सिखों में से मुश्किल से मुट्ठी भर लोग ऐसे हैं जो खालिस्तान की बात करते हैं और उस पर हिंसा के लिए प्रोत्साहित करते हैं या प्रयोग करते हैं। यह अपने ही इतिहास भूल जाते हैं कि यह वह बहादुर राष्ट्रीय कौम है जो सदैव विदेशी हमलावरों से लड़ी है और कभी भी अपना वतन नहीं छोड़ा है। यहां तक कि जब अंग्रेज भारत का बंटवारा कर रहे थे और चाहते थे कि सिख समाज अपना अलग देश मांगे तब भी भारत के सिखों ने कभी भी इसका समर्थन नहीं किया। आज यह चंद लोग अपने कौम के और बहादुर सिख भाइयों की कुर्बानी और शहादत को बदनाम कर रहे हैं। कनाडा के निज्जर जिनका नाम खालिस्तान आंदोलन के मुखिया के रूप में और एक हिंसक संगठन चलाने के रूप में जाना जाता था उनकी हत्या हुई थी। खालिस्तानी संगठन के लोगों ने इसका आरोप भारत सरकार पर लगाया था कि निज्जर की हत्या भारत सरकार द्वारा योजना के तहत एक अमेरिकी भारतीय नागरिक ने की है। भारत सरकार इसका निरंतर खंडन करती रही है और इसे खालिस्तानी प्रचार बताती रही है। श्री पन्नू जो अभी अमेरिका में है और वहां से खलिस्तानी आंदोलन का लगातार प्रचार कर रहे हैं, ने भी ऐसे ही आरोप लगाए हैं शायद वे ऐसे आरोप लगा कर शांति पूर्ण भारतीय सिखों को भड़काना चाहते हैं हालांकि ना कनाडा की ना अमेरिका की और ना भारत के बहुसंख्यक सिख भाइयों ने उनका कभी समर्थन नहीं किया और ना ही वे उससे सहमत हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो का झुकाव इन खालिस्तान आतंकवादियों की तरफ है इसके पीछे भी क्या कारण है यह विशेष शोध का विषय है। कनाडा की कुल आबादी में सिख समुदाय मुश्किल से दो प्रतिशत से भी कम है और इसके अलावा जो भारतीय लोग हैं उनकी संख्या भी लगभग आधा से एक प्रतिशत है दूसरी तरफ कनाडा की आमदनी का एक बड़ा हिस्सा भारतीय छात्रों के माध्यम से कनाडा में आता है। भारत के कई लाख छात्र पढ़ने के लिए कनाडा जाते हैं और औसतन एक छात्र अपने शिक्षा काल में एक करोड़ रूपया फीस और अन्य चीजों पर खर्च करता है। कनाडा की आय के स्रोत का एक अच्छा खासा हिस्सा भारतीय छात्रों से आता है। कनाडा के प्रधानमंत्री की क्या लाचारी है कि वह एक भारत विरोधी दुष्प्रचार का हिस्सा बनते हैं। यह चिंता का विषय है कि कनाडा की राजनीति में उन स्थानीय सिख भाइयों जो कनाडा के नागरिक बन गए हैं का सहयोग मिलना कारण हो या फिर कुछ अंतरराष्ट्रीय कारण भी हो सकते हैं।

पन्नू को अमेरिका ने शरण दी है। अमेरिका की यह नीति रही है कि वह सारी दुनिया में विवादित तत्वों को अपने यहां शरण देता है और लोकतांत्रिक आजादी के नाम पर उनका समर्थन करता है। उनकी हिंसक गतिविधियों का समर्थन भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से करता है, उनके इन संबंधों को जानते हुए भी उन पर आंख बंद कर लेता है। हालांकि जब उसके अपने देश की बात आती है तब वह लोकतंत्र भूल जाता है और अपने मुल्क में अपनी सत्ता कायम रखने के लिए विभिन्न प्रकार की हिंसा करने को तत्पर रहता है। 4 नवंबर को कनाडा में फिर दो हिंदू मंदिरों पर हमले हुए जिनमें महिलाओं और बच्चों को पीटा गया। जो वीडियो आए हैं उनमें स्पष्ट दिख रहा है कि खालिस्तान का झंडा लिए हुए मारपीट करने वाले लोग हैं। परंतु उनकी संख्या कुछ ज्यादा नहीं है। कनाडा की पुलिस खड़े-खड़े देख रही है। ब्राम्पटन नामक स्थान पर जहां अधिकांश हिंदू समुदाय रहता है और कनाडा के 2021 की जनगणना के अनुसार लगभग 1 लाख 10 हजार हिंदू समुदाय ब्राम्पटन में ही रहता है। ब्राम्पटन शहर कनाडा के सबसे अधिक आबादी वाले नौ शहरों में से एक है और यह हमला प्रायोजित था। यह घटना घोर निंदनीय है। 4 नवंबर को ब्राम्पटन में दो मंदिरों पर हमले हुए, एक मंदिर, हिंदू सभा मंदिर और दूसरा लक्ष्मी नारायण मंदिर में हुआ था। इन हमलावरों ने महिलाओं और बच्चों को भी पीटा। चूंकि कनाडा के प्रधानमंत्री निरंतर खालिस्तानी आतंकवादियों का समर्थन करते हैं, अतरू पुलिस और प्रशासन कहे या अनकहे उनका इशारा समझ कर मूक बना रहा है। हालांकि बाद में भारतीय उच्चायोग ने जब उस पर आपत्ति की तब वहां की सरकार ने इसकी औपचारिक रूप से निंदा की। जस्टिन ट्रूडो ने कहा की कनाडा में हर व्यक्ति को स्वतंत्र रूप से अपने धर्म पालन का अधिकार है परंतु उन्होंने अपराधियों पर कोई कार्रवाई की बात नहीं की और ना ही कनाडा में जाकर उनके देश के संविधान के खिलाफ सांप्रदायिक हिंसा करने वालों को कनाडा से बाहर निकालने की कोई बात की। यह जो आयोजन मंदिर में आयोजित हुआ था तथा मंदिर परिसर में जो कैंप लगा था, इसमें भारतीय उच्चायोग का भी समर्थन था। एक स्थानीय संस्था, हिंदू कनाडा फाउंडेशन और भारतीय उच्चायोग के सहयोग से यह आयोजन किया गया था।

इसका एक अर्थ यह भी हुआ कि यह भारत सरकार की नीति या इशारे के आधार पर प्रायोजित जैसा था और संभव है कि इसलिए इस बार ब्राम्पटन घटना में खालिस्तान हमलावरों ने कुछ ज्यादा उत्पात किया और मारपीट की। कुल मिलाकर यह चिंता का विषय है। कनाडा के हिंदू समुदाय के लिए जो कनाडा में लगभग अल्पसंख्यक हैं और भारत में सिख भाई अल्पसंख्यक हैं में भी ऐसी घटनाओं से भारत में आंतरिक तनाव में वृद्धि होती है। तनाव को बढ़ाना ही कनाडा सरकार और अंतरराष्ट्रीय शक्तियों का खेल है। वह लगातार पंजाब से बाहर गए हुए सिखों को उनके सिखों के एक छोटे से समूह को जो आतंकी हिंसा की घटनाओं में लिप्त होते हैं उन्हें प्रोत्साहित करते हैं और इन घटनाओं के आधार पर भारत को ब्लैकमेल भी करने का प्रयास करते हैं। यह यूरोप और अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय राजनीति का एक स्वीद्धत चलन है या हथकंडा है, तात्पर्य दूसरे देशों में तनाव पैदा करो, अपने देश में हिंसक शक्तियों को फलने फूलने का मौका दो और फिर दुनिया के सरपंच बनने का प्रयास करो। कुल मिलाकर इसके पीछे पैसा और कारपोरेट का प्रचार तंत्र होता है ,जो भारत जैसे देशों में अपनी कंपनियों को ठेका दिलाने के लिए सुविधाओं के लिए इन अंतर विरोधों का इस्तेमाल करता है। पहले हिंसा को पनपाओ, फिर सौदा करो, फिर हिंसा को दबाओ, यह वैश्विक व्यापार की रणनीति है।

ट्रंप 2.0 और भारत के अंतरराष्ट्रीय संबंध में संभावित नीतिगत बदलाव

प्रो एसपी शाही

डोनाल्ड ट्रंप के फिर से राष्ट्रपति बनने की संभावना के साथ, भारत-अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय संबंधों में कई संभावित नीतिगत बदलाव देखने को मिल सकते हैं। ट्रंप 2.0 की विदेश नीति में अमेरिका की प्राथमिकता पर ज़ोर दिया जा सकता है, जो भारत सहित अन्य देशों के साथ द्विपक्षीय संबंधों पर प्रभाव डाल सकता है। भारत और रूस के बीच के द्विपक्षीय संबंधों पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है। भारत और रूस के बीच पारंपरिक रूप से मजबूत संबंध रहे हैं, जो रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष और व्यापार जैसे क्षेत्रों में कई दशकों से सहयोग पर आधारित हैं। रूस ने हमेशा भारत को एक महत्वपूर्ण साझेदार माना है और दोनों देशों के बीच संबंध एक मजबूत और लंबे समय से चले आ रहे सामरिक साझेदारी में बदल चुके हैं। रूस, भारत को सैन्य हार्डवेयर और तकनीकी सहायता का प्रमुख आपूर्तिकर्ता रहा है और दोनों देशों ने विभिन्न सैन्य अभ्यासों और तकनीकी साझेदारियों के माध्यम से अपने संबंधों को और गहरा किया है ।हालाँकि, अमेरिका और भारत के बीच भी पिछले कुछ वर्षों में सामरिक संबंधों में वृद्धि हुई है। अमेरिका के साथ भारत के घनिष्ठ संबंध का एक प्रमुख कारण क्षेत्रीय सुरक्षा और एशिया-प्रशांत क्षेत्र में शक्ति संतुलन को बनाए रखना है। डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने पर रूस के प्रति तनावपूर्ण संबंध को देखते हुए भारत को अपनी विदेश नीति को बेहद संतुलित तरीके से संचालित करना होगा। यदि ट्रंप प्रशासन रूस के खिलाफ कठोर कदम उठाता है और उस पर अधिक आर्थिक प्रतिबंध लगाता है, तो यह भारत के लिए एक चुनौतीपूर्ण स्थिति पैदा कर सकता है। रूस के खिलाफ प्रतिबंधों का अर्थ यह होगा कि भारत के लिए रूस से रक्षा उपकरणों की खरीदारी और सहयोग करना और अधिक कठिन हो सकता है। इन प्रतिबंधों का प्रभाव न केवल भारत-रूस रक्षा साझेदारी पर पड़ेगा, बल्कि इससे भारत के ऊर्जा क्षेत्र पर भी असर हो सकता है, क्योंकि रूस भारत के लिए ऊर्जा का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। भारत के लिए यह स्थिति विशेष रूप से कठिन होगी, क्योंकि रूस और अमेरिका दोनों ही भारत के लिए महत्वपूर्ण साझेदार हैं। भारत का रूस के साथ रक्षा और ऊर्जा क्षेत्र में दीर्घकालिक संबंध रहा है, जबकि अमेरिका के साथ हाल के वर्षों में भारत ने सामरिक, तकनीकी और व्यापारिक संबंधों को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया है। यदि ट्रंप प्रशासन रूस पर प्रतिबंधों को और बढ़ाता है, तो भारत को अपने पुराने सहयोगी रूस के साथ संबंधों को बनाए रखने के लिए वैकल्पिक रणनीतियाँ अपनानी पड़ सकती हैं, जिसमें अन्य देशों के साथ रक्षा उपकरणों की साझेदारी, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और स्वदेशी रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देना शामिल हो सकता है। ट्रंप के प्रशासन के दौरान चीन के प्रति अमेरिका का सख्त रुख भी भारत और रूस के संबंधों को प्रभावित कर सकता है। चीन, रूस का एक प्रमुख साझेदार है और दोनों देशों के बीच विभिन्न आर्थिक और सैन्य सहयोग बढ़ रहे हैं। इस स्थिति में, यदि अमेरिका भारत को चीन के खिलाफ एक सहयोगी के रूप में देखता है, तो रूस का झुकाव चीन की ओर अधिक हो सकता है। भारत के लिए यह स्थिति जटिल हो सकती है, क्योंकि चीन के साथ उसके सीमाई विवाद और रूस के साथ उसकी सामरिक साझेदारी दोनों ही महत्वपूर्ण हैं। भारत को अपनी विदेश नीति में संतुलन बनाए रखने के लिए अत्यधिक सतर्कता बरतनी होगी ताकि वह किसी भी बड़े सामरिक साझेदार को न खोए। आर्थिक मोर्चे पर भी ट्रंप प्रशासन की 'अमेरिका प्रथम' नीति का प्रभाव भारत और रूस के बीच के व्यापार संबंधों पर पड़ सकता है। ट्रंप की नीतियों के तहत भारत को अमेरिकी प्रतिबंधों से बचते हुए रूस के साथ अपने आर्थिक और व्यापारिक संबंधों को बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। अमेरिका द्वारा रूस पर आर्थिक प्रतिबंध लगाने की परिस्थिति में भारतीय कंपनियों के लिए रूस में व्यापार करना कठिन हो सकता है, खासकर रक्षा और ऊर्जा जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में। ऐसे में भारत को अपनी आर्थिक रणनीति में नए सिरे से सोचने की आवश्यकता पड़ सकती है ताकि वह रूस के साथ अपने व्यापारिक हितों को बनाए रख सके। भारत और रूस दोनों के लिए यह आवश्यक होगा कि वे अपने-अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप अपनी विदेश नीतियों को ढालें और वैश्विक राजनीति में उभरती हुई परिस्थितियों के अनुसार अपने सामरिक गठजोड़ों को पुनर्विचार करें। ट्रंप के प्रशासन के दौरान भारत और रूस दोनों को अपने विदेशी सहयोगियों के साथ संबंधों को पुनः मूल्यांकन करने की आवश्यकता होगी। भारत को एक संतुलन की स्थिति बनाए रखनी होगी ताकि वह रूस और अमेरिका दोनों के साथ अपने संबंधों को बनाए रख सके और साथ ही अपनी सामरिक और आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर सके। डोनाल्ड ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने की स्थिति में, भारत और चीन के बीच की संभावित नीतियों पर भी गहरा प्रभाव पड़ सकता है। ट्रंप के पहले कार्यकाल में चीन के प्रति सख्त रुख देखने को मिला था। ट्रंप ने चीन पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए , उसके साथ व्यापार युद्ध छेड़ा और उसे वैश्विक व्यापार प्रणाली में संतुलन में रखने के लिए विभिन्न नीतियों को अपनाया था। ट्रंप के फिर से राष्ट्रपति बनने पर संभवतः अमेरिकी नीतियां और भी सख्त हो सकती हैं, जिसका भारत-चीन संबंधों पर सीधा प्रभाव देखने को मिल सकता है। भारत और चीन के बीच सीमा विवाद और व्यापारिक तनाव लंबे समय से चले आ रहे हैं, विशेषकर 2020 में गलवान घाटी में हुए टकराव के बाद से दोनों देशों के संबंधों में गहरी खाई पैदा हो गई है। ट्रंप के राष्ट्रपति बनने पर अमेरिका का चीन के प्रति सख्त रुख भारत के लिए फायदेमंद हो सकता है। अमेरिकी समर्थन भारत को सामरिक और मनोवैज्ञानिक तौर पर एक बढ़ावा दे सकता है, जो चीन के खिलाफ एक मज़बूत स्थिति स्थापित करने में सहायक हो सकता है। यह भी संभव है कि ट्रंप भारत के साथ एशिया-प्रशांत क्षेत्र में शक्ति संतुलन बनाए रखने के लिए सामरिक साझेदारी को और अधिक मजबूत करने का प्रयास करें। यदि ट्रंप चीन के खिलाफ अपने सख्त आर्थिक प्रतिबंध जारी रखते हैं, तो भारत के लिए इस स्थिति में लाभ उठाने का अवसर होगा। चीन पर अमेरिकी प्रतिबंधों का मतलब यह होगा कि कई अमेरिकी और अंतरराष्ट्रीय कंपनियाँ चीन से बाहर अपने विकल्प तलाशेंगी। भारत एक बड़ा उपभोक्ता बाजार और बढ़ती अर्थव्यवस्था है और ऐसे में अमेरिकी कंपनियों के लिए भारत एक वैकल्पिक निवेश स्थल बन सकता है। यह भारत की आर्थिक स्थिति को और सुदृढ़ कर सकता है और दोनों देशों के बीच व्यापार में भी वृद्धि ला सकता है। हालाँकि, यह भारत के लिए भी चुनौतीपूर्ण हो सकता है कि वह अपनी व्यापार नीतियों और श्रम कानूनों को इस प्रकार से ढालें कि वे अमेरिकी और अन्य अंतरराष्ट्रीय निवेशकों को आकर्षित कर सकें। ट्रंप की चीन विरोधी नीतियों का एक अन्य महत्वपूर्ण प्रभाव भारत की सैन्य नीति पर भी पड़ सकता है।

मणिपुर -आखिर यह हिंसा की आग कब बुझेगी ?

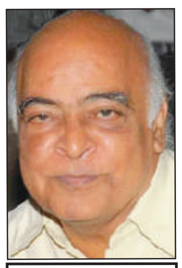

अशोक भाटिया

मणिपुर पिछले 18 महीनों से जल रहा है। हिंसा की आग ऐसी फैली है जो बुझने का नाम नहीं ले रही। जगह-जगह हत्याएं, मारपीट, शोषण, रेप और बर्बरता की खबरें आ रही हैं। मणिपुर में हिंसा और महिलाओं के साथ बर्बरता की कई घटनाएं पिछले एक साल में हुई हैं। अब 3 बच्चों की मां के साथ दरिंदगी की हर हद पार की गई है। महिला का पहले रेप किया गया और फिर दरिंदों ने उसके शरीर पर कीलें ठोक दी। इसके बाद महिला को जला दिया। इंसानियत को शर्मसार करने वाली इस घटना से डॉक्टर भी हैरान हैं। पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टरों ने इसे वीभत्स और दिल दहला देने वाला बताया है। महिला के पति ने जो FIR दर्ज कराई, उसमें कहा कि घर के भीतर 'बेरहमी से हत्या' किए जाने से पहले उसका बलात्कार किया गया था। हालांकि, असम के सिलचर मेडिकल कॉलेज में हुए पोस्टमार्टम से यह पता नहीं चल सका कि महिला का रेप किया गया था या नहीं। जानते हैं क्यों? क्योंकि उसके जले हुए शरीर को देखते हुए डॉक्टरों ने योनि से स्मीयर जुटाने की किसी भी संभावना को सिरे से खारिज कर दिया। गौरतलब है कि मणिपुर हिंसा की आग में आज तक जल रहा है। पूर्वोत्तर में स्थित इस राज्य में लूट, हत्याओं और अशांति की खबरें आम हैं। मणिपुर में 3 मई 2023 से हिंसा का दौर शुरू हुआ था। लेकिन 18 महीने बाद भी राज्य में शांति बहाल नहीं हुई। पिछले सप्ताह जिरीबाम जिले की एक हिंसा में 5 लोगों की मौत हो गई। मणिपुर में जारी हिंसा के बीच एक बार फिर स्थिति तनावपूर्ण तब हो गई जब शनिवार को प्रदर्शनकारियों ने राज्य के तीन मंत्रियों और छह विधायकों के आवासों पर हमला किया। यह घटनाक्रम मणिपुर में हाल ही में नदी से निकाले गए लापता छह लोगों में से तीन के शवों के मिलने के एक दिन बाद हुआ। इस हमले के बाद राज्य सरकार ने पांच जिलों में अनिश्चितकाल के लिए निषेधाज्ञा लागू कर दी और कुछ क्षेत्रों में इंटरनेट सेवाएं भी निलंबित कर दीं। मणिपुर में हालात की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वहां हिंसा में शामिल दोनों समुदायों के पास अब ऐसे हथियार हैं जिनका इस्तेमाल आमतौर पर युद्ध में किया जाता है। सेना इस कदर मजबूर है कि उन्हें एंटी ड्रोन सिस्टम तैनात करने पड़े हैं। पहाड़ों और घाटियों में लोगों ने बंकर बना रखे हैं। ऐसे में सवाल ये उठता है कि आखिर 18 महीने बाद भी इस राज्य में हिंसा क्यों नहीं थम रही? वैसे तो मणिपुर में पिछले साल मई से ही हालात तनावपूर्ण हैं लेकिन पिछले कुछ महीनों से स्थिति थोड़ी नियंत्रण में थी। लेकिन अब हवाई बमबारी, आरपीजी और अत्याधुनिक हथियारों के लिए ड्रोन के इस्तेमाल के बाद हालात और खराब हो गए हैं। ताजा हमले के बाद तलाशी में पुलिस को 7.62 मिमी स्नाइपर राइफल, पिस्तौल, इम्प्रोवाइज्ड लॉन्ग रेंज मोर्टार (पोम्पी), इम्प्रोवाइज्ड शॉर्ट रेंज मोर्टार, ग्रेनेड, हैंड ग्रेनेड समेत तमाम आधुनिक हथियार मिले।वही, मणिपुर अखंडता पर समन्वय समिति ने एक कड़ा अल्टीमेटम जारी किया है, जिसमें मणिपुर में चल रहे संकट को हल करने के लिए भारतीय सशस्त्र बलों से तत्काल और निर्णायक कार्रवाई की मांग की गई है। समिति ने स्थिति से निपटने के लिए बलों को पांच दिन की समय सीमा तय किया था , जिसमें चेतावनी दी गई थी कि कार्रवाई न करने पर लोगों को अपनी आबादी की सुरक्षा के लिए कठोर कदम उठाने पड़ेंगे। समिति ने स्थिति से निपटने के लिए केंद्रीय बलों के तरीके, खासकर कुकी उग्रवादी समूहों से निपटने के उनके तरीके पर गहरा असंतोष व्यक्त किया । अपने अल्टीमेटम में, COCOMI ने या तो इन उग्रवादी समूहों पर कड़ी कार्रवाई करने या मणिपुर से केंद्रीय बलों को वापस बुलाने का आह्वान किया । सबसे अहम सवाल ये है कि आखिर मणिपुर में हिंसा थम क्यों नहीं रही है? इसके कई कारण हैं। आसान भाषा में समझें तो ये पूरी लड़ाई दो जातीय समूह कुकी और मैतई के बीच की है।

ज्यादार मैतई समुदाय के लोग घाटी में रहते हैं और वहीं कुकी समुदाय के लोग पहाड़ों पर रहते हैं। हिंसा के बाद तो इन दोनों समुदायों का एक-दूसरे के स्थानों पर जाना बिलकुल बंद सा है। यही अलगाव हिंसा न थमने का एक बड़ा कारण भी है।दोनों की अलग-अलग लोकेशन होने के चलते पूरा इलाका एक सरहद में बदल गया है। रिपोर्ट के अनुसार, दोनों ने अपने लिए सेफ बंकर बना लिए हैं। भारी मात्रा में हथियार दोनों के पास ही मौजूद हैं।

जिससे जब मौका मिलता है तब वो एक-दूसरे पर हमला करते हैं और फिर बंकर में छिप जाते हैं। घाटी और पहाड़ी होने के चलते उन्हें रोक पाना भी मुश्किल हैं। सवाल ये भी है कि आखिर दोनों ही समुदायों के पास इतनी बड़ी संख्या में हथियार कहां से आए।

विकास का घेरा और वादों का बसेरा

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

शहर की गलियों में चुनाव की गूंज एक बार फिर सुनाई देने लगी थी। नेताजी इस बार नए वादों का झोला लेकर मैदान में उतरे थे। अबकी बार उनका नारा था – "हर गली में पुल, हर सड़क पर फूल।" लेकिन हकीकत यह थी कि जनता की आधी सड़कें तो पिछली बारिश में ही बह गई थीं। और जो पुल नेताजी ने पिछले चुनाव में बनवाने का वादा किया था, वह फाइलों में ही इधर-उधर सरकता रहा।नेताजी, अपनी छवि और कुर्सी की मजबूती के लिए संस्कारों का भव्य आवरण ओढ़े थे। उनके चुनावी पोस्टर पर कर्मवीर, धर्मनिष्ठ और सर्व-समर्पित जैसे भारी-भरकम विशेषण बड़े शान से छपे हुए थे। जनता को दिखाने के लिए नेताजी हर सुबह मंदिर में जाकर घंटों घंटी बजाते, हालांकि वो बात अलग थी कि मंदिर के बाहर से सीधे होटल में पावभाजी और कोल्ड ड्रिंक से नाश्ता करते नजर आ जाते। हर साल की तरह इस बार भी नेताजी ने अपने भाषण में विकास का यज्ञ करने की घोषणा की। वो बोले, "हम इस शहर को स्वर्ग बना देंगे, और हमारी जनता का जीवन सुखी और समृद्ध होगा!" जनता भी हां-हां करती रही, क्योंकि जनता जानती थी कि नेताजी के हर वादे में एक 'परमानेंट' हल्का सा झोल है। इस चुनावी सीजन में उनके संस्कार संकल्प में एक नई योजना का इजाफा हुआ – बड़े बुजुर्गों का सम्मान₹। उन्होंने कसम खाई थी कि वो इस बार हर गली के बुजुर्गों के पैर छूकर वोट मांगेंगे। इस मुहिम में सबसे खास बात ये थी कि नेताजी ने हर बार पैर छूने के बाद कैमरे की ओर देखना और मुस्कुराना नहीं छोड़ा। फिर क्या, यह देखते ही उनके समर्थकों का झुंड संस्कारमूर्ति जिंदाबाद! के नारे लगाने लगता। लेकिन बुजुर्ग लोग असमंजस में थे कि नेता जी के नारे अधिक सच हैं या उनके दर्द से कराहते घुटने। इस बार चुनाव के प्रचार में एक खास रंगीनियत जुड़ी थी – गरीबों को रजाई बांटने की योजना। वैसे तो नेताजी के पिछले कार्यकाल में गरीबों के लिए जो सस्ते मकान बने थे, उनकी दीवारें पहले ही बारिश में गल गई थीं। लेकिन रजाई तो एकदम नई योजना थी। नेताजी ने खुद एक रजाई को लेकर कहा, "हम आपको रजाई देंगे ताकि इस बार की सर्दी से बच सकें!" पर अफसोस, चुनाव के बाद रजाई का क्या होगा, इसका जवाब नेताजी के पास नहीं था। उधर जनता के बीच खबर थी कि नेताजी का 'संस्कार संकल्प' बस वोट तक का ही था। एक बार किसी बुजुर्ग ने नेताजी से सवाल पूछ लिया कि उनके इलाके की सड़क कब बनेगी। नेताजी तुरंत ही आंखें तरेरते हुए बोले, देखिए, हम इस बार संस्कारों की बात कर रहे हैं, विकास की नहीं।

इसी जगह पर भगवान शिव ने किया था विष पान, अद्भुत है मान्यता

आपने भगवान शिव के कई चमत्कारी मंदिरों के बारे में तो सुना ही होगा। इनमें से एक है नीलकंठ महादेव मंदिर। नीलकंठ महादेव मंदिर भारत के प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। कहा जाता है कि भगवान शिव ने इसी स्थान पर समुद्र मंथन से निकला विष पिया था और विष के प्रभाव से उनका कंठ यानि गला नीला पड़ गया था इसलिए महादेव के इस मंदिर को नीलकंठ महादेव के नाम से जाना जाता है। श्रुति और स्मृति पुराण में भी इस मंदिर का जिक्र मिलता है। तो चलिए आज हम आपको भगवान शिव के इस मंदिर के बारे में विस्तार से बताते हैं।

नीलकंठ महादेव मंदिर ऋषिकेश से काफी ऊंचाई पर स्थित है। महादेव का यह मंदिर प्राकृतिक सुंदरता से घिरा हुआ है। नीलकंठ मंदिर उत्तराखंड की सुरम्य पहाड़ियों के बीच मधुमती और पंकजा नदी के संगम पर स्थित है।

आपको बता दें कि भगवान शिव का आशीर्वाद लेने और उनके दर्शन के लिए लोग इस मंदिर में दूर-दूर से आते हैं। इसके अलावा, मंदिर के प्रांगण में एक अखंड धूनी जलती रहती है और उस धूनी की भभूत को श्रद्धालु प्रसाद के तौर पर भी लेकर जाते हैं।

पहाड़ी से गिरा बोल्डर, दो विदेशी यात्रियों की मौत, कई घायल

मंदिर के पुजारी गिरी जी के मुताबिक, एक बार देवताओं और असुरों (राक्षसों) ने अमरता का अमृत प्राप्त करने के लिए महासागर का मंथन करने का फैसला किया। उन्होंने भगवान विष्णु से मदद मांगी। जिसमें मंथन के दौरान मंदार पर्वत को मथनी के रूप में इस्तेमाल किया गया और वासुकी नाग को मंथन की रस्सी के रूप में प्रयोग किया गया था। समुद्र मंथन के दौरान कुल 14 चमत्कारी चीजें निकलीं जिसमें कामधेनु (इच्छा पूरी करने वाली गाय), उच्चैश्रवा (दिव्य सफेद घोड़ा) और देवी लक्ष्मी भी प्रकट हुईं।

जैसे-जैसे मंथन जारी रहा, समुद्र की गहराई से कालकूट नामक हलाहल विष निकला। विष इतना शक्तिशाली और खतरनाक था कि इससे पूरी सृष्टि के नष्ट होने का खतरा था। विनाशकारी परिणामों के डर से देवता और असुर भगवान शिव की सहायता लेने के लिए दौड़ पड़े। तब भगवान शिव ने संसार के कल्याण के लिए कालकूट नामक हलाहल विष को पीकर अपने कंठ में उसे धारण किया। जिससे उनका कंठ नीला पड़ गया। तभी से उन्हें नीलकंठ के नाम से जाना जाने लगा, जहां नील का अर्थ नीला और कंठ का अर्थ गला है।

नीलकंठ महादेव मंदिर

जिसके बाद इस विष की ज्वलंता को शांत करने के लिए भगवान शिव ने पंकजा और मधुमति नदी के संगम के समीप मंचपणी नामक वृक्ष के नीचे समाधि लेकर 60 हजार वर्षों तक तप किया। भगवान शिव जिस वृष के नीचे समाधि लेकर बैठे थे, उसी स्थान पर आज भगवान शिव का स्वयंभू लिंग विराजमान है।

नीलकंठ मंदिर की वास्तुकला है बेहद खास विष पीते हुए महादेव

नीलकंठ महादेव मंदिर की वास्तुकला बहुत ही सुंदर है। मंदिर में प्रमुख प्रवेश द्वार है जो जटिल नक्काशी और मूर्तियों से सुसज्जित है और प्रवेश द्वार पर विभिन्न देवी-देवताओं का चित्रण है। मंदिर के शिखर के तल पर समुद्र मंथन के नजारों को दिखाया गया है। मंदिर के गर्भ गृह पर एक बड़ी मूर्ति में भगवान शिव को विषपान करते हुए दिखाया है। नीलकंठ महादेव मंदिर आध्यात्मिकता और कला का सबसे खास प्रतीक माना जाता है।

स्वामी रामतीर्थ से सीखें मानसिक शांति पाने का तरीका

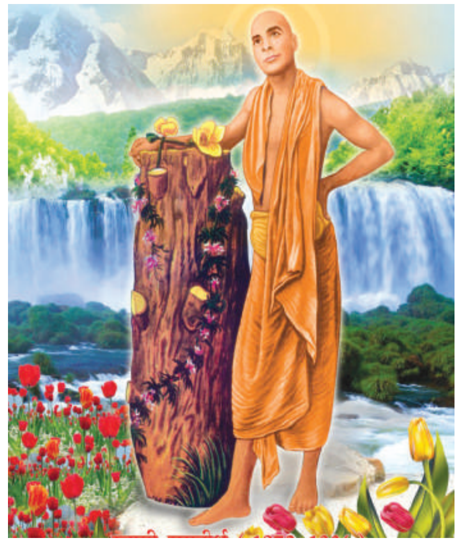

स्वामी रामतीर्थ ने अपनी विदेश यात्रा के दौरान अमरीका के कई जाने-माने विश्वविद्यालयों व अन्य संस्थानों में प्रवचन दिए। उनके विचार लोगों को मंत्रमुग्ध कर देते थे। उन्हें सुनने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ती थी। एक दिन उनसे मिलने एक ऐसी महिला आई जिसे शांति और सुख की तलाश थी। वह बहुत दुखी थी क्योंकि कुछ दिन पहले ही उसके बेटे की मृत्यु हो गई थी।

महिला ने स्वामी जी से कहा, "मैं बहुत दुखी हूं और किसी भी कीमत पर सुख पाना चाहती हूं।"

इस पर स्वामी रामतीर्थ ने कहा, "प्रसन्नता और शांति पैसों से खरीदी जाने वाली वस्तुएं नहीं हैं। फिर भी यदि तुम चाहो तो मैं तुम्हें इसका मार्ग बता सकता हूं।"

स्वामी जी ने उस श्वेत महिला को सलाह दी कि वह किसी नीग्रो बच्चे को गोद ले और उसे अपने बच्चे की तरह पाले, तो उसे शांति मिल सकती है।

यह सुनकर वह महिला दुखी मन से बोली कि यह मुझसे हो पाना मुश्किल है। दरअसल श्वेत महिला के लिए किसी अश्वेत बच्चे को अपनाना तत्कालीन अमेरिकी समाज में काफी चुनौतीपूर्ण था।

स्वामी जी ने कहा कि यदि तुम ऐसा नहीं कर सकती हो तो शांति की आशा छोड़ दो। आखिरकार महिला ने सोचा कि स्वामी जी की सलाह मान ही लेती हूं। उसने एक नीग्रो बच्चे को गोद ले लिया।

सचमुच में कुछ दिन बाद महिला ने महसूस किया कि स्वामी जी की राय एकदम सही थी।

गोद लिए हुए नीग्रो बच्चे से उसके हृदय में ऐसी ममता उमड़ी कि वह प्रसन्न रहने लगी। स्वामी जी ने श्वेत और अश्वेत के भेद से रहित जो ममतामयी मंत्र शक्ति उस महिला को दी, वह बेहद चमत्कारी साबित हुई। उससे महिला को बहुत मानसिक शांति प्राप्त हुई।

स्वामी विवेकानंद से जानें, भागने के बजाय किस तरह निकालें अपनी समस्याओं का समाधान

बनारस में स्वामी विवेकानंद एक मंदिर के समीप से निकल रहे थे कि तभी वहां मौजूद बहुत सारे बंदरों ने उन्हें घेर लिया। वे उनसे प्रसाद छीनने लगे और उन्हें डराने भी लगे।

स्वामी जी बहुत भयभीत हो गए और खुद को बचाने के लिए भागने लगे।

पास खड़े एक वृद्ध संन्यासी यह सब देख रहे थे। उन्होंने स्वामी जी को रोका और कहा, "रुको ! डरो मत, उनका सामना करो और देखो क्या होता है।"

संन्यासी की बात सुनकर स्वामी जी तुरन्त पलटे और बंदरों की तरफ बढ़ने लगे। उनके आश्चर्य का ठिकाना नहीं रहा जब उनके ऐसा करते ही सभी बंदर भाग गए। उन्होंने संन्यासी को इस सलाह के लिए धन्यवाद किया। इस घटना से स्वामी जी को एक गंभीर सीख मिली और कई सालों बाद उन्होंने एक संबोधन में इसका जिक्र करते हुए कहा, "यदि तुम कभी किसी चीज से भयभीत हो तो उससे भागो मत, पलटो और उसका सामना करो। वाकई, यदि हम भी अपने जीवन में आई मुसीबतों का सामना करें और उनसे भागे नहीं तो बहुत-सी परेशानियों का समाधान आसानी से हो जाएगा।"

नकारात्मक ऊर्जा से भर गया है आपका घर इन 5 विशेष लक्षणों से चलता है पता

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर की खुशियां और जीवन की तरक्की ऊर्जाओं से जुड़ी होती हैं। घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहने से जीवन में तरक्की होती जाती है जबकि घर में नकारात्मक ऊर्जा रहने से आपका हर काम अधूरा छूट जाता है। वहीं, आप सफलता पाने के लिए कितनी भी कोशिशें क्यों न कर लें लेकिन आपको कामयाबी नहीं मिल पाती। इसका कारण घर में मौजूद नकारात्मक ऊर्जा भी हो सकती है। आप कुछ लक्षणों को देखकर अंदाजा लगा सकते हैं कि आपके घर में नकारात्मक ऊर्जा है या नहीं। आइए, जानते हैं कि कौन-से हैं वे लक्षण।

इलेक्ट्रॉनिक आइटम्स का बार-बार खराब होना

इलेक्ट्रॉनिक आइटम्स बिजली से चलते हैं, इसका अर्थ यह है कि इलेट्रॉनिक आइटम्स ऊर्जा से चलते हैं। ऐसे में घर के बिजली उपकरणों का बार-बार खराब होना दर्शाता है कि आपके घर की ऊर्जा बाधित हो रही है। बिजली यानी गतिमान ऊर्जा जिसका अवरोध नकारात्मकता को दर्शाने वाला एक लक्षण है।

घर में किसी का साया दिखना या मौजूदगी का एहसास होना

घर में नकारात्मक ऊर्जा होने से घर में किसी के न होने पर भी आपको किसी की मौजूदगी का एहसास होता है। खासकर रात के समय आपको हमेशा लगेगा कि आपको कोई छुपकर देख रहा है या फिर अंधेरे में किसी का साया नजर आएगा या फिर घर में कोई अनजानी-सी हलचल महसूस होगी।

परिवार के किसी बीमार सदस्य का ठीक न हो पाना

आधुनिक युग में हर व्यक्ति किसी न किसी सेहत से जुड़ी समस्या से जूझ रहा है लेकिन घर में नकारात्मक ऊर्जा के होने से घर का कोई सदस्य अचानक ही किसी रोग का शिकार हो जाता है और बहुत इलाज कराने के बाद भी ठीक नहीं हो पाता। यह भी एक संकेत है कि घर में नकारात्मक ऊर्जा का वास है।

घर में हमेशा कोई दुर्घटना होना

बहुत सावधानी रखने के बाद भी अगर आपके घर में कोई न कोई दुर्घटना होती रहती है, तो यह भी एक संकेत है कि आपके घर में नकारात्मक ऊर्जा का वास हो चुका है। खासतौर पर अगर आपके घर में कोई सदस्य बार-बार गिर जाता है या फिर आग लगने की घटनाएं घट रही हैं, तो आपको समझ जाना चाहिए कि आपके घर में नकारात्मक ऊर्जा है।

घर में आते ही उदासी, गुस्सा या फिर रोने का मन करना

हर दिन एक जैसा नहीं होता। हर व्यक्ति अच्छे और बुरे दोनों तरह के अनुभवों से गुजरता रहता है लेकिन घर में नकारात्मक ऊर्जा के होने से आपको घर के अंदर भी असुरक्षा महसूस होने लगती है। आप बाहर या किसी अन्य जगह पर तो खुश रहते हैं लेकिन घर में आते ही उदासी, गुस्सा या फिर रोने का मन करने लगता है। ये सभी बातें घर में नकारात्मक ऊर्जा होने का संकेत हैं।

भ्रम में जीते हैं लोग, मानते हैं खुद को बड़ा दानी, जबकि देने वाला तो कोई और ही है

ज्ञानियों की मानें तो – इस संसार में देनहार ईश्वर के अलावा कोई भी नहीं है। जब मनुष्य के पास कुछ है ही नहीं तो फिर देने की बात ही बेमतलब है। जो धन-सम्पति मनुष्य के पास उपलब्ध है, उसे मनुष्य समझ लेता है कि वह उसका है, यह सबसे बड़ा भ्रम है। हम देने वाले कैसे - जो कुछ भी हमारे पास है, वह किसी और का दिया हुआ है, तो फिर जब हमारे द्वारा किसी और के पास वह वस्तु हस्तांतरित होती है तो हम देने वाले कैसे हो सकते हैं।

एक प्रेरक प्रसंग – रहीम खानखाना का नियम था, कि वे प्रतिदिन गरीब याचकों को दान देते थे और देते समय वह कभी अपनी नज़र दान लेने वाले पर नहीं डालते थे। वह नज़र नीचे करके रूपए-पैसों के ढेर से मुट्ठी भरकर गरीबों को देते थे। अपने नियम अनुसार एक दिन जब वह गरीबों को दान दे रहे थे तो उनसे किसी ने पूछा, 'जैसे-जैसे आपका हाथ दान देने के लिए उठ रहा है, आपके नैन नीचे क्यों झुकते जा रहे हैं?

तुम ऐसे दान क्यों देते हो? ऐसा तुमने कहां से सीखा?'

ऐसी देनी देन जू कित सीखे हो सैन। ज्यों-ज्यों कर ऊँचे करो, त्यों-त्यों नीचे नैन।।

इस पर रहीम ने दोहे के रूप में इसका उत्तर दिया,

'देनहार कोउ और है, भेजत सो दिन रैन। लोग भरम हम पै धरैं, याते नीचे नैन'

देने वाला तो कोई और ही है, जो दिन-रात दे रहा है, लेकिन लोग समझते हैं कि मैं दे रहा हूं, इसलिये मेरी आंखें अनायास ही शर्म से झुक जाती हैं। मनुष्य कहां किसी को कुछ दे सकता है, देने वाला तो दूसरा ही है, जो दिन-रात भेजता रहता है, इन हाथों से दिलवाने के लिए। लोगों को व्यर्थ ही भ्रम हो गया है कि रहीम दान देता है। मेरे नेत्र इसलिए नीचे को झुके रहते हैं कि मांगने वाले को यह भान न हो कि उसे कौन दे रहा है, और दान लेकर उसे दीनता का एहसास न हो। कुछ लोग ऐसा मानते हैं कि पहले प्रश्न वाला दोहा गोस्वामी तुलसीदास का है, वहीं कुछ लोग इसे कवि गंग का मानते हैं। लेकिन प्रश्न चाहे किसी ने भी किया हो, महत्वपूर्ण बात तो रहीम के उत्तर में निहित है, कि दान देते समय या किसी की मदद करते समय हमारे मन में अभिमान नहीं बल्कि नम्रता का भाव होना चाहिए।

1853 में बॉम्बे से ठाणे के बीच एशिया की पहली रेलवे ट्रेन चलाई गई

मराठों का इतिहास

1916 में हुए तिलक-जिन्ना पैक्ट में बाल गंगाधर तिलक ने हिंदू-मुस्लिम एकता और दोनों समाजों की सत्ता में भागीदारी का फॉर्मूला निकाला था। अगर वह फॉर्मूला अटूट रहता तो आगे चलकर भारत का विभाजन नहीं होता और होता भी तो ये त्रासदी में तब्दील न होता।' साल 1919, पहले विश्व युद्ध के बाद ब्रिटेन ने ऑटोमन साम्राज्य के टुकड़े-टुकड़े कर दिए और खलीफा को सत्ता से हटा दिया। भारत के मुसलमान भी इसके विरोध में अंग्रेजों के खिलाफ सड़क पर उतर आए। इसका नाम खिलाफत आंदोलन पड़ा। उनको गांधी का भी समर्थन मिला।

डॉक्टरी पढ़कर नए-नए कांग्रेसी बने नागपुर के केशव बलिराम हेडगेवार को गांधी का यह फैसला सही नहीं लगा। 2 साल बाद 1923 में नागपुर में सांप्रदायिक दंगा हुआ, तब भी कांग्रेस ने आवाज नहीं उठाई। हेडगेवार के मन में हिंदुओं के लिए अलग संगठन तैयार करने का ख्याल आने लगा। 27 सितंबर 1925 को विजयादशमी थी। हेडगेवार ने पांच लोगों के साथ अपने घर शुक्रवारी में एक बैठक बुलाई और कहा कि आज से हम संघ शुरू कर रहे हैं। बैठक में हेडगेवार के साथ विनायक दामोदर सावरकर के भाई गणेश सावरकर, डॉ. बीएस मुंजे, एलवी परांजपे और बीबी थोलकर शामिल थे। 17 अप्रैल 1926 को हेडगेवार के संगठन का नामकरण हुआ- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी RSS। 1930 में महात्मा गांधी ने अंग्रेजों के नमक कानून के खिलाफ सविनय अवज्ञा आंदोलन की शुरुआत की। तब हेडगेवार इस आंदोलन में शामिल हुए और जेल भी गए। करीब 9 महीने वे जेल में रहे।

आजादी की लड़ाई और उसके बाद भी अलग-अलग मौकों पर इस संगठन की भूमिका रही। फिलहाल देश में संघ के समर्थन वाली बीजेपी की सरकार है।

मुंबई शहर जैसा आज दिखता है, पहले ऐसा नहीं था। ये कुछ आइलैंड्स का ग्रुप था। इसमें माहिम, वर्ली, परेल, मजगांव, बॉम्बे, छोटा कोलाबा और कोलाबा मोटे तौर पर शामिल थे। नॉर्थ मुंबई के कांदीवली में ऐसे सबूत मिले हैं, जिनसे पता चलता है कि इस इलाके में करीब 2300 साल पहले भी मनुष्य रहते थे। तब इसे हेप्टेनेसिया कहा जाता था, जिसका मतलब होता है 'सात द्वीपों का समूह।'

करीब 300 ईसा पूर्व से लेकर 1348 के बीच कई मौर्य, सातवाहन, क्षत्रप, राष्ट्रकूट, यादव जैसे कई हिंदु वंशों ने यहां शासन किया। 1391 से लेकर 1534 तक ये आइलैंड कोंकण सीमा के साथ गुजरात सल्तनत के सुल्तान बहादुर शाह के कंट्रोल में थे। इसी दौरान यहां यूरोपीय लोग आने लगे। 1498 में पुर्तगाली नाविक वास्कोडिगामा पहले यूरोपियन ट्रेडर के तौर पर यहां पहुंचा।16वीं शताब्दी में पुर्तगालियों का यहां दबदबा बढ़ा और उन्होंने ये इलाका मुगलों और मराठाओं से छीनकर अपने हाथों में ले लिया। करीब 100 सालों तक उन्होंने यहां राज किया। वो इसे 'बॉम बोहिया' कहते थे। बात 1661 की है। पुर्तगाली प्रिंसेस कैथरीन डी ब्रिगेंजा की शादी इंग्लैंड के किंग चार्ल्स (द्वितीय) के साथ हुई। पुर्तगाल के शाही परिवार ने अच्छी खासी रकम के साथ बॉम्बे (अब मुंबई) और टैंजियर्स (अब मोरक्को) दहेज के तौर पर किंग चार्ल्स (द्वितीय) को दिया। यह शादी से ज्यादा एक पॉलिटिकल एग्रीमेंट था।

इंग्लैंड के किंग चार्ल्स (द्वितीय) और पुर्तगाली प्रिंसेस कैथरीन डी ब्रिगेंजा की पेंटिग। इंग्लैंड के किंग चार्ल्स (द्वितीय) और पुर्तगाली प्रिंसेस कैथरीन डी ब्रिगेंजा की पेंटिग। किंग ने ईस्ट इंडिया कंपनी को 10 पाउंड के मामूली किराए पर बॉम्बे लीज में दे दिया। 27 मार्च 1668 को इसकी घोषणा हुई। धीरे-धीरे बॉम्बे के आसपास के इलाकों पर भी कंपनी ने कब्जा किया। ईस्ट इंडिया कंपनी ने बॉम्बे प्रेसिडेंसी बनाई और करीब 90 सालों तक यहां शासन किया। कंपनी ने गुजरात की ट्रेडिंग कम्युनिटी जैसे वोहरा, पारसी और बानिया समुदाय को बॉम्बे में व्यापार करने, यहां रहने के लिए कहा। साथ ही बॉम्बे के आइलैंड्स को एक साथ जोड़ा।

1853 में बॉम्बे से ठाणे के बीच एशिया की पहली रेलवे ट्रेन चलाई गई थी। 1857 की क्रांति के बाद ब्रिटिश क्राउन ने तय किया कि भारत पर अब ईस्ट इंडिया कंपनी की जगह ब्रिटिश क्राउन का कंट्रोल होगा। इस दौरान बॉम्बे प्रेसिडेंसी में अभी के गुजरात, महाराष्ट्र और उत्तरी कर्नाटक के साथ-साथ पाकिस्तान का सिंध रीजन और यमन के कुछ इलाके भी जुड़े। हालांकि, 1935 में यमन और 1936 में सिंध को इससे अलग कर दिया गया। **(जारी)**

बेहद सौभाग्यशाली होती हैं ऐसी उंगलियों वाली लड़कियां

जिस तरह ज्योतिष शास्त्र में जातक की कुंडली देखकर उसके भविष्य के बारे में बताया जाता है ठीक उसी प्रकार सामुद्रिक शास्त्र से व्यक्ति के स्वभाव के बारे में जाना जा सकता है। सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, इंसान के शरीर के निशान और बनावट से उसके भविष्य का पता लगाया जा सकता है। इसमें हाथ, चेहरे, पैरों और उंगलियों की बनावट पर खास ध्यान दिया जाता है। शरीर पर मौजूद ये निशान शुभ और अशुभ दोनों हो सकते हैं। सामुद्रिक शास्त्र में जातक की उंगलियों का भी जिक्र किया गया है। खासतौर पर लड़कियों की उंगलियों की बनावट को लेकर कई बातें बताई गई हैं। इसके माध्यम से यह जाना जा सकता है कि वह कितनी लकी हो सकती है। ऐसे में आइए लड़कियों की उंगलियों की बनावट देखकर जानते हैं उनका भाग्य।

छोटी उंगलियां

सामुद्रिक शास्त्र में कहा गया है कि जिन लड़कियों की उंगलियां छोटी होती हैं, वे थोड़ी खर्चीली हो सकती हैं। हालांकि, ऐसी लड़कियां रिश्तों में काफी समझदार होती हैं और अपनी जिंदगी के साथी के साथ हर मुश्किल में खड़ी रहती हैं। यह अपनी जिम्मेदारियों को अच्छे से निभाती हैं और परिवार के लिए भाग्यशाली मानी जाती हैं।

मोटी और भरी हुई उंगलियां

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, अगर किसी लड़की की उंगलियां मोटी और भरी हुई होती हैं, तो इसका मतलब है कि वह रिश्तों को लेकर गंभीर रहती है। ऐसी लड़कियां अपने पिता और पति के लिए भाग्यशाली होती हैं। वे बहुत समर्पित होती हैं और रिश्तों को मजबूत बनाने में मदद करती हैं। उनका स्वभाव काफी शांत और जिम्मेदार होता है।

लंबी उंगलियां

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, जिन लड़कियों की उंगलियां लंबी होती हैं, तो इसका मतलब है कि वे अपने पति के लिए लकी होती हैं। इसके अलावा, ऐसे लोग अपने करियर में भी काफी अच्छा प्रदर्शन करते हैं और जीवन में सफलता हासिल करते हैं। उनकी सोच और काम करने का तरीका उन्हें हमेशा आगे ले जाता है।

पतली उंगलियां

अगर किसी लड़की की उंगलियां पतली हैं और उनका अग्रभाग (आगे का हिस्सा) तंग होता है, तो इसका मतलब है कि वह सुखमय दांपत्य जीवन जीने वाली होती हैं। उनका स्वभाव बहुत ही केयरिंग होता है। ऐसे लोग अपने परिवार के साथ खुश रहते हैं और रिश्तों में संतुलन बनाए रखते हैं।

गोल और लंबी उंगलियां

जिन लड़कियों की उंगलियां गोल और लंबी होती हैं, उन्हें किस्मत की धनी माना जाता है। उनका स्वभाव आकर्षक होता है और वे जहां भी जाती हैं, वहां खुशियां लेकर आती हैं। इन लड़कियों के साथ रिश्ते अच्छे होते हैं और वे अपने जीवनसाथी के लिए लकी साबित होती हैं।

डॉक्यूमेंट्री विवाद को लेकर धनुष पर भड़कीं नयनतारा

बोलीं- सोचा नहीं था इतना नीचे गिर जाओगे; एक्ट्रेस को भेजा था 10 करोड़ का लीगल नोटिस

साउथ एक्ट्रेस नयनतारा ने डॉक्यूमेंट्री विवाद को लेकर धनुष को खरी-खरी सुनाई है। सोशल मीडिया पर एक नोट शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कहा, 'आप अपने पिता

और भाई की बदौलत एक कामयाब एक्टर बने हैं, लेकिन फिल्म इंडस्ट्री में मेरा कोई गॉडफादर नहीं था। हालांकि, मैंने कभी नहीं सोचा था आप इतना नीचे गिए जाएंगे। दरअसल, यह मामला नयनतारा की लाइफ पर बेस्ड डॉक्यूमेंट्री 'नयनताराः बियॉन्ड द फेयरी टेल' से जुड़ा है। धनुष ने इस डॉक्यूमेंट्री में 3 सेकंड के विजुअल पर आपत्ति जताते हुए एक्ट्रेस को 10 करोड़ रुपये का लीगल नोटिस भेजा है।

नयनतारा का ओपन लेटर

नयनतारा ने अपने ओपन लेटर में लिखा है, 'आप अपने पिता और भाई की बदौलत एक कामयाब एक्टर बने हैं, लेकिन फिल्म इंडस्ट्री में मेरा कोई गॉडफादर नहीं था, इसलिए मुझे संघर्ष करना पड़ा और आज फिल्म इंडस्ट्री में मैं अपनी बदौलत खड़ी हूं। मेरे फैंस मेरा काम जानते हैं और उन्हें मेरी डॉक्यूमेंट्री का इंतजार है, लेकिन आपके रवैये ने हमारे काम पर बड़ा असर डाला है। लेकिन इसका हर्जाना आपको भी भुगतना पडेग़ा।'

एक्ट्रेस ने आगे लिखा, 'आपने दो साल तक एनओसी के लिए तरसाकर रखा और मेरी डॉक्यूमेंट्री को भी पास नहीं किया, इसलिए हम इसे फिर से एडिट करेंगे, आपने जिस 3 सेकंड के विजुअल के लिए 10 करोड़ रुपये का लीगल नोटिस भेजा है, उसका फैसला अब कोर्ट में होगा और आपके लीगल नोटिस का जवाब कानूनी तरीके से दिया जाएगा।'

नयनतारा को गूगल पर लगातार सर्च किया जा रहा है। पिछले 30 दिनों के गूलल ट्रेंड्स को देखें तो साफ है कि नयनतारा को सर्च करने का ग्राफ तेजी से बढ़ा है।

क्या साथ छुट्टियां मना रहें हैं पलक-इब्राहिम ?

सोशल मीडिया पर पोस्ट की तस्वीरें, दोनों के रिश्ते को लेकर फैंस ने दिए रिएक्शन

सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान इन दिनों पलक तिवारी के साथ रिलेशनशिप को लेकर काफी चर्चाओं में हैं। काफी लंबे समय से इब्राहिम का नाम टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी के साथ जोड़ा जा रहा है। दरअसल, एक्ट्रेस को कई मौकों पर इब्राहिम के साथ स्पॉट किया गया है। हालांकि, रिलेशनशिप की अफवाहों को पलक ने नकार दिया है। लेकिन एक बार फिर दोनों रिलेशनशिप को लेकर चर्चाओं में हैं।

तस्वीरों से मिली फैंस को हिंट

दरअसल, इन दिनों पलक तिवारी मालदीव में वेकेशन एन्जॉय कर रही हैं। उन्होंने अपनी कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। वहीं, इब्राहिम ने भी मालदीव की कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं। इब्राहिम की पोस्ट के बाद फैंस दोनों के साथ होने का अनुमान लगा रहे हैं। सोशल मीडिया पर शेयर हुई तस्वीरों में दोनों के मैचिंग बैकग्राउंड को फैंस ने नोटिस किया है। पोस्ट देखकर फैंस ने रिएक्शन देना शुरू कर दिया है।

दोनों की लोकेशन मैच होते ही सोशल मीडिया यूजर्स और फैंस एक्टिव हो गए हैं। सोशल मीडिया पर फैंस ने कयास लगाना शुरू कर दिया है कि पलक और इब्राहिम दोनों ही मालदीव वेकेशन पर एक साथ हैं। इस बीच एक यूजर ने कमेंट किया, 'तुम पलक के साथ हो ना?' दूसरे यूजर ने लिखा, 'तो अब यह कंफर्म हो चुका है कि तुम दोनों डेट कर रहे हो?' तीसरे यूजर ने लिखा, 'तो फिर रिश्ता पक्का समझा जाए?'

दोनों को कई बार साथ में किया गया स्पॉट

बता दें, दोनों को कई बार साथ में देखा जा चुका है। मुंबई में कई बार डिनर डेट से लेकर पार्टी में दोनों साथ दिखते हैं। कुछ दिन पहले ही अबू जानी और संदीप खोसला की दिवाली पार्टी में इब्राहिम और पलक को साथ देखा गया था। इस दौरान इब्राहिम ने पलक को तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा से भी मिलवाया था।

इब्राहिम के साथ टाइम स्पेंड करना पसंद - पलक

हाल ही में पलक ने एक शो में बताया था कि वो और इब्राहिम सिर्फ पब्लिक और सोशल गैदरिंग्स में ही मिलते हैं। दोनों टच में नहीं रहते, उन्होंने कहा हमारी कभी मैसेज पर भी बात नहीं होती। पलक ने कहा इब्राहिम अली खान उनके सिर्फ दोस्त हैं, और उन्हें इब्राहिम के साथ टाइम स्पेंड करना पसंद है।

फिल्म 'सरजमीन' से बॉलीवुड में डेब्यू करेंगे इब्राहिम

वहीं, पलक के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्होंने कई म्यूजिक वीडियोज की हैं। इसके अलावा पलक, सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' में भी नजर आईं थी। वहीं, इब्राहिम की बात करें तो वो थ्रिलर फिल्म 'सरजमीन' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले हैं। इस फिल्म में उनके साथ काजोल और पृथ्वीराज सुकुमारन भी नजर आएंगे।

गूगल पर खूब सर्च किए जा रहे हैं इब्राहिम अली खान टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी को डेट करने की खबरों के बीच इब्राहिम को खूब सर्च किया जा रहा है। पिछले 30 दिनों के गूगल ट्रेंड्स को देखें तो साफ है कि इब्राहिम को सर्च करने का ग्राफ तेजी से बढ़ा है।

सिंघम टीम पर टिप्पणी के बाद भूषण कुमार का यू-टर्न

कहा- बयान को गलत तरीके से पेश किया गया, अजय-रोहित से अच्छे रिश्ते हैं

टी-सीरीज के मालिक भूषण कुमार ने हाल ही में सिंघम अगेन की टीम को लेकर एक टिप्पणी की थी और आरोप लगाया था कि स्क्रीन शेयरिंग के दौरान भूल भुलैया 3 के साथ नाइंसाफी हुई थी। हालांकि, अब भूषण कुमार ने अपने बयान पर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि मीडिया ने उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया है और उनका ऐसा कोई इरादा नहीं था। उनका कहना था कि दोनों ही फिल्मों के रिलीज के दौरान थिएटरों ने स्क्रीन शेयरिंग में सही समर्थन नहीं दिया। भूषण ने यह भी स्पष्ट किया कि अजय देवगन और रोहित शेट्टी के साथ उनके बहुत अच्छे रिश्ते हैं।

भूषण कुमार का बयान

कनेक्ट सिने के साथ हालिया बातचीत में भूषण कुमार ने कहा था, 'भूल भुलैया 3' और 'सिंघम अगेन' की रिलीज से पहले स्क्रीन बराबर बांटने को लेकर मेरी सिंघम अगेन की टीम से बहस हुई थी। मेरा मानना था कि ये दोनों ही फिल्में बड़ी हैं, इसलिए दोनों को बराबर स्क्रीन मिलनी चाहिए। मैं इस मामले में निष्पक्षता चाहता था, लेकिन कुछ पर्सनल इंटरेस्ट्स के चलते ऐसा नहीं हो पाया। इसे लेकर सिंघम अगेन की टीम ने अनफेयर किया। हालांकि, मैं थिएटर चेन को दोष नहीं देना चाहता, क्योंकि वे दूसरी फिल्म के डिस्ट्रीब्यूटर थे और उनके कुछ मुद्दे थे। इसके बाद भी उन्होंने हमें सपोर्ट किया।

सिंघम अगेन के टाइटल ट्रैक पर टी-सीरीज ने लगाया था स्ट्राइक

बता दें, यूट्यूब पर सिंघम अगेन का टाइटल ट्रैक रिलीज किया गया था, तो कुछ ही देर बाद टी-सीरीज ने उस वीडियो पर कॉपीराइट स्ट्राइक लगा दी थी। दावा था कि इस सॉन्ग पर 2011 की मूल सिंघम फिल्म की थीम के कुछ तत्व शामिल हैं, जिनके राइट्स उनके पास हैं।

इसके बाद डायरेक्टर रोहित शेट्टी को सारे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से टाइटल ट्रैक को हटाना पड़ा था। गाने की फिर से एडिटिंग करनी पड़ी और इसे फिर से दोबारा यूट्यूब पर अपलोड करना पड़ा।

माधुरी दीक्षित ने सुनाया घाघरा गाने की शूटिंग का किस्सा : बोलीं- रणबीर कपूर काफी शरारती हैं, उनके साथ काम करके अच्छा लगा

माधुरी दीक्षित ने हाल ही में फिल्म 'ये जवानी है दीवानी' को लेकर बात की। एक इंटरव्यू के दौरान, एक्ट्रेस ने रणबीर कपूर को शरारती बताया और कहा कि वह बहुत चंचल और मस्ती करने वाले हैं। लेकिन उनके अंदर एक काफी शांत स्वभाव भी है। इसके अलावा, माधुरी ने घाघरा सॉन्ग को लेकर भी बात की।

पिंकविला के साथ बातचीत में माधुरी दीक्षित ने कहा, 'ये जवानी है दीवानी फिल्म में मैंने घाघरा गाने पर डांस किया था। मुझे यह गाना करते हुए बहुत मजा आया, क्योंकि सबसे पहले गाना तो शानदार था। लेकिन जिस तरीके से इसे फिल्माया गया। वह और भी ज्यादा बेहतरीन था। यह फिल्म में एक ऐसे मोड़ पर आता है, जहां यह सभी को हैरान कर देता है।' माधुरी दीक्षित ने अपने आइकॉनिक गानों के सलेक्शन के बारे में कहा, 'मैंने सोचा था कि वैसे चोली के पीछे गाने कर लिए हैं, चलो अब घाघरा पर डांस करते हैं। इतना ही नहीं, मैंने द फेम गेम के लिए दुपट्टा मेरा भी किया, तो अब दुपट्टा भी हो गया।'साल 2013 में रिलीज हुई फिल्म ये जवानी है दीवानी जबरदस्त हिट रही थी। 320 करोड़ रुपए का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन करने वाली इस फिल्म को अयान मुखर्जी ने डायरेक्ट किया है।

करण-अर्जुन फिल्म का हिस्सा नहीं होते शाहरुख

'करण-अर्जुन (1995)' फिल्म फिर से दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए हाजिर होने वाली है। इसे दोबारा 22 नवंबर 2024 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। शाहरुख और सलमान खान के अभिनय से सजी इस फिल्म को देखने के लिए दर्शक भी बेताब हैं। हाल ही में इसी फिल्म से जुड़ी एक अहम बात फिल्म के प्रोड्यूसर राकेश रोशन ने साझा कीं। उन्होंने बताया कि शाहरुख खान ने यह फिल्म छोड़ दी थी। फिर ऐसा क्या हुआ कि उन्होंने अपना फैसला बदल लिया।

शाहरुख ने फिल्म छोड़ दी थी

हालिया एक इंटरव्यू में राकेश रोशन ने बताया कि जब वह फिल्म करण अर्जुन बनाने वाले तो किसी को उन पर भरोसा नहीं था। राकेश रोशन बताते हैं कि पहली बार करण अर्जुन की घोषणा की थी तो दो वितरकों ने फिल्म से हाथ खींच लिए थे।

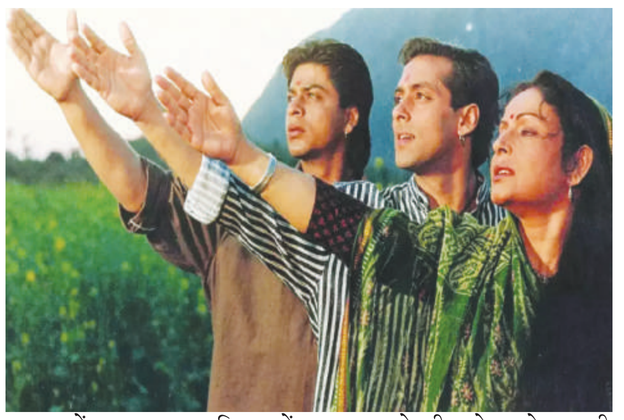

असल में इसका कारण फिल्म में दो रोमांटिक हीरो का होना था। इन दोनों कलाकारों के पास एक्शन फिल्म करने का कोई अनुभव नहीं था। इसके साथ ही शाहरुख खान ने भी शुरुआत में इस प्रोजेक्ट से किनारा कर लिया था। फिर राकेश ने आमिर खान को फिल्म में लिया लेकिन कुछ दिनों बाद शाहरुख वापस लौट आए और रोशन के साथ काम करने की बात की। दरअसलए वह पहले भी राकेश रोशन की फिल्म किंग अंकल में अभिनय कर चुके थे।

अजय देवगन भी थे फिल्म का हिस्सा

शाहरुख के साथ फिल्म में दर्शकों को सलमान खान नजर आए। लेकिन कम ही लोगों को पता है कि सलमान खान का रोल पहले अजय देवगन करने वाले थे। लेकिन उन्होंने किन्हीं कारणों से फिल्म नहीं की तो राकेश रोशन ने फिल्म में सलमान खान को साइन किया।

भा गई थी फिल्म दर्शकों को

जब फिल्म 'करण-अर्जुन' रिलीज हुई तो इसने बॉक्स ऑफिस पर कमाल कर दिया। दर्शकों को भी इस फिल्म की कहानी बहुत अच्छी लगी। फिल्म 'करण-अर्जुन' की कहानी बदले और पुनर्जन्म पर आधारित थी। इस फिल्म में करण-अर्जुन (शाहरुख खान-सलमान खान) नाम के किरदार को अमरीश पुरी का किरदार ठाकुर दुर्जन सिंह मार देता है।

फिर उनकी मां एक लंबा इंतजार करती हैए उसे यकीन होता है कि उसके दोनों बेटे लौटकर आएंगे। ऐसा होता भी है, फिल्म में करणए अर्जुन दोबारा जन्म लेते हैं और अपनी मां के पास आकर, दुर्जन सिंह से बदला लेते हैं। फिल्म में सलमान, शाहरुख के अलावा काजोल ने भी शानदार अभिनय किया था।

पत्नी ताहिरा कश्यप को लेकर बोले आयुष्मान खुराना 'सही साथी आपको ऊंचाइयों पर ले जा सकता है'

आयुष्मान खुराना और उनकी पत्नी ताहिरा कश्यप बॉलीवुड के चर्चित कपल में से एक हैं। उनके प्यार की शुरुआत कॉलेज के दिनों में हुई थी। उनकी शादी को भी कई साल हो चुके हैं। शादी के इतने सालों बाद आयुष्मान खुराना ने बताया कि ताहिरा की कौन सी बात उनको महिलावादी बनाया। इससे अन्य महिलाओं को भी वे खास लगते हैं।

चंडीगढ़ से ही ताहिरा के साथ हैं आयुष्मान

आयुष्मान खुराना ने बताया कि ताहिरा और उनकी जिंदगी में कई उतार चढ़ाव आए। वे चंडीगढ़ में थे, अच्छे से और खुश रहने से पहले उनके जीवन में बहुत सी परेशानियां आईं। आयुष्मान ने कहा कि उनकी पर्सनल ग्रोथ के लिए भी अपनी पत्नी को ही क्रेडिट देते हैं। उन्होंने कहा, आपके जीवन का सबसे महत्वपूर्ण निर्णय अपने साथी को चुनना है। सही साथी आपको ऊंचाइयों पर ले जा सकता है।

आयुष्मान खुराना ने पत्नी के लिए कही ये बात

आयुष्मान खुराना ने कहा कि अब अगर महिलाएं मेरी ओर आकर्षित होती हैं, तो यह मेरी पत्नी की वजह से है। मैं उनकी वजह से एक खास व्यक्ति बन गया हूं। शुरुआती दिनों में उनका कश्यप से कुछ समय के लिए अलगाव हो गया था। उन्होंने बताया, मैं उस समय चंडीगढ़ में सबसे लोकप्रिय व्यक्ति था और ताहिरा से यह कहते हुए ब्रेकअप कर लिया था, मैं अपनी जिंदगी जीना चाहता हूं। हालांकि, छह महीने के भीतर ही उन्हें अपनी गलतियों का एहसास हो गया और वे उनके पास वापस आ गए।

अजय देवगन पांचवीं बार संभालेंगे निर्देशन की कमान अक्षय कुमार से अपनी मर्जी पर कराएंगे काम

अजय देवगन और अक्षय कुमार की हालिया रिलीज फिल्म 'सिंघम अगेन' सिनेमाघरों मे लगी हुई है। रोहित शेट्टी निर्देशित इस फिल्म में अजय ने बाजीराव सिंघम और अक्षय ने वीर सूर्यवंशी की भूमिका निभाई है। कॉप ड्रामा फिल्म का बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन चिंताजनक है। यह अब तक अपना बजट भी नहीं निकाल सकी है। वहीं, अजय और अक्षय एक नई फिल्म पर काम करने के लिए तैयार हैं। हालांकि, इस बार वे सह-कलाकार के रूप में काम नहीं करेंगे। ट्विस्ट यह है कि अजय इस फिल्म का निर्देशन करेंगे जिसमें अक्षय मुख्य भूमिका में होंगे।

अजय देवगन का बड़ा एलान

एक हालिया मीडिया इवेंट में अजय देवगन ने अक्षय कुमार के साथ अपनी अगली फिल्म की घोषणा की। जब अभिनेता से उनके अगले सहयोग के बारे में पूछा गया, तो अजय ने कहा, 'यह कुछ ऐसा है जिसकी हम बाद में घोषणा करने वाले थे लेकिन मुझे लगता है कि यह एक बेहतरीन मंच है। हम पहले से ही एक साथ एक फिल्म पर चर्चा कर रहे हैं, जिसका मैं निर्देशन कर रहा हूं और अक्षय इसमें मुख्य कलाकार हैं।'

अक्षय कुमार को निर्देशित करेंगे अजय

अधिक जानकारी के लिए पूछे जाने पर अजय ने कहा कि अभी ज्यादा कुछ बताना जल्दबाजी होगी। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि वे इस बारे में जल्द ही बात करेंगे। अजय देवगन निर्देशित इस फिल्म के बारे में अधिक जानना दिलचस्प होगा, जिसमें अक्षय कुमार मुख्य भूमिका में हैं। 'सिंघम अगेन' से पहले अजय देवगन और अक्षय कुमार ने 'सूर्यवंशी', 'सुहाग' और 'खाकी' जैसी फिल्में कीं।

'सिंघम अगेन' का टिकट विंडो पर संघर्ष जारी

इस बीच, अजय और अक्षय की कॉप ड्रामा 'सिंघम अगेन' ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 220 करोड़ रुपये की कमाई की है। रोहित शेट्टी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में रणवीर सिंह, अर्जुन कपूर, करीना कपूर खान, दीपिका पादुकोण और टाइगर श्रॉफ भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में थे। हालांकि फिल्म को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली, यही वजह है कि फिल्म अब तक अपना बजट भी निकाल सकी है, जो 350 करोड़ रुपये है।

अजय देवगन के निर्देशन में बनीं फिल्में

एक निर्देशक के रूप में यह अजय देवगन की पांचवीं फिल्म होगी। अजय ने बतौर निर्देशक अपनी शुरुआत साल 2008 की फिल्म 'आई यू मी और हम' से की। इसमें अभिनेता अपनी रियल लाइफ पत्नी काजोल के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करते नजर आए। इसके बाद उन्होंने साल 2016 में 'शिवाय' फिल्म का निर्देशन किया, जो एक एक्शन-एडवेंचर फिल्म है। इस मूवी में भी अजय मुख्य किरदार में दिखाई दिए। 2012 में उन्होंने 'रनवे 34' के निर्देशक की कमान संभाली। इस फिल्म में अजय और अमिताभ बच्चन मुख्य भूमिका में नजर आएं। अजय की बतौर निर्देशक आखिरी फिल्म साल 2023 की 'भोला' रही, जिसमें उन्हें तब्बू के साथ देखा गया।

मिस यूनिवर्स 2024 में डेनमार्क की पहली जीत 21 वर्षीय विक्टोरिया कजेर ने पहना ताज

21 वर्षीय विक्टोरिया कजेर ने 'मिस यूनिवर्स 2024' का खिताब अपने नाम कर लिया है। इससे दुनिया की सबसे मान्यता प्राप्त सौंदर्य प्रतियोगिता में डेनमार्क को पहली जीत हासिल हुई है। उन्हें मिस निकारागुआ, शेन्निस पलासियोस ने ताज पहनाया। फर्स्ट रनरअप नाइजीरिया की चिडिम्मा एडेत्शिना रहीं। वहीं, दूसरी रनरअप मेक्सिको की मारिया फर्नांडा बेल्ट्रान हैं।

कजेर ने 125 प्रतियोगियों को दी मात

मेक्सिको में आयोजित 73वीं मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में डेनमार्क की विक्टोरिया कजेर थीलविग ने जीत हासिल की है। 21 वर्षीय प्रतियोगी ने दुनिया भर से भाग लेने वाली 125 प्रतियोगियों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा की, जिसमें भारत की रिया सिंघा भी शामिल थीं। विक्टोरिया एक डेनिश उद्यमी और पेशेवर डांसर हैं। 21 वर्षीय विक्टोरिया ने डेनमार्क की पहली मिस यूनिवर्स बनकर इतिहास रच दिया।

कौन हैं विक्टोरिया कजेर?

2004 में डेनमार्क के राजधानी क्षेत्र के सोबोर्ग, ग्रिब्सकोव में जन्मीं विक्टोरिया का पालन-पोषण कोपेनहेगन में हुआ। उन्होंने बिजनेस और मार्केटिंग में ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल की। एक पेशेवर डांसर के रूप में विक्टोरिया ने काफी तारीफें बटोरीं, और अब उनका लक्ष्य एक वकील बनना है। इसके अतिरिक्त, वह नियमित रूप से मानसिक स्वास्थ्य सहायता की वकालत करती हैं। साथ ही पशु अधिकारों के मुद्दों का समर्थन और एक सौंदर्य उद्यमी के रूप में काम करती हैं।

2022 से शुरू हुई शानदार यात्रा

उनकी सौंदर्य प्रतियोगिता की यात्रा देश की सबसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिता 'मिस डेनमार्क' से शुरू हुई। उन्हें 2022 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली जब वह 'मिस ग्रैंड इंटरनेशनल' के टॉप 20 में शामिल हुईं। प्रतिष्ठित गुड़िया से मिलती-जुलती शक्ल के कारण 'ह्यूमन बार्बी' कहलाने वालीं विक्टोरिया शुरुआती प्रशंसकों की पसंदीदा बन गई, जिसने दुनिया भर में जजों और दर्शकों दोनों पर अमिट छाप छोड़ी। सितंबर 2024 में, विक्टोरिया को 'मिस यूनिवर्स डेनमार्क 2024' का ताज पहनाया गया। अब उन्होंने 'मिस यूनिवर्स 2024' का ताज पहनकर इतिहास रच दिया है।

कबीर बेदी ने बताई परवीन से ब्रेकअप की असली वजह

बोले मानसिक बीमारियों से जूझ रही थीं एक्ट्रेस, इसलिए मुझे छोड़ दिया

परवीन बाबी अक्सर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहती थीं। उनका नाम इंडस्ट्री के बड़े कलाकारों डैनी डेन्जोंगपा, कबीर बेदी और फिल्ममेकर महेश भट्ट के साथ जोड़ा गया था। एक्ट्रेस का कबीर बेदी के साथ रिश्ता काफी कम समय तक चला था। हाल ही में एक इंटरव्यू में कबीर बेदी ने परवीन बाबी के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि मैंने नहीं बल्कि परवीन ने मुझसे रिश्ता तोड़ा था। उसने मुझे इसलिए छोड़ा, क्योंकि उसकी मानसिक स्वास्थ्य ठीक नहीं थी।

परवीन ने किया था रिश्ता खत्म – कबीर बेदी

कबीर बेदी ने एक बातचीत में कहा कि परवीन को डर था कि अगर वो मेडिकल ट्रीटमेंट करवाएंगी तो उनकी इस हालत के बारे में इंडस्ट्री में सबको पता चल जाएगा, जिससे उनका करियर भी खत्म हो जाएगा। कबीर ने कहा कि मुझे पता था कि अगर वो अपना इलाज नहीं करवाएंगी तो उनकी हालत और बिगड़ जाएगी। कबीर ने अपने और परवीन के रिश्ते का सच बताते हुए कहा कि मैंने नहीं, उसने मुझे छोड़ा था। लेकिन लोगों ने मुझे दोषी ठहराया। मुझ पर आरोप लगाए गए कि परवीन मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं से जूझ रही थीं, इसलिए मैंने उन्हें छोड़ दिया।

महेश भट्ट के साथ लिव-इन में थी परवीन बाबी

खबरों की मानें तो डैनी और कबीर बेदी के साथ रिश्ता खत्म होने के बाद परवीन बाबी फिल्ममेकर महेश भट्ट के साथ रिलेशनशिप में थीं। महेश भट्ट और परवीन बाबी लिव-इन में रहते थे। इनका रिश्ता भी ज्यादा दिन तक नहीं चल पाया था। 1980 में महेश और परवीन अलग हो गए थे। परवीन के साथ रिलेशनशिप में आने से पहले ही महेश लोरेन ब्राइट से पहली शादी कर चुके थे। और एक बच्चे के पिता भी थे।

घर में मिली थी परवीन बाबी की लाश

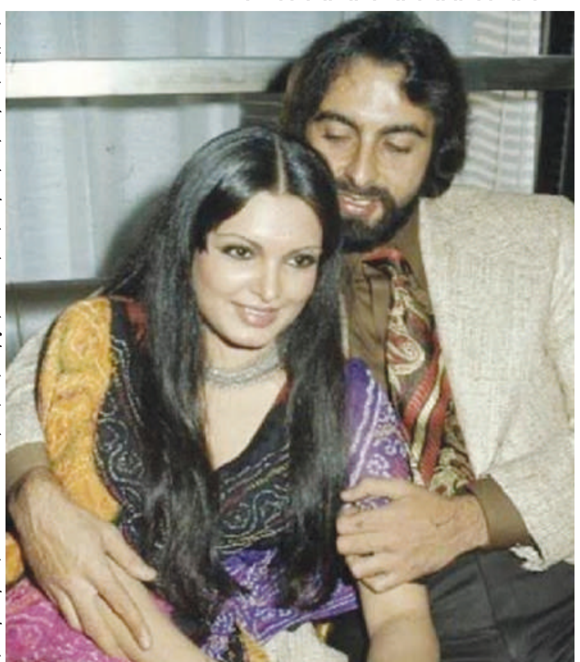

परवीन बाबी पैरानॉयड पर्सनालिटी डिसऑर्डर से जूझ रही थीं। परवीन की मौत साल 2005 में हो गई थी। उनकी लाश को 3 दिन बाद उनके घर से बरामद किया गया था।

एग्जाम के समय क्यों आती है खूब नींद पढ़ा हुआ हो जाता है याददाश्त से गायब?

एग्जाम के समय खूब नींद भी आती है. पढ़ा हुआ भूल जाता है. ऐसा क्यों होने लगता है. क्या एग्जाम के दौरान लगातार अलग तरीके से एक्टिव रहने की वजह से दिमाग की क्रियाओं में बदलाव आता है, जिससे माइंड ब्लैंक हो जाता है.

* एग्जाम या टेस्ट के दौरान आपने भी महसूस किया होगा, नींद ज्यादा आ रही है. बार-बार पढ़ने पर भी याद नहीं हो पा रहा. याद करने के बावजूद सारी चीज़ें भूल जा रहे हैं. ऐसा होता है, तो क्यों? आइए इसके पीछे का विज्ञान समझते हैं.

* एग्जाम के समय भूलने की स्थिति को विज्ञान की भाषा में माइंड ब्लैंक हो जाना भी कहा जाता है. मस्तिष्क में तीन हिस्से होते हैं, जिनसे गुजरकर हमें चीज़ें याद होती है. पहला है हाईपोथलमस. ये हिस्सा हमारे इमोशन और फिजिकल सेंसेशन्स के बीच पुल का काम करता है.

* दूसरा हिस्सा होता है हिपोकैंपस . ये हिस्सा याद रखने, फैक्ट्स और कॉन्सेप्ट्स का लॉजिक लगाने में अहम रोल

निभाता है. एक तरह से ये मस्तिष्क का वो दरवाजा है, जिसके जरिए ही सारी इन्फॉर्मेशन ज़हन के अंदर जाती और बाहर आती है.

* मस्तिष्क का तीसरा हिस्सा होता है प्रिप्रटर कॉर्टेक्स . ये हिस्सा आंखों के पीछे की ओर होता है. हमारी वो चीज़ें जो इंसान को जानवर से अलग करती हैं, वे सभी ये हिस्सा कंट्रोल करता है. जैसे यादें बनाना और फैसले लेना इत्यादि.

* माइंड ब्लैंक कैसे हो जाता है- एग्जाम की तैयारी के दौरान की मस्तिष्क की क्रियाओं को कोल्ड कॉगनिशन कहा जाता है. ये वो टर्म है, जिसमें लॉजिकल और रेशनल थिंकिंग प्रोसेस काम करता है.

* जब हम अपने कमरे, बिस्तर पर, आरामदायक जगह पर बैठकर, म्यूज़िक सुनते हुए पढ़ते हैं तो हैईपोथलमस प्रोडक्शन की रफ्तार धीमी कर 'की स्ट्रेस हॉर्मोन' रिलीज करता है. इसके उलट जब हम एग्जाम के दौरान अनप्रिडिक्टेबल सिचुएशन में होते हैं तो उस मस्तिष्क क्रिया को हॉट कॉगनिशन कहा जाता है.

* हॉट कॉगनिशन स्ट्रेसफुल सिचुएशन में शुरू होता है. जब ज़हन को स्ट्रेस रिस्पोन्स मिलता है तो वर्किंग मेमोरी काम करना बंद कर देती है. रिकॉल मेकैनिज़्म्स भी बाधित होते हैं. जब ज़हन में इन सारे प्रोसेस की क्रियाएं एक साथ होती हैं तो इसी से 'माइंड ब्लॉक' सिचुएशन क्रिएट होती है. इस दौरान लॉजिकल कॉगनिटिव एक्टीविटी के लिए कुछ भी ग्रहण करना मुश्किल हो जाता है.

* एग्जाम के समय ज्यादा नींद क्यों आती है- एग्जाम के समय बहुत ज्यादा प्रेशर और चिंता में रहने से लोगों को नींद सी आने लगती है. ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि पढ़ाई के चलते लोग सही से सोते नहीं है. जिस वजह से वे स्लीप डिप्राइव रहते हैं और उसी वजह से स्ट्रेस में आते हैं.

* जिस तरह का स्ट्रेस, लोग एग्जाम से पहले लेते हैं, वह एग्जाम के दौरान उन्हें महसूस नहीं होता. लंबे समय तक बैठे रहने से बॉडी रिलैक्स भी हो जाती है. शांती में बैठे-बैठे, बिना उथल पुथल के शरीर को लगने लगता है कि हम सो रहे है.

ऑफबीट करियर ऑप्शन के तौर पर उभर रहा है विजुअल कम्युनिकेशन

अब 12वीं के बाद ऑफबीट कोर्स की डिमांड बढ़ गई है. बैचलर इन विजुअल कम्युनिकेशन ग्राफिक डिजाइनिंग के क्षेत्र से थोड़ा अलग है. इसमें प्रिंट या पब्लिकेशन यूनिट, टीवी इंडस्ट्री या अन्य मीडिया इंडस्ट्री में सूचना के प्रसारण से जुड़े बेसिक्स सीखते हैं.

देश के टॉप संस्थानों सेबीए इन विजुअल कम्युनिकेशन में तीन साल की बैचलर डिग्री और दो साल की मास्टर्स डिग्री के कोर्स किए जा सकते हैं. यह कोर्स करने के बाद औसत सैलरी 2 लाख से 7 लाख रुपये तक सालाना हो सकती है. वहीं, कोर्स की औसत फीस 30,000 से लेकर 3 लाख रुपये सालाना तक हो सकती है.

कोर्स की योग्यता

1- बैचलर इन विजुअल कम्युनिकेशन कोर्स में स्नातक करने के लिए किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से 12वीं में 50 प्रतिशत अंकों से पास होना जरूरी है .

2- रिज़र्व कैटेगरी के स्टूडेंट्स के लिए 12वीं में कम से कम 45 प्रतिशत अंक होने अनिवार्य हैं.

बीए इन विजुअल कम्युनिकेशन में प्रवेश प्रक्रिया

विजुअल कम्युनिकेशन में बैचलर्स का कोर्स दो तरह से किया जा सकता है- प्रवेश

परीक्षा के आधार पर और डायरेक्ट एडमिशन के जरिए.

1- डायरेक्ट एडमिशन के लिए 12वीं में टॉप मार्क्स होने चाहिए. हर कॉलेज में दाखिले के लिए कट ऑफ लिस्ट तैयार की जाती है. मेरिट लिस्ट में पहली बार में नंबर आ गया तो दाखिला मिलना आसान होता है .

2- दाखिले की दूसरी प्रक्रिया प्रवेश परीक्षा के आधार पर होती है. संबंधित यूनिवर्सिटी परीक्षा का आयोजन करती है. अगर परीक्षा में अच्छे नंबर आए तो काउंसलिंग के जरिए मनपसंद संस्थान में एडमिशन मिल सकता है.

इन संस्थानों से करें बीए इन विजुअल कम्युनिकेशन कोर्स

विजुअल कम्युनिकेशन उभरता हुआ करियर ऑप्शन है, जिसका भविष्य में काफी स्कोप है. इसको देखते हुए देश के इन संस्थानों ने इस कोर्स को अपने पाठ्यक्रम में शामिल किया है-

1. बिशप वैली मेमोरियल क्रॉस होली क्रॉस, कोटियाम- मेरिट बेस्ड
2. महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, कोट्टायम- एंट्रेंस बेस्ड
3. गीतम, हैदराबाद- एंट्रेंस बेस्ड
4. मजलिस आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, पुरमन्नूर- मेरिट बेस्ड
5. सेंट थॉमस कॉलेज, थिसूर- मेरिट बेस्ड

इस प्रोफाइल पर कर सकते हैं काम

विजुअल कम्युनिकेशन का कोर्स करने के बाद कई प्रोफाइल पर काम कर सकते हैं. इनमें ग्राफ़िक आर्टिस्ट डेस्कटॉप पब्लिकेशन, डिजिटल फोटोग्राफर, विजुलाइजर, मार्केटिंग एक्सपर्ट जैसे प्रोफाइल शामिल हैं. मीडिया हाउस, कॉलेज और विश्वविद्यालय, फोटो जर्नलिज्म, प्रिंट और प्रोडक्शन हाउस, फिल्म प्रोडक्शन, विज्ञापन एजेंसियों, बिजनेस डिजाइनिंग, विज्ञापन फर्म आदि में नौकरी कर सकते हैं.

विजुअल कम्युनिकेशन में सैलरी

विजुअल कम्युनिकेशन कोर्स करने के बाद आप फ्रीलांसर के तौर पर भी करियर बना सकते हैं. सभी प्रोफाइल के लिए शुरुआती दौर से ही बढ़िया सैलरी निर्धारित है. इस इंडस्ट्री में अन्य सेक्टर की तुलना में सैलरी जल्दी बढ़ती है. प्रोफाइल, इंडस्ट्री और वर्क एक्सपीरियंस के आधार पर सैलरी बढ़ती जाएगी.

डिजिटल मार्केट में बढिया करियर

डिजिटल मार्केटिंग एक विशाल क्षेत्र है जिसमें विभिन्न प्रकार के कौशल की आवश्यकता होती है। अपनी योग्यता के स्तर को बढ़ाने और एक डिजिटल मार्केटर बनने के लिए आप यहां दिए गए विकप्ल का पालन कर सकते हैं:

डिजिटल मार्केटिंग को समझें: डिजिटल मार्केटिंग में काम करने से पहले इसके मूल तत्वों और विभिन्न पहलुओं को समझना आवश्यक है। आप वेबसाइट डिजाइन, ईमेल मार्केटिंग, सोशल मीडिया, एसईओ और एसईएम जैसी विभिन्न डिजिटल मार्केटिंग तकनीकों को सीख सकते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग टूल का उपयोग करें: आपको अपने अभियानों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए डिजिटल मार्केटिंग टूल जैसे Google Analytics, SEMrush, Ahrefs आदि का उपयोग करने की आवश्यकता है।

डिजिटल मार्केटिंग विशेषज्ञ द्वारा प्रशिक्षित हो : आप एक अनुभवी डिजिटल मार्केटिंग विशेषज्ञ द्वारा प्रशिक्षित हो सकते हैं। उनके मार्गदर्शन में, आप विभिन्न तकनीकों के बारे में ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं और विभिन्न परियोजनाओं पर काम करके व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर सकते हैं।

अपनी ऑनलाइन उपस्थिति बनाएं: एक डिजिटल मार्केटर बनने के लिए, आपके पास एक मजबूत ऑनलाइन उपस्थिति होनी

चाहिए। आप एक ब्लॉग बनाकर, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करके और अपने दर्शकों से जुड़कर शुरुआत कर सकते हैं।

किसी विशिष्ट क्षेत्र में विशेषज्ञता: आप डिजिटल मार्केटिंग के किसी विशिष्ट क्षेत्र में विशेषज्ञता प्राप्त कर सकते हैं, जैसे एसईओ, सोशल मीडिया, ईमेल मार्केटिंग या कंटेंट मार्केटिंग आदि।

प्रमाणित हो जाएं: आप विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफॉर्म द्वारा प्रदान किए जाने वाले डिजिटल मार्केटिंग सर्टिफिकेशन कोर्स में दाखिला ले सकते हैं। ये पाठ्यक्रम आपको डिजिटल मार्केटिंग में नवीनतम रुझानों और तकनीकों के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने में मदद करेंगे।

अन्य पेशेवरों के साथ नेटवर्क: आप क्षेत्र में अन्य पेशेवरों के साथ नेटवर्क करने के लिए डिजिटल मार्केटिंग इवेंट्स, मीटिंग्स और सम्मेलनों में भाग ले सकते हैं। यह आपको नवीनतम उद्योग रुझानों से अपडेट रहने और अपने लिए नए अवसर पैदा करने में मदद करेगा। इन चरणों का पालन करके आप एक डिजिटल मार्केटर बन सकते हैं और इस क्षेत्र में एक सफल करिअर बना सकते हैं।

सफलता के साथ बनाएं अपना करिअर

अगर आप भी ग्रेजुएशन कर चुके हैं लेकिन अपने करिअर को लेकर तमाम तरह की चिंताओं से घिरे हैं तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। देश की जानी-मानी एडटेक कंपनी सफलता ने युवाओं की मदद के लिए कई प्रोफेशनल और स्किल ओरिएंटेड शॉर्ट और लॉन्ग टर्म कोर्सेज की शुरुआत की है जहां से आप घर बैठे खुद को एक किसी फील्ड का प्रोफेशनल बना सकते हैं। यहां डिजिटल मार्केटिंग के अलावा भी कई कोर्स मौजूद हैं। इतना ही नहीं सरकारी नौकरी का सपना देख रहे युवाओं के लिए भी सफलता पर लगभग सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोर्सेज हैं।

यहां से पढ़कर सैकड़ों युवाओं ने सरकारी और प्राइवेट सेक्टर में शानदार नौकरियां हासिल की हैं। अगर आप भी प्राइवेट या सरकारी नौकरी की तलाश में हैं तो आप एक बार सफलता डॉट कॉम पर विजिट करिए और अपनी पसंद के मुताबिक कोर्स में एडमिशन लीजिए जिसके बाद सफलता की फैकल्टी ना केवल आपको प्रोफेशनल बनने के लिए तैयार करेगी बल्कि वो आपका सही करिअर चुनने में मार्गदर्शन भी करेगी।

सीमा सड़क संगठन में 466 पदों पर निकली भर्ती; 10वीं, 12वीं पास को मौका

सीमा सड़क संगठन में ड्राफ्ट्समैन सहित 400 से ज्यादा पदों पर भर्ती निकली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट bro.gov.in पर जाकर 16 नवंबर तक आवेदन कर सकते हैं।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :10वीं, 12वीं पास, संबंधित क्षेत्र में डिप्लोमा।

आयु सीमा :पद के अनुसार 18 - 27 साल

सैलरी :पद के अनुसार 18,000 - 81,100 रुपए प्रतिमाह

सिलेक्शन प्रोसेस :रिटन एग्जामफिजिकल टेस्ट/ स्क्रीनिंग टेस्ट/ड्राइविंग टेस्टडॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन मेडिकल टेस्ट

फीस : सामान्य, ईडब्ल्यूएस : 100 रुपए

ऐसे करें आवेदन :

ऑफिशियल वेबसाइट bro.gov.in पर जाएं।

होमपेज पर 'ऑनलाइन आवेदन करें' पर क्लिक करें।

अपना नाम, ईमेल आईडी और मोबाइल नंबर जैसी डिटेल्स दर्ज करें।

इसके बाद लॉग इन करें।

मांगी गई डिटेल्स भरकर डाक्यूमेंट्स अपलोड करें।

आवेदन फॉर्म सब्मिट करें।

फॉर्म को डाउनलोड करके प्रिंटआउट निकाल लें।

आईआईटी दिल्ली में इंग्लिश लैंग्वेज इंस्ट्रक्टर की निकली भर्ती; एज लिमिट 45 साल

आईआईटी दिल्ली में इंग्लिश लैंग्वेज इंस्ट्रक्टर की वैकेंसी निकली है। इस भर्ती के अंतर्गत अनारक्षित वर्ग के लिए 4 पद और आरक्षित वर्ग के लिए 3 पदों को भरा जाएगा। उम्मीदवारों को 26 नवंबर तक ऑफलाइन आवेदन करना होगा। यह वैकेंसी कॉन्ट्रैक्चुअल बेसिस पर एक साल के लिए की जाएगी। इसे जरूरत पड़ने पर तीन साल तक के लिए बढ़ाया जा सकता है।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से इंग्लिश में फर्स्ट डिवीजन के साथ MA/PhD की डिग्री।

इंग्लिश लैंग्वेज कोर्स पढ़ाने की योग्यता भी होनी चाहिए।

एज लिमिट :अधिकतम उम्र 45 साल से कम होनी चाहिए।

ऊपरी आयु सीमा में ओबीसी नॉन क्रीमी लेयर के उम्मीदवारों को 03 साल और एसटी उम्मीदवारों को 05 साल की छूट दी गई है।

सैलरी :75,000 रुपए प्रति माह+HRA

सिलेक्शन प्रोसेस :रिटन टेस्टइंटरव्यू

ऐसे करें आवेदन :

आईआईटी दिल्ली की वेबसाइट से इंग्लिश लैंग्वेज इंस्ट्रक्टर के लिए आवेदन फॉर्म डाउनलोड करें। इसे भरने के बाद सभी जरूरी डॉक्यूमेंट्स के साथ इस पते पर भेजें :फैकल्टी रिक्रूटमेंट सेल, 2nd फ्लोर, एमएस-207/C-18 मेन बिल्डिंग, आईआईटी दिल्ली, हौजखास, नई दिल्ली-110016।

इंटीरियर डिजाइनिंग के क्षेत्र में आप चुन सकती हैं ये करियर ऑप्शन

इंटीरियर डिजाइनिंग के कोर्स के बाद अधिकतर लोग केवल घर या ऑफिस को ही डिजाइन करते हैं। लेकिन अगर आप चाहें तो इसके अलावा भी कई अलग-अलग तरीकों से अपना करियर बना सकती हैं।

आज के समय में लोग जल्द से जल्द अपना करियर सेट करना चाहते हैं और यही कारण है कि इन दिनों शॉर्ट टर्म व डिप्लोमा कोर्स काफी पसंद किए जा रहे हैं। इन्हें आप अपनी कॉलेज की पढ़ाई के साथ-साथ भी कर सकती हैं और फिर जल्द ही अपना करियर भी बना सकती हैं। इन्हीं कोर्स में से एक है इंटीरियर डिजाइनिंग कोर्स। इंटीरियर डिजाइनिंग का कोर्स कंप्लीट करने के बाद अक्सर लोग केवल इंटीरियर डिजाइनर ही बनते हैं। हालांकि, यह एक बहुत वास्ट एरिया है, जिसमें आप कई अलग-अलग क्षेत्र में अपना करियर देख सकती हैं।

अपनी खुद की इंटीरियर डिजाइन फर्म शुरू करें

भारत में इंटीरियर डिज़ाइनर्स के लिए बहुत अधिक स्कोप है। खासतौर से, शहरी क्षेत्रों में घर और ऑफिस को डिजाइन करने के लिए इंटीरियर डिज़ाइनर्स की मदद ली जाती है। नया घर खरीदने के बाद भी अब लोग इंटीरियर डिजाइनर की मदद से उसे एक बेहतर लुक देने की कोशिश करते हैं। नए रेस्तरां और कैफे आदि में भी इंटीरियर डिजाइनरों की आवश्यकता होती है। ऐसे में इस क्षेत्र में आपके पास काम की कमी नहीं होने वाली है। आप अपनी खुद की डिज़ाइनर फर्म शुरू करके खुद को सेट करने में मदद मिलेगी। इस तरह

आप एक सैलरी से अधिक कमा सकेंगे।

प्रोडक्ट डिजाइनर

इंटीरियर डिजाइनिंग का कोर्स कंप्लीट करने के बाद आप बतौर प्रोडक्ट डिजाइनर भी अपना काम कम कर सकते हैं। इस क्षेत्र में डिजाइनर को अपने क्लाइंट की इच्छा के अनुसार प्रोडक्ट को डिजाइन करना होता है। हालांकि, कई बार क्लाइंट की डिमांड प्रैक्टिकल नहीं होती है और ऐसे में डिज़ाइनर कुछ चेंजेस के जरिए एक प्रोडक्ट को तैयार करवाने में अहम भूमिका निभाता है। इसमें आपको थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है, लेकिन इसमें आप काफी अच्छी इनकम कर सकती है। अगर आप थोड़ा सा दबाव और तनाव संभालने को तैयार हैं तो प्रोडक्ट डिजाइनर बनना एक सही विकल्प होगा। ध्यान रखें कि एक प्रोडक्ट डिजाइनर को डिफरेंट मैटीरियल्स की काफी अच्छी खासी जानकारी होती है।

फर्नीचर डिजाइनर

एक इंटीरियर डिजाइनर होने के नाते आप फर्नीचर डिजाइनिंग में प्रशिक्षित हैं। फर्नीचर एक बहुत बड़ा क्षेत्र है और यह एक आकर्षक करियर ऑप्शन है। आप फर्नीचर डिजाइनिंग के जरिए अपनी क्रिएटिविटी भी दुनिया के सामने ला सकते हैं। चूंकि लकड़ी का काम दुर्लभ होता जा रहा है, इसलिए नए डिजाइनों की आवश्यकता है। नया फर्नीचर प्लास्टिक, मेटल और अन्य मैटीरियल की मदद से बनाया जा रहा है, जिन्हें सावधानीपूर्वक डिजाइन की आवश्यकता होती है। फर्नीचर डिजाइन का काम एक डेस्क जॉब है जिसे कई लोग पसंद करते हैं।

एक्सबिशन डिजाइनर

अगर आप इंटीरियर डिजाइनिंग का कोर्स करने के बाद कुछ अलग करना चाहती हैं तो बतौर एक्सबिशन डिजाइनर भी खुद को स्थापित कर सकती हैं। यह इंटीरियर डिजाइनर का एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें एक्सपर्ट म्यूजियम, लाइब्रेरी, गैलरीज व ऐतिहासिक स्थलों में काम करते हैं। इंटीरियर डिजाइनर ने लेआउट और डिजाइन की कला में महारत हासिल की है और वे विशेष रूप से एक म्यूजियम, गैलरी या एक निजी फर्म के लिए काम कर सकते हैं।

बीए के बाद करियर के लिए बेहतर विकल्प

अक्सर छात्र 12वीं के बाद बीए में स्नातक की डिग्री करते हैं. यह बहुत ही पॉपुलर कोर्स है. इस कोर्स के बाद उच्च शिक्षा तो प्राप्त कर ही सकते हैं साथ में सरकारी नौकरी के भी बहुत विकल्प मौजूद हैं. अगर आपके मन में बीए करने का मन है तो आज हम आपको बताएगे कि इस कोर्स के बाद बहुत से विकल्प मौजूद हैं. बीए एक ऐसा कोर्स है जिसे 12वीं के बाद कर सकते है, यह 3 वर्ष का कोर्स है जिसे कम से कम 50% वाले भी कर सकते हैं.

एम.ए

इस कोर्स का फुल फॉर्म मास्टर ऑफ आर्ट्स है जिसे दो वर्ष में पूरा कर सकते हैं. इस कोर्स में आप अपने चयनित विषय पर गहन अध्ययन करते हैं. इस कोर्स को पूरा करने के बाद आप अपने विषय से संबन्धित क्षेत्र में नौकरी कर सकते हैं. अधिकतर लोग

एम.ए के बाद टीचिंग क्षेत्र में जाना पसंद करते हैं.

बी.एड:

कई छात्र बी.ए के बाद बी.एड कोर्स को चुनते हैं. यह भी दो वर्ष का कोर्स है जिसे करने के लिए आपको एनट्रेंस टेस्ट देना होता है. इस परीक्षा को पास करने के बाद ही आप बी.एड में दाखिला लें सकते हैं. इस कोर्स को पूरा करने के बाद अध्यापक की नौकरी कर सकते हैं.

शॉर्ट टर्म कोर्स:

बहुत से ऐसे छात्र हैं जो 12वीं के तुरंत बाद ही नौकरी करना चाहते है इसलिए वो शॉर्ट टर्म कोर्स करना पसंद करते है. वोकेशनल कोर्स एक या दो वर्ष के होते हैं जिन्हे करने के बाद आप नौकरी कर सकते हैं.

स्नातकोत्तर :

बी.ए के बाद आप एम.सी.ए और एम.बी.ए ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें नौकरी के ढेरो ऑप्शन मौजूद हैं. एमबीए में मैनेजमेंट, मार्केटिंग, बिजनेस आदि के बारे में पढ़ाया जाता है.

आईएएस की तैयारी कर सकते है:

बी.ए करने के बाद आप सिविल सेवा में जाने वाले इस सेक्टर की तैयारी कर सकते है यह देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक जिसे पास करना थोड़ा मुश्किल होता है लेकिन अगर मेहनत और लगन से तैयारी की जाए तो हर मुश्किल को पार किया जा सकता है.

बैंकिंग कोर्स:

बी.ए के बाद आप बैंकिंग सेक्टर में जाने के लिए प्रतियोगी परीक्षा में बैठ सकते हैं, हर वर्ष केंद्र और राज्य सरकार इस परीक्षा का आयोजन करती है बैंकिंग भी आपके लिए बेहतर करियर विकल्प है.

एलएलबी:

जो भी छात्र वकालत में अपना करियर बनाना चाहते है वो बी.ए करने के बाद एलएलबी मतलब लॉ का कोर्स कर सकते हैं. ये कोर्स भी आपके लिए बेहतर विकल्प साबित हो सकता है.

रिलायंस, एयरटेल, एलआईसी और एसबीआई

टाप दस कंपनियों ने गंवाई बडी दौलत

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)। पिछले हफ्ते शेयर बाजार सिर्फ 4 ही दिन ओपन रहे। उसके बाद भी सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ी गिरावट देखने को मिली। जिसके असर से देश की टॉप 10 कंपनियों के मार्केट कैप में बड़ा नुकसान देखने को मिला। सबसे ज्यादा नुकसान देश के सबसे बड़े प्राइवेट लेंडर एचडीएफसी और एसबीआई को हुआ। नुकसान वाली कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईटीसी, एयरटेल और एलआईसी भी रहीं। सिर्फ दो ही कंपनियों में फायदा देखने को मिला। जिसमें देश की दोनों टॉप आईटी कंपनियां शामिल हैं। सबसे ज्यादा फायदा नारायण मूर्ति की इंफोसिस और टाटा ग्रुप की सबसे बड़ी कंपनी टीसीएस शामिल है। वैसे देश की टॉप 10 कंपनियों में से आठ के मार्केट कैप को पिछले हफ्ते 1,65,180.04 करोड़ रुपए का नुकसान उठाना पड़ा। जिसमें एचडीएफसी बैंक और भारतीय स्टेट बैंक को इक्विटी में कमजोर रुझान के कारण सबसे ज्यादा नुकसान

हुआ। पिछले हफ्ते बीएसई बेंचमार्क सेंसेक्स 1,906.01 या 2.39 फीसदी गिर गया। गुरु नानक जयंती के अवसर पर शुक्रवार को शेयर बाजार बंद रहे। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के एसवीपी, रिसर्च, अजीत मिश्रा ने कहा कि बढ़ती सीपीआई मुद्रास्फीति पर बढ़ती चिंताओं और कॉर्पोरेट आय में लगातार निराशा ने धारणा पर भारी असर डाला।

आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर किस कंपनी को कितना नुकसान हुआ है।

देश की टॉप 10 कंपनियों में किसे नुकसान और किसे फायदा हुआ है।

देश के सबसे बड़े प्राइवेट लेंडर एचडीएफसी बैंक का वैल्यूएशन 46,729.51 करोड़ रुपए घटकर 12,94,025.23 करोड़ रुपए हो गया।देश के सबसे बड़े सरकारी लेंडर स्टेट बैंक का मार्केट कैप 34,984.51 करोड़ रुपए घटकर 7,17,584.07 करोड़ रुपए रह गया।देश की सबसे बड़ी एफएमसीजी कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर का वैल्यूएशन 27,830.91 करोड़ रुपए घटकर 5,61,329.10 करोड़ रुपए पर आ गया।देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 22,057.77 करोड़ रुपए घटकर 17,15,498.91 करोड़ रुपए रह गया।देश की बड़ी एफएमसीजी कंपनी आईटीसी का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 15,449.47 करोड़ रुपए घटकर 5,82,764.02 करोड़ रुपए पर आ गया है।देश की बड़ी टेलीकॉम कंपनियों में शुमार भारती एयरटेल का मार्केट कैप (एमकैप) 11,215.87 करोड़ रुपए घटकर 8,82,808.73 करोड़ रुपए रह गया।देश की सबसे बड़ी सरकारी इंश्योरेंस कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का वैल्यूएशन 4,079.62 करोड़ रुपए घटकर 5,74,499.54 करोड़ रुपए पर आ गया।देश के दूसरे सबसे बड़े प्राइवेट लेंडर आईसीआईसीआई बैंक का वैल्यूएशन 2,832।38 करोड़ रुपए कम होकर 8,85,599.68 करोड़ रुपए रह गया।

दूसरी ओर देश की बड़ी आईटी कंपनियों में शुमार इंफोसिस का एमकैप 13,681.37 करोड़ रुपए चढ़कर 7,73,962.50 करोड़ रुपए हो गया।देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का मार्केट कैप 416.08 करोड़ रुपए बढ़कर 15,00,113.36 करोड़ रुपए हो गया।

मिडिल क्लास के आने वाले हैं अच्छे दिन, वित्त मंत्री ने कही ये बड़ी बात

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)। देश में बढ़ती महंगाई का असर हर वर्ग पर पड़ रहा है, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आम जनता महंगाई के इस दौर में सरकार से राहत की उम्मीद कर रही है। इसी बीच सोशल मीडिया पर एक यूजर द्वारा महंगाई के मुद्दे पर किए गए पोस्ट को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रतिक्रिया देकर चर्चित बना दिया।

यूजर्स ने मांगी मदद

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स(पहले ट्विटर) पर तुषार नामक एक यूजर ने वित्त मंत्री को टैग करते हुए एक पोस्ट किया। उसने लिखा कि हम सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हैं। हालांकि, बढ़ती महंगाई ने मिडिल क्लास की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। मैं वित्त मंत्री से विनम्रतापूर्वक अनुरोध करता हूं कि इस वर्ग के लिए कुछ राहत दी जाए। यह सरकार के लिए चुनौतीपूर्ण जरूर है, लेकिन कृपया इस पर विचार करें।

वित्त मंत्री ने दिया ये जवाब

इस पोस्ट पर जवाब देते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि मैं आपकी समझ और सराहना के लिए धन्यवाद करती हूं। महंगाई की आपकी चिंता को मैं समझती हूं। पीएम नरेंद्र मोदी की सरकार एक जवाबदेही वाली सरकार है जो लोगों की बात सुनती और उन पर ध्यान देती है। आपका इनपुट हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण है।वित्त मंत्री का यह जवाब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया।

इस पोस्ट को अब तक 1।4 हजार से ज्यादा यूजर्स ने लाइक किया है और 300 से अधिक लोगों ने कमेंट किया है। कई यूजर्स ने वित्त मंत्री के इस कदम की तारीफ करते हुए मिडिल क्लास की परेशानियों को समझने के लिए सरकार से अपेक्षा की है कि इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे।वित्त मंत्री के जवाब के बाद सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं का सिलसिला शुरू हो गया। कुछ लोगों ने उम्मीद जताई कि सरकार जल्द ही महंगाई को नियंत्रित करने और मिडिल क्लास को राहत देने के लिए नए कदम उठाएगी।

अंबानी के लिए गुड के साथ आती है बैड न्यूज, क्या पुरानी गलती है इसकी वजह?

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)। धीरूभाई अंबानी ने रिलायंस इंडस्ट्री की शुरुआत 1957 में की थी, इसे देश में पहचान 1987 के दशक में मिली, जब कंपनी ने क्रिकेट विश्वकप को स्पॉन्सर किया। इसके बाद धीरूभाई अंबानी सफलता की सीढ़ी चढ़ते चले गए और उन्होंने रिलायंस इंडस्ट्रीज को एक नए मुकाम तक पहुंचा दिया।धीरूभाई अंबानी के निधन के बाद उनके व्यवसाय का बंटवारा दोनों बेटों मुकेश और अनिल के बीच कर दिया गया, जिसमें मुकेश अंबानी आज भी अपने पिता की तरह अपने बिजनेस को आगे बढ़ा रहे हैं, लेकिन धीरूभाई के छोटे बेटे अनिल अंबानी अपने गलत फैसलों की वजह से काफी नुकसान झेल चुके हैं। अब धीरे-धीरे अनिल अंबानी उभरने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन जब भी उनके लिए कोई गुड न्यूज आती है तो उसके साथ एक बैड न्यूज भी आती है। यहां हम इसके पीछे की वजह आपको बता रहे हैं।

कब हुआ रिलायंस का बंटवारा?

रिलायंस ग्रुप का बंटवारा जून 2005 में शुरू हुआ था और 2006 में दोनों भाई मुकेश और अनिल अंबानी के बीच ग्रुप की कंपनी बांट दी गई। इसमें मुकेश अंबानी के हिस्से में पेट्रोकेमिकल्स के कारोबार, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंडियन पेट्रोल कैमिकल्स कॉर्प लिमिटेड, रिलायंस पेट्रोलियम, रिलायंस

इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड जैसी कंपनियां आईं।जबकि अनिल अंबानी के हिस्से में आरकॉम, रिलायंस कैपिटल, रिलायंस एनर्जी, रिलायंस नेचुरल रिसोर्सेज जैसी कंपनियां आईं। बंटवारे के समय लोगों का मानना था कि अनिल अंबानी की कंपनी भविष्य में चलने वाली कंपनी हैं, लेकिन अनिल अंबानी के कुछ गलत फैसलों की वजह से उन्हें काफी नुकसान का सामना करना पड़ा।अनिल अंबानी की गलतियों की बात की जाए तो एक पूरी लिस्ट बनकर तैयार हो जाएगी। यहां हम आपको उनके द्वारा की गई कुछ प्रमुख गलतियों के बारे में बता रहे है। सबसे पहले तो उन्होंने बंटवारे के तुरंत बाद बिना प्लानिंग के बिजनेस को बढ़ाने के लिए अलग-अलग सेक्टर में इंवेस्ट किया। इसके बाद उन्होंने टेलीकॉम और पावर सेक्टर में अपने आप को बड़ा बनाने के लिए जरूरत से ज्यादा इंवेस्ट कर दिया, लेकिन इन दोनों ही सेक्टर में रिटर्न काफी कम था, जिससे उन्हें काफी नुकसान हुआ।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत -2051,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
सूर्योदय - 06-25
सूर्यास्त. - 17-36
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- तृतीया 18-55 तक उपरान्त चतुर्थी
मास - मार्गशीर्ष कृष्ण, सोमवार 18 November
नक्षत्र - मृगशिरा 15-47 तक उपरान्त आर्द्रा
योग - सिद्ध 17-20 तक उप साध्य
करण- वणिज 07-55 तक उप विष्टी
विशेष:-
व्रत -त्योहार -

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	वृश्चिक	मे	वृश्चिक-	06-14 बजे
चंद्र-	मिथुन	मे	धनु----	08-32 बजे
मंगल	कर्क	मे	मकर...	10-38 बजे
बुध-	वृश्चिक	मे	कुंभ--	12-28 बजे
गुरु-	वृष	मे	मीन--	14-06 बजे
शुक्र-	धनु	मे	मेष---	15-42 बजे
शनि-	कुंभ	मे	वृष---	17-27 बजे
राहु-	मीन	मे	मिथुन-	19-27 बजे
केतु-	कन्या	मे	कर्क---	21-40 बजे
			सिंह---	23-52 बजे
			कन्या--	01-58 बजे
			तुला---	04-08 बजे

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 07:48 से 09:13 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत.	06:26 - 07:48	शुभ	चंचल.	17:36 - 19:14	शुभ
काल.	07:48 - 09:13	अशुभ	रोग	19:14 - 20:50	अशुभ
शुभ.	09:13 - 10:37	शुभ	काल	20:50 - 22:26	अशुभ
रोग	10:37 - 12:01	अशुभ	लाभ.	22:26 - 00:02	शुभ
उत्पात	12:01 - 13:26	अशुभ	उत्पात	00:02 - 01:37	अशुभ
चंचल	13:26 - 14:50	शुभ	शुभ	01:37 - 03:13	शुभ
लाभ	14:50 - 16:14	शुभ	अमृत	03:13 - 04:49	शुभ
अमृत	16:14 - 17:36	शुभ	चंचल	04:49 - 06:26	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,) — आज किसी अनियोजित रोमांचक यात्रा पर जाने की सम्भावना है। हो सकता है कि शहर में ही घूमना चाहें,लेकिन आपका विचार खूब मजे करने का है और ऐसा ही होगा भी। आप किसी करीबी के साथ हुए गिले-शिकवे दूर कर सकते हैं। आपको पहले ही ऐसा करना चाहिए था,परन्तु आज सामने आने पर सब बातें साफ़ हो जायेंगी।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — आपको कुछ घटनाओं की तह तक जाना पड़ेगा।वर्तमान की कुछ घटनाओं के लिए वही पुराने कारण जिम्मेदार हैं। इससे आपकी इज्जत को काफी ठेस पहुंची है। आपको काफी आरक्षित और सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि कुछ लोग आपके रास्ते में बाधा बनने की कोशिश कर सकते हैं।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — आपके सामने नए अवसर प्रस्तुत होने वाले हैं। आप आज तक अपनी जिस प्रतिभा को केवल हॉबी मानते आये थे,उससे अपनी आजीविका कमा सकते हैं। जीवन के हर क्षेत्र में नए बदलाव होंगे जो आपके जीवन को पूरी तरह बदलकर रख देंगे। आप अपने जीवन से संतुष्ट अनुभव करेंगे।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — आज आप बहुत जल्दी में हैं। आपको अपने सब कामों को निपटाने की गति जरा धीमी करनी होगी क्योकि जल्दी मे काम निपटाने के चक्कर में आपसे गलतियाँ हो सकती हैं। इसीलिए धीमे चलें। इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आप क्या कह और कर रहें हैं।आपको अपने कार्य को संतोषजनक ढंग से पूरा करने के लिए सभी बारीकियों पर ध्यान देने की जरुरत है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — आपके सामने इन दिनों कुछ नई चीजें आई हैं।अपने सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहें। पूछे गये प्रश्नों का जवाब दें। आपको अभी और भी प्रयास करने हैं और इससे आपकी तरक्की की मजबूत नींव पड़ेगी। इन सबके बीच खुद को तरोताजा करना और खुश रखना न भूलें।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आपके जीवन में एक नई उर्जा का प्रवेश होगा।आपको अचानक यह लगने लगेगा कि जीवन में परिवार तथा करियर में संतुलन बनाना काफी आसान हो गया है। आपकी सारी हिचकिचाहट दूर हो जाएगी और आपके सब कामो में नया आत्मविश्वास दिखाई देगा। आप घर या कार्यस्थल पर किसी करीबी की असमंजस की भावना को भी आज दूर कर पायेंगे।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आज आपको कुछ चौंकाने वाली बातें पता चलेंगी। लेकिन चिंता ना करें,सब अच्छी खबरें होंगी। जिन कई चीजों के लिए आप लम्बे समय से कोशिश कर रहे थे,वे आज पूरी होने वाली हैं। जिन कोशशों को आप अपनी और से व्यर्थ मान चुके थे,वे अंतत आज सफल होंगी। इसीलिए आज दोस्तों और परिजनों के साथ खुशियाँ मनाएं ,हो सकता है कि उनके पास भी आपको सुनाने के लिए कोई अच्छी खबर हो।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — आपकी मन की आवाज अब सक्रिय है और हर काम में आपका बहुत अच्छा मार्गदर्शन करेगी। आप मजे मजे में भी आसानी से जोखिम उठा पाने की स्थिति में हैं। भाग्य आपके साथ है फिर भी आपको कोई भी कदम उठाने से पहले दो बार सोच लेना चाहिए। आप भावनाओ की बाढ़ को अनुभव करेंगे। पुराने दोस्तों या परिचित के सामने आने से खुशी होगी।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — आज आप एक बहुत बड़ी साझेदारी को अंतिम रूप देने वाले हैं लेकिन आपको अपने पार्टनर को अपने मिशन और लक्ष्यों के बारे में स्पष्ट बता देना चाहिए। यदि कोई विवाद हुआ भी तो आपके भावनाओं में बह जाने की सम्भावना है,इस प्रवृति पर नियंत्रण रखें। आप दिन का अंतिम हिस्सा किसी बोद्धिक कार्यकलाप या कलाकारी सम्बन्धी रूचि में लगा सकते हैं।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — आप अपने आप को विभिन्न दिशाओं में आकर्षित अनुभव कर रहे हैं और समझ नही पा रहे कि क्या किया जाना चाहिए ? यह परेशानी आज और ज्यादा बढ़ेगी और आपके लिए फैसला लेना और भी मुश्किल हो जाएगा। आपको सावधानी से काम लेना होगा क्योंकि आपके फैसले लेने की क्षमता भावनाओ और दुसरे कारणों से प्रभावित हो सकती है।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — कोई नया काम शुरू करने के लिए दिन विशेष रूप से अच्छा है। अगर आप अपनी नौकरी या करियर में कोई बदलाव लाने या कोई नया सम्बन्ध बनाने के बारे में सोच रहे हैं तो आज से अच्छा कोई भी दिन नही हो सकता। अगर आपको इसमें कोई जोखिम लगता भी है तो भी एक मौका जरुर लें और सब कुछ जैसे आप चाहते हैं,बिलकुल वैसे ही होने की पूरी संभावना है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — आज अपना और आपनी सेहत का ध्यान रखना ना भूलें।आज स्वास्थ्य सम्बन्धी किसी समस्या की आशंका बन सकती है। बहुत ठंडा भोजन खाने से बचें। अगर पहले से ही कोई स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे है तो और अधिक ध्यान रखें। वित्तीय दृष्टि से ना फायदा ना नुकसान वाली स्थिति रहेगी हालाँकि आज कोई बड़ा निवेश ना करना ही ठीक रहेगा।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

एलन मस्क के दो लाख रुपये गिर जाएं तो वह उसे उठाएंगे नहीं

कारण जानकर आप भी कहेंगे- क्या अमीरी है!

नई दिल्ली,17 नवंबर (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क की संपति इस समय बहुत तेजी से बढ़ रही है। डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिकी चुनाव जीतने के बाद इनकी संपत्ति में और तेजी आई है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के अनुसार मस्क की नेटवर्थ 313 बिलियन डॉलर है। अमेजन के जेफ बेजोस 224 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ दूसरे नंबर पर हैं। इस साल कमाई में अभी तक एलन मस्क सबसे आगे रहे हैं। एक जनवरी 2024 से लेकर अब तक उन्होंने 84.3 बिलियन डॉलर (करीब 7.12 लाख करोड़ रुपये) की कमाई की है। इस साल कमाई करने के मामले में दूसरे नंबर पर एनवीडिया के जेसन हुआंग हैं। जेसन ने इस साल 80 बिलियन डॉलर की कमाई की है।

एक सेकेंड में कितना कमाते हैं मस्क?

मस्क ने इस साल करीब 7.12 लाख करोड़ रुपये की कमाई की

है। अगर हम इस कमाई को इस साल के 320 दिन की कमाई (नवंबर के 14 दिन और दिसंबर के 31 दिनों को छोड़कर) मान लें तो मस्क ने रोजाना करीब 2226 करोड़ रुपये कमाए हैं।ऐसे में उन्होंने 92.73 करोड़ रुपये हर घंटे, 1.54 करोड़ रुपये हर मिनट और करीब 2.58 लाख रुपये हर सेकेंड कमाए। यानी अपने देश में बड़ी पोस्ट पर बैठे किसी कॉर्पोरेट एम्प्लॉई की जितनी महीने की सैलरी होती है, उतनी मस्क ने मात्र एक सेकेंड में कमा डाली।

दो लाख रुपये क्यों नहीं उठाएंगे मस्क?

अब मान लीजिए कि मस्क के रास्ते में दो लाख रुपये गिर जाते हैं, तो वह रकम को उठाने में अपना समय बर्बाद नहीं करेंगे। क्योंकि उस रकम को उठाने में कम से कम 4 या 5 सेकेंड का समय तो लगेगा ही। इतनी देर में मस्क 10 लाख रुपये से ज्यादा कमा लेंगे। ऐसी है मस्क की अमीरी।

क्यों आई मस्क की कमाई में तेजी?

ट्रंप के चुनाव जीतने के बाद मस्क की प्रमुख कंपनी टेस्ला के शेयरों में काफी तेजी आई है। 4 नवंबर को टेस्ला के एक शेयर की कीमत 242.84 रुपये थी। अगले दिन यानी 5 नवंबर को अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे आए थे। इसमें ट्रंप ने जीत हासिल की। ट्रंप को जिताने में मस्क का भी काफी योगदान रहा है। अब टेस्ला के शेयर की कीमत 320.72 रुपये है। यानी दो हफ्ते से भी कम समय में टेस्ला के शेयरों में 32 फीसदी की वृद्धि हुई है। इसके कारण ही मस्क की संपत्ति में तेजी आई है।

स्विगी, जोमैटो, जेप्टो, ब्लिंकिट को लेकर उदय कोटक ने दी चेतावनी, ये कंपनियां क्यों बन सकती हैं राजनीतिक मुद्दा?

नई दिल्ली,17 नवंबर (एजेंसियां)। इन दिनों क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। 10 से 15 मिनट से लगभग हर जरूरत का सामान घर पर डिलीवर करने वाली इन कंपनियों को लेकर अब चर्चाएं भी शुरू होने लगी हैं। कोटक महिंद्रा बैंक के फाउंडर उदय कोटक ने इन क्विक कॉमर्स कंपनियों के कारण खुदरा विक्रेताओं पर पड़ रहे प्रभाव पर चिंता व्यक्त की है। एक कार्यक्रम में उदय कोटक ने भविष्यवाणी की है कि यह एक राजनीतिक मुद्दा बन सकता है। एक कार्यक्रम में बोलते हुए कोटक ने कई अन्य देशों के विपरीत भारत में क्विक कॉमर्स की सफलता को लेकर भी बात कही।

उदय कोटक ने इस कार्यक्रम में कहा कि क्यू-कॉम (क्विक कॉमर्स) स्थानीय खुदरा विक्रेताओं के लिए एक चुनौती है। यह एक ऐसी चुनौती है जो राजनीतिक मोर्चे पर आएगी। उन्होंने किराना और फूड डिलीवर करने वाली कंपनी स्विगी की लिस्टिंग के ठीक बाद यह बात कही। स्विगी का आईपीओ 13 नवंबर को 17% प्रीमियम पर लिस्ट हुआ था।

क्या है क्विक कॉमर्स?

डेटाम इंटेलिजेंस की रिपोर्ट के अनुसार साल 2030 तक क्विक कॉमर्स मार्केट का साइज 40 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है, जो 2024 में 6.1 बिलियन डॉलर से अधिक है।उदय कोटक ने भारत में क्विक कॉमर्स की सफलता को लेकर भी अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का एक अनूठा देश है, जहां क्विक सर्विस रिटेल सफल रहा है। वहीं दुनिया के कई देश ऐसे हैं जहां यह मॉडल उतना प्रभावी नहीं रहा है।उदय कोटक ने भारतीय इनोवेशन के सकारात्मक प्रभाव को स्वीकार किया। साथ ही उन्होंने भारतीय व्यवसायों को ऐपल, मेटा और यूनिलीवर जैसे मजबूत कंज्यूमर ब्रांड विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

आयकर विभाग लगाएगा 10 लाख रुपये का जुर्माना, ऐसी संपत्ति-आय को छिपाना पड़ेगा भारी

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने आगाह किया कि है कि इनकम टैक्स रिटर्न में विदेश में स्थित संपत्ति या विदेशों में कमाई इनकम का खुलासा न करने पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लग सकता है। ब्लैक मनी यानी कालाधन विरोधी कानून के तहत ये 10 लाख रुपये की पेनल्टी लगाई जा सकती है। ये इसलिए भी याद दिलाया जा रहा है कि देर से और संशोधित आईटीआर दाखिल करने की आखिरी तारीख 31 दिसंबर है। आयकर विभाग ने टैक्सपेयर्स को कंप्लाइंस-कम अवेयरनेस अभियान के तहत शनिवार को एक पब्लिक कंसलटेशन पेपर जारी किया है। इसमें इस बात की ताकीद की गई है कि टैक्सपेयर्स इस साल ऐसेसमेंट ईयर 2024-25 के लिए अपने आयकर रिटर्न (आईटीआर) में ऐसी जानकारी दर्ज करें और किसी तरह की जानकारी ना छिपाएं।

कंसलटेशन पेपर में दी गई जानकारी

कंसलटेशन पेपर में साफ किया गया है कि पिछले साल में भारत के टैक्स रेजिडेंट के लिए कुछ जरूरी बातों को ध्यान रखना जरूरी है। इसके तहत तय किए गए कुछ टैक्स संबंधित कार्यों में अगर वो जुड़े रहे हैं तो इस पर भारत में टैक्स देनदारी बनेगी और आईटीआर में

इसे शामिल करना जरूरी है। जानिए इसमें क्या-क्या शामिल हैं- फॉरेन ऐसेट्स में बैंक अकाउंट, कैश वैल्यू इंश्योरेंस कॉन्ट्रेक्ट या सालाना कॉन्ट्रेक्ट, किसी यूनिट या बिजनेस में वित्तीय हित, अचल संपत्ति, इक्विटी और लोन इंट्ररेस्ट, ट्रस्ट जिसमें व्यक्ति ट्रस्टी है, सेटलर का बेनेफिशयरी, हस्ताक्षर प्राधिकारी वाले खाते, अभिरक्षक खाता, विदेश में रखे गए कोई कैपिटल गेन ऐसेट आदि शामिल हैं।सीबीडीटी ने कहा था कि अभियान के तहत वह उन रेजिडेंट टैक्सपेयर्स को पहले एसएमएस और ईमेल भेजेगा जिन्होंने पहले ही ऐसेसमेंट ईयर 2024-25 के लिए अपना आईटीआर दाखिल कर दिया है। यह कम्यूनिकेशन ऐसे टैक्सपेयर्स को भेजा जाएगा, जिनकी द्विपक्षीय और बहुपक्षीय समझौतों के तहत मिली जानकारी के जरिए पहचान की जा चुकी है। इस क्राइटेरिया के तहत आने वाले टैक्सपेयर्स को अपने आईटीआर में विदेशी परिसंपत्ति-फॉरेन ऐसेट्स या विदेशी स्रोत से आय अनुसूची को अनिवार्य रूप से भरना होगा।

15 रुपए सस्ता हुआ टमाटर, केंद्र सरकार ने दिया बड़ा अपडेट

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने टमाटर की कीमतों को लेकर बड़ा अपडेट दिया है। सरकार ने कहा है कि बीते एक महीने में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार देश में औसत टमाटर की कीमतों में 22 फीसदी से ज्यादा की कमी देखी गई है। जिसका प्रमुख कारण टमाटर सप्लाई बेहतर होना बताया जा रहा है। जानकारों की मानें तो आने वाले दिनों में टमाटर की कीमतों में और भी गिरावट देखने को मिल सकती है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर सरकार की ओर से किस तरह की जानकारी दी गई है।

15 रुपए सस्ता हुआ टमाटर

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने रविवार को कहा कि देशभर में आपूर्ति में सुधार के कारण टमाटर की खुदरा कीमतों में मासिक आधार पर 22.4 प्रतिशत की

गिरावट आई है। आधिकारिक बयान के अनुसार, 14 नवंबर को टमाटर का अखिल भारतीय औसत खुदरा मूल्य 52.35 रुपये प्रति किलोग्राम रहा, जो 14 अक्टूबर को 67.50 रुपये प्रति किलोग्राम था। इसका मतलब है कि टमाटर 15.15 रुपए प्रति किलोग्राम सस्ता हो चुका है। इसी अवधि के दौरान, दिल्ली की आजादपुर मंडी में बढ़ती आवक के कारण मॉडल थोक मूल्य में लगभग 50 प्रतिशत की तीव्र गिरावट देखी गई, जो 5,883 रुपये प्रति क्विंटल से घटकर 2,969 रुपये प्रति क्विंटल हो गई।

यहां से हो रही है सप्लाई

मंत्रालय ने कहा कि पिंपलगांव (महाराष्ट्र), मदनपल्ले (आंध्र प्रदेश) और कोलार (कर्नाटक) जैसे प्रमुख बाजारों से भी इसी तरह की कीमत में सुधार की सूचना मिली। मंत्रालय ने कहा कि हालांकि मदनपल्ले और कोलार के प्रमुख टमाटर केंद्रों पर आवक कम हो गई है, लेकिन महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात से मौसमी आपूर्ति के कारण कीमतों में कमी आई है, जिससे देश भर में आपूर्ति की कमी पूरी हो गई है। बयान में कहा गया है कि मौसम की अनुकूल स्थिति ने पैदावार और खेतों से उपभोक्ताओं तक आपूर्ति श्रृंखला के सुचारू संचालन, दोनों को समर्थन दिया है। वित्त वर्ष 2023-24 में देश का टमाटर उत्पादन चार प्रतिशत बढ़कर 213.20 लाख टन होने का अनुमान है।

एफपीआई शेयर बाजार को बना रहे कंगाल, 50 दिन में निकाले 1.16 लाख करोड़

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)। विदेशी निवेशकों ने अभी तक अपने रुख में कोई बदलाव नहीं किया है। एफपीआई लगातार भारत के शेयर से पैसा निकाल रहा है। वास्तव में चीन की सरकार ने जो स्पेशल पैकेज इकोनॉमी को बूस्ट करने के लिए दिया है, उससे विदेशी निवेशक काफी उत्साहित हैं। दूसरी ओर भारत के शेयर बाजार की वैल्यूएशन बढ़ा है, जिसकी वजह से विदेशी निवेशक हाई वैल्यूएशन पर पैसा लगाने को तैयार नहीं है, जिसकी वजह से वो मुनाफावसूली कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर ट्रंप की जीत के बाद डॉलर इंडेक्स में तेजी देखने को मिल रही है। जिसका असर अमेरिकी यील्ड में देखने को मिल रहा है। विदेशी निवेशक भारत से पैसा निकालकर अमेरिकी सिक्योरिटीज की ओर जा रहे हैं। यही कारण है कि बीते करीब 50 दिनों में विदेशी निवेशकों शेयर बाजार से एक लाख करोड़ रुपए से ज्यादा निकाल चुके हैं। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर अक्टूबर के साथ नवंबर के महीने में निवेशकों ने शेयर बाजार से कितने पैसे निकाले हैं। घरेलू शेयर बाजार के ऊंचे मूल्यांकन, चीन में बढ़ते आवंटन तथा अमेरिकी डॉलर के साथ-साथ ट्रेजरी प्रतिफल में वृद्धि के कारण विदेशी निवेशकों ने इस महीने अब तक भारतीय इक्विटी बाजार से 22,420 करोड़ रुपए निकाले हैं। इस बिकवाली के साथ, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने 2024 में अब तक कुल 15,827 करोड़ रुपए निकाले हैं।

आंकड़ों के अनुसार, इस महीने अब तक एफपीआई ने 22,420 करोड़ रुपए की शुद्ध निकासी दर्ज की है। यह अक्टूबर में 94,017 करोड़ रुपए की शुद्ध निकासी के बाद आया है, जो सबसे खराब मासिक निकासी थी। इससे पहले, मार्च, 2020 में एफपीआई ने इक्विटी से 61,973 करोड़ रुपए निकाले थे।सितंबर, 2024 में विदेशी निवेशकों ने 9 महीने के उच्चतम स्तर 57,724 करोड़ रुपए का निवेश किया।

झारखंड के सर्वोच्च पुरस्कार का नाम 'भगवान बिरसा मुंडा-भगवान सिदो कान्हू' रखेंगे

सोरेन का बड़ा वादा

रांची, 17 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा चुनाव के बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य के सर्वोच्च पुरस्कार का नाम भगवान बिरसा मुंडा-भगवान सिदो कान्हू रखने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि अगर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की सरकार सत्ता में आती है तो इस संबंध में निर्णय पहली कैबिनेट बैठक में लिया जाएगा। उन्होंने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। बता दें कि झारखंड में विधानसभा चुनाव जारी है। पहले चरण के मतदान के बाद 20 नवंबर को दूसरे चरण का मतदान होने वाला है। नतीजे 23 नवंबर को जारी होंगे।

सोशल मीडिया पर हेमंत सोरेन ने दी जानकारी

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए सीएम हेमंत सोरेन ने कहा, 'भगवान बिरसा मुंडा - भगवान सिदो-कान्हू

पुरस्कार' होगा झारखण्ड के सर्वोच्च पुरस्कार का नाम। आपकी अबुआ सरकार की पहली कैबिनेट का यह पहला फैसला होगा। झारखण्ड के वीर शहीद अमर रहें! जय झारखण्ड!

25 साल की उम्र में बिरसा मुंडा की हो गई थी मौत

झारखंड में महान स्वतंत्रता सेनानी और जनजातीय अधिकारों के लिए संघर्ष करने वाले आदिवासी नायक बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती मनाई गई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा स्पीकर ओम बिरला और राज्यसभा के डिप्टी चेयरमैन हरिवंश नारायण सिंह समेत कई अन्य नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की थी। बिरसा मुंडा का जन्म 1875 में हुआ था। उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ आदिवासी विद्रोह का नेतृत्व किया था। महज 25 वर्ष की आयु में ही उनकी मौत हो गई थी।

पहले चरण का मतदान समाप्त

झारखंड में विधानसभा चुनाव 2024 के पहले चरण का मतदान बुधवार को खत्म हो गया। पहले दौर में 15 जिलों की 43 विधानसभा सीटों पर मतदान हुआ, जहां कुल 683 उम्मीदवार चुनाव मैदान में रहे।

इसके साथ ही चंपई सोरेन, बन्ना गुप्ता, महुआ माजी, गीता कोड़ा और पूर्णिमा दास जैसै चर्चित चेहरों के सियासी भाग्य का फैसला ईवीएम में कैद हो गया।

'झारखंड में कानून व्यवस्था खस्ताहाल'

शिवराज बोले- महिला सुरक्षा पर कल्पना सोरेन ने साधी चुप

गिरिडीह, 17 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने झारखंड में झामुमो के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ गठबंधन पर निशाना साधा। साथ ही राज्य की कानून-व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि राज्य की कानून-व्यवस्था खस्ताहाल है और महिलाएं सुरक्षित महसूस नहीं करती हैं।

चौहान ने गांडेय विधानसभा क्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन पर भी निशाना साधा। कल्पना गांडेय से चुनाव लड़ रही हैं। चौहान ने कहा कि उन्होंने कांग्रेस नेता इरफान अंसारी द्वारा उनकी भाभी सीता सोरेन के खिलाफ कहे गए अपमानजनक शब्दों पर चुप्पी साध रखी है।

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि झारखंड में कानून-व्यवस्था की स्थिति बहुत खराब हो चुकी है। हर दिन हत्या,

बलात्कार और अपहरण जैसी घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने कल्पना सोरेन से सवाल किया कि उन्होंने इन मुद्दों पर अब तक कुछ क्यों नहीं कहा, और राज्य में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार के बारे में क्यों चुप हैं।

चौहान ने कहा, 'झारखंड में कानून व्यवस्था चरमरा गई है, हर दिन हत्या, बलात्कार और अपहरण जैसी घटनाएं हो रही हैं। कल्पना सोरेन को जवाब देना चाहिए कि यहां कितनी बेटियों की हत्या हुई है। इस धरती पर 7,400 दुष्कर्म हुए, इस सरकार में आपका सम्मान, सुरक्षा सुरक्षित नहीं है। यहां तक कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की भाभी सीता सोरेन का भी इरफान अंसारी ने अपमान किया, लेकिन कल्पना सोरेन इस मुद्दे पर चुप हैं।'

चौहान ने हेमंत सोरेन सरकार पर भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और घुसपैठ को बढ़ावा देने का आरोप भी लगाया। उन्होंने दावा किया कि लोग अब झामुमो सरकार को सत्ता से बाहर कर देंगे। उन्होंने लोगों से बड़ी संख्या में भाजपा उम्मीदवारों को वोट देने का आग्रह किया।

इस बीच, झारखंड भाजपा के सह-प्रभारी और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने भी झारखंड विधानसभा चुनाव के बारे में टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि यह चुनाव राज्य के भविष्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और विश्वास जताया कि भाजपा दूसरे चरण में और अच्छा प्रदर्शन करेगी।

सरमा ने कहा, 'पहले चरण में हमने अच्छा प्रदर्शन किया है और मुझे विश्वास है कि दूसरे चरण में हम और भी बेहतर प्रदर्शन करेंगे। यह चुनाव राज्य के भविष्य के लिए है। यह चुनाव तय करेगा कि क्या झारखंडी राज्य के लोगों के लिए बने रहेंगे। या घुसपैठिए इस पर कब्ज़ा कर लेंगे।'

सरमा ने अपने समर्थकों के साथ भाजपा के झंडे लहराते हुए बोकारो में एक रोड शो भी किया। उन्होंने कहा कि यह भीड़ स्पष्ट करती है कि झारखंड में बदलाव आने वाला है।

'जन कल्याण नहीं कुर्सी बचाने के लिए कर रहे काम'

कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री मोदी पर बोला हमला

रांची, 17 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी लोगों के कल्याण पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। बल्कि उनका ध्यान अपनी कुर्सी बचाने पर है। खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री एक छोटे से राज्य के चुनाव को जीतने के लिए पूरा दिन और ऊर्जा खर्च कर रहे हैं। इससे साफ है कि उनके लिए कुर्सी बचाना प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी गरीबों के लिए नहीं, बल्कि अपने लिए काम करते हैं। बढ़ती महंगाई और आवश्यक वस्तुओं की आसमान छूती कीमतों कम करने और लोगों की परेशानी दूर करने में वे फेल रहे। खरगे ने कहा कि मोदी लगभग 25 साल तक गुजरात में सत्ता कायम की, लेकिन क्या वह गुजरात की गरीबी को खत्म करने में कामयाब हो सके।

खरगे ने अहमदाबाद-मुंबई के बीच बुलेट ट्रेन परियोजना को लेकर उन्होंने चिंता जताई। खरगे ने कहा कि बुलेट परियोजना का बजट एक लाख करोड़ से बढ़ाकर तीन लाख करोड़ कर दिया गया। क्या केवल 500 किमी के हिस्से पर पांच लाख करोड़ रुपये खर्च करना सही है? इसके बाद भी परियोजना का एक पुल ढह गया

खरगे नेकहा कि प्रधानमंत्री मोदी पार्टी के विवादास्पद नारे बटेंगे तो कटेंगे की निंदा नहीं कर सके। यह नारे मतदाताओं का ध्रुवीकरण करने के लिए बनाए गए थे। केंद्र ने झारखंड में हेमंत सोरेन सरकार द्वारा एससी/एसटी/ओबीसी के लिए आरक्षण बढ़ाने के लिए पारित किए गए विधेयक जैसे महत्वपूर्ण कानूनों को अवरुद्ध कर दिया है। खरगे ने कहा कि झारखंड में अगली सरकार भारत गठबंधन की बनेगी। उन्होंने कहा कि झारखंड में 43 विधानसभा क्षेत्रों के लिए मतदान समाप्त हो गया है और यह स्पष्ट है कि भारत गठबंधन फिर से सरकार बनाएगा। मैं महिला मतदाताओं को उत्साही भागीदारी के लिए बधाई देता हूं। हमने अपनी मैया सम्मान योजना को लेकर उत्साह देखा और दिसंबर से हम महिलाओं को 1,000 रुपये के बजाय 2,500 रुपये प्रदान करेंगे।

छत्तीसगढ़ सरकार ने मध्यम वर्ग को संपत्ति रजिस्ट्री में बड़ी राहत दी

अब गाइड लाइन मूल्य पर ही लगेगा रजिस्ट्री शुल्क

रायपुर, 17 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ सरकार ने संपत्ति खरीदने वाले मध्यम वर्ग के लोगों को बड़ी राहत दी है। अब किसी भी प्रापर्टी की खरीद-बिक्री में गाइड लाइन दर से सौदे की रकम अधिक होने पर भी रजिस्ट्री शुल्क गाइड लाइन दर के अनुसार ही लिया जाएगा। इससे बैंक लोन पर निर्भर मध्यम वर्गीय परिवार को वास्तविक मूल्य के आधार पर ऋण मिल सकेगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में पिछले दिनों कैबिनेट की बैठक में लिए गए इस फैसले से विशेषकर उन नागरिकों को लाभ होगा, जो बैंक ऋण के माध्यम से संपत्ति खरीदते हैं। पूर्व में संपत्ति की खरीद-बिक्री में गाइड लाइन दर और सौदे की राशि में जो भी अधिक होता था, उस पर रजिस्ट्री शुल्क देना आवश्यक था। उदाहरण के लिए यदि किसी संपत्ति का गाइड लाइन मूल्य 10 लाख रुपये है और उसका सौदा 15 लाख में हुआ, तो रजिस्ट्री

शुल्क 15 लाख पर 4 प्रतिशत के हिसाब से 60 हजार रुपये देना पड़ता था।

इस नियम में संशोधन के बाद संपत्ति खरीदने वाले अब सौदे की रकम गाइड लाइन दर से अधिक होने पर भी वास्तविक मूल्य को अंकित कर सकते हैं और इसके लिए उन्हें कोई रजिस्ट्री शुल्क नहीं देना होगा। 10 लाख रुपये की गाइड लाइन मूल्य वाली प्रॉपर्टी का सौदा 15 लाख में होता है, तो भी रजिस्ट्री शुल्क 10 लाख के 4 प्रतिशत के हिसाब से 40 हजार रुपये देय होगा। इस तरह 20 हजार रुपये की बचत होगी।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने बताया कि इस संशोधन से मध्यम वर्गीय परिवारों को वास्तविक मूल्य के आधार पर अधिक बैंक ऋण प्राप्त करने में सहूलियत होगी। इसके अलावा यह निर्णय संपत्ति बाजार में पारदर्शिता व स्पष्टता को बढ़ाने में भी सहायक होगा और इससे वास्तविक मूल्य दर्शाने की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिलेगा। देश के अन्य राज्यों में जमीन की गाइडलाइन कीमत या सौदा मूल्य दोनों में से जो ज्यादा हो उस पर पंजीयन शुल्क लगता है। केवल मध्य प्रदेश में गाइडलाइन कीमत से अधिक सौदा मूल्य दर्शाने पर उसमें पंजीयन शुल्क में छूट दी गई है। इसके कारण वहां लोगों में वास्तविक सौदा मूल्य को रजिस्ट्री पेपर में लिखने की प्रवृत्ति में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है।

वर्तमान में किसी संपत्ति का सौदा मूल्य सामान्यतः गाइडलाइन मूल्य से बहुत ज्यादा होता है। लेकिन लोग गाइडलाइन मूल्य या इसके आसपास का ही सौदा मूल्य अंकित करते हैं। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि अगर वास्तविक सौदा राशि अंकित कर देंगे, तो पंजीयन शुल्क गाइडलाइन मूल्य या वास्तविक सौदा राशि दोनों में से जो ज्यादा हो उस पर लगेगा। अधिक पंजीयन शुल्क से बचने के लिए लोग गाइडलाइन कीमत या इसके आसपास पूर्णांकित करते हुए सौदा मूल्य डाल देते हैं।

छत्तीसगढ़ सरकार की इस पहल का सीधा लाभ राज्य के सभी मध्यमवर्गीय परिवारों को मिलेगा क्योंकि अधिकांश मध्यमवर्गीय परिवार संपत्ति खरीदने के लिए बैंक लोन पर निर्भर रहते हैं। बैंक लोन रजिस्ट्री पेपर में दिखाए गए सौदे के रकम के आधार पर मिलता है, लोग पंजीयन शुल्क से बचने के लिए गाइडलाइन कीमत के बराबर सौदा मूल्य दिखाते हैं। कम सौदा कीमत दिखाएं जाने से बैंक लोन भी कम मिलता है। इस नीति से आमजनों को न्यायिक प्रकरणों में भी संपत्ति का वास्तविक मूल्य प्राप्त होगा। यदि कभी संपत्ति में कुछ धोखाधड़ी पायी गई तो व्यक्ति विक्रेता से वही मुआवजा पाने का हकदार होता है, जो रजिस्ट्री पेपर में लिखा हुआ। संपत्ति का सही मूल्य रजिस्ट्री में अंकित होने से प्रभावित व्यक्ति को उसका सही मुआवजा प्राप्त हो पायेगा।

38 में 13 सीटों पर आधी आबादी दिखा रही दमखम

चार पर महिला प्रत्याशी आमने-सामने

रांची, 17 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड में दूसरे चरण में 20 नवंबर को होने वाले चुनाव के लिए 38 सीटों पर जोर-आजमाइश चल रही है। इस चरण की 13 सीटें ऐसी हैं, जहां सीधे तौर पर आधी आबादी अपना दमखम दिखा रही है। इनमें चार विधानसभा सीटों पर सीधे तौर पर महिला प्रत्याशी आमने-सामने हैं।

राज्य की हाई प्रोफाइल सीटों में से एक गांडेय से सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी व झामुमो की स्टार प्रचारक कल्पना सोरेन लड़ रही हैं। उन्हें चुनौती देने के लिए भाजपा ने मुनिया देवी को उतारा है। वहीं, झरिया में कांग्रेस की पूर्णिमा नीरज

सिंह और भाजपा की रागिनी सिंह मैदान में हैं। दोनों में देवरानी-जेठानी का रिश्ता है। रामगढ़ में कांग्रेस की ममता कुमारी और एनडीए की सुनीता चौधरी में मुकाबला है। उपचुनाव में सुनीता ने गोला गोलीकांड में दोषी पाए जाने पर विधायकी गंवाने वाली ममता के पति बजरंग महतो को शिकस्त दी थी। ऐसे में मुकाबला रोचक हो गया है। डुमरी सीट पर भी दो महिलाओं के बीच मुकाबला है। मंत्री जगरनाथ महतो के दिवंगत होने के बाद पत्नी बेबी देवी राजनीतिक विरासत संभाल रही हैं। उपचुनाव में जीतकर बेबी मंत्री बनीं थीं। उन्हें यशोदा देवी चुनौती दे रही हैं। हालांकि, जयराम महतो की दावेदारी से मुकाबला त्रिकोणीय होने के आसार हैं। जामताड़ा में डॉ. इरफान अंसारी के खिलाफ सीता सोरेन रण में हैं। वहीं, मंत्री दीपिका पांडेय सिंह महगामा से, अपर्णा सेनगुप्ता निरसा से, सिंदरी से तारा देवी, जमुआ से मंजू कुमारी, बोकारो से श्वेता सिंह व जामा से डॉ. लुईस मरांडी चुनाव लड़ रही हैं। पाकुड़ से पूर्व मंत्री आलमगीर आलम की पत्नी निशत मैदान में हैं।

पाकुड़ के आजसू प्रत्याशी अजहर पर बम से हमला

गाड़ियां क्षतिग्रस्त; मौके पर पहुंचे अधिकारी

रांची, 17 नवंबर (एजेंसियां)। पाकुड़ विधानसभा सीट से आजसू प्रत्याशी अजहर इस्लाम पर शनिवार की रात कोटालपोखर के विजयपुर में अपराधियों ने बमों से हमला कर दिया। उनकी गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि, वह बाल-बाल बच गए।

घटना की सूचना मिलने पर एसडीपीओ नितिन खंडेलवाल, कोटालपोखर थानेदार चंदन कुमार भैया के साथ-साथ आसपास के कई थाना क्षेत्रों की पुलिस पहुंची और जांच में जुट गई। अजहर इस्लाम बरहड़वा से जनसंपर्क कर वापस लौट रहे थे, तभी यह घटना हुई।

उनकी ओर से एक वीडियो जारी किया गया जिसमें वाहन पर बम चलने के निशान हैं। उन्होंने कहा कि प्रतिद्वंद्वी हार के डर से बौखला गए हैं। उनपर दूसरी बार जानलेवा हमला कराया गया है। कहा कि क्या यह बंगाल है? मैं पूछता हूं यहां की हेमंत सरकार व यहां के प्रशासन से कि यह कहां तक उचित है।

इसका खामियाजा विपक्ष को हार से मिलेगा। जीवन में पहली बार चुनावी मैदान में आया तो विपक्ष जान लेने पर उतारू हो गया। अगर ताकत है लोकतंत्र के तरीके से लड़ो। उधर, एसडीपीओ नितिन खंडेलवाल ने बताया कि प्रत्याशी ने हमले की शिकायत की है। मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

महेशपुर एसटी सुरक्षित विधानसभा सीट में महागठबंधन के झामुमो प्रत्याशी प्रोफेसर स्टीफन मरांडी एवं एनडीए गठबंधन के भाजपा प्रत्याशी नवनीत हेंब्रम के बीच कांटे की

लड़ाई है। इस चुनाव में स्टीफन जहां अपनी जीत की हैट्रिक लगाने के लिए जी तोड़ मेहनत कर रहे हैं। वहीं भाजपा प्रत्याशी नवीनीत हेम्ब्रम महेशपुर में 25 सालों से बंजर रही भूमि पर कमल खिलाने के लिए आतुर दिख रहे हैं। नवनीत राजनीति में नया चेहरा हैं और महेशपुर में पुलिस अधिकारी रहते यहां काफी लोकप्रिय हो गए थे।

यही कारण है कि इस बार वे स्टीफन को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। हालांकि महेशपुर विधानसभा क्षेत्र में झामुमो के जीत का रिकार्ड काफी बेहतर है। दो बार से जीतते रहे हैं स्टीफन प्रो. स्टीफन मरांडी पिछले दो विधानसभा चुनाव 2014 एवं 2019 में झामुमो की टिकट पर महेशपुर से विधायक निर्वाचित हुए हैं।

इस दौरान वे बीस सूत्री के कार्यकारी अध्यक्ष बनाए गए । इस चुनाव में स्टीफन अपनी बेटी के लिए पार्टी से टिकट चाह रहे थे परंतु महेशपुर के मजबूत भाजपा प्रत्याशी को देखते हुए पार्टी ने उन्हें ही चुनाव लड़ने का निर्णय लिया।

वहीं, इस बार भाजपा ने पिछले प्रत्याशी व पूर्व विधायक मिस्त्री सोरेन का टिकट काट पुलिस अधिकारी की नौकरी छोड़ आए नवनीत हेम्ब्रम को प्रत्याशी बनाया है। यहां नवनीत की बेहतर छवि ने यहां के समर को काफी रोचक बना दिया है।

महिला और बच्चों के कंकाल मिलने पर परिजनों और समाज के लोगों में आक्रोश

दोषियों को फांसी देने की मांग

जशपुर, 17 नवंबर (एजेंसियां)। बलरामपुर जिले के कुसमी क्षेत्र में सितंबर में गायब हुई कौशल्या ठाकुर (35 वर्ष) और उनके दो नाबालिग बच्चों के कंकाल मिलने के बाद मायकेवालों ने जशपुर के बंदरचुवां गांव में अस्थियों का अंतिम संस्कार किया।

परिजनों ने कुसमी थाना प्रभारी पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए बर्खास्तगी और दोषियों को फांसी की सजा देने की मांग की।

घटना का विवरण

27 सितंबर को जितिया पर्व के अगले दिन कौशल्या दोनों बच्चों के साथ घर से निकलीं थीं। दो दिन बाद परिजनों ने थाने में सूचना दी, लेकिन पुलिस ने 1 अक्टूबर तक गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज नहीं की। जांच में देरी से परिजनों में रोष है।

नाई समाज की मांग

सर्व नाई समाज के जिलाध्यक्ष उमाशंकर ठाकुर ने दोषियों को फांसी की मांग और सरकार द्वारा मृतिका की इकलौती बेटी के भविष्य की चिंता करने की बात कही। प्रदेश उपाध्यक्ष अर्जुन ठाकुर ने पुलिस की लापरवाही पर सवाल उठाए हैं।

इस हत्याकांड में उजड़े परिवार का मुखिया सूरजदेव ठाकुर ने तीनों मृतकों की अस्थियों का ईब नदी के किनारे समाज के लोगों की उपस्थिति में अंतिम संस्कार कर दिया।

अब उस परिवार में पिता और एक बच्ची जो ननिहाल में पढ़ाई करने के कारण जीवित बची,दोनों का रो-रोकर बुरा हाल है।गांव में शोक की लहर है।

बलरामपुर पुलिस ने मामले में दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया है, लेकिन विस्तृत खुलासा अभी बाकी है। परिजन और समाज दोषियों को फाँसी की सजा दिलाने की मांग कर रहे हैं।

धान की कटाई के दौरान थ्रेशर की चपेट में आने से महिला की मौत

परिजनों में पसरा मातम

कबीरधाम, 17 नवंबर (एजेंसियां)। कबीरधाम में आज तड़के थ्रेशर से धान की कटाई के दौरान चपेट में आने से सुनैना चन्द्रवंशी पति चितरंजन चन्द्रवंशी उम्र 45 वर्ष निवासी ग्राम नेऊरगांव कला की मौत हो गई। काम के दौरान महिला थ्रेशर में फंस गई। इससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मामला बोड़ला थाना क्षेत्र का है।

हादसे के बाद घायल महिला को बोड़ला के सरकारी अस्पताल ले जाया जा रहा था तभी रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। वहीं हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। दरअसल वर्तमान में कबीरधाम जिले के सभी केन्द्रों में धान की खरीदी हो रही है। किसानों द्वारा धान को केन्द्रों में बेचा जा रहा है।

स्कूल के पास शव मिलने से मचा हड़कंप

कोरबा, 17 नवंबर (एजेंसियां)। कोरबा के कटघोरा मुख्य मार्ग पर संचालित स्वामी आत्मानंद स्कूल के पास एक व्यक्ति का शव मिलने से हड़कंप मच गया। मृतक कौन है और कहां का रहने वाला है इस संबंध में किसी तरह की जानकारी नहीं मिल सकी है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरु कर दी है। कटघोरा थानाक्षेत्र के तहत स्वामी आत्मानंद स्कूल के पास उस वक्त सनसनी फैल गई जब मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने एक व्यक्ति का शव देखा। मामले की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुटी है। वहीं पुलिस ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच की जारी है।

ट्रंप कैबिनेट में शामिल हो गया ऐसा नाम

जो तेल-गैस की ग्लोबल मार्केट में जमाएगा अमेरिका की धाक

वॉशिंगटन, 17 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शपथ समारोह से पहले अपनी टीम तैयार करने में लगे हैं। ट्रंप अपनी ऐसी टीम तैयार कर रहे हैं, जो उनके सभी लक्ष्यों को पूरे करने में उनका मजबूती से साथ देगी। ट्रंप ने ऑयल एंड गैस एग्जिक्यूटिव क्रिस राइट को अमेरिका के एनर्जी डिपार्टमेंट की अध्यक्षता के लिए चुना है। क्रिस राइट के भरोसे ट्रंप अपने उस चुनावी वादे को पूरा करने की उम्मीद कर रहे हैं, जिसमें उन्होंने अमेरिका के फॉसिल फ्यूल प्रोडक्शन को बढ़ाने की बात की कही थी।

राइट लिबर्टी एनर्जी के संस्थापक और सीईओ हैं, जो 'फ्रैकिंग' नाम से जाने जाने वाले प्रोसेस से शेल फ़ील्ड से तेल और गैस निकालने वाली कंपनियों को सर्विस देती है। उन्होंने इस क्षेत्र में कईकीर्तिमान रचे हैं और ऊर्जा क्षेत्र में अमेरिका को फायदा पहुंचाया है।

इससे पहले ट्रंप डिफेंस सेक्रेटरी के लिए फ़ॉक्स न्यूज़ के होस्ट और रिटायर सैनिक पीट हेगसेथ को चुन चुके हैं। मार्को रुबियो को विदेश मंत्री के लिए चुना गया है और ट्रंप के कट्टर समर्थक अरबपति एलन मस्क कॉस्ट कटिंग, नौकरशाही में अहम रोल अदा करने वाले हैं।

ट्रंप ने बताया राइट को क्रांति का जनक

डोनाल्ड ट्रंप ने एक बयान में कहा, "क्रिस उन पायनीरों में से एक थे जिन्होंने अमेरिकी शेल क्रांति को शुरू करने में मदद की, जिसने अमेरिकी ऊर्जा स्वतंत्रता को बढ़ावा दिया और वैश्विक ऊर्जा बाजारों और भू-राजनीति को बदल दिया।" ट्रंप ने आगे कहा, बतौर ऊर्जा सचिव राइट एक खास नेता होंगे, जो नए विचारों को बढ़ावा देंगे, लालफीताशाही को खत्म करेंगे और अमेरिकी समृद्धि और वैश्विक शांति के एक नए स्वर्ण युग की शुरुआत करेंगे।

राइट को पर्यावरण की नहीं फिक्र!

भले ही राइट ने फॉसिल फ्यूल क्षेत्र क्रांति लाई हो और अमेरिका को ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बनाने में मदद की हो। लेकिन उनके पर्यावरण को लेकर रुख पर सवाल उठते रहे हैं। राइट पहले कह चुके हैं कि जब तक ऊर्जा सुरक्षित, विश्वसनीय, सस्ती है और मानव जीवन को बेहतर बनाती है, उन्हें परवाह नहीं ये कहा से आती है। पिछले साल अपनी लिंक्डइन प्रोफाइल पर पोस्ट की गई एक वीडियो में उन्होंने कहा था, "कोई जलवायु संकट नहीं है, और हम एनर्जी ट्रांजिशन के बीच में भी नहीं हैं।"

ब्राजील की प्रथम महिला ने एलन मस्क को दी गाली, अरबपति कारोबारी ने दी गजब प्रतिक्रिया

जेनेरियो, 17 नवंबर (एजेंसियां)। ब्राजील की प्रथम महिला यानी कि ब्राजील के राष्ट्रपति की पत्नी जानजा लुला डा सिल्वा ने एक कार्यक्रम के दौरान अरबपति कारोबारी एलन मस्क के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल किया। जानजा लुला डा सिल्वा का मस्क को अपशब्द कहते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। यहां तक कि एलन मस्क ने भी इस वीडियो पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

दरअसल ब्राजील जी20 सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। इसके तहत ब्राजील की सरकार जी20 के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रही है। ऐसे ही एक कार्यक्रम में ब्राजील के राष्ट्रपति लुला डा सिल्वा की पत्नी जानजा लुला डा सिल्वा भी शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने एलन मस्क की आलोचना की और उनके लिए अपशब्दों का इस्तेमाल किया। दरअसल ब्राजील में मस्क की सोशल मीडिया कंपनी एक्स विवादों के घेरे में हैं। वहीं ब्राजील की प्रथम महिला की इस वीडियो पर एलन मस्क ने जोर से मुस्कुराते हुए इमोजी पोस्ट की। एक अन्य पोस्ट में मस्क ने ब्राजील के राष्ट्रपति को लेकर कहा कि वे अगला चुनाव हारने जा रहे हैं।

एलन मस्क की सोशल मीडिया कंपनी एक्स ब्राजील में विवादों में है। इस साल तो ब्राजील में एक्स को एक महीने के लिए निलंबित भी कर दिया गया था। दरअसल एक्स पर ब्राजील के कानूनों का पालन न करने, कानूनी प्रतिनिधी की नियुक्ति न करने और फर्जी खबरें फैलाने वाले अकाउंट्स पर रोक लगाने वाले अदालत के आदेश की अवहेलना के भी आरोप हैं।

स्कूल में घुसकर सनकी ने की अंधाधुंध चाकूबाजी, 8 लोगों की हुई मौत; 17 घायल

बीजिंग, 17 नवंबर (एजेंसियां)। चीन में एक बार फिर चाकूबाजी का मामला सामने आया है। यहां एक व्यावसायिक स्कूल में हुई चाकूबाजी से 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 17 लोग घायल बताए जा रहे हैं। वहीं मौके र राहत और बचाव का कार्य किया जा रहा है। इसके अलावा आरोपी को मौके से ही पकड़ भी लिया गया। पकड़े जाने के बाद आरोपी ने अपना अपराध स्वीकर कर लिया। बता दें कि इससे पहले हाल ही में एक व्यक्ति ने अपनी कार से कई लोगों को कुचल दिया था। इस हादसे में भी 35 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 43 लोग घायल हो गए थे। बता दें कि पूरा मामला पूर्वी चीन के जियांग्सू प्रांत का बताया जा रहा है। यहां शनिवार को एक व्यावसायिक स्कूल में घुसे एक सनकी ने अंधाधुंध चाकूबाजी करनी शुरू कर दी। चाकूबाजी की इस घटना में आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि 17 लोग घायल हो गए। यह हमला यिक्सिंग शहर के 'वूशी वोकेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ आर्ट्स एंड टेक्नोलॉजी' में शाम करीब साढ़े छह बजे हुआ। वहीं सरकारी न्यूज एजेंसी 'शिन्हुआ' के मुताबिक, यिक्सिंग के लोक सुरक्षा ब्यूरो द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, 21 वर्षीय संदिग्ध शू को घटनास्थल पर ही पकड़ लिया गया और उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी शू परीक्षा में फेल हो गया था और इस वजह से उसे स्नातक प्रमाणपत्र नहीं मिला था। इसके अलावा वह इंटर्नशिप वेतन से असंतुष्ट था। ऐसे में अपना गुस्सा जाहिर करने के लिए वह स्कूल में घुसा और चाकूबाजी करनी शुरू कर दी। शिन्हुआ के मुताबिक बचाव कार्य जारी है

ब्रिटेन को भी एक ट्रंप की जरूरत, पूर्व पीएम का बड़ा बयान, मोदी को लेकर भी कही ये बात

लंदन, 17 नवंबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन की पूर्व प्रधानमंत्री एलिजाबेथ ट्रस ने ब्रिटेन में सुधार लाने और शक्तिशाली नौकरशाही में व्यवस्था को दुरुस्त करने और अमेरिका जैसा आंदोलन खड़ा करने की वकालत की, जिसके कारण वहां बड़े बदलाव हुए। उन्होंने अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एमएजीए (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) आंदोलन का हवाला देते हुए कहा, सच कहूं तो मुझे लगता है कि हमें एक ब्रिटिश ट्रंप की जरूरत है। सवाल यह है कि वह व्यक्ति कौन हो सकता है। एलिजाबेथ ट्रस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल को एक 'बड़ी उपलब्धि' करार दिया। ट्रस ने यहां एचटी लीडरशिप समिट 2024 में एक संवाद के दौरान यह भी कहा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत को भू-राजनीति के भविष्य में बड़ी भूमिका निभानी है।

49 दिन के लिए रहीं ब्रिटेन की प्रधानमंत्री

ट्रस 2022 में सिर्फ 49 दिन के लिए ब्रिटेन की प्रधानमंत्री रही थीं। उनसे बदलती भू-राजनीतिक स्थितियों के बीच भारत और ब्रिटेन के बीच संबंधों के बारे में पूछा गया था। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि हम अभी जिस स्थिति में हैं, वह बहुत सकारात्मक संबंध है। मुझे वास्तव में उम्मीद है कि हम व्यापार समझौते को अंतिम रूप दे पाएंगे। प्रौद्योगिकी, रक्षा, कृषि जैसे क्षेत्रों में ब्रिटेन और भारत को एक-दूसरे से बहुत लाभ मिल सकता है। मुझे लगता है कि इसमें अपार संभावनाएं हैं।

दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र

पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत अब जनसंख्या के हिसाब से दुनिया का सबसे बड़ा देश और दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। उन्होंने कहा, भविष्य में इसे बेहद वृहद नेतृत्वकारी भूमिका निभानी है और मुझे लगता है कि यह असाधारण रूप से उत्साहवर्धक है। भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते पर ट्रस ने कहा कि यह बिलकुल बराबरी का रिश्ता है। उन्होंने यह भी कहा कि व्यापार समझौता करने के लिए दोनों पक्षों को रियायतें देनी होंगी।

क्वाड में भारत की भूमिका महत्वपूर्ण

उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि क्वाड में भारत की भूमिका अमेरिका, ब्रिटेन और जापान के संबंध में बहुत महत्वपूर्ण है, विशेष रूप से जैसा कि हम देख रहे हैं, चीन का खतरा बढ़ रहा है। चर्चा के दौरान पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने यूरोपीय अर्थव्यवस्था पर आलोचनात्मक दृष्टिकोण अपनाया और कहा कि हमारा महाद्वीप डूब रहा है। ब्रिटेन में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद का हवाला देते हुए उन्होंने दुख जताया कि यह अमेरिका के आंकड़े से कम है। ट्रस ने यह भी कहा कि ब्रिटिश नौकरशाही में व्यवस्था को दुरुस्त करने की आवश्यकता है और वह सर्वोत्तम सुधार देखना चाहेंगी।

हमें एक ब्रिटिश ट्रंप की जरूरत

उन्होंने कहा, 'तो मेरी दिलचस्पी इस बात में है कि हम कैसे उस आंदोलन को जन्म दे सकते हैं, जो कुछ हद तक 'एमएजीए' आंदोलन या अमेरिका में चाय-पार्टी आंदोलन की तरह हो, जिसके कारण हम (अमेरिका में) बड़े बदलाव देख रहे हैं। सच कहूं तो, मुझे लगता है कि हमें एक ब्रिटिश ट्रंप की जरूरत है। सवाल यह है कि वह व्यक्ति कौन हो सकता है।

पीएम मोदी का तीसरा कार्यकाल बड़ी उपलब्धि

इस सवाल पर कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लगातार तीसरे कार्यकाल को वह किस तरह देखती हैं पर ट्रस ने इसे एक 'बड़ी उपलब्धि' करार दिया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का तीसरा कार्यकाल, मौजूदा माहौल में निर्वाचित होना एक अविश्वसनीय उपलब्धि है। दुनिया भर में हर दूसरी मौजूदा सरकार को सत्ता से बाहर कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और कनाडा में भी ऐसा होने जा रहा है, अमेरिका में डेमोक्रेट्स के साथ ऐसा हुआ है, इसलिए 'पद पर बने रहना एक बड़ी उपलब्धि है और यह भारत में हो रहे आर्थिक सुधारों का प्रमाण है तथा लोगों को लग रहा है कि देश सही दिशा में जा रहा है।

'परमाणु हथियारों पर नियंत्रण'

राष्ट्रपति के तौर पर आखिरी बैठक में जिनपिंग से ऐसा क्यों बोले बाइडन

लीमा, 17 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन पेरू में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिले। दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग सम्मेलन (एपीईसी) से इतर बैठक की। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जिनपिंग ने इस बैठक के दौरान कहा कि चीन नए डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के साथ काम करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि चीनी सरकार संचार बनाए रखने, सहयोग को बढ़ाने और मतभेदों को कम करने के लिए काम करेगी। इतना ही नहीं दोनों नेताओं के बीच परमाणु हथियारों के नियंत्रण को लेकर भी चर्चा हुई।

दोनों के बीच क्या बात हुई?

अमेरिका और चीन के राष्ट्राध्यक्षों के बीच इस बात पर सहमति बनी की परमाणु हथियारों के इस्तेमाल का फैसला कभी भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के भरोसे पर नहीं छोड़ा जा सकता। इसका फैसला हमेशा इंसानों को करना चाहिए। दोनों नेताओं ने तकनीक से जुड़े इन मामलों में जिम्मेदारीपूर्ण रवैया अपनाने पर बात की। व्हाइट हाउस की तरफ से जारी बयान में कहा गया, दोनों नेताओं ने एआई तकनीक को सैन्य क्षेत्र में जिम्मेदारी से विकसित करने और इसके जोखिमों को सावधानी से समझने पर सहमति जताई। बता दें कि चीन लंबे समय से अपने परमाणु जखीर को मजबूत कर रहा है। वहीं, अमेरिका पहले से ही परमाणु हथियारों में संपन्न रहा है। हालांकि, बाइडन प्रशासन काफी समय से रूस और चीन के साथ परमाणु हथियारों के उत्पादन पर रोक लगाने के लिए चर्चा चाहता था। बाइडन के साथ जिनपिंग की परमाणु हथियारों को लेकर चर्चा पर चीन की तरफ से कोई बयान जारी नहीं किया गया है। हालांकि, बाइडन की कोशिशों के बाद नवंबर में दोनों देशों के बीच कुछ समय के लिए परमाणु हथियारों पर आधिकारिक बातचीत हुई थी। इसके बाद से ही समझौते अटके हुए हैं। अमेरिका ने चीन पर प्रतिक्रिया न दने का भी आरोप लगाया है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, चीन के पास इस वक्त 500 परमाणु हथियार हैं और वह 2030 तक इनकी संख्या बढ़ाकर 1000 करना चाहता है।

चीन की ओर से जारी बयान में क्या?

चीन की तरफ से जारी बयान के मुताबिक, शी जिनपिंग ने अमेरिका में हो रहे बदलावों के मुद्दे पर बात की और कहा कि उनका लक्ष्य दोनों देशों के बीच स्थिर, स्वस्थ और टिकाऊ रिश्ते बनाए रखना है। शी ने कहा कि चीन नए अमेरिकी प्रशासन के साथ कामन करने के लिए तैयार है और लोगों की भलाई वाले बदलावों की उम्मीद करता है। बैठक में चीनी राष्ट्रपति ने आगे कहा, जब दोनों देश एक-दूसरे से साझेदार और दोस्त की तरह बर्ताव करते हैं और मतभेद खत्म करने के लिए हल निकालते हैं तो रिश्ते आगे बढ़ते हैं। लेकिन अगर हम एक-दूसरे को दुश्मन के तौर पर देखते हैं और नुकसान पहुंचाने के लिए जबरदस्त प्रतिस्पर्धा पर उतर आते हैं तो इससे रिश्ते खराब होते हैं।

इजरायल ने लेबनान पर की बमबारी, 11 लोगों की गई जान, 11 घायल

लेबनान, 17 नवंबर (एजेंसियां)। दक्षिण और पूर्वी लेबनान में इजरायली हवाई हमलों में 11 लोगों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है। शनिवार को आधिकारिक राष्ट्रीय समाचार एजेंसी (एनएनए) के अनुसार, पूर्वी बालबेक-हर्मेल गवर्नमेंट के ख्रीबेह गांव में एक घर पर इजरायली हमले में एक ही परिवार के छह लोग मारे गए और 11 अन्य घायल हो गए। इसके अलावा, नाबातिया नगरपालिका के गोदाम पर हुए हमले में पांच कर्मचारियों की मौत हो गई। सैन्य सूत्रों के अनुसार, शनिवार को इजरायली युद्धक विमानों और ड्रोन ने दक्षिण और पूर्वी लेबनान के गांवों और कस्बों पर लगभग 90 हमले किए। इसके अलावा, 16 गांवों पर लगभग 75 गोले दागे गए। रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिणी लेबनान में इजरायली हमलों में तीन पैरामेडिक्स की मौत हो गई और 11 अन्य लोग घायल हो गए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार हिजबुल्लाह ने एक बयान में बताया कि उन्होंने दक्षिणी लेबनान के चामा गांव में एक इजरायली टैंक को मिसाइल से निशाना बनाया, जिससे उसमें सवार सैनिक हताहत हुए। उन्होंने इजरायली सैनिकों और वाहनों के ठिकानों को भी मिसाइल और रॉकेट से निशाना बनाया।

युद्ध में बंदी बनाए गए लोगों का इंतजार कर रहे अपने परिवारों ने बाइडन-ट्रंप से लगाई वापसी की गुहार

तेल अवीव, 17 नवंबर (एजेंसियां)। पिछले दो हफ्तों में गाजा में संघर्ष विराम के लिए बातचीत को लेकर राजनीतिक परिदृश्य में नाटकीय परिवर्तन आया है। अमेरिकी चुनाव, इजरायली रक्षा मंत्री की बर्खास्तगी, कतर द्वारा मध्यस्थता को निलंबित करने का निर्णय और लेबनान में चल रहे युद्ध ने गाजा में संघर्ष विराम की संभावना को और दूर धकेल दिया है। हालांकि, बंदी बनाए गए बंधकों में से कुछ परिवारों को उम्मीद है कि ये बदलाव उनके प्रियजनों की घर वापसी की गति फिर से बढ़ाएंगे। इजरायली-अमेरिकी बंधकों के परिवार से जुड़े लोगों ने जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप से मिलकर गुहार लगाई है। बंधक बनाए गए अलेक्जेंडर के माता-पिता वाशिंगटन में ट्रंप और जो बाइडन से मुलाकात की और एक ही समझौते के तहत सभी बंधकों को घर लाने के लिए मिलकर काम करने का अनुरोध किया।

ट्रंप क्षेत्र में शांति चाहते हैं

एक अन्य महिला बेन बारूच ने कहा कि ट्रंप क्षेत्र में शांति चाहते हैं। बाइडन ने हमेशा कहा है कि वह बंधकों को रिहा कराना चाहते हैं, इसलिए मिलकर काम करें। वहीं, संयुक्त राष्ट्र विशेष समिति की एक नई रिपोर्ट में गाजा में इजरायल के आचरण को नरसंहार बताया गया है। समिति ने इजरायल पर जानबूझकर मौत, भुखमरी और गंभीर चोट पहुंचाने का आरोप लगाया है।

इराकी मिलिशिया ने इजरायली ठिकानों पर ड्रोन से बोला हमला

इराक में शिया मिलिशिया समूह ने शनिवार को इजरायल में कई स्थानों पर ड्रोन से हमला बोला। दक्षिणी इजरायल में दो महत्वपूर्ण स्थानों को निशाना बनाकर चार ड्रोन से हमला बोला गया। इनके निशान पर सैन्य ठिकाने थे। किसी नुकसान की सूचना नहीं दी गई है। दक्षिणी लेबनान में पांच किमी अंदर तक पहुंची गई थी इजरायली सेनालेबनान पर आक्रमण के बाद से इजरायली थल सेना सीमा से काफी आगे बढ़ गई थी। लेबनान के सरकारी मीडिया के अनुसार शनिवार को हिजबुल्ला के साथ लड़ाई के बाद इजरायली सेनाएं वापस लौट गई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इजरायली सैनिकों ने इजरायली सीमा से लगभग पांच किमी दूर दक्षिणी लेबनान के चामा गांव में एक रणनीतिक पहाड़ी पर कुछ समय के लिए कब्जा कर लिया। एजेंसी ने कहा कि इजरायली सैनिकों ने चामा में शिमोन पैगंबर की दरगाह के साथ-साथ कई घरों को उड़ा दिया, लेकिन इस दावे की तुरंत पुष्टि नहीं हो सकी। इस बीच, लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि शनिवार तड़के दक्षिण लेबनान के गांवों पर इजरायली हमलों में दो स्वास्थ्यकर्मी मारे गए, जबकि बेरूत के दक्षिणी उपनगरों पर लगातार पांचवें दिन बमबारी की गई। यह हमला तब हुआ है जब लेबनानी अधिकारी अमेरिका द्वारा प्रस्तुत युद्धविराम प्रस्ताव का मूल्यांकन कर रहे हैं। अमेरिका के फ्लोरिडा राज्य में स्थित निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मार-अ-लागो रिजार्ट के नजदीक से पुलिस ने एक संदिग्ध आदमी को गिरफ्तार किया है।

फिर आतंकी हमले से दहला पाकिस्तान कलात में 7 सुरक्षाकर्मियों की मौत, 18 घायल

इस्लामाबाद, 17 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के क्वेटा के कलात के जोहान क्षेत्र में एक पहाड़ पर स्थित चेक पोस्ट पर हुए आतंकवादी हमले में सात सुरक्षाकर्मी की मौत हो गई, जबकि 18 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, कलात डिवीजन के कमिश्नर नईम बाजई ने इस हमलों की जानकारी देते हुए कहा, इस हमले में चेक पोस्ट पर तैनात सात सैनिकों की मौत हो गई, जबकि 18 अन्य घायल हो गए। उन्होंने कहा कि घायलों और शवों को सीएमएच, क्वेटा भेज दिया गया है।

सुरक्षा बलों ने 6 आतंकियों को मार गिराया

इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के अनुसार, रात शाह मर्दान के निकट सुरक्षा चौकी पर हमला करने की कोशिश कर रहे आतंकवादियों और रक्षाबालों के बीच मुठभेड़ हुई थी। इसमें सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में छह तंकवादियों को मार गिराया, जबकि चार अन्य घायल हो गए। वहीं, सात सुरक्षाकर्मी की मौत हो गई, जबकि 18 अन्य घायल हो गए। आईएसपीआर ने बताया कि आतंकवादियों ने फ्रंटियर कोर (एफसी) की शाह मर्दान चेक पोस्ट पर हमला करने से पहले रॉकेट, हथगोले और स्वचालित भारी हथियारों का इस्तेमाल किया।

तलाशी अभियान शुरू

कलात के उपायुक्त बिलाल शब्बीर ने कहा कि सुरक्षा बलों ने हमले में शामिल आतंकवादियों का पता लगाने के लिए जोहान और उसके आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान शुरू किया है। उन्होंने बताया कि शवों और घायलों को हवाई मार्ग से क्वेटा स्थित सीएमएच ले जाया गया है। संबंधित अधिकारी घटना की जांच कर रहे हैं। स्थानीय अधिकारियों ने शहीदों की पहचान नायक बखत जमान, लांस नायक गुलाम इशाक, लांस नायक अब्दुल कादिर, सिपाही रिजवान, सिपाही वकास, सिपाही अली अब्बास और सिपाही साकिबुर रहमान के रूप में की है।

शहबाज शरीफ ने की आलोचना

आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा, बलूचिस्तान में अराजकता और अशांति फैलाने वाले तत्व लोगों और प्रांत के विकास के दुश्मन हैं। ऐसी हरकतें बलूचिस्तान की प्रगति और समृद्धि के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को रोक नहीं सकतीं।

7 महीने की प्रेग्नेंट की तकिए से दबाकर की हत्या, फिर आरी से किए 25 टुकड़े

इस्लामाबाद, 17 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में एक चौंकाने वाली घटना में एक महिला के पिता ने आरोप लगाया कि कुछ व्यक्तिगत विवादों के बाद उसकी विवाहित बेटी की उसके ससुराल वालों ने हत्या कर दी. इसके बाद उसकी बेटी की शरीर को 25 टुकड़ों में काट दिया. मृतका सात माह की गर्भवती थी. मृतका ज़हरा कादिर के पिता शब्बीर अहमद ने कहा कि उनकी बेटी के ससुराल वालों ने अपराध स्वीकार कर लिया है और वर्तमान में पुलिस हिरासत में हैं.यह भयानक अपराध पाकिस्तान के पंजाब के दस्का के कोटली मार्लान गांव में हुआ. मेरी बेटी को तकिए से दबाया गया और उसके शरीर को तेज धार वाले चाकू और मांस काटने वाली मशीन से 25 टुकड़ों में काट दिया गया. इंस्पेक्टर शब्बीर अहमद ने बताया कि शव के हिस्सों को अलग-अलग बैग में पैक कर सीवरेज नालों में फेंक दिया गया था. इस मामले में अब तक तीन लोगों - पीड़िता की सास सुघरा बीबी, ननद यास्मीन और पोते अब्दुल्ला को गिरफ्तार किया गया है.

बांग्लादेश पर नकेल कसें ट्रंप, हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार से नाराज भारतवंशी करेंगे मांग

वॉशिंगटन, 17 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय-अमेरिकी बांग्लादेश सरकार के खिलाफ आर्थिक प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर अगले साल नए ट्रंप प्रशासन और कांग्रेस से संपर्क करने की दिशा में काम कर रहे हैं। भारतीय-अमेरिकी समुदाय के एक प्रभावशाली नेता ने यह जानकारी दी। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बांग्लादेश पर हालिया बयान से उत्साहित भारतीय-अमेरिकी चिकित्सक डॉ। भरत बराई ने विश्वास जताया कि ट्रंप अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के तौर पर शपथ लेने के बाद हिंदू अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न को लेकर दक्षिण एशियाई राष्ट्र बांग्लादेश के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। भारतीय-अमेरिकी चिकित्सक डॉ। भरत बराई ने एक इंटरव्यू में कहा कि ट्रंप ने बांग्लादेशी हिंदू और हिंदू मंदिरों के अपवित्रीकरण के बारे में साहसिक बयान दिया है। उन्होंने कहा, ''ट्रंप एक साहसी व्यक्ति हैं जो स्थिति में सुधार न होने पर आर्थिक प्रतिबंध लगाने पर विचार कर सकते हैं।'' वाशिंगटन में वार्षिक दिवाली समारोह में भाग लेते हुए बराई ने कहा कि समुदाय के सदस्य संभावित आर्थिक प्रतिबंधों समेत बांग्लादेशी सरकार के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए नए प्रशासन और कांग्रेस से बातचीत करने पर काम कर रहे हैं।

कपड़े के निर्यात पक पाबंदी लगाने की मांग

डॉ. भरत बराई ने आरोप लगाया कि मोहम्मद युनूस के नेतृत्व में बांग्लादेश की कार्यवाहक सरकार सेना द्वारा नियंत्रित महज एक कठपुतली है। उन्होंने कहा ''वास्तव में सेना देश को चला रही है।'' उन्होंने पूछा, ''अगर उनके कपड़े निर्यात, जो उनके कारोबार का 80 प्रतिशत है। अगर उसमें कटौती कर दी जाए तो बांग्लादेश के लोग क्या खाएंगे?'' बराई ने उम्मीद जतायी कि इस तरह के दबाव से बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर अत्याचार रोकने की दिशा में कदम उठाया जा सकेगा। ट्रंप ने 5 नवंबर को हुए आम चुनाव से पहले एक बयान में बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले की निंदा की थी।

कांग्रेस सरकार का एक और फैसला पलटेगा

करीब 40 लाख अभ्यर्थियों को लगेगा जोरदार झटका

जयपुर, 17 नवंबर (एजेंसियां)। भर्ती परीक्षाओं में आवेदन करने के बाद भी बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों की अनुपस्थिति को देखते हुए अब सरकार कड़ा रुख अपनाने जा रही है। कांग्रेस सरकार में शुरू की गई वन टाइम रजिस्ट्रेशन शुल्क योजना को भाजपा सरकार बंद करने पर विचार कर रही है। अब प्रतियोगी परीक्षाओं में फिर से परीक्षा का आवेदन शुल्क वसूला जाएगा। सरकार की इस तैयारी से राज्य के करीब 40 लाख से अधिक अभ्यर्थियों को झटका लगा है। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने पिछले ही दिनों इस संबंध में सरकार को प्रस्ताव भेजा है। बोर्ड के प्रस्ताव पर सरकार जल्द ही निर्णय ले सकती है। अभी बेरोजगार वन टाइम रजिस्ट्रेशन के बाद भर्ती परीक्षाओं में निःशुल्क आवेदन कर रहे हैं।

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड सहित आरपीएससी की भर्ती परीक्षाओं में अभ्यर्थियों की उपस्थिति औसत 60 फीसदी तक आ रही है। चयन बोर्ड की ओर से कनिष्ठ अनुदेशक भर्ती परीक्षा में सुबह की शिफ्ट में 60 फीसदी और दोपहर की शिफ्ट में 40 फीसदी से भी कम उपस्थिति रही। इसी प्रकार बोर्ड की महिला पर्यवेक्षक भर्ती परीक्षा में 50.13 फीसदी अभ्यर्थी उपस्थत रहे। इसके अलावा बोर्ड छात्रावास अधीक्षक भर्ती परीक्षा में 60.64 फीसदी अभ्यर्थी पहुंचे। वहीं, आरपीएससी की ओर से आयोजित सहायक सांख्यिकी अधिकारी प्रतियोगी परीक्षा में महज 17.46 फीसदी उपस्थिति रही।

बूंदी में मेगा हाईवे पर श्रद्धालुओं से भरी बस पलटी

2 की मौत, 14 यात्री गंभीर घायल

बूंदी, 17 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के बूंदी जिले में रविवार तड़के श्रद्धालुओं से भरी एक निजी बस अनियंत्रित होकर पलट गई और खाई में जा गिरी। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। वहीं, 14 यात्री घायल हो गए। घायलों को कोटा रेफर किया गया है। हादसा देहीखेड़ा थाना क्षेत्र में कोटा-लालसोट मेगा हाईवे पर घाट का बराना के पास रात करीब 3 बजे हुआ।

बता दें कि मेगा हाईवे पर बारिश के चलते जगह-जगह गड्ढे हो गए है। जिसके कारण पहले भी कई हादसे हो चुके है। इस हादसे के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश व्याप्त है।

थानाधिकारी अजीत सिंह चौधरी ने बताया की रात को एक बस रावतभाटा से चौथ का बरवाड़ा की ओर जा रही थी, जो घाट का बराना के समीप अनियंत्रित होकर पलटी मारी गई थी।

मय जाब्ते के घटना स्थल पहुंचकर घायलों को बाहर निकलवाकर अस्पताल भिजवाया। जिसके बाद क्रेन की मदद से बस को सड़क से हटवाकर रास्ता बहाल करवाया। बस को सुरक्षा की दृष्टि से थाने पर लाकर खड़ा करवा दिया है। मामले पर आगे की कार्यवाही जारी है।

बस पलटते ही मच गई चीख पुकार

हादसे के वक्त बस में 40 से अधिक यात्री सवार थे। जो सभी अलग-अलग परिवार के है। बस के पलटने से मौके पर चीख पुकार मच गई।

लोग इस कदर फंस गए कि बस से बाहर भी नहीं निकल पाए। ऐसे में काफी मशक्कत के बाद ग्रामीणों की मदद से घायलों को बस से बाहर निकाला गया। सड़क हादसे के बाद जाम लग गया। पुलिस ने क्रेन की मदद से बस को सीधा करवाया। इसके बाद यातायात सुचारू हो सका।

हादसे में दो की मौत, ये हुए घायल

डीएसपी आशीष भार्गव के अनुसार सड़क हादसे में अरविंद सिंह और अंतिम कुमार वैष्णव निवासी रावतभाटा की मौत हो गई। पुलिस ने सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में दोनों शवों को रखवा दिया है। वहीं, हादसे में रावत भाटा निवासी धापू बाई (60), दयाली बाई (50), नारायण सिंह (68), शकुंतला राजपूत (50), कांताबाई (60), मूल कंवर (50), पुष्प कंवर (50), लाड कंवर (55), तोलाराम कुमार, पोरानी बाई (40), मोनिका प्रजापत (33), कलावती देवी, चंद्रकांता तोलाराम (45) और पवन कुमार घायल हो गए। जिनका कोटा के अस्पताल में उपचार जारी है।

चौथ माता के दर्शन करने जाते वक्त हुआ हादसा

बस में सवार लोग रावतभाटा से सवाईमाधोपुर जिले के चौथ का बरवाड़ा में चौथ माता के दर्शन करने जा रहे थे। तभी सड़क के गड्ढों को बचाने की कोशिश में निजी बस बेकाबू होकर बिजली के पोल से टकरा गई।

इसके बाद छोटी खाई में पलटी खा गई।हादसे में रावत भाटा के इंद्रा कॉलोनी निवासी दो युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया। वहीं, 20 घायलों में से 14 को गंभीर हालत में कोटा रेफर कर दिया है।

विधायक ने पुलिस पर लगाया अपराधी को बचाने का आरोप

कहा- बार-बार जांच बदलकर गुमराह कर रहे हैं

बूंदी, 17 नवंबर (एजेंसियां)। हिंडौली विधायक अशोक चांदना ने पुलिस पर महिला से बलात्कार के मुख्य आरोपी को बचाने एवं पीड़ित पक्ष के लोगों के साथ मारपीट करने का आरोप लगाया है। चांदना ने इस मामले में पुलिस महानिरीक्षक सहित जिले के पुलिस अधिकारियों को भी आड़े हाथों लिया है और कहा कि लोकसभा अध्यक्ष के ओएसडी राजीव दत्ता की शह पर पुलिस बलात्कार के मामले की जांच बार-बार बदल रही है और आरोपी को बचा रही है। चांदना ने पुलिस पर पीड़ित पक्ष के लोगों के साथ मारपीट करने व उनके खिलाफ झूठे मुकदमे दर्ज करने का आरोप भी लगाया है।

चांदना ने सर्किट हाउस में आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि इस मामले का ज्ञापन मुख्यमंत्री व राज्य पुलिस निदेशक को भेजा है। यदि इस मामले में शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो वह पीड़ित पक्ष के लोगों के साथ मुख्यमंत्री व पुलिस निदेशक के समक्ष धरना देंगे। चांदना ने बताया कि दबलाना थाना में 8 अप्रैल 2024 को मेंडी पंचायत के अमरपुरा गांव निवासी पीड़ित महिला ने गांव के ही एक व्यक्ति के खिलाफ जबरन बलात्कार करने का मामला दर्ज कराया था, जिसमें दबलाना पुलिस व हिंडौली पुलिस उपअधीक्षक ने घटना को प्रमाणित माना था। बाद में पुलिस अधीक्षक ने दो बार जांच अधिकारी बदल दिए। इसके बाद महानिरीक्षक कोटा रेंज ने 23 अक्टूबर को उक्त प्रकरण की पुनः जांच बदलते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटा शहर को पत्रावली जांच के लिए सुपुर्द कर दी।

चांदना ने कहा कि पुलिस को मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर पीड़िता को न्याय दिलाना चाहिए, जिसकी जगह पुलिस ओएसडी के इशारे पर बार-बार जांच बदल रही है। वहीं आरोपी पक्ष के लोग पीड़ित लोगों के साथ मारपीट कर रहे हैं और राजीनामे के लिए दबाव बना रहे हैं।

भिवाड़ी एसपी लोकेशन ट्रेस मामले में 5 पुलिसकर्मियों को बड़ी राहत

निलंबित एसआई को मिला नोटिस

अलवर, 17 नवंबर (एजेंसियां)। पुलिस अधीक्षक ज्येष्ठा मैत्रेयी की लोकेशन ट्रेस मामले में आरोपी पांच पुलिसकर्मियों को बहाल कर दिया गया है। एक पुलिसकर्मी को पूर्व में बहाल किया जा चुका है। मामले में एसआई श्रवण जोशी अभी भी निलंबित है। अक्टूबर के पहले सप्ताह में पुलिस अधीक्षक की लोकेशन ट्रेस करने का मामला उजागर हुआ था। इसके बाद पुलिस अधीक्षक ने एसआई श्रवण जोशी सहित सात पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया था। पुलिस अधीक्षक ज्येष्ठा मैत्रेयी की लोकेशन ट्रेस का मामला प्रदेश में चर्चा का विषय बन गया। मामले की जांच हुई। तिजारा डीएसपी शिवराज और आईजी अजयपाल लांबा ने अलग अलग जांच कराई। जांच में लोकेशन ट्रेस मामले की पुष्टि हुई।

अब जाकर उक्त मामले में शामिल हैड कांस्टेबल अवनेश, कांस्टेबल राहुल, सतीश, दीपक, रोहताश को बहाल कर दिया गया है, इन्हें 17 सीसीए का नोटिस दिया गया है। वहीं श्रवण जोशी अभी निलंबित है उसे 16 सीसीए का नोटिस दिया गया है। मामले में कांस्टेबल भीम को पहले ही बहाल किया जा चुका है। बहाल किए गए पुलिसकर्मियों पर लोकेशन ट्रेस मामले को दबाकर रखने का आरोप है।

मामले को दबाकर रखने की कोशिश

पुलिस अधीक्षक की लोकेशन डेढ़ दर्जन बार निकालना बहुत बड़ा अपराध है। किसी की निजता के उल्लंघन का मामला है। जासूसी के मामले में सत सजा का प्रावधान है। अब इस मामले को दबाने का प्रयास हो रहा है। मामले की असल वजह उजागर नहीं हो रही है। किसके इशारे पर लोकेशन ट्रेस हुई, लोकेशन ट्रेस कराने का उद्देश्य क्या था, उक्त मामले को दबाने का प्रयास हो रहा है।

पुलिस हिरासत से दो युवकों को छुड़ाने पर बुरे फंसे विधायक रविंद्र सिंह भाटी

सीआईडी सीबी करेगी जांच

जैसलमेर, 17 नवंबर (एजेंसियां)। पुलिस जीप से दो युवकों को उतारने के मामले में शिव से निर्दलीय विधायक रविंद्र सिंह भाटी की मुश्किलें बढ़ सकती है। अब इस मामले की जांच सीआईडी सीबी को सौंपी गई है। बता दें कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें साफ दिख रहा है कि विधायक भाटी पुलिस जीप को रुकवाकर दो युवकों को नीचे उतार रहे है। हालांकि, अब वो इस मामले में फंसते नजर आ रहे है।

पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने कहा कि दो जनों को पुलिस से छुड़ाने का जो वीडियो गत शुक्रवार को वायरल हुआ, वह जांच में सही पाया गया है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी युवा हैं और उनसे यह अपेक्षा नहीं की जाती है कि वे कानून को अपने हाथ में लें। इस मामले की जांच सीआइडी सीबी करेगी।

चौधरी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि बईया मामले में सभी हितधारकों की बात को जिला कलक्टर सुन रहे हैं और जो भी विधिक रूप से सही होगा, पुलिस प्रशासन के सहयोग से वह किया जाएगा। चौधरी ने कहा कि निजी जमीन चाहे किसी व्यक्ति या कम्पनी की है, उसे पूरा हक है कि वह उसका इस्तेमाल कर सकता है। इसके अलावा ओरण का मामला है, वह अलग विषय है। इसमें सभी पक्षों की राय जानने के बाद जो सही होगा, वह निर्णय प्रशासन की ओर से लिया जाएगा।

इधर, झिनझिनयाली थाना क्षेत्र में बईया गांव में निजी सोलर कम्पनी द्वारा करवाए जाने वाले कार्य के खिलाफ ग्रामीणों के आंदोलन में भागीदारी कर रहे शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी जिला प्रशासन से वार्ता करने कलेक्ट्रेट पहुंचे और कुछ देर की बातचीत के बाद बाहर निकल कर उन्होंने कहा कि वार्ता का कोई निष्कर्ष नहीं निकला है और धरना व आंदोलन जारी रहेगा। भाटी ने उपस्थित पत्रकारों से बातचीत में प्रशासन पर लोगों की आवाज को दबाने का आरोप लगाया और कहा कि कानून व व्यवस्था बनाए रखने के नाम पर प्रशासन व पुलिस की दादागिरी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बाद में सर्किट हाऊस में पत्रकारों के साथ बातचीत में शिव विधायक भाटी ने कहा कि उन्हें किसी ने बताया कि जिले में पदस्थापित कई अधिकारियों का कहना है कि उनका काम सरकार से मिलने वाली तनख्वाह से नहीं चलता। मल्टीनेशनल कम्पनियों से मिलने वाले पैसे से चलता है। वे यह भी कहते हैं कि उनकी ट्रांसफर-पोस्टिंग जयपुर से नहीं होती, अहमदाबाद से होती है। यह सब शोचनीय विषय है।

प्रतिपक्ष नेता टीकाराम जूली बोले- भाजपा ने मतदान में गड़बड़ी फैलाने की कुचेष्टा की है

अलवर, 17 नवंबर (एजेंसियां)। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में आज भाजपा ने सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करके मतदाताओं को भयभीत करने और चुनाव में गड़बड़ी फैलाने का काम किया है। भाजपा की पूरी कोशिश रही कि पुलिस-प्रशासन के बल पर मतदान प्रभावित किया जा सके। इसके बावजूद रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याशी आर्यन जुबेर खान भारी मतों से चुनाव जीतेंगे।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि भाजपा और चुनाव ड्यूटी में तैनात पुलिस व प्रशासनिक अमले की मिलीभगत की शिकायत चुनाव आयोग के यहां नियुक्त पर्यवेक्षकों को आज निरंतर की गई है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं तथा आम जनता की सजगता और साहस के कारण भाजपा ओछे हथकंडे अपनाकर भी कामयाब नहीं हो सकेगी।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि विधानसभा उपचुनाव में भाजपा ने जिस तरह सत्ता का दुरुपयोग किया है। इससे भाजपा का चाल, चरित्र और चेहरा उजागर हो गया है। भाजपा का लोकतंत्र और नैतिकता में कोई विश्वास नहीं है। इसलिए मतदाताओं ने भाजपा को आज सातों विधानसभा क्षेत्रों में खारिज कर दिया है।

शिक्षक मनीष की हत्या का मुख्य आरोपी बीकानेर में सोते हुए पकड़ा

बूंदी, 17 नवंबर (एजेंसियां)। शिक्षक मनीष मीणा की हत्या का मुख्य आरोपी शुक्रवार देर रात डीडवाना कुचामन सिटी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर बूंदी पुलिस ने 25 हजार रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। डीडवाना कुचामन पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद ने बताया मुखबीर से सूचना मिली थी कि बूंदी में शिक्षक की हत्या का मुख्य आरोपी गुरप्रीत उर्फ गोपी पुत्र जनेरल डूंषसह निवासी बरखेड़ा थाना नमाना जिला बूंदी जिले में छीपा हुआ है। इस पर एसपी के निर्देशन में टीम रवाना हुई। मुखबीर से पता चला कि गुरप्रीत डीडवाना से बस से बीकानेर की ओर गया हुआ है। इस पर डीडवाना कुचामन डीएसटी टीम ने बीकानेर के एक मकान पर दबिश देकर गुरप्रीत को सोते हुए पकड़ा। गुरप्रीत के पास से कपड़ों का बैग एवं मोबाइल भी बरामद किया गया है। रात को ही डीएसटी गुरप्रीत को डीडवाना ले आई। सूचना पर पहुंची सदर थानाधिकारी भगवान सहाय को आरोपी सौंप दिया गया।

लोकेशन ट्रेस की ली मदद

पुलिस गुरप्रीत की तलाशी में लोकेशन ट्रेस की मदद ले रही थी। उसके पुराने सम्पर्कों पर भी नजर रखी जा रही थी। इसी से उसे पकडऩे में मदद मिली। गुरप्रीत 11 नवम्बर तक पुलिस को चमका देने के लिए लगातार अपनी लोकेशन बदल रहा था।

गुरप्रीत सिंह की यहां के मौलासर निवासी अशोक गोदारा व गुढ़ा भगवानदास निवासी असगर से जेल में दोस्ती हुई थी। तीनों अलग-अलग मामले में जेल में बंद थे। आरोपी गुरप्रीत हत्याकाण्ड के बाद फरारी में डीडवाना पहुंचा।

टोंक के बाद अब जयपुर में पिटाई

कलक्टर के आदेश की पालना कराने गए थे पुलिस वाले और तहसीलदार

जयपुर, 17 नवंबर (एजेंसियां)। जयपुर कलक्टर ने जितेन्द्र सोनी ने हाल ही में एक नया अभियान शुरू किया है। इस अभियान का नाम है कि रास्ता खोलो अभियान, लेकिन इस अभियान के शुरू होने के साथ ही पुलिस की पिटाई शुरू हो गई है। मामला बस्सी थाना इलाके का है और पुलिस ने इलाके में रहने वाले कई लोगों के खिलाफ नामजद केस दर्ज किया है। कुछ लोगों को हिरासत में लेने की भी सूचना है।

दरअसल बस्सी पुलिस... जुडला कुआं की ढाणी इलाके में रास्ता खुलवाने के लिए गई थी। आम रास्ते पर हुए इस अतिक्रमण को हटाने के लिए नियमानुसार पहले अतिक्रमियों से वार्ता की गई थी और उन्हें खुद ही यह रास्ता क्लीयर करने के लिए कहा गया था। पुलिस के साथ प्रशासन के अन्य कार्मिक भी थे। लेकिन वहां पर लोगों ने रास्ता क्लीयर करना तो दूर पुलिस को ही आड़े हाथों ले लिया। एएसआई प्रभुराम, एएसआई रामोतार, सिपाही आनंदीलाल, जितेन्द्र और दो पुलिसकर्मी और थे। पुलिस से पहले तहसीलदार रमेश मीणा अपनी टीम के साथ वहां पहुंचे थे और लोगों से रास्ते का अतिक्रमण हटाने की बात कर रहे थे। इस दौरान जब माहौल खराब होने लगा तो पुलिस को भी तुरंत ही बुला लिया गया।

पुलिस ने रास्ता क्लीयर कराने की कोशिश की तो इस दौरान स्थानीय निवासी अंशुल, चिंरजी लाल, छोटी लाल, बनवारी, विनोद समेत अन्य लोगों पर पुलिस पर हमला कर दिया। किसी की वर्दी फाड़ दी तो किसी का फोन तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि कुछ देर के बवाल के बाद पांच पुलिसवालों को अस्पताल पहुंचाना पड़ा, जहां उनका मेडिकल कराया गया है। इनमें से कुछ आरोपी फरार हो गए और कुछ पुलिस के हिरासत में ले लिए गए। मौके पर तुंरत अतिरिक्त पुलिस जाब्ता बुलाया गया। इस पूरे घटनाक्रम के बाद कल रात बस्सी थाने के ही एएसआई रामवतार ने आरोपियों के खिलाफ राजकार्य में बाधा डालने, मारपीट करने समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कराया है।

दरअसल जयपुर कलक्टर डा. जितेन्द्र कुमार सोनी ने शुक्रवार पंद्रह नवम्बर को ही यह अभियान शुरू किया है। इसके दौरान उन रास्तों को पुलिस और प्रशासनिक कार्मिकों की मदद से खोला जाएगा जो आम रास्ते हैं, लेकिन उन पर अतिक्रमण किया गया है। फिर चाहे वे गोचर भूमि ही क्यों ना हो....। सप्ताह में कम से कम तीन से चार रास्तों को खोला जाएगा और इसके लिए तमाम जाब्ता पहले से ही मौजूद रहेगा। बताया जा रहा है कि दो दिन के दौरान जयपुर मे ऐसे करीब तीस रास्ते खोले गए हैं। हांलाकि बस्सी में इस तरह से बंद रास्ता खोलने को लेकर पुलिस की पिटाई जरूर हो गई है।

चोरी के दो आरोपी पकड़े, 16 तोला सोना, 1 किलो चांदी के जेवर जब्त

बारां, 17 नवंबर (एजेंसियां)। पुलिस ने कृषि उपज मंडी के प्रमुख व्यापारी नवल किशोर अग्रवाल के यहां 7 जनवरी को हुई चोरी के मामले का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर आरोपियों के कब्जे से 16 तोला सोना व 1 किलोग्राम चांदी के जेवर जब्त किए हैं। पुलिस ने बताया कि चोरी के मामले में गिरफ्तार दोनों आरोपी सगे भाइयों के लडक़े हैं। एसपी राजकुमार चौधरी ने बताया कि आरोपी व्यापारी नवल किशोर अग्रवाल के घर में घुसकर 54 तोला सोना के आभूषण, 4 किलोग्राम चांदी के आभूषण, साढ़े चार लाख रुपए की नगदी चुरा ले गए थे। इस पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था इस पर पुलिस उपाधीक्षक पुष्पेंद्र आड़ा, वृत निरीक्षक छुट्टन लाल मीणा के निर्देशन मैं जाप्ता, पुलिस अधीक्षक कार्यालय से साइबर की विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी अनुसंधान एवं मुखबिर की सहायता से चोरी करने के मुख्य आरोपी सुमित माली पुत्र सुंदरलाल व अजय माली पुत्र सत्यनारायण निवासी हाट चौक अटरू को गिरफ्तार कर पूछताछ की।

गोल्डन कलर का दुर्लभ कोबरा मिला

जयपुर, 17 नवंबर (एजेंसियां)। गोल्डन कलर का दुर्लभ कोबरा मिलने का मामला सामने आया है। मामला कोटा जिले का है। जहां यह दुर्लभ घटना सामने आई है। यह दुर्लभ गोल्डन कलर का कोबरा हाट रोड स्थित एमबीएस नगर के एक मकान में घुस गया था। मकान मालिक एसके माथुर ने इसे देखकर तुरंत स्नैक कैचर गोविंद शर्मा को सूचित किया। गोविंद शर्मा ने मौके पर पहुंचकर इस गोल्डन कलर के कोबरा का रेस्क्यू किया और उसे सुरक्षित रूप से लाडपुरा रेंज के जंगलों में छोड़ दिया। लेकिन इससे पहले मौके पर भीड़ जमा हो गई। यह घटना लोगों के लिए काफी चौंकाने वाली थी, क्योंकि आमतौर पर कोबरा सांप काले रंग के होते हैं, जबकि यह कोबरा पूरी तरह से गोल्डन रंग का था।

बढ़िया धान पर बोनस की घोषणा से खेती को मिला बढ़ावा

सीएम ने किसानों को दी बधाई

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में इस खरीफ सत्र में उत्तम किस्म के धान (सन्ना वडलू) की खेती 61 प्रतिशत बढ़कर चार मिलियन एकड़ हो गई है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 2.5 मिलियन एकड़ में इसकी खेती हुई थी। एक सोशल मीडिया पोस्ट में मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने किसानों को बधाई दी और कहा कि तेलंगाना के गठन के बाद पहली बार, कालेश्वरम परियोजना के पानी को संग्रहीत करने की स्थिति में नहीं होने के बावजूद, रिकॉर्ड स्तर पर धान की कटाई हुई।

सूत्रों ने बताया कि रकबे (बढ़िया धान) में वृद्धि का कारण राज्य की कांग्रेस सरकार द्वारा अपने चुनावी वादे के तहत बढ़िया किस्म के धान के लिए 500 रुपये प्रति क्विंटल बोनस की घोषणा है।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने इस सीजन से बढ़िया किस्म के धान पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर 500 रुपये बोनस देने की घोषणा की है। इसके परिणामस्वरूप, पिछली बार की तुलना में सन्ना वडलू की खेती का रकबा 61 प्रतिशत बढ़ गया है।

दूसरी ओर, गैर-बारीक किस्म के धान की खेती में काफी गिरावट आई, जो सीजन के दौरान 4.1 मिलियन एकड़ से घटकर 2.63 मिलियन एकड़ रह गई। कुल धान उत्पादन 15.3 मिलियन टन रहा, जबकि पिछले वर्ष यह 14.6 मिलियन टन था। इस वर्ष बरसात के मौसम में धान की खेती के अंतर्गत कुल क्षेत्रफल 66.77 लाख एकड़ है, जबकि पिछले वर्ष इसी मौसम में यह रकबा 65.94 लाख एकड़ था। राज्य सरकार का अनुमान है कि नागरिक आपूर्ति विभाग को इस सीजन में राज्य भर में 7,411 धान खरीद केंद्रों के माध्यम से 8 मिलियन टन अनाज खरीदना होगा।

नागरिक आपूर्ति विभाग ने अब तक राज्य में 1.41 लाख किसानों से क्रय केन्द्रों के माध्यम से लगभग दस लाख टन धान की खरीद की है।

रेड्डी ने एक्सिस बैंक पर एक पोस्ट में कहा कि बीआरएस का झूठा प्रचार कि कालेश्वरम ने तेलंगाना में धान की खेती को बढ़ाया है, का भंडाफोड़ हो गया है। सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री ने हाल ही में अधिकारियों को निर्देश दिया है कि मिल मालिकों या व्यापारियों द्वारा प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न किए जाने की स्थिति में आवश्यक सेवा रखरखाव अधिनियम लागू किया जाए।

बंडी ने रेवंत, कांग्रेस सरकार और बीआरएस पार्टी की आलोचना की

संगारेड्डी, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री बंडी संजय ने आज आरोप लगाया कि तेलंगाना राज्य में आरके ब्रदर्स का शासन चल रहा है। उन्होंने संगारेड्डी का दौरा किया और कई कार्यक्रमों में भाग लिया। बंडी संजय ने इस अवसर पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, कांग्रेस सरकार और बीआरएस पार्टी की आलोचना की। उन्होंने कहा, दिल्ली में दोनों पक्षों के बीच समझौता होने के बाद पूर्व मंत्री केटीआर की गिरफ्तारी की कहानी हवा में उड़ गई है। फोन टैपिंग मामला, कालेश्वरम, ई-फॉर्मूला और धरणी घोटाला मामले सभी हवा में उड़ गए हैं। यह शर्म की बात है कि केटीआर को गिरफ्तार नहीं किया गया, जबकि यह पाया गया था कि वह विकाराबाद जिला कलेक्टर पर हमले का मास्टरमाइंड था। केटीआर को गिरफ्तार न करना राज्य सरकार की निष्क्रियता है। केसीआर और रेवंत के परिवार के बीच व्यापारिक संबंध हैं और मैं इसे साबित करूंगा।

राजकीय सम्मान के साथ हुआ राम मूर्ति नायुडू का अंतिम संस्कार

अपने भाई को आखिरी बार देखकर भावुक हुए चंद्रबाबू

विजयवाड़ा, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीएम चंद्रबाबू के भाई और चंद्रगिरि के पूर्व विधायक नारा राममूर्ति नायुडू का अंतिम संस्कार पूरा हो गया है। राजकीय औपचारिकताओं के बीच रविवार को उनके पैतृक गांव नरावरिपल्ली में अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। बीमारी से जूझ रहे राम मूर्ति नायुडू ने शनिवार दोपहर हैदराबाद के एक अस्पताल में इलाज के दौरान अंतिम सांस ली।

रविवार सुबह 7 बजे विशेष विमान से शव को हैदराबाद से रेनिगुंटा लाया गया और वहां से सड़क मार्ग से नरवरिपल्ले ले जाया गया। पार्थिव शरीर को प्रशंसकों, प्रियजनों, रिश्तेदारों, नेताओं और लोगों के दर्शन के लिए नरवरिपल्ले स्थित आवास पर रखा गया। अपने भाई को आखिरी बार देखकर चंद्रबाबू भावुक हो गए। महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन सहित तेलुगु राज्यों के कई राजनीतिक नेताओं और फिल्मी हस्तियों ने राममूर्ति नायुडू को श्रद्धांजलि दी। बाद में दोपहर 2.30 बजे भारी भीड़ के बीच राममूर्ति नायुडू की अंतिम यात्रा शुरू हुई। राममूर्ति नायुडू के अंतिम दर्शन के लिए लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। राममूर्ति नायुडू का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ उसी क्षेत्र में किया गया, जहां उनके माता-पिता अम्मानम्मा और खर्जुरा नायुडू का अंतिम संस्कार किया गया था।

रेलवे ने सिकंदराबाद चर्च को जारी किया बेदखली का नोटिस

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने सिकंदराबाद में एक सौ साल पुराने चर्च को बेदखली का नोटिस जारी करते हुए दावा किया है कि यह रेलवे की जमीन पर स्थित है। सार्वजनिक परिसर (अनधिकृत अधिभोगियों की बेदखली) अधिनियम, 1971 के तहत, सिकंदराबाद के दक्षिण लालागुडा स्थित सेक्रेड हार्ट चर्च को एससीआर से एक महीने का निष्कासन नोटिस जारी किया गया था, जिसमें उसे 12 दिसंबर तक 3,534 वर्ग मीटर भूमि पर स्थित परिसर को खाली करने का निर्देश दिया गया था, जिसमें अवैध कब्जे का आरोप लगाया गया था।

समुदाय का तर्क है कि चर्च की वैधता अच्छी तरह से प्रमाणित है और इसने किसी भी नियम का उल्लंघन नहीं किया है। समुदाय के कुछ लोगों का कथित तौर पर मानना है कि रेलवे अधिकारियों द्वारा चर्च को 'अनुचित तरीके से निशाना' बनाया जा रहा है। 1927 में निर्मित इस चर्च ने इलाके के कैथोलिक ईसाई समुदाय को प्रार्थना के लिए समर्पित स्थान प्रदान किया। उस समय, लालगुडा निज़ाम गारंटीड स्टेट रेलवे का मुख्यालय था, जिसका स्वामित्व हैदराबाद निज़ाम के पास था।

क्रॉस के आकार में निर्मित यह चर्च तब से सिकंदराबाद के कैथोलिकों के बीच धार्मिक आस्था का केन्द्र बना हुआ है। चर्च के निर्माण से पहले, स्थानीय कैथोलिक रविवार को रेलवे स्कूल में प्रार्थना सभा आयोजित करते थे, लेकिन निजाम रेलवे कंपनी द्वारा भूमि आवंटित किए जाने के बाद यह प्रथा नव स्थापित चर्च में स्थानांतरित कर दी गई। 1947 में भारत की स्वतंत्रता और उसके बाद हैदराबाद रियासत के विलय के बाद, निज़ाम रेलवे कंपनी का राष्ट्रीयकरण कर दिया गया और 1951 में यह मध्य रेलवे का हिस्सा बन गई। बाद में इसे भारतीय रेलवे के दक्षिण-मध्य रेलवे ज़ोन में पुनः वर्गीकृत कर दिया गया।

मूल्य आधारित शिक्षा हमारी जरूरत : प्रो. सुदर्शन आचार्य

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ब्रह्माकुमारीज की शिक्षा विंग द्वारा 'स्वच्छ और स्वस्थ समाज के लिए शिक्षा में मूल्यों और आध्यात्मिकता' पर एक वार्षिक शिक्षक संगोष्ठी शांति सरोवर गच्चीबावली में आयोजित की गई थी। संगोष्ठी में अतिथि के रूप में उपस्थित लीड इंडिया फाउंडेशन के संस्थापक प्रोफेसर डॉ.एन.बी. सुदर्शन आचार्य ने कहा कि मूल्य आधारित शिक्षा हमारी जरूरत है और मूल्य आधारित समाज के निर्माण के लिए सभी को मूल्यों का अभ्यास करना चाहिए। टीआरएसएमए हैदराबाद के अध्यक्ष मधुसूदन ने कहा कि वह शिक्षा में भावनात्मक स्वास्थ्य लाने में संगठन व बहनों का समर्थन करेंगे जो अच्छे शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बहुत आवश्यक है। शांति सरोवर की निदेशिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी कुलदीप दीदी ने कहा कि 20 वर्ष पहले राज्य सरकार ने ब्रह्माकुमारीज की सेवाओं के तहत स्कूली शिक्षकों के लिए भी शैक्षिक कार्यक्रम संचालित करने हेतु ब्रह्माकुमारीज को जमीन दी थी, जो अब शांति सरोवर के रूप में विकसित हुआ है।

पूर्व मंत्री अवंती श्रीनिवास ने कहा कि वह ब्रह्माकुमारीज के निरंतर संपर्क में रहते हैं, जिसके कारण उनके जीवन में गुणवत्तापूर्ण बदलाव आया है। बेहतर जीवन सियर्स टेक्नोलॉजी के उपाध्यक्ष और डिजिटल वेलनेस कोच बी.के. बालाकिशोर ने डिजिटल वेलनेस के बारे में व्यावहारिक व्याख्यान दिया। बी.के.डॉ. पांडियामणि, निदेशक मूल्य शिक्षा कार्यक्रम ब्रह्माकुमारीज, बी.के.सुमन, राष्ट्रीय समन्वयक, शिक्षा विंग, माउंट आबू, गड्डम श्रीनिवास यादव, अध्यक्ष हैंडवि शैक्षिक संस्थान समूह, बी.के. अंजलि, क्षेत्रीय समन्वयक, शिक्षा विंग, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बी.के. मनीषा, बी.के. सुमलता और बी.के. रजनी, बी.के. वसंता ने भी विभिन्न ज्ञानवर्धक विषयों पर चर्चा की।

जिला कलेक्टर ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी के जिला कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी ने रविवार को रंगारेड्डी जिले के श्रेयस इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी कॉलेज, ताड्डी अन्नाराम और हयात नगर में वर्ड एंड डीड एजुकेशनल अकादमी में स्थापित समूह-3 परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर कलेक्टर ने परीक्षा केन्द्र में परीक्षा कक्षों एवं सुविधाओं का निरीक्षण किया। परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की त्रुटि रहित परीक्षा सम्पन्न करायी जाये। इब्राहिमपटनम आरडीओ अनंत रेड्डी, तहसीलदार और अन्य संबंधित अधिकारी कलेक्टर के साथ थे।

सेन समाज का दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मोंडा मार्केट स्थित श्री महावीर भवन में मारु सेन समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद समाज बन्धुओं के सानिध्य में रविवार 17 नवंबर प्रात: 11.15 बजे सेनजी महाराज की तस्वीर पर माल्यार्पण, व दीप प्रज्वलितकर दीपावली स्नेह मिलन व सम्मान समारोह कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया।

मंच का संचालन करते हुए गिरीश परिहार ने समाज बन्धुओं को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कार्यक्रम में पधारे सम्मानित

अतिथि गज्जूभाई कोलरिया, युवा नेता रमेश ढाका, अतिथियों, भोजन-प्रसादी लाभार्थी मोहनलाल नरसीराम पंवार एवं कार्यक्रम के लाभार्थीयों को मंच पर आमंत्रित कर राजस्थानी साफे व शॉल से विशेष सम्मान किया गया। समाज बन्धुओं के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी।

सम्बोधन भाषण में अध्यक्ष हनुमान तंवर ने कार्यक्रम में पधारे अतिथियों व समाज बन्धुओं को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए भरोसा दिलाया कि सभी के सहयोग से समाज की एकता व चहुमुखी विकास के लिए वे हर सम्भव प्रयास करेंगे। अवसर पर आगामी कार्यकाल के लिए बोलियों का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें समाज बन्धुओं ने बढचढकर भाग लिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन समाज के हनुमान तंवर, नरेन्द्र चौहान, गिरीश परिहार, अरविन्द देवड़ा, चन्दन पंवार, संजय वर्मा, अशोक टॉक, श्रवण सोनीगरा, पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों का विशेष सहयोग रहा। अध्यक्ष हनुमान तंवर के धन्यवाद दिया।

केंद्र को लेकर असमंजस, टीजीपीएससी ग्रुप-3 के अभ्यर्थी परीक्षा से चूके

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भद्राद्री कोत्तागुडेम जिले में रविवार को तेलंगाना लोक सेवा आयोग (टीजीपीएससी) ग्रुप-3 परीक्षा के 4 उम्मीदवारों को देरी से पहुंचने के कारण परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया गया।

चारों अभ्यर्थी कथित तौर पर परीक्षा केंद्रों के समान नामों के कारण भ्रमित हो गए और पलवंचा के बजाय कोत्तागुडेम पहुंच गए। जब वे कोत्तागुडेम स्थित केंद्र पर पहुंचे तो उन्हें अपना रोल नंबर नहीं मिला। जब चारों अभ्यर्थियों को पता चला कि वे गलत परीक्षा केंद्र पर पहुंच गए हैं तो वे पलवंचा पहुंचे, जहां अधिकारियों ने सुबह 9 बजे के बाद भी उन्हें प्रवेश नहीं दिया।

छात्रों ने अधिकारियों को यह समझाने की कोशिश की कि वे संस्थान के समान नामों के कारण भ्रम की स्थिति के कारण देर से पहुंचे हैं, लेकिन उनकी सभी दलीलें अनसुनी कर दी गईं, जबकि उन्हें पलवंचा में केएलआर डिग्री कॉलेज में रिपोर्ट करना था, अभ्यर्थी कोत्तागुडेम में केएलआर संस्थानों में पहुंच गए। बाद में, मीडिया को संबोधित करते हुए, अभ्यर्थियों ने अपने हॉल टिकट दिखाते हुए कहा कि उन पर गलत परीक्षा केंद्र छप गए हैं, तथा अनुरोध किया कि उन्हें ग्रुप-3 परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जाए।

इलांडू की रहने वाली एक अभ्यर्थी सरम्मा ने कहा कि मेरे हॉल टिकट के अनुसार, मुझे केएलआर डिग्री कॉलेज आवंटित किया गया था जो पलवंचा में स्थित है। मैं परीक्षा से आधे घंटे पहले केंद्र पर पहुंच गई। हालांकि, मेरे हॉल टिकट की जांच करने पर, अधिकारी ने कहा कि मैं कोत्तागुडेम में गलत जगह पर आ गई हूं।

अभ्यर्थी ने आगे बताया कि उसने कोत्तागुडेम से पुराने पलवंचा तक ऑटो लिया, जहां उसने कॉलेज की तलाश की और अंततः उसे नए पलवंचा आना पड़ा। हालांकि वह आखिरकार परीक्षा केंद्र पर पहुंच गई, लेकिन देर से आने के कारण अभ्यर्थी को प्रवेश नहीं दिया गया। परीक्षा केंद्र की पहचान करने में अपनी गलती स्वीकार करते हुए उन्होंने परीक्षा अधिकारियों पर परीक्षा केंद्र का स्थान ठीक से न बताने का आरोप लगाया।

सत्यम शिवम सुंदरम गौ निवास में महा अन्नकूट महोत्सव

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण भारत की सबसे बड़ी और भारत की सबसे अच्छी तरह से देखभाल की जाने वाली गौशाला सत्यम शिवम सुंदरम गौ निवास ने गगनपहाड़ के उम्दा नगर में महा अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया। हजारों गाय प्रेमी/पशु प्रेमी और भक्त दिन भर के इस आयोजन में शामिल हुए।

अन्नकूट उत्सव को नई शुरूआत के रूप में मनाया जाता है। 'अन्नकूट' का अर्थ है अन्न का पहाड़। यह भगवान को भोजन अर्पित करने और इसे तैयार करने में निहित प्रेम और भक्ति का प्रतीक है। भगवान को प्रेम और भक्ति के साथ तैयार किए गए कई तरह के खाद्य पदार्थ अर्पित किए गए। पंडित श्री हरिश्चंद्रजी कुलकर्णी ने महालक्ष्मी पंचकुंडीय महायज्ञ किया, अनिरुद्धजी ने मधुर भजन गाए। गौ शाला की स्थापना 24 साल पहले 84 वर्षीय धर्मराज रांका ने की थी, जो एक रत्न से परोपकारी बने और जिन्होंने अपना जीवन गायों की सुरक्षा के लिए समर्पित कर दिया। यह 8 एकड़ भूमि पर स्थित 6000 से अधिक गायों, बछड़ों और बैलों (सभी को बूचड़खानों से बचाया गया) को आश्रय देता है, 80,000 वर्ग फुट के आरसीसी शेड में ये गायें रहती हैं। इसकी दो गौशालाएं हैं- गगनपहाड़ में सत्यम शिवम सुंदरम गौ निवास और बुर्जुगड्डा में सत्यम शिवम सुंदरम गौकेंद्र। यहां गायों को शाही व्यवहार दिया जाता है। उनका दूध नहीं निकाला जाता है और बछड़ों को छोड़ दिया जाता है। गाय का गोबर किसानों को जैविक खाद के रूप में बहुत कम कीमत पर दे दिया जाता है। यह पूरे भारत में सबसे अच्छी तरह से बनाए रखा गाय आश्रय है। रांका ने अपना जीवन इस उद्देश्य के लिए समर्पित कर दिया है।

84 वर्षीय धरम राज रांका एक अलग तरह की सेना हैं जो भारत के सबसे पूजनीय पशु गाय की रक्षा के मिशन पर हैं, वे बूचड़खानों से मौत के मुंह से गायों को बचा रहे हैं और दो गोशालाएं चला रहे हैं, जिनमें पिछले 24 वर्षों से 6000 गायों को आश्रय दिया गया है। सिद्धांत के तौर पर, धरम राज रांका ने पिछले 23 वर्षों से जूते पहनना बंद कर दिया है। ठंड से बेपरवाह, वह बिना चप्पल के हर जगह स्वतंत्र रूप से घूमते हैं और केवल ऑटो में यात्रा करते हैं।

मिलावटी अदरक लहसुन पेस्ट बेचने वाले 8 गिरफ्तार

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद कमिश्नर की टास्क फोर्स (उत्तर) की टीम ने 8 लोगों को पकड़ा जो कथित तौर पर मिलावटी अदरक लहसुन का पेस्ट तैयार कर बाजार में बेच रहे थे। जांचकर्ताओं ने उनके पास से भारी मात्रा में लहसुन, अदरक, डिब्बे, लहसुन अदरक का पेस्ट और अन्य सामान जब्त किया। गिरफ्तार किए गए लोगों में मोहम्मद समीर अंसारी (33), मोहम्मद मुख्तार (27), मोहम्मद गुलफराज (32), रंजीत कुमार (19), मोनू कुमार (20), बीरवल साह (19), इनायत (32) और महेश कुमार (20) शामिल हैं, जो बोवनपल्ली स्थित सोनी गोल्ड कंपनी में काम करते हैं।

कंपनी का मालिक मोहम्मद शकील अहमद (जो अन्य व्यक्तियों के साथ फरार है) घटिया किस्म के लहसुन और अदरक का इस्तेमाल कर उसका पेस्ट बना रहा था। डीसीपी टास्क फोर्स वाईवीएस सुधींद्र ने बताया कि गिरोह फिर मिश्रण में हानिकारक रसायन मिलाता था और जार में भरकर बाजार में बेचता था।

बीएन रेड्डी नगर में मंदिर से 3 मूर्तियां गायब

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मीरपेट के बीएन रेड्डी नगर में शनिवार देर रात एक मंदिर से तीन मूर्तियां गायब पाए जाने के बाद तनाव व्याप्त हो गया। खबरों के मुताबिक, शनिवार रात बीएन रेड्डी नगर फेज 1 स्थित मंदिर के पास 'अयप्पा दीक्षा पूजा' आयोजित की गई थी। पूजा के बाद श्रद्धालु मंदिर परिसर में ही सो गए। रविवार सुबह श्रद्धालुओं ने मंदिर से तीनों मूर्तियां गायब देखीं। सूचना पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। खबर फैलने के बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने सुरक्षा बढ़ा दी।

गौ मैराथन 5के रन फॉर गौमाता का आयोजन

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर श्री दक्षिणेश्वर केदारनाथ मंदिर ट्रस्ट, मेडचल द्वारा आयोजित 5के रन फॉर गौमाता का आयोजन 15 दिसंबर को प्रातः 6 बजे नेकलस रोड पर होगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य गौ संरक्षण और गौ माता को राष्ट्र माता के रूप में प्रतिष्ठा दिलाने की मुहिम को और सशक्त बनाना है। ज्योतिष पीठ बद्रिकाश्रम के शंकराचार्य स्वामी अभिमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उत्तराखंड के गौ ऋषि पूज्य गोपाल मणी महाराज ने 36 राज्यों में गौ ध्वज स्थापित कर इस आंदोलन को नई दिशा दी है। वहीं सर्वदलीय गौरक्षा मंच और अखिल भारत गौ सेवा फाउंडेशन ने भी दिल्ली में गृहमंत्री अमित शाह को गौमाता को राष्ट्र माता का दर्जा देने के लिए प्रार्थना पत्र सौंपा है। हैदराबाद के गौ योद्धा बालाकृष्णा गुरुस्वामी भी गौ माता के संरक्षण के लिए कश्मीर से कन्याकुमारी तक 4900 किलोमीटर की पद यात्रा कर रहे हैं।

इसके अलावा अखिल भारतीय सर्वदलीय गौरक्षा महाभियान समिति और पूज्य अभिषेक ब्रह्मचारी जी भी इस आंदोलन को आगे बढ़ाने में जुटे हुए हैं। सर्वदलीय गौरक्षा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयपाल सिंह नयाल प्रमुख संयोजक ने अधिक से अधिक संख्या में लोगों से इस रन में भाग लेने का अपील की है।

एम्बुलेंस चालक ने हृदय रोगी को हाईवे पर फेंका

भूपालपल्ली, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के कालेश्वरम मंडल के कन्नेपल्ली गांव में रविवार को एक चौंकाने वाली घटना में 108 एम्बुलेंस चालक ने हृदयाघात से पीड़ित एक मरीज को राजमार्ग पर फेंक दिया और भाग गया। खबरों के मुताबिक, कन्नेपल्ली गांव के निवासी शनिगाराम बापुरेड्डी को शनिवार को दिल का दौरा पड़ा और उन्हें महादेवपुर के एक अस्पताल में ले जाया गया। डॉक्टर ने मरीज की जांच करने के बाद परिवार के सदस्यों से उसे वारंगल शहर के एमजीएम अस्पताल ले जाने को कहा। परिवार के सदस्यों ने तुरंत 108 एंबुलेंस को फोन किया और वारंगल के लिए रवाना हो गए। हालांकि, कुछ दूर चलने के बाद, एंबुलेंस चालक ने अचानक दिशा बदल दी और मरीज को हाईवे के पास उतार दिया और वहां से भाग गया।

हैरान मरीज के परिवार के सदस्यों ने तुरंत महादेवपुर प्राथमिक कृषि ऋण समितियों के अध्यक्ष चल्ला तिरुपति से संपर्क किया, जो उनके रिश्तेदार थे और मरीज को अपनी कार में वारंगल शहर के एक निजी अस्पताल में ले गए। बाद में, तिरुपति ने 108 एम्बुलेंस चालक से संपर्क किया, जिसने उन्हें बताया कि जिला 108 प्रबंधक ने उन्हें एम्बुलेंस को वारंगल नहीं ले जाने के लिए कहा था क्योंकि यह उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता था। नाराज तिरुपति ने कलेक्टर राहुल शर्मा से शिकायत कर 108 मैनेजर और ड्राइवर के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की।

प्याज की कीमतें 80 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंचीं

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्याज की कीमतें फिर से उपभोक्ताओं की आंखों में आंसू ला रही हैं। प्याज की कीमतें फिर से आसमान छू रही हैं, शहर भर के खुदरा बाजारों में एक किलोग्राम प्याज 80 रुपये में बिक रहा है। एक हफ़्ते पहले तक जो कीमतें 30 से 40 रुपये प्रति किलोग्राम के बीच थीं, अब लगभग दोगुनी हो गई हैं, जिससे बिक्री और यहां तक कि कुछ हद तक खपत भी कम हो गई है। थोक बाजार के व्यापारी कीमतों में बढ़ोतरी का कारण तेलंगाना, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र के स्थानीय क्षेत्रों से कम आपूर्ति को मानते हैं। प्याज की ज़्यादातर आपूर्ति महाराष्ट्र और कर्नाटक से होती है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर पाकिस्तान को मिला इंग्लैंड का साथ!

मोहसिन नकवी और ईसीबी चीफ की लंदन में हुई मुलाकात

इस्लामाबाद, 17 नवंबर (एजेंसियां)। चैंपियंस ट्रॉफी का अगला एडिशन पाकिस्तान की मेजबानी में खेला जाना है. लेकिन बीसीसीआई के मना करने के बाद से ही इस टूर्नामेंट को लेकर बवाल मचा हुआ है. इस बीच ये खबरें भी आईं कि विवाद के बाद आईसीसी इसे दूसरे देश में शिफ्ट करने के बारे में सोच रही है. इसके बाद से ही पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड डरा हुआ है. पीसीबी पहले ही इसकी तैयारी में काफी पैसे लगा चुका है और अब उसे एक बड़ा नुकसान होता दिख रहा है. इस परिस्थिति में उसने इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड का रुख किया है. पीसीबी चीफ मोहसिन नकवी ने इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन रिचर्ड थॉम्पसन से लंदन में मुलाकात की है.

पाकिस्तान को मिला इंग्लैंड का साथ

पीसीबी चीफ मोहसिन नकवी ने चैंपियंस ट्रॉफी को पाकिस्तान में कराने के लिए एड़ी-चोटी की जोर लगा दी है. क्रिकेट की दुनिया में ईसीबी का बड़ा कद है. इसलिए बीसीसीआई से विवाद के बाद उसका साथ पाने के लिए मोहसिन नकवी लंदन पहुंच गए और उसके चेयरमैन रिचर्ड थॉम्पसन से मुलाकात कर उनका साथ मांगा. मीटिंग के बाद ईसीबी ने दबे शब्दों में ही सही लेकिन चैंपियंस ट्रॉफी के मुद्दे पर पाकिस्तान का साथ दिया है.

थॉम्पसन ने इशारों-इशारों में बीसीसीआई के 'सुरक्षा की चिंता' वाली बात को काटने की कोशिश की. उन्होंने कहा कि हाल ही में इंग्लैंड की टीम ने पाकिस्तान का दौरा किया था, जो बेहद ही शानदार रहा था. थॉम्पसन ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान को अपनी शुभकामनाएं भी दे दी. जवाब में, नकवी ने थॉम्पसन को आश्वासन दिया कि पाकिस्तान ने सारी तैयारी कर ली है और टूर्नामेंट की सफल मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है.

आईसीसी का बड़ा ऐलान

पाकिस्तान ने हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर एक गिरी हुई हरकत की थी. उनसे टूर्नामेंट की ट्रॉफी को पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के शहरों में टूर कराने का ऐलान किया था. इसके बाद बीसीसीआई सचिव जय शाह ने इस कदम पर कड़ी आपत्ति जताई और इसकी निंदा की थी. इस घटना के बाद आईसीसी ने बड़ा फैसला लेते हुए ट्रॉफी का दौरा किसी भी विवादित पीओके में ले जाने से मना कर दिया था. साथ ही आईसीसी ने नए शहरों के नामों भा ऐलान किया है.

रोहित शर्मा नहीं बनना चाहते थे टेस्ट टीम के कप्तान

फिर सौरव गांगुली की वजह से बनी बात

मुंबई,, 17 नवंबर (एजेंसियां)। विराट कोहली ने साल 2022 में टेस्ट की कप्तानी छोड़ने का फैसला किया था। उस समय के बीसीसीआई अध्यक्ष रहे सौरव गांगुली ने रोहित शर्मा को टेस्ट टीम का कप्तान बनाने का फैसला किया। लेकिन रोहित टेस्ट में कप्तानी नहीं करना चाहते थे। लेकिन सौरव गांगुली की एक बात ने रोहित को कप्तानी संभालने के लिए मजबूर कर दिया। इस बात का खुलासा अब सौरव गांगुली ने किया है।

गांगुली हाल ही में रेवस्पोर्ट्ज का हिस्सा बने थे, जहां पर उन्होंने रोहित की कप्तानी पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि रोहित इसलिए कप्तान नहीं बने क्योंकि वह अन्य प्रारूपों में कप्तानी कर रहे थे। इसलिए उनपर काफी बोझ था। मैं वर्कलोड पर ज्यादा यकीन

नहीं रखता। भारत का कप्तान ही टेस्ट कप्तान रहेगा। मैंने रोहित से कहा था कि टेस्ट कप्तान बने बिना अपना करियर खत्म मत करो। उन्होंने जो हासिल किया उसे देखकर मुझे आश्चर्य नहीं हुआ।

फिलहाल टीम इंडिया बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया में है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में पहुंचने के लिए टीम इंडिया को 4 मैच जीतने जरूरी हैं। इस लिहाज से ये सीरीज अग्नि परीक्षा से कम नहीं है।

इस सीरीज पर गांगुली ने भी बात की। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि रोहित शर्मा जल्द ही ऑस्ट्रेलिया जाएंगे। क्योंकि टीम को इस समय लीडरशिप की जरूरत है। वह जितना जल्दी हो सके उतना जल्दी चले जाएं। मैं उनकी जगह होता तो मैं पर्थ टेस्ट मैच खेल रहा होता। भारत को शुरुआत में ही उनके नेतृत्व की जरूरत है।

रोहित शर्मा फिलहाल खराब फॉर्म से गुजर रहे हैं। उनके बल्ले से बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली गई टेस्ट सीरीज में रन नहीं निकले। आखिरी बार रोहित ने टी-20 विश्व कप 2024 में शानदार बल्लेबाजी की थी। हालिया प्रदर्शन हिटमैन का कमाल का नहीं रहा है। उन्होंने आखिरी 6 पारियों में 2,52,0,8,18 और11 रन बनाए हैं। ऐसे में रोहित से आगामी सीरीज में खासा उम्मीदें हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहला टेस्ट मैच 22 नवंबर से पर्थ में खेला जाएगा।

मैक्ग्रा बोले- कोहली इमोशनल, उन्हें टारगेट बनाओ

न्यूजीलैंड से हारकर दबाव में होंगे, ऑस्ट्रेलिया ज्यादा अग्रेसिव हुआ तो नुकसान भी संभव

पर्थ, 17 नवंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा ने ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को विराट कोहली पर दबाव बनाने की सलाह दी है। 54 साल के इस दिग्गज ने कहा, 'आउट ऑफ फॉर्म चल रहे कोहली खराब शुरुआत के दबाव में होंगे। कंगारुओं को उन्हें टारगेट बनाना चाहिए। न्यूजीलैंड से हार के बाद अब ऑस्ट्रेलिया के पास उनके खिलाफ काफी गोला-बारूद है।

भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे की शुरुआत 22 नवंबर से हो रही है। पहला मुकाबला पर्थ में खेला जाएगा। टीम इंडिया को वहां 5 टेस्ट की सीरीज खेलनी है और यह

सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से अहम है। भारत को अपने दम पर फाइनल तक पहुंचने के लिए 5 में से 4 मैच जीतने ही होंगे।

न्यूजीलैंड सीरीज में कोहली नहीं चले

मैक्ग्रा ने ऑस्ट्रेलियन मीडिया हाउस फॉक्स क्रिकेट से कहा, कोहली पर दबाव डालें और देखें कि वे इसके लिए तैयार हैं या नहीं।

फॉक्स ने कहा कि पिछले एक दशक से ज्यादा समय से भारतीय बैटिंग के लीडर रहे कोहली खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। इस साल 6 मैचों में उनका औसत 22.72 का रहा है। न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज में भी कोहली कुछ खास नहीं कर पाए। खराब फॉर्म से जूझते रहे।

अब ऑस्ट्रेलिया में सीरीज से पहले चोटिल शुभमन गिल पहले टेस्ट से बाहर हो चुके हैं। कप्तान रोहित शर्मा पहला टेस्ट खेलेंगे या नहीं, यह अभी साफ नहीं है। कोहली पर बैटिंग लाइनअप को लीड करने का दबाव होगा।'

मैक्ग्रा की चेतावनी- ज्यादा आक्रामकता से नतीजा उल्टा भी हो सकता है

मैक्ग्रा ने अपने प्लेयर्स को चेतावनी भी दी है कि कोहली को ज्यादा आक्रामक तरीके से निशाना बनाना नुकसान भी कर सकता है। हो सकता है कि कोहली दबाव से बाहर आ जाएं और खड़े हो जाएं, डट जाएं। क्योंकि कोहली ऐसा खिलाड़ी है, जिसकी फॉर्म खराब चल रही है तो चल रही है। लेकिन अगर वो डट जाएगा तो डट ही जाएगा।

बता दें कि कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के पिछले चार दौरों में 54.08 के प्रभावशाली औसत से रन बनाए हैं।

मैग्नस कार्लसन और लैग्नो ने इंडिया ब्लिट्ज में बढ़त बनाई

भारतीय ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानंद दूसरे स्थान पर

कोलकाता, 17 नवंबर (एजेंसियां)। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन और तीन बार की विश्व महिला ब्लिट्ज चैंपियन कैटरीना लैग्नो कोलकाता में चल रहे टाटा स्टील शतरंज इंडिया ब्लिट्ज 2024 के मध्य में शीर्ष स्थान, जबकि भारत के आर प्रज्ञानंद दूसरे स्थान पर रहे।

कार्लसन ने संभावित नौ में से 6.5 अंक से पहले नौ दौर का समापन किया। नॉर्वे के इस दिग्गज खिलाड़ी ने शानदार शुरुआत की लेकिन आठवें दौर में अर्जुन एरिगेसी ने उन्हें शानदार अंदाज में महज 20 चाल में हरा

दिया। दिन के अंतिम दौर में कार्लसन ने विदित गुजराती के खिलाफ ड्रॉ खेला। भारत के युवा खिलाड़ी प्रज्ञानंद छह अंक से दूसरे स्थान पर रहे। उन्होंने अपनी पहली तीन बाजियां गंवाने के बाद शानदार वापसी कर लगातार छह जीत दर्ज कीं। एरिगेसी और रूस के दानिल डुबोव 5.5 अंक लेकर संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं।

महिला वर्ग में लैग्नो ने सात अंक से शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्होंने पांच जीत और चार ड्रॉ खेले। उन्हें एक भी बाजी में हार नहीं मिली। वैलेंटिना गुनिना उनसे एक अंक पीछे दूसरे स्थान पर हैं, जबकि रैपिड चैंपियन एलेक्जेंड्रा गोर्याचकिना पांच अंक से तीसरे स्थान पर हैं। गोर्याचकिना ने लगातार तीन जीत के साथ शानदार शुरुआत की, लेकिन बाकी छह मैच में केवल चार ड्रॉ ही हासिल कर पाईं।

ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका, सीरीज से पहले कप्तान चोटिल, भारत के खिलाफ खेलना मुश्किल

सिडनी, 17 नवंबर (एजेंसियां)। अगले कुछ दिनों में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच जबरदस्त क्रिकेट एक्शन शुरू होने वाला है. दो देशों की इस टक्कर का इंतजार हर किसी को है और सबकी नजरें इसके आगाज पर लगी हुई हैं. इससे ठीक पहले स्टार खिलाड़ियों की चोट चिंता का विषय बन गई है. जहां बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से ठीक पहले टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल चोटिल हो गए हैं और पर्थ टेस्ट से बाहर हो गए हैं, वहीं केएल राहुल को भी चोट लगी है. इन सबसे अलग ऑस्ट्रेलिया को भी झटका लगा है क्योंकि टीम को आने वाली सीरीज में अपने कप्तान के बिना ही मैदान पर उतरना पड़ सकता है. लेकिन ये चोट ऑस्ट्रेलियाई पुरुष टीम के कप्तान पैट कमिंस को नहीं लगी,

बल्कि महिला टीम की कप्तान एलिसा हीली को लगी है, जो अगले हफ्ते से भारत के खिलाफ शुरू हो रही सीरीज से बाहर हो सकती हैं.

जहां ऑस्ट्रेलिया और भारत की पुरुष टीमों के बीच 22 नवंबर से पर्थ में टेस्ट सीरीज शुरू हो रही है, वहीं महिला टीमों के बीच 5 दिसंबर से ब्रिसबेन में वनडे सीरीज का आगाज होने वाला है. इस सीरीज से ही ठीक पहले टीम की स्टार कप्तान एलिसा हीली को बाएं घुटने में चोट लग गई है. हीली को ये चोट विमेंस बिग बैश लीग के दौरान लगी, जहां वो पहले से ही पैर की चोट से धीरे-धीरे उबरकर खेल रही थीं. हालांकि, उनकी टीम सिडनी सिक्सर्स ने एक बयान जारी कर बताया कि हीली के घुटने में चोट लगी है, जिसके चलते वो टूर्नामेंट के बचे हुए मुकाबलों से बाहर हो गई हैं.

हालांकि हीली की इस चोट को ज्यादा गंभीर नहीं बताया जा रहा और अगले कुछ दिनों में उनकी जांच की जाएगी लेकिन उनका भारत के खिलाफ वनडे सीरीज में खेलना मुश्किल नजर आ रहा है. भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच 3 वनडे मैच की सीरीज 5 दिसंबर से शुरू होगी, जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया को न्यूजीलैंड के खिलाफ भी खेलना है. इन दोनों ही सीरीज में हीली का खेलना फिलहाल मुश्किल नजर आ रहा है.

पहली पारी में 89 रन पर सिमटने के बाद भी ड्रॉ कराने में सफल रहा यूपी

कर्नाटक को मिले तीन अंक

लखनऊ, 17 नवंबर (एजेंसियां)। मेजबान उत्तर प्रदेश का रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप सी में शर्मनाक प्रदर्शन जारी रहा। टीम के बल्लेबाज दूसरी पारी में दमदार प्रदर्शन ने कर्नाटक के खिलाफ मुकाबला ड्रॉ करवाने में सफल रहे, लेकिन मेहमान टीम को पहली पारी में बढ़त के आधार पर तीन अंक हासिल करने से नहीं रोक सके। वहीं यूपी को एक अंक मिला।

अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में मेजबान टीम ने दूसरी पारी में सभी विकेट खोकर 446 रन बनाए। जवाब में 261 रन की जीत के लक्ष्य का पीछा करने उतरी कर्नाटक की टीम पांच विकेट खोकर 178 रन ही बना सकी और मुकाबला ड्रॉ हो गया। इस मुकाबले के साथ उत्तर प्रदेश की टीम छह अंक के साथ ग्रुप सी में शामिल आठ टीमों में सातवें

स्थान पर फिसल गई, जबकि कर्नाटक की टीम 12 अंक के साथ चौथे स्थान पर बनी हुई है।

इससे पहले उत्तर प्रदेश ने कल के पांच विकेट खोकर 325 रन से आगे खेलना शुरू किया। 402 रन पर टीम को छठा झटका लगा, जब सौरभ कुमार 54 रन की अर्धशतकीय पारी खेलकर श्रेयस गोपाल की गेंद पर पहली स्लिप पर स्मरण की द्वारा लपके गए। अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान उन्होंने 55 गेंदों का सामना करते हुए सात चौके जमाए। कुछ ही देर के बाद टिककर खेल रहे आदित्य शर्मा 41 रन के निजी योग पर गोपाल का चौथा शिकार बने। यूपी की पूरी टीम 134वें ओवर में 446 रन बनाकर आउट हो गई।

कर्नाटक की ओर से 122 रन देकर पांच बल्लेबाजों को पवेलियन की राह दिखाई, जबकि विद्याधर पाटिल और मोहसिन खान ने दो-दो विकेट झटके। जवाब में 261 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरे कर्नाटक के लिए निकिन जोस और कप्तान मयंक अग्रवाल ने ठोस शुरुआत करते हुए 77 रन जोड़े। मयंक अग्रवाल 37 रन बनाकर आकिब खान की गेंद पर सौरभ कुमार द्वारा लपके गए। 100 रन के योग पर निकिन जोस 48 रन बनाकर दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से रन आउट हो गए।

125 के योग तक पहुंचते हुए कर्नाटक ने पांच बल्लेबाज खो दिए। इस दौरान स्मरण (15), कृष्णन श्रीजिथ (7) और श्रेयस गोपाल (1) सस्ते में चलते बने। इसके बाद मनीष पांडेय ने अभिनव के साथ संभलकर बल्लेबाजी की और कोई विकेट नहीं गिरने दिया। पांडेय 78 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 36 और अभिनव मनोहर 73 गेंदों पर तीन चौके और दो छक्कों की मदद से 31 रन पर नाबाद रहे। यूपी की ओर से विप्रज निगम ने 65 रन देकर दो विकेट हासिल किए।

विंडीज का घर में सबसे बड़ा रन चेज

चौथे टी-20 में इंग्लैंड को 5 विकेट से हराया, लुईस और होप ने अर्धशतक जमाए

सेंट लूसिया, 17 नवंबर (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज ने अपने घरेलू मैदान पर टी-20 इंटरनेशनल का सबसे बड़ा स्कोर चेज किया है। टीम ने इंग्लैंड को चौथे टी-20 मुकाबले में 5 विकेट से हराया। हालांकि, मेजबान टीम 5 मैचों की सीरीज में 1-3 से पीछे चल रही है। आखिरी मुकाबला रविवार रात को खेला जाएगा।

सेंट लूसिया के ग्रोस आइलेट में विंडीज के कप्तान शाई होप ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बैटिंग करने उतरी इंग्लिश टीम ने फिल सॉल्ट (55 रन) और जैकब बिथेल (62 रन) की फिफ्टी के सहारे 218 रन बनाए। जवाब में वेस्टइंडीज के बैटर्स ने 219 रन का टारगेट 19 ओवर में 5 विकेट पर चेज कर दिया।

शाई होप प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए। उन्होंने 54 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। साथ ही इवेन लुईस के साथ 55 गेंद पर

136 रनों की ओपनिंग साझेदारी की।

निकोलस पूरन ने 102वां टी-20 इंटरनेशनल मैच खेला। वे वेस्टइंडीज के सबसे ज्यादा T20i खेलने वाले प्लेयर बने। पूरन ने कायरन पोलार्ड (101 मैच) को पीछे छोड़ा।

इस जीत के साथ वेस्टइंडीज ने 5 मैचों की टी-20 सीरीज में वापसी की है। हालांकि, टीम अब भी 1-3 से पिछड़ रही है। इससे पहले इंग्लैंड ने शुरुआती 3 मुकाबले जीतते हुए सीरीज में अजेय बढ़त बना ली है। आखिरी मुकाबले में भी विंडीज हार का अंतर कम कर सकेगी।

विंडीज ने पहली बार घर में 200+ का टारगेट चेज किया

वेस्टइंडीज की टीम ने अपने घरेलू मैदान पर पहली बार 200 रन से ज्यादा का टारगेट चेज किया है। इससे पहले 194 रन टीम का बेस्ट रन चेज था, जो विंडीज की टीम ने इंडिया के खिलाफ किंग्स्टन में 2017 में किया था।

टॉस हारकर बैटिंग कर रही इंग्लैंड के ओपनर फिल सॉल्ट ने विल जैक्स के साथ शानदार शुरुआत की। उन्होंने 35 बॉल पर 54 रन बनाए और जैक्स के साथ 54 रन की ओपनिंग साझेदारी की। इस साझेदारी को अल्जारी जोसेफ ने ब्रेक किया। उन्होंने विल जैक्स को विकेटकीपर पूरन के हाथों कैच कराया।

कप्तान जोस बटलर ने 38 रन का योगदान दिया। फिर जैकब बिथेल ने 32 बॉल पर 62 रन बनाए। उन्होंने सैम करन (24 रन) के साथ 30 बॉल पर 63 रन की पार्टनरशिप की। इस साझेदारी के दम पर टीम 218 रन का स्कोर बनाने में कामयाब रही।

219 रन का टारगेट चेज करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम ने मजबूत शुरुआत की। इवेन लुइस और शाई होप ने 136 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप करके टीम को तेज शुरुआत की। लेकिन, 10वां ओवर लेकर आए रेयान अहमद ने पहली बॉल पर लुईस को मुसली के हाथों कैच कराया। अगली ही बॉल पर शाई होप रन आउट हो गए। फिर ओवर की तीसरी बॉल पर रेयान अहमद ने निकोलस पूरन को बोल्ड कर दिया। अब दोनों ओपनर्स पवेलियन लौट चुके थे।

ऐसे में कप्तान रोवमन पॉवेल ने शिमोरन हेटमायर (7 रन) और शेरफेन रदरफोर्ड के साथ अहम साझेदारियां की। फिर रदरफोर्ड और रोस्टन चेज ने 15 बॉल पर 25 रन जोड़कर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया।

पॉवेल ने 23 बॉल में 38 रन बनाए, जबकि रदरफोर्ट ने 17 बॉल पर 29 रन की पारी खेली। इन दोनों से पहले लुईस ने 31 बॉल पर 68 और शाई होप ने 24 बॉल पर 54 रन बनाए। इंग्लैंड की ओर से रेयान अहमद ने 3 विकेट झटके।

दूसरे टी-20 में ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को हराया

13 रन से जीत दर्ज की, स्पेंसर जॉनसन को 5 विकेट; सीरीज में 2-0 से आगे

सिडनी, 17 नवंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को दूसरे टी-20 में 13 रन से हरा दिया। इसी के साथ टीम ने 3 मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त ले ली। सिडनी में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और 20 ओवर में 9 विकेट पर 147 रन बनाए। मैथ्यू शॉर्ट ने सबसे ज्यादा 32 रन बनाए। हारिस रऊफ को 4 विकेट मिले।

जवाब में पाकिस्तान की टीम 19.4 ओवर में 134 रन पर ऑलआउट हो गई। उस्मान खान ने 52 रन की पारी खेली। इरफान खान ने 37 रन बनाए। स्पेंसर जॉनसन के पांच विकेट के दम पर कंगारुओं ने यह मुकाबला अपने नाम किया। उन्हें शानदार गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। पहले मैच में पाकिस्तान को 29 रन से हार मिली थी।

फैक्ट- 4 विकेट लेने वाले हारिस रऊफ की ऑस्ट्रेलिया में कंगारू टीम के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल में बेस्ट गेंदबाजी रही।

ऑस्ट्रेलिया का पहला विकेट जैक फ्रेजर के रूप में गिरा जो 9 गेंदों पर 20 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान जोश इंग्लिश खाता भी नहीं खोल पाए और शून्य के स्कोर पर आउट हुए। इन दोनों को हारिस रऊफ ने आउट किया।

कंगारू टीम को तीसरा झटका अब्बास अफरीदी ने दिया और उन्होंने मैथ्यू शॉर्ट को 32 रन पर बोल्ड आउट कर दिया। मार्कस स्टोइनिस इस मैच में 14 रन बनाकर आउट हो गए। ग्लेन मैक्सवेल ने 21 रन की पारी खेली। उन्हें सुफियान मुकीम ने आउट कर दिया।

टिम डेविड को हारिस रऊफ ने 18 रन पर आउट कर दिया। जेवियर बार्टलेट 5 रन पर आउट हो गए। पाकिस्तान के लिए हारिस रऊफ ने 4 ओवर में 22 रन देकर 4 विकेट लिए जबकि अब्बास अफरीदी ने 4 ओवर में 17 रन देकर 3 विकेट लिए तो वहीं सुफियान मुकीम को दो सफलता मिली। पाकिस्तान के लिए इस मैच में रिजवान के साथ बाबर ओपन करने आए। लेकिन उनका खराब फॉर्म जारी रहा और वो 3 रन बनाकर आउट हो गए। साहिबजादा फरहान 5 रन के स्कोर पर आउट गए। कप्तान रिजवान 16 रन और आगा सलमान शून्य के स्कोर पर स्पेंसर जॉनसन के एक ही ओवर में आउट हुए। उस्मान खान ने 38 गेंदों पर 52 रन की शानदार पारी खेली। उन्होंने पारी में 4 चौके और 1 सिक्स लगाया। अब्बास अफरीदी 4 रन बनाकर आउट हुए। जंपा ने शाहीन अफरीदी और नसीम शाह को एक ही ओवर में शून्य के स्कोर पर आउट किया।

मूसी पुनरुद्धार परियोजना को रोकने की साजिश : महेश गौड़

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) दोनों पर तीखा हमला किया है और मूसी पुनरुद्धार परियोजना को बाधित करने की साजिश का आरोप लगाया है। रविवार को गांधी भवन में मीडिया से बात करते हुए टीपीसीसी अध्यक्ष ने दावा किया कि भाजपा तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी का मूसी नदी के किनारे का हालिया दौरा महज एक "फोटो खिंचवाने का अवसर" था। "किशन रेड्डी के वहां डेरा डालने से पहले, इलाके को रहने लायक बनाने के लिए मच्छर भगाने वाली दवाइयों और कीटनाशकों का इस्तेमाल किया गया था। अगर वे वाकई निवासियों की दुर्दशा को समझना चाहते हैं, तो उन्हें तीन महीने तक वहां रहने दें। हमारे मुख्यमंत्री ने किशन रेड्डी को यह चुनौती दी है और मैं उनके साथ शामिल होने के लिए तैयार हूं। उन्होंने कहा, "आइए हम तीन महीने तक मूसी नदी के पास एक साथ रहें और लोगों के स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों को प्रत्यक्ष रूप से देखें।" महेश कुमार गौड़ ने किशन रेड्डी पर बीआरएस के गिरते राजनीतिक भाग्य की रक्षा के लिए मूसी नदी के मुद्दे का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। टीपीसीसी अध्यक्ष ने आरोप लगाया, "जब भी बीआरएस की लोकप्रियता कम होती है, भाजपा नेता किशन रेड्डी उनके बचाव में आ जाते हैं। वे तेलंगाना के विकास में बाधा डालने के लिए मिलकर साजिश कर रहे हैं।" गुजरात के साबरमती रिवरफ्रंट से तुलना करते हुए उन्होंने सवाल किया, "साबरमती बनाम मूसी नदी के उपचार में पक्षपात क्यों है? हम मूसी निवासियों को डबल बेडरूम वाले घरों में पुनर्वासित करेंगे और उनके बच्चों को शिक्षा के अवसर प्रदान करेंगे।" टीपीसीसी अध्यक्ष ने भाजपा पर तेलंगाना की बढ़ती स्थिति से डरने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, भाजपा इस डर से ग्रसित है कि तेलंगाना विकास में गुजरात से आगे निकल सकता है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर रहा है और कांग्रेस के नेतृत्व में महत्वपूर्ण परिवर्तन की राह पर है। महेश कुमार गौड़ ने मूसी नदी की सफाई और पुनरुद्धार के लिए कांग्रेस की प्रतिबद्धता की पुष्टि की, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रभावित निवासियों के साथ कोई अन्याय न हो। उन्होंने आश्वासन दिया कि विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) की समीक्षा के बाद ही रिटेनिंग वॉल और अन्य बुनियादी ढांचे के बारे में निर्णय अंतिम रूप दिए जाएंगे।

केटीआर टाईकॉन केरल 2024 में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव को प्रतिष्ठित टाईकॉन केरल 2024 में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। द इंडस एंटरप्रेन्योर्स (टीआईई) द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम 4 और 5 दिसंबर, 2024 को कोच्चि के एक होटल में आयोजित किया जाएगा। राज्य के सबसे बड़े उद्यमी सम्मेलन टाईकॉन केरल के 13वें संस्करण में विभिन्न क्षेत्रों के सीईओ, स्टार्टअप संस्थापक, उद्योग विशेषज्ञ और विचारक सहित 1,000 से अधिक प्रतिभागी शामिल होंगे। इस वर्ष की थीम, "मिशन 2030 - केरल को बदलना" का उद्देश्य केरल के आर्थिक और उद्यमी परिदृश्य को ऊपर उठाने के लिए नवीन रणनीतियों और नेतृत्व दृष्टिकोणों की खोज करना है।

सरकार 108 सेवाओं को मजबूत कर रही है : राजा नरसिम्हा

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 108 आपातकालीन सेवाओं के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने बताया है कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में, राज्य सरकार तेलंगाना में स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ाने के लिए सक्रिय कदम उठा रही है।

जयशंकर भूपलपल्ली जिले में हाल ही में हुई एक घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए, जहां एक 108 एम्बुलेंस चालक ने कथित तौर पर दिल के दौरे के एक मरीज को बीच रास्ते में छोड़ दिया था। मंत्री ने 108 सेवाओं के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) खालिद को मामले की गहन जांच करने का निर्देश दिया। उन्होंने भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए उपायों को लागू करने के महत्व पर जोर दिया। मंत्री ने कहा, "आपातकालीन देखभाल प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली 108 एम्बुलेंस सेवा को महत्वपूर्ण परिस्थितियों के दौरान कुशल और समय पर प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए मजबूत किया जा रहा है।" राजा नरसिम्हा ने जोर देकर कहा कि 108 सेवा तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान करके और रोगियों को जल्द से जल्द निकटतम अस्पतालों में स्थानांतरित करके "जीवन बचाने के मिशन" के रूप में काम करती है।

उन्होंने कहा कि 108 आपातकालीन सेवा का उद्देश्य आदिवासी, ग्रामीण, शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों को प्रभावी ढंग से कवर करना है। उन्होंने कहा कि आपातकालीन कॉल प्राप्त होने पर, एम्बुलेंस कम से कम समय में घटनास्थल पर पहुंचने, प्राथमिक उपचार प्रदान करने और यह सुनिश्चित करने के लिए सुसज्जित हैं कि रोगी को निकटतम स्वास्थ्य सुविधा में उचित देखभाल मिले। दामोदर राजा नरसिम्हा ने 108 सेवाओं के लिए एक मजबूत भौगोलिक नेटवर्क स्थापित करने की योजना की भी घोषणा की। उन्होंने कहा, "इस पहल का उद्देश्य प्रतिक्रिया समय को अनुकूलित करना और तेलंगाना राज्य भर में जीवन रक्षक चिकित्सा सहायता को निर्बाध रूप से प्रदान करना है।"

मूसी मुद्दे पर सीएम अपना रवैया बदलें : किशन रेड्डी

केंद्रीय मंत्री का मूसी निद्रा कार्यक्रम संपन्न

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी का मूसी निद्रा (मूसी नदी रात्रि विश्राम) कार्यक्रम आज संपन्न हुआ। शनिवार रात को वे स्थानीय पार्टी नेताओं के साथ मूसी नदी जलग्रहण क्षेत्र में अंबोजी शंकरम्मा के घर पर रुके। सुबह उठने और सुबह की गतिविधियों को पूरा करने के बाद वे स्थानीय लोगों से मिले।

उन्होंने अंबरपेट विधानसभा क्षेत्र के तुलसी राम नगर में बस्ती निवासियों के घरों में नाश्ता किया। इस अवसर पर उन्होंने लोगों से कहा कि चाहे कितने भी बुलडोजर आ जाएं, भाजपा उनके साथ खड़ी रहेगी और कहा कि उनकी पार्टी गरीब लोगों के घरों की रखवाली करेगी। उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को चेतावनी दी कि वे कम से कम अब इस मुद्दे पर अपना रवैया बदलें। बस्ती निवासियों को आश्वासन देने के बाद किशन रेड्डी ने मूसी के जलग्रहण क्षेत्रों का दौरा किया। इस अवसर पर मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने राज्य की राजधानी के गरीब लोगों पर युद्ध की घोषणा की है और उनके घरों को ध्वस्त कर रही है। उन्होंने दावा किया कि सीएम ने घोषणा की थी कि वह गरीब लोगों और अवैध घरों को ध्वस्त करने में बाधा डालने वालों के घरों पर बुलडोजर चलाएंगे।

उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों के निवासियों में डर है और वे डर में जी रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह शंकरम्मा के निवास पर रात भर रुके थे। उन्होंने कहा कि शंकरम्मा के पति एक ऑटो-रिक्शा चालक थे और उनके चार बेटे उनके घर की चार मंजिलों में रह रहे है। उन्होंने कहा, "उन्होंने मुझे बताया कि वे पिछले 40 वर्षों से अपने घर में रह रहे हैं और उनसे पूछा जाता है कि अगर सीएम रेवंत रेड्डी द्वारा उनके घर को ध्वस्त कर दिया जाता है तो उन्हें कहां जाना चाहिए।

इस क्षेत्र के हर घर की कहानी शंकरम्मा मूसी नदी परियोजना जैसी ही है। रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार ने अभी तक राज्य के किसी भी स्थान पर गरीबों के घरों के निर्माण के लिए आधारशिला नहीं रखी है, लेकिन वह मूसी नदी के जलग्रहण क्षेत्र में गरीबों के घरों को कम कर रही है।

मामुनूर हवाई अड्डे की स्थापना मील का पत्थर : कोंडा सुरेखा

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वन, पर्यावरण और धर्मस्व मंत्री कोंडा सुरेखा ने सरकार द्वारा 205 करोड़ आवंटित कर जिओ जारी करने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि मामुनूर हवाई अड्डे की स्थापना उनके राजनीतिक शासनकाल में एक मील का पत्थर साबित होगी। वारंगल की एक संतान के रूप में, मंत्री सुरेखा ने कहा कि मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान, यह बहुत भावनात्मक था कि मामुनूर हवाई अड्डे, जो वारंगल के लोगों की दीर्घकालिक इच्छा थी, को मोक्ष प्रदान किया गया। इस मौके पर मंत्री सुरेखा ने सीएम रेवंत रेड्डी का आभार व्यक्त किया जिन्होंने मामुनूर हवाई अड्डे की स्थापना के लिए अथक प्रयास किया।

इसके अलावा, बरसात के मौसम में काकतीय मेगा टेक्सटाइल पार्क में बाढ़ को रोकने के लिए आवश्यक कार्य करने के उद्देश्य से मंत्री सुरेखा ने सरकार द्वारा 160.92 करोड़ जारी करने के लिए सीएम रेवंत रेड्डी को धन्यवाद दिया। मंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने काकतीय मेगा टेक्सटाइल पार्क के लिए भूमि अधिग्रहण में अपनी जमीन खोने वाले निवासियों को 863 इंदिरम्मा घर देकर एक बार फिर लोक कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। मंत्री सुरेखा ने कहा कि काकतीय मेगा टेक्सटाइल पार्क (जो वर्षों से लंबित था) ने कांग्रेस सरकार के गठन के पहले वर्ष में अतिक्रमणकारियों के मुद्दे को हल किया और हाथों की सरकार साबित हुई। मंत्री सुरेखा ने स्पष्ट किया कि यह कांग्रेस पीपुल्स सरकार द्वारा लोक कल्याण और राज्य के विकास की दिशा में किए गए कार्यों की शुरूआत है और कांग्रेस पीपुल्स सरकार आने वाले समय में कल्याण के स्वर्ण युग की शुरूआत की दिशा में प्रभावी गतिविधियों को लागू करने जा रही है।

महिलाओं को सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित : सीतक्का

वारंगल, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायत राज और ग्रामीण विकास मंत्री सीतक्का ने कहा कि 19 नवंबर को हनमकोंडा कला एवं विज्ञान महाविद्यालय में बहुप्रतीक्षित 'विजयोत्सव सभा' में महिलाओं को सशक्त बनाने और नवीन कल्याणकारी योजनाओं की शुरुआत करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। सीतक्का ने अपनी कैबिनेट सहयोगी कोंडा सुरेखा के साथ रविवार को हनमकोंडा कला एवं विज्ञान महाविद्यालय का दौरा किया और बैठक की तैयारियों की समीक्षा की। इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए मंत्री सीतक्का ने एक करोड़ महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उन्हें उद्यमी बनाने के राज्य सरकार के महत्वाकांक्षी लक्ष्य पर जोर दिया।

विधायक ने बस्ती निद्रा कार्यक्रम के लिए भाजपा नेताओं की आलोचना की

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एलबी नगर विधायक सुधीर रेड्डी ने प्रतिद्वंद्वी भाजपा नेताओं के बस्ती निद्रा कार्यक्रम की आलोचना की है। उन्होंने सत्तारूढ़ कांग्रेस और भाजपा पर मूसी नदी परियोजना पर नाटक करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मुद्दे पर कांग्रेस और भाजपा के बीच एक दोषपूर्ण समझौता हुआ था। उन्होंने दावा किया कि दोनों दलों ने अपनी बीआरएस पार्टी पर अंकुश लगाने की साजिश रची थी और कहा कि इसके तहत पूर्व सीएम और बीआरएस पार्टी के अध्यक्ष केसीआर के परिवार को निशाना बनाया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि बीआरएस पार्टी मूसी नदी परियोजना के खिलाफ नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि वे मूसी नदी परियोजना के नाम पर गरीबों के घरों को ध्वस्त करने को स्वीकार नहीं करेंगे।

लागाचेरला आदिवासी आयोग में शिकायत दर्ज कराने दिल्ली पहुंचे

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयोग से संपर्क करने के एक दिन बाद, लागाचेरला के आदिवासी किसानों के परिवार के सदस्य, जिनके खिलाफ विकाराबाद कलेक्टर प्रतीक जैन पर कथित रूप से हमला करने के लिए मामले दर्ज किए गए थे, राष्ट्रीय एससी/एसटी आयोग के पास शिकायत दर्ज कराने के लिए रविवार को नई दिल्ली पहुंचे। वे राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) से भी संपर्क कर सकते हैं और अपने परिवार के सदस्यों पर शारीरिक हमले के लिए राज्य पुलिस विभाग और कांग्रेस सरकार के खिलाफ शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

12 नवंबर को विकाराबाद जिला प्रशासन ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के कोडंगल निर्वाचन क्षेत्र के लागाचेरला गांव में फार्मा गांव स्थापित करने के लिए भूमि अधिग्रहण हेतु एक जन सुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया था। हालांकि, किसान और ग्रामीण, जो प्रस्तावित फार्मा गांव के लिए अपनी जमीन देने के खिलाफ थे, ने सुनवाई का बहिष्कार किया। कांग्रेस सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने के अलावा किसानों और ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर और अन्य अधिकारियों पर हमला किया। इस घटना के सिलसिले में कम से कम 25 लोगों को गिरफ्तार किया गया। हालांकि, आदिवासी किसानों और उनके परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया है कि पुलिसकर्मी आधी रात को उनके घरों में घुस आए और उनके साथ मारपीट की। उन्होंने कहा कि यहां तक कि महिलाओं को भी नहीं बख्शा गया। शनिवार को किसानों ने यह मामला एससी/एसटी आयोग के अध्यक्ष बी वेंकटैया के संज्ञान में लाया। चेयरमैन ने किसानों को आश्वासन दिया कि वे शीघ्र ही उन गांवों का दौरा करेंगे जहां पुलिस ज्यादती हुई है और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे।

स्वयं सहायता समूहों को सशक्त करेगा तेलंगाना

1 मेगावाट का सौर संयंत्र करेगा आवंटित

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के प्रयास में, राज्य सरकार ने राज्य में प्रत्येक एसएचजी को 1 मेगावाट क्षमता के 4,000 सौर संयंत्र आवंटित करने का निर्णय लिया है। अधिकारियों के अनुसार, इन सौर संयंत्रों की स्थापना के लिए राज्य सरकार भूमि और ऋण सुविधा उपलब्ध कराएगी। 1 मेगावाट के सौर संयंत्र की स्थापना की लागत लगभग 3 करोड़ रुपये होगी और कुल लागत का 10 प्रतिशत स्वयं सहायता समूहों को वहन करना होगा और शेष 90 प्रतिशत बैंक ऋण के माध्यम से व्यवस्थित किया जाएगा।

सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना के लिए उपयुक्त भूमि की पहचान की जाएगी और पात्र महिला समूहों और महासंघों को पट्टे पर दिया जाएगा। सरकार प्रत्येक संयंत्र को चार एकड़ में स्थापित करने की योजना बना रही है। ऊर्जा विभाग से मंजूरी मिलने के एक सप्ताह के भीतर प्लांट लगाने का काम पूरा हो जाएगा। इन प्लांट से उत्पादित एक मेगावाट सौर ऊर्जा से स्वयं सहायता समूहों को प्रति वर्ष 30 लाख रुपये की आय होने का अनुमान है।

सरकार ने ऊर्जा और पंचायत राज विभाग के अधिकारियों को परियोजना के लिए भूमि की पहचान करने और स्वयं सहायता समूहों के लिए बैंक ऋण की व्यवस्था करने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। अधिकारी परियोजना के लिए ऋण की व्यवस्था करने के लिए बैंकरों के साथ भी बैठक करेंगे। अधिकारियों का मानना है कि चूंकि अधिकांश स्वयं सहायता समूहों का ऋण चुकाने का रिकॉर्ड अच्छा है, इसलिए परियोजना के लिए ऋण मिलने में कोई समस्या नहीं होगी।

मां परीक्षा दे रही थी और पिता बच्चे को लेकर परीक्षा केंद्र के बाहर

करीमनगर की तस्वीर वायरल

करीमनगर, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अपनी गोद में बच्चे को लेकर बैठे और अपनी पत्नी की ग्रुप-3 की परीक्षा समाप्त होने का इतजार कर रहे एक व्यक्ति की तस्वीर ने रविवार को कई लोगों के दिलों को छू लिया। रविवार को स्थानीय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और ग्रुपों में वायरल हुई तस्वीर में शंकर नाम का एक व्यक्ति अपने 10 महीने के बेटे की देखभाल कर रहा है, जबकि उसकी पत्नी स्वप्ना यहां सिद्धार्थ हाई स्कूल में परीक्षा दे रही थी। पेशे से अकाउंटेंट शंकर अपने बेटे को हाथ में लिए परीक्षा केंद्र के पास एक दुकान के सामने सीमेंट की बेंच पर बैठे हुए फोटो खिंचवाते हुए नजर आए। फोटो पर प्रतिक्रिया देते हुए, नेटिज़ेंस ने टिप्पणी की कि यह एक उत्कृष्ट उदाहरण है कि कैसे पति महिला सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

सीपी ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा सीपी सुधीर बाबू ने समूह-3 परीक्षा केंद्रों का दौरा किया। इस मौके पर रचाकोंडा आयुक्त सुधीर बाबू ने कहा कि रचाकोंडा आयुक्तालय के अंतर्गत समूह-3 परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। उन्होंने रामंतपुर आईटीआई कॉलेज और रामंतपुर मेगा कॉलेज का दौरा कर व्यवस्था का निरीक्षण किया।

ईओ ने टीटीडी बोर्ड के पदेन सदस्य के रूप में शपथ ली

तिरुमला, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ईओ जे. श्यामला राव ने रविवार को तिरुमाला श्रीवारी मंदिर में टीटीडी बोर्ड के पदेन सदस्य के रूप में शपथ ली।अतिरिक्त ईओ चौ. वेंकैया चौधरी ने तिरुमाला मंदिर में पीठासीन देवता के समक्ष बंगारू वकीली में उन्हें शपथ दिलाई। ईओ द्वारा श्रीवरु के दर्शन करने के बाद, वैदिक विद्वानों ने रंगनायकुला मंडपम में वेदसर्वचनम प्रस्तुत किया। बाद में, अतिरिक्त ईओ ने श्रीवारी तीर्थ प्रसादम और श्रीवरु की एक लेमिनेटेड तस्वीर भेंट की। इस अवसर पर मंदिर के सामने मीडिया से बात करते हुए ईओ ने कहा कि बोर्ड के पदेन सदस्य के रूप में शपथ लेना श्रीवरु द्वारा दिया गया एक पवित्र अवसर है। उन्होंने इस बहुप्रतीक्षित अवसर को प्रदान करने के लिए आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री नारा चंद्रबाबू नायडू को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि पिछले पांच महीनों में टीटीडी में कई अच्छे कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। उन्होंने कहा कि आम भक्तों को सुविधाएं प्रदान करने, अन्ना प्रसादम और लड्डू प्रसादम की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष का ब्रह्मोत्सव श्रीवरु के आशीर्वाद से बड़ी भव्यता के साथ आयोजित किया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि तिरुमाला में बिचौलियों के खतरे को नियंत्रित करने के लिए कदम उठाए गए हैं। बाद में ईओ ने बताया कि भविष्य में भी टीटीडी बोर्ड द्वारा और अच्छे कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे। उप ईओ लोकनाथम, भास्कर, मंदिर पेशकार रामकृष्ण और अन्य ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.